



(3  
22-10-83)

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३८] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर १७, १९८३ (भाद्रपद २६, १९०५)  
No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 17, 1983 (BHADRA 26, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड १

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, निपटन कार्यालयों, रेलवे विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक २४ अगस्त १९८३

सं० २/२३/८२-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक अधिकारी श्री एस० आर० जैन को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में प्रति-नियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परिषिक के पद पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१० द० अ० -३५-८८०-४०-१०००- द० अ०-४०-१२०० के वेतनमान तथा रु० ७५ प्रतिमास विशेष वेतन पर दिनांक १ अगस्त, १९८३ पूर्वाह्न से, अगले आदेश तक, नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होदा

अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

#### गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सू० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक २६ अगस्त १९८३

सं० ए/१९०३६/८/८३-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षण, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री आई० डी० वैद्य पुलिस निरीक्षक जम्मू एवं कश्मीर

१-246GT/83

पुलिस को दिनांक १ जुलाई, १९८३ से दिनांक १२ अगस्त, १९८३ (अपराह्न) तक की अवधि के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए/१९०३६/९/८३-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षण, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री एस० एन० नाल, पुलिस निरीक्षक, विहार राज्य पुलिस को दिनांक १९ अगस्त, १९८३ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उपाधीकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल  
प्रशासनिक अधिकारी, (स्थापना)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक १८ अगस्त १९८३

सं० ओ० दो० १७७६/८३ स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० ओ० ग्रेड-II) डा० अमरेन्द्र नारायण साही १९वीं बाहिनी सी० आर० पी० एफ०

(16581)

को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नौटिस की समाप्ति पर दिनांक 24 जुलाई 1983 अपराह्न से कार्य मुक्त कर दिया है।

दिल्लीक 24 अगस्त 1983

सं० पी० मान- 2/82-स्थापना—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित महायक कमांडेन्टों को डॉक्टर के पद पर अरथयी रूप में अग्रले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति वरते हैं।

2 दून अधिकारियों ने 'उनके नाम के आगे लिखे थुनिट में दर्शायी गई तरिख से अपना कार्यभार मंभाल लिया है :-

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	जित्युनिट में पदस्थि किये गये सभाजने की तारीख	कार्यभार
1	2	3	4
1.	श्री आर० जगदीश चन्द्ररत्न	8 वाहिनो	15-6-83
2.	श्री एस० सी० कुकरेजा	महानिदेशालिय	9-5-83
3.	श्री एस० एस० मुलतानी	48 वाहिनी	13-5-83 (अपराह्न)
4.	श्री नरद ना।	33 वाहिनी	20-5-83 (अपराह्न)
5.	श्री एम० एम० शर्मा	18 वाहिनी	11-5-83 (अपराह्न)

दिनांक 25 अगस्त 1983

स० ओ० दो० 1784/83-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ विकित्या अधिकारी (जि० डी० ओ० प्रेड-11) डा० मनोज कान्ती मनडल, युप सेन्टर सी० आर० पी० डीमापुर को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा निय बली) 1965 के नियम 5 (1) के अनुसार एक माह के तोटिस की समाप्ति पर दिनांक 28 जुनाई 1983 अपराह्न [से कार्य मक्त कर दिया है।

ए० के० सूरी  
महायक निरेशक स्थापना

महानिदेशक द्वा कार्यपालिय

## केन्द्रीय श्रौद्धोगिक संरक्षा बल

नई दिल्ली-110003 विनांक, 22 अगस्त 1983

सं०ई०-16013 2/14/82-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर  
नियुक्ति होने पर, श्री० य० के० बंसल, भा० पु०  
से० (उ० प्र० 74) ने 7 जुलाई 1983 के पूर्वाल्प से के० औ०  
मु० बु० पूर्णिष्ठ, द्वार्गुर एवं लाट, द्वार्गुर के ५५२५८८  
पश्चका कार्यमार संमाल लिया ।

मं० ई०/16013(2)/14/82-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री मुनील छाणा, भा० प० म० (उ० प्रदेश 1973) ने 25 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से कमांडेट के० औ० मु० ब० यूनिट, बोकारो स्टील प्लाट, बोकारो, के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ,  
महानिदेशक

## भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के विभिन्न महालेखापरीक्षक का कार्यालय  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 अगस्त 1983

सं० वा० ने० १५९-६९-कार्यालय सदस्य  
लेखा परीक्षा बोर्ड ग्रंथं पद्धेति निर्देशक, वाणिज्यिक सेवा परीक्षा  
बंगलौर में कार्यस्थ श्री वी० एन० गोविन्दास्थामी, लेखापरीक्षा  
अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवार्षिक आयु प्राप्त करने पर  
३१-७-८३ आराह्त में सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त हो गये।

एम० ए० मोमेश्वर राव  
संयक्त निदेशक (वाणिज्यः)

कार्यविय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्रालियर, दिनांक १९ अगस्त १९८३

मं० प्रशासन-पक्ष/ल० अ० प्रभो०/194—महालेखाकार,  
मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारी को  
स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान ₹० 840—  
40—1000—द० रो०—40—1200 में उनके नाम के आगे  
दर्शाएँ कार्यभार ग्रहण करते के दिनांक से आगामी आदेश  
होने तक पदोन्नति पिया है :—

क्रमांक	नाम	स्थाई क्रमांक	कार्यभार प्रहृण करने का दिनांक
1.	श्री मदेन्द्रनाथ	02/302	10-8-83 (पुर्वाह्नि)

(प्राधिकार ——महालेखाकार प्रथम के आदेश दिनांक  
३-८-१९४३)।

मं० प्रशापन-एक/राज० पदोपति/195—इस कार्यालय की सम अधिमुखना क्रमांक 372 दिनांक 22-11-82 के अनु-अग्रण में महानेष्वाकार मध्य प्रदेश ने सर्वे निम्नांगित स्थाई अनुपाग अधिकारियों को स्थानापन लेखा अधिकारी के रूप में, बैतनमान १० 840-40-1000-८० अ०-४०-१२०० के अन्तर्गत, अन्य कोई आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शाएँ दिनांक से प्रोफार्मा पदोपति की है, उनके निकटतम कर्तनिष्ठ मर्यादी पन० छी० शकला तथा जी० एल० श्रीवास्तव

इन्होंने दिनांकों से लेखा अधिकारी पद पर इस कार्यालय में पदोन्नत हुए थे।

क्रमांक	नाम	स्थाई सं०	दिनांक जबसे पदोन्नत
1. श्री ए० पी० मवार		०२/२८३	१३-११-८२ (पूर्वाह्न)
2. श्री पी० एस० श्रोवास्तव		०२/२९४	१-६-८३ (पूर्वाह्न)

(प्राधिकार :— महालेखाकार प्रथम के आदेश दिनांक १-८-१९८३)।

बी० क० राय  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार (द्वितीय) मध्य प्रदेश  
ग्वालियर, दिनांक 24 अगस्त 1983

सं० प्रशासन-२/ग्रुप-१/एस० एम० डी०/३७५—श्री एस० एम० देव, स्थानापत्र लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक), कार्यालय महालेखाकार (द्वितीय) मध्य प्रदेश ग्वालियर, अपनी अधिवाधिकी आयु प्राप्त करते पर दिनांक 31 जुलाई, 1983 अपराह्न से केन्द्र शाखा को सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

ह०/- अपठनीय  
उप महालेखाकार प्रशासन

कार्यालय निदेशक, लेखा-परीक्षा डाक-तार

दिल्ली-110054, दिनांक 25 अगस्त 1983

सं० प्रशासन-II/216/23(ए०) (२)—डाक-तार लेखा परीक्षा संगठन के निम्नानिवित लेखा परीक्षा अधिकारी सेवा-निवृत्ति पर उनके सामने निवित डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों में, दी गई तिथियों से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

क्रम सं० अधिकारी का नाम डाक-तार शाखा मेवा-निवृत्ति  
लेखा परीक्षा की तिथि  
कार्यालय जहाँ से  
सेवा-निवृत्त हुए

1	2	3	4
सर्वेश्वी			
1. हरकिशोर गुप्ता	दिल्ली	३०-६-८३ (अपराह्न)	
2. बुध सिंह	दिल्ली	३०-६-८३ (अपराह्न)	

1	2	3	4
सर्वेश्वी			
3. आर० वीरबद्रन	त्रिवेन्द्रम	३०-६-८३ (अपराह्न)	
4. एस० आर० कण्डन	मद्रास	३०-६-८३ (अपराह्न)	
5. नित्य गोपाल दास	भण्डार निर्माण तार जांच, कलकत्ता	३१-७-८३ (अपराह्न)	

तिं० ग० श्रीनिवासन,  
संयुक्त निदेशक  
(मुख्यालय)

#### वार्णिय मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1983

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० ६/५२२/५८-प्रशासन (राजपत्रित)/५५५९—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई के श्री एन० बी० प्रधान, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 31 जुलाई, 1983 अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्ति होने को स्वीकृति दी गई है।

एम० एल० भारीबा  
उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात  
कूते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 29 अगस्त 1983

सं० ४६(१५२)/६८-प्रणा०-१—राष्ट्रपति, श्रीमती एस० जे० बख्ती की विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय में स्वायत्त की हैसियत से 21 दिसम्बर, 1976 से निदेशक (शिल्प संग्रहालय) के पद पर नियुक्ति करते हैं।

शिरोमणि शर्मा  
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन अन्तर्गत-६)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 अगस्त 1983

सं० ए०-17011/225/83-प्र०-६—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, मद्रास निरीक्षण मंडल के अधीन महाय निरीक्षण अधिकारी (अभियानिकी) को यम्बटूर के कार्यालय

में भंडार परीक्षक (अभियांत्रिकी) श्री ए० के० कुट्टान को बृहवी निरीक्षणालय के अग्रीन बड़ौदा उप कार्यालय में दिनांक 25-7-83 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश दिए जाने तक पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर स्वानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० एल० कपूर  
उप निदेशक (प्रशासन)  
हत्थे महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1983

सं० प्र०-1/1(81)---पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में अस्थाई निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड 1) श्री के० के० नाग जो वाणिज्य मंत्रालय के अस्त्र विभाग में संचाय आयुक्त (जूट) के रूप में प्रतिनिवृक्षित पर थे निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-7-83 के अपराह्न से मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एस० बालाभुमणियन  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 अगस्त 1983

सं० 7289बी/ए-19012(3-के० सी० एम०)/83-19बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री के० सी० शर्मा को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन में, जैसा मामला हो, अस्थाधी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 15-7-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7301 बी/ए-19012(3-जे०बी०जी०)/83-19बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री जग बन्धु धोप को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाधी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11-7-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 24 अगस्त 1983

सं० 7333 बी/ए-19012(3-आर०बी०)/83-19बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्रीमती रेणु

बाला को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाधी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 29-7-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7345-बी/ए-19012(3-जी० डी० य०)/83-19बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री डी० डी० उप्रेती को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन में, जैसा मामला हो, अस्थाधी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 21-7-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 25 अगस्त 1983

सं० 7363 बी/ए-19012(3-जी० एन०)/83-19 बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री गजानन्द, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) भारतीय, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाधी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7-7-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7374 बी/ए-19012(3-एस० एस० पी०)/83-19बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री एस० एस० पनवार को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाधी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 22-7-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7385बी/ए-19012(3-एस० डब्ल्यू०)/83-19बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्रीमती सरिता बन्धु धोप को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन में, जैसा मामला हो, अस्थाधी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11-7-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7396 बी/ए-19012(3-ए० के०)/83-19बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री अश्वनी कुमार को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-40

1200 रु के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 22-7-83 के पूर्वाह्नि से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 26 अगस्त 1983

सं० 7413 बी/ए-19012(3-एस० एन० जी०)/  
83-19 बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री एस० एन० गिर्हे को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 1-7-83 के पूर्वाह्नि से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7424 बी/ए-19012(3-एस० एफ० ए०)/  
83-19 बी—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री एस० एफ० अहमद को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30-6-83 के पूर्वाह्नि से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी,  
निदेशक (कार्मिक)  
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

वेहराहून, दिनांक 22 अगस्त 1983

सं० सी०-5992/707—नीचे लिखे अधिकारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (युप. “बी”) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से पूर्णतया तदर्थ अनंतिम आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं :—

क्रमांक	नाम तथा पदनाम	यूनिट/ कार्यालय	तारीख
1	2	3	4
सर्वेक्षी			
1. डी० बी० कामी, ड्राफ्ट्समैन डिविजन-1, सिलेक्शन ग्रेड	सं० 74 पार्टी (द० पू० संकिल.) राची।	15-6-83	(अपराह्नि)
2. ए० चन्द्रकेशन, ड्राफ्ट्समैन डिविजन-1 सिलेक्शन ग्रेड	सं० 4 आरेखण कार्यालय, (वक्षिण संकिल.) बंगलौर।	22-6-83	(पूर्वाह्नि)

1	2	3	4
सर्वेक्षी			
3. पोलस कुजुर, सर्वेक्षण ग्रेड	सं० 48 (फोटो) (पार्टी) (मध्य संकिल.) जबलपुर।	29-6-83	(पूर्वाह्नि)
4. हरमन मिज, सर्वेक्षण ग्रेड	सं० 11 पार्टी (द० पू० संकिल.) रांची।	30-6-83	(पूर्वाह्नि)
5. टी० टी० जार्ज, सर्वेक्षक, सिलेक्शन ग्रेड	सं० 41 पार्टी (दक्षिणी संकिल.), पालवाट।	29-6-83	(पूर्वाह्नि)
6. एस० एस० पंजा, सर्वेक्षक, सिलेक्शन ग्रेड	सं० 76 (फोटो), पार्टी (द० पू० स०), भुवनेश्वर।	29-6-83	(पूर्वाह्नि)
7. एस० एस० नंदी सर्वेक्षक सिलेक्शन ग्रेड।	सं० 89 (फोटो), पार्टी (मध्य संकिल.), भोपाल।	29-6-83	(पूर्वाह्नि)
8. मिहिरेष भट्टाचार्जी, सर्वेक्षक, सिलेक्शन ग्रेड	सं० 11 आरेखण कार्यालय (द० पू० संकिल.), भुवनेश्वर।	29-6-83	(पूर्वाह्नि)
9. मुखराम सिंह, सर्वेक्षक सिलेक्शन ग्रेड	सं० 91 पार्टी (उत्तरी संकिल.), लखनऊ।	29-6-83	(पूर्वाह्नि)
10. सेवा सिंह, सर्वेक्षक सिलेक्शन ग्रेड	सं० 89 (फोटो), पार्टी (मध्य संकिल.), भोपाल।	28-6-83	(पूर्वाह्नि)
11. डी० एस० चौहान, सर्वेक्षक, सिलेक्शन ग्रेड	सं० 9 पार्टी (पूर्वोत्तर संकिल.) शिलांग।	29-6-83	(पूर्वाह्नि)
12. ए० एस० चौहान, सर्वेक्षक, सिलेक्शन ग्रेड	सं० 46 पार्टी (मध्य संकिल.), जबलपुर।	29-6-83	(पूर्वाह्नि)
13. एम० सी० सोनोवाल, सर्वेक्षक सिलेक्शन ग्रेड	सं० 5 पार्टी (पूर्वोत्तर संकिल.), शिलांग।	30-6-83	(पूर्वाह्नि)

जी० सी० अग्रवाल  
मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1983  
सं० 4/3/83-एस० 2—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्-द्वारा श्री नकी सिंह शर्मा, हिन्दू अनुवादक, सूचना और

प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली को 1-8-83 (पूर्वाह्न) दे आकाशवाणी, पटना में तदर्थ रूप में प्रतिनियुक्ति पर 650-30-740-35-810-३० रो०-35-880-40-1000-३० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

रुक्मिणीदास गुप्ता  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1983

सं० ६(105)/६३-एस०-I—श्री पी० एन० राय,  
कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रशासन सेवा, आकाशवाणी,  
पटना सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर 30-६-८३  
(अपराह्न) से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं।

हरीश चन्द्र जयल,  
प्रशासन उप निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1983

सं० ए०-१२०२६/१/८२-डी० भी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्री एस० बनर्जी को 1 जुलाई, 1983 से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में जूनियर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त कर दिया है।

रमेश चन्द्र  
उप निदेशक (प्रशासन) (ई० एण्ड जी०)  
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1983

सं० ए०-१२०२५/२६/८०-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० एस० के० सूरी को 23 मई, 1983 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में जूनियर स्टाक सर्जन (दल्त चिकित्सा) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० ए०-१२०२५/२१/८१-प्रशासन-१ (भाग-२)—राष्ट्रपति ने श्री आर० चन्द्रशेखर को 23 जुलाई, 1983 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय डिजाइन ब्यूरो, नई दिल्ली में वास्तुविद आर्किटेक्ट के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 26 अगस्त 1983

सं० ए०-१२०२५/२१/८१/प्रशासन-१ (एच० कृ०)---राष्ट्रपति ने श्री सुब्रोती मजुमदार को 30 जुलाई, 1983 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, के केन्द्रीय डिजाइन ब्यूरो में वास्तुविद के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

रमेश चन्द्र  
उप निदेशक (प्रशासन)  
(ओ० एण्ड एम०)

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1983

सं० ए०-१९०१८/६/८३—के० सं० स्वा० यो०-१—  
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने हकीम बादूल हसन को ७ अगस्त, 1983 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा योजना, दिल्ली में यूनानी फिजीशियन के पद पर तदर्याधार पर नियुक्त कर दिया है।

टी० एस० राव,  
उप निदेशक (प्रशासन) (के० स० स्वा० यो०)

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1983

सं० ए०-१२०२५/२०/७९-ए० आई० भी० डी०/  
प्रशासन-१/पी० एच० (सी० डी० एण्ड एन०)---राष्ट्रपति ने डा० बी० के० तिब्बरी को 16 मई, 1983 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (जीव-एस०र विज्ञा) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

बी० के० जाना,  
उप निदेशक (प्रशासन) (पी० एच०)

भासा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 14 जुलाई 1983

सं० पी० ए० /७६(१)/८३-आर०-III/२८७३—  
नियंत्रक, भासा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री परशुराम महादेव पवार, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखाकार को सहायक लेखाधिकारी के पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में 1 जुलाई, 1983 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए० /७६(१)/८३-आर०-III/२८७४—  
नियंत्रक, भासा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री देवशस मंगाराम दंड्हाणी, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखाकार का मानव रुप ने ब्राह्मि तारो पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में 1 जुलाई, 1983 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए० /७६(१)/८३-आर०-III/२८७५ : नियंत्रक, भासा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री अनुसुन्दर जार्ज जोर्ज, स्थायी विरिच आशुलिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखाकार को महायक सेखाधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में 1 जुलाई, 1983 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

म० द० गाडगिल,  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग  
क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 22 अगस्त 1983

सं० डी० पी० एस०/41/8/83-प्रशा०/26903—  
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक भंडार अधिकारी श्री बी० श्रीपत राव की छट्टी मजूर किए जाने पर स्थाई कनिष्ठ भंडारी तथा स्थानापन्न भंडारी श्री बी० श्रीधरन को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तारीख 23-5-1983 (पूर्वाह्न) से 24-6-1983 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 23 अगस्त, 1983

सं० डी० पी० एस०/2/1(II)/83-प्रशा०/2709—  
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी श्री अनन्त लुणाजी नकाशे को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तारीख 2-6-83 (पूर्वाह्न) से 30-9-83 (अपराह्न) तक के लिए या अगले आदेश होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोगालन,  
प्रशासनिक अधिकारी

तरीका परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्द शहर, दिनांक 24 अगस्त 1983

सं० न० प० वि० प० /प्रशा०/भर्ती/11(6)/83/एस०/  
9147—स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न चयन श्रेणी लिपिक श्री ओम प्रकाश की, अधिसूचना स० न० प० वि० प०/प्रशा०/26(1)/83/एस०/7221 दिनांक जुलाई 18, 1983 द्वारा तदर्थ आधार पर इस परियोजना में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति अगस्त, 12 1983 के अपराह्न में समाप्त की गई।

आर० कें० बाली,  
प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 अगस्त 1983

सं० प० ख० प्र०-1/52/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री कें० किशन को परमाणु खनिज प्रभाग में 10 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थाई

रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड “एस० बी०” नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाड़ग,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय

बंगलौर-560009, दिनांक 16 अगस्त 1983

सं० मुख्या० प्रशा० : 12.25—इसरो परिषद के सदस्य सचिव, शार केन्द्र, श्री हरिकोटा के लेखा सहायक ‘ख’ श्री एन० बी० एस० शास्त्री को अन्तरिक्ष विभाग के इसरो मुख्यालय, बंगलौर में रु० 650-30-740-35-880-द०रो० 40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 30 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एम० पी० आर० पाणिकर  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर-560058, दिनांक 22 अगस्त 1983

सं० ०२०/१(३)/८३-स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के समने दिए गए पदों पर एवं लागू होने की तिथियों के पूर्वाह्न से अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बैंगलूर पूर्णतः अस्थाई एवं अनन्तिम आधार पर अन्य आदेशों की प्राप्ति न होने तक पदोन्तति प्रदान करते हुए हर्व का अनुभव करते हैं।

क्रम सं०	नाम	पद	दिनांक
	श्री/श्रीमती/कु०		
1.	टी० परमेश्वरन	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	6-1-83
2.	रवि बैंकटेश जोशी	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	3-5-83
3.	एच० श्रीनिवास	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	3-6-83

सं० ०२०/१/(३)/८३-स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के समने दिए गए पदों पर एवं लागू होने की तिथियों के पूर्वाह्न से अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र बैंगलूर पूर्णतः अस्थाई

एवं अनन्तिम आधार पर अन्य आदेशों की प्राप्ति न होने तक पदोन्नति प्रदान करते हुए हर्ष का अनुभव करते हैं।

क्र० सं०	नाम	पद	दिनांक
<b>श्री/श्रीमती/कुमारी</b>			
1. के० एन० एन० नमबूदीरी	सहायक प्रशासन अधिकारी	7-10-82	
2. एम० एन० तीरुवेंगू	सहायक लेखा अधिकारी	7-10-82	
3. बी० पी० रामचन्द्र कर्ता	सहायक भंडार अधिकारी	16-11-82	
4. डी० एन० वरदराज	सहायक भंडार अधिकारी	18-2-83	
5. एम० सी० रेखीरो	सहायक प्रशासन अधिकारी	10-2-83	
6. एम० एम० अरिफ्कूला	सहायक प्रशासन अधिकारी	1-3-83	

सं० ०२०/१(३)/८३—स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, श्री एस० के० चक्रबोर्टी को दिनांक १-४-१९८३ के पूर्वाह्न से अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बैंगलूर में वैज्ञानिक/अभियंता—एस० बी० के पद पर पूर्णतया अस्थाई एवं अनन्तिम आधार पर अन्य आदेश मिलने तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ०२०/१(३)/८३—स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं लागू होने की तिथियों के पूर्वाह्न से अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बैंगलूर पूर्णतः अस्थाई एवं अनन्तिम आधार पर अन्य आदेशों की प्राप्ति न होने तक पदोन्नति प्रदान करते हुए हर्ष का अनुभव करते हैं।

क्र०	नाम	पद	दिनांक
सं० १	२	३	४
<b>सर्वश्री/श्रीमती/कु०</b>			
1. कृष्ण नारायण	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	24-3-83	
2. एस० हिरियण	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	24-3-83	
3. एस० रविन्द्रन	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	24-3-83	
4. पी० एस० बालसुब्र— मण्णन	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	05-4-83	

1	2	3	4
5. प्रकाश रशीनकर	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	05-5-83	
6. के० आर० हेमन्त कुमार	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	23-5-83	
7. एम० एस० तहसीन अदीब	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	27-5-83	
8. एम० प्रभाकर कौशिक	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	09-6-83	
9. के० चन्द्रशेखरन	वैज्ञानिक/ अभियंता— एस० बी०	10-6-83	

एच० एस० रामदास,  
प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1983

सं० ए०-१९०११/४०/८०/८०-१—निवार्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० के० रामचन्द्रन, निदेशक विमान थोत, पालम, दिनांक ३०-४-१९८३ (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निष्पृत हो गए हैं।

दिनांक 26 अगस्त, 1983

सं० ए०-३२०१३/५/८३-८०-१—राष्ट्रपति ने श्री वाई० पी० बाबा, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी को ५ अप्रैल, १९८३ से ६ मास की अवधि के लिए (५-४-१९८३ से ४-१०-१९८३) या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, उपनिदेशक (अनुसंधान और विकास) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

ओ० पी० अद्यवाल  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय  
देहरादून, दिनांक 23 अगस्त 1983

सं० १६/४०५/८३—स्थापना—I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री राम कंवर अजरावता को दिनांक १ जून, १९८३ की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राज्य वन सेवा विद्यालय, देहरादून में शारीरिक प्रशिक्षण तथा श्रीड़ा शिक्षक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० एस० ग्रोवर,  
उप कुल सचिव  
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय  
भीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क  
नई दिल्ली, दिनांक 24 अगस्त 1983.

सं० 25/83 (सी० 1041/7/83)—श्री पी० सुन्दरराजू  
ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मद्रास में  
सहायक समाहर्ता के रूप में तैनात थे, वित्त मंत्रालय राजस्व  
विभाग के दिनांक 26-4-1983 के अदेश सं० 73/83  
फा० सं० ए०-22012/23/83-प्रणा-2 द्वारा निरीक्षण  
एवं लेखा परीक्षा निवेशालय, भीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन  
शुल्क, मद्रास के दक्षिणी प्रादेशिक यूनिट में स्थानान्तरित  
हो जाने पर दिनांक 8-8-1983 के (पूर्वाह्न) से सहायक  
निदेशक (सतर्कता) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ब० च० रस्तोगी,  
निरीक्षण निवेशक

#### निर्माण महानिवेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग  
नई दिल्ली, दिनांक 24 अगस्त 1983

सं० 27 ई०ई०/क०(10)/75-ई० सी० 02—दिल्ली विकास  
प्राधिकरण नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर गए केन्द्रीय लोक  
निर्माण विभाग के कार्यालयक इंजीनियर (विद्युत) श्री डी० क०  
कपूर, वार्दिकवय की आयु (58) वर्ष प्राप्त कर लेने पर  
31 मार्च, 1983 को दोषहर बाद से सेवा निवृत्त हो गए  
हैं।

श्रीमती नीता गर्ग,  
प्रशासन उप निवेशक

#### विष्णु, स्वायत तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विष्णु बोर्ड  
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रतन चिट फंड  
एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
जालधर, दिनांक 25 अगस्त 1983

सं० जी०/स्टेट/560/2635/13790—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में  
एतद्वारा सूचना दी जाती कि है कि रतन चिट फंड फाइनेंस  
प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया  
है और उक्त कम्पनी विवरित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हस्तोरेंस  
प्रेम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
जालधर, दिनांक 25 अगस्त, 1983

सं० जी०/स्टेट/560/1144/3792—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में  
2—246GI/83

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इन्सोरेंस प्रेस प्राइवेट लि०  
का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त  
कम्पनी विवरित हो गई है।

ब० ए० जैन,  
कम्पनीयों के रजिस्ट्रार,  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं छत्तीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रास इलेक्ट्रानिक्स  
एण्ड कैमिकल्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड  
के विषय में

मद्रास, दिनांक 26 अगस्त 1983

सं० डी० ए०/5834/560/76—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में  
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास  
के अवधान पर मद्रास इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कैमिकल इंडस्ट्रीज  
प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्गित न  
किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी  
विवरित कर दी जाएगी।

ई० स०  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,  
तमिलनाडू

#### कार्यालय : आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 20 अगस्त 1983

#### आयकर विभाग

सं० 111—श्री मुरारी लाल बाला, आयकर निरीक्षण,  
लखनऊ प्रभार की आयकर अधिकारी (वर्ग 'ब्र') के पद पर<sup>1</sup>  
अफिसिएट करने के लिए रुपए 650-30-740-30-810-  
द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के  
वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत पर उन्होंने  
6-8-83 के पूर्वाह्न में अतिरिक्त सहायक निदेशक प्रशिक्षण  
मस्थान, लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 112—श्री मंजीव कुमार जोशी, आयकर निरीक्षक,  
लखनऊ प्रभार की आयकर अधिकारी (वर्ग 'ब्र') के पद पर<sup>1</sup>  
अफिसिएट करने के लिए रुपए 650-30-740-30-810-  
द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के  
वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत पर उन्होंने  
दिनांक 4-8-1983 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी ग्राम-  
बरेली में रूप में कार्यभार संभाला।

धरनी धर,  
आयकर आयुक्त, लखनऊ

प्रलूप आई. टी. एन. एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, पूना  
 पूना, विनांक 29 जलाई 1983

निदेश सं० मी० ए० 5/938/एस० आर०मावल/83-  
 84—यतः मझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० विलेज तुगारली, फाइनल प्लाट नं० 139,  
 टी० पी० स्कीम नं० 1, आर० एस० नं० 113, हिस्सा  
 नं० 1/बी-2, आर० एस० नं० 11, हिस्सा नं० 1ए तालुक  
 मावल है तथा जो जिला पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
 अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
 कारी के कार्यालय, दुर्यम निबंधक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,  
 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
 कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या ग्रन्थ आस्तिय  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1921  
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,  
 धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27  
 के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
 में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री एम० के० मेहता, 185 प्रभाकुंज  
 भायन (बेस्ट), बम्बई-22 ।
  - 2. श्री आर० डी० मखिजा
  - 3. श्री जी० आर० मखिजा
  - 5. श्री बी० आर० मखिजा
  - 28, तुलसीवाडी तारदेव रोड, बम्बई-34 ।
- (अन्तरक)

- (2) 1. श्री बी० के० मीरचन्दानी,  
 2. श्री गुल के० मिरचन्दानी, साई निवास,  
 रोड नं० 9,  
 जूह स्कीम, बम्बई-49 ।
- (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूष  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

### अनुसूची

विलेज तुगारली, लोणवला, फाइनल प्लाट नं० 139,  
 टी० पी० स्कीम नं० 1, आर० एस० नं० 113, हिस्सा  
 नं० 1/बी-2 और आर० एस० नं० 113 हिस्सा नं० 1ए  
 तालुका मावल, जिला पूना ।

क्षेत्र 1234.80 स्के० मीटर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेज कम 1608 तारीख  
 दिसम्बर, 1982 को दुर्यम निबंधक, मावल के दफ्तर में  
 लिखा है ।

शशिकांत कुलकर्णी  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, पूना

तारीख : 29-7-1983

मोहर :

प्रारूप भाइ० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/939/एस० आर० मावल/83-  
84—अतः मुझे, शिकायत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० तुंगारली गांव, लोणावला, म्युनिं कौसिल,  
प्लाट नं० ५, फाइनल प्लाट नं० १३८, टी० पी० स्कीम  
नं० १ तालुका मावल है तथा जो जिला पूना में स्थित है (और  
इससे उपाबड अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुष्यम निवंधक, मावल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का १६) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री एम० कि० मेहता,  
185, प्रभाकुंज सायन (वेस्ट) बम्बई-२२।
- 2. श्री आर० डी० मखिजा
- 3. श्री जी० आर० मखिजा
- 4. श्री बी० आर० मखिजा
- 5. श्री बी० आर० मखिजा  
नं० २ से ५ तक  
28, तुलसी वाडी, तारवेल रोड,  
बम्बई-३४।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री आर० जी० मीरचन्दानी,
- 2. मिसेस शालिनी बी० मीरचन्दानी,  
साई निवास, ९ बी० रोड,  
जुहु स्कीम, बम्बई-४९।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूल्यांकन के राजपत्र में प्रकाशन को लारोख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किए अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

विलेज तुंगारली, प्लाट नं० ५, फाइनल प्लाट नं० १३८,  
टी० पी० स्कीम नं० १, आर० एस० नं० ११३, हिस्सा  
नं० १/बी-२ और ११३/१ ए, तालुका मावल, जिला पूना।

क्षेत्र १०१० स्कै० मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेज क्रम १६०९ तारीख दिसम्बर,  
1982 को दुष्यम निवंधक, मावल के दफ्तर में लिखा है।)

शिकायत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : २९-७-१९८३

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

- (1) 1. श्री शंकर पांडुरंग भालेकर,  
2. श्री नाना पांडुरंग भालेकर,  
रा० मावल, जिला पूना ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 अगस्त 1983

निवेदन सं० सी० ए० 5/943/एस० आर० मावल/  
83-84—यतः मुझे, शशिकांत कुनकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके गवाहात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह उत्पादक करन या  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजे धामणे, गट नं० 357, नालुका मावल  
है स्थान जो जिला पूना में स्थित है (और इसमें उपावढ  
अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, दुर्घम निर्विधक, मावल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतर्न, तारीख  
दिसम्बर, 1982

को पूर्खोंका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह निश्चास  
करने का जारण है कि यथापर्वत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तर्नारती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने या उसपे वचने में संक्षिप्त  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्नारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, दिपाने में संविधा  
के लिए।

अत एवं उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचाग (1)  
के नाम, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (2) श्री कुलदीप सिंह नन्दा,  
रा० काला तालुका मावल,  
जिला पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवृत्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
नियित में विद्या जा सके।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### महाराष्ट्री

मौजे धामणे गट नं० 357, नालुका मावल, जिला  
पूना ।

स्केन 03 हेक्टेयर 58 आर० ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीशन विलेख क्रम 1384, तारीख  
24-12-82 को दुर्घम निर्विधक, मावल के दफ्तर में  
लिखा है ।)

शशिकांत कुनकर्णी  
लक्ष्म प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-8-1983

गोदान :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/944/एस० आर० मावल/  
83-84—यतः मुझे, शिक्षिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० मौजे धामणे गट नं० 356 तालुका मावल  
है तथा जो जिला पूना में स्थित है (और इससे उपावड्ढ  
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय दुर्यम निर्बंधक मावल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्ते यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पास्त्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)  
गे धारीत, निम्नलिखित नामितयों, भारा :—

- (1) 1. श्री कोडिना बाला सुतार (भालेकर)  
2. श्री अशोक कोडिना सुतार (भालेकर)  
3. श्री सवाराम बाला सुतार (भालेकर)  
धामणे तालुका मावल  
जिला पूना ।

(अन्तरक)

- (2) श्री कुलदीप सिंह नन्दा.  
कालां तालुका मावल  
जिला पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यबाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-  
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

माँजे धामणे गट नं० 356, थोल 3 हेक्टेयर 95 आर०  
तालुका मावल, जिला पूना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम सं० 1383, तारीख  
24 दिसम्बर, 1982 को दुर्यम निर्बंधक, मावल के दफ्तर  
में लिखा है ।)

शिक्षिकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 28-7-1983

मार्ग :  
—

## प्रकल्प नाइटी एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश मं० सी० ए० 5/945/एस० आर० अहमदनगर/  
83-84—यह भुजे, शिक्षाकाल कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'चक्र अधिनियम' कहा जाता है), की धारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 169/2, सावेदी है तथा जो  
जिला अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दुष्यम निवधक, अहमदनगर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और भुजे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरांतरी  
(अंतरांतरीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यक्रम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण म हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कं  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक द्वारा प्रकट नहीं किया  
रखा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, है; उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1),  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मसर्स पूजा इन्वेस्टमेंट्स,  
भारतीय :  
श्री के० डी० रेणावीकर,  
गंज बाजार,  
अहमदनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश मिश्रीलाल गुग्ले,  
वेयरमैन :  
मनोरथ को० आपरेटिव हाउसिंग  
सोसाइटी लिमिटेड,  
3355, रिप्रेस्ट लैन, अहमदनगर।

(अन्तरित)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास  
निलिपि में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
रखा है।

अनुसूची

प्लाट सर्वे न० 169/2 सावेदी, जिला अहमदनगर  
फाइनल प्लाट न० 105, सब प्लाट न० 2।

(जैसे कि रजिस्ट्रीज़ित विलेख क्रम 3789, तारीख  
दिसम्बर, 1982 को दुष्यम दिवंधक, अहमदनगर के दफ्तर  
में लिखा है।)

शिक्षकांत कुलकर्णी  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

— तारीख : 10-8-1983

गोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्म परमार कन्स्ट्रक्शन,  
321/3, न्यू टिंबर भार्केट गोड,  
पूना-2।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० सी० ए० ५/३७ ई०/२१३/१९८३-८४--

यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 224 के० पी० टावर, प्लॉट नं०  
4, हिस्सा नं० 6, रुम मं० 17-ए, वानवडी, पूणे-13 है  
(क्षेत्र 720 स्केंड फीट) तथा जो पूना-13 में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, सं० 465 तारीख दिसम्बर, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
निम्नित में वास्तविक रूप कीथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भद्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्यापारा प्रकट नहीं किया  
जाया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—

(2) श्री प्रकाश काशीराम मोटवानी,  
776, भवानी पेठ,  
पूना-2।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में दरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 224, के० पी० टावर II, प्लॉट नं० 4,  
हिस्सा नं० 6, सं० नं० 17-ए, वानवडी, पूना-13।

क्षेत्र 720 स्केंड फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीशन विलेख नं० 465, तारीख दिसम्बर,  
1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,  
पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 22-7-1983

माहूर :

प्रसूप आई. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1983

निदेश मं० सी० ए० 5/941/एस० आर० मावल/83-  
84—यह: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 83/2, तुंगारली, लोणावला  
तालुका मावल है तथा जो जिला पूना में स्थित है (और  
इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्घम निवंधक, मावल में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसंबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वान्न-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक के  
दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

जहाँ जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती दगडावाई कोंडीबा बालगुडे
- 2. श्रीमती गंधा बाई दनामय बालगुडे
- 3. श्री राजू दत्तामय बालगुडे
- 4. श्री नरेन्द्र दत्तामय बालगुडे
- 5. रजनी द० बालगुडे
- 6. श्री दीपक द० बालगुडे

तुंगारली, लोणावला ।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स सुधीर मांडके आणि कं० 1132/2 अंतर्कार भवन,  
शिवाजी नगर,  
पूना-16

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सिए  
कार्यकालित्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त दृश्यमान सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आर० एस० नं० 83/2, तुंगारली लोणावला, तालुका  
मावल, जिला पूना है 0.74 आर० ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीक्षण विलेख क्रम 2018 तारीख  
20-12-82 को दुर्घम निवंधक मावल के दफ्तर में लिखा  
है ।)

शशिकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 29-7-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाहूँ. टो. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 जुलाई 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/224/83-84—यतः  
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, तीसरा माला, रिवर ब्लू  
अपार्टमेंट्स, सं० नं० 103, हिस्सा नं० 125, प्लाट नं० 125,  
सब प्लाट नं० 1 सी० ई० नं० 1973, ऐरवड़ा, नगर रोड,  
पूना-6 क्षेत्र 848 स्कै० फीट (कारोट) 998 स्कै० फीट  
(बील्ट अप) है तथा जो पूना-6 में स्थित है (और इसमें  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, नं० 907 तारीख 27 जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) पांसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्तरण  
में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
3—246GI/83

(1) श्री सबरी प.पामिया, काशी,  
सिरत नगर,  
गोलीबांग ढकड़ी,  
शोलापुर-2।

(अन्तरक)

(2) श्री परशराम खेमचन्द मलकानी,  
श्रीमती रत्ना परशराम मलकानी  
मार्फत एन० जी० अडवानी,  
गुरु प्रसाद को० आपरेटिव  
हाउसिंग सोसाइटी,  
24, बेड गार्डेन रोड,  
पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 12, तीसरा माला।

रिवर ब्लू अपार्टमेंट्स, सर्वे नं० 103, हिस्सा नं० 125,  
प्लाट नं० 125 सब प्लाट नं० 1 सिटी एस० 1973  
ऐरवड़ा, नगर रोड, पूना-6।

क्षेत्र बिल्टअप एरिया 998 स्कै० फीट।

(कारपेट एरिया 848 स्कै० फीट।)

जैसे कि रजिस्ट्रीक्यून नं० 907 तारीख 27-6-1983  
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के  
दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-7-1983

माहूर :

श्रेष्ठ आर्द्ध, टी. एन., एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 4 अगस्त 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37ई०/225/83-84—यह:  
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 2, 1452 सी, कस्बा पेठ, पुना  
11 (क्षेत्र 555 स्के० फीट) है तथा जो पुना में स्थित है.  
(और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, न० 205 तारीख 21 अप्रैल, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अधिक नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य जास्तियों  
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेंज :—

(1) श्री अजित सिंह हनुमान सिंह,  
1452-बी, कस्बा पेठ,  
पुना-11 ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनुभाई पोपटलाल मनडालिया,  
श्री रमणिक लाल पोपट लाल मनडालिया,  
966, रविवार पेठ,  
पुना-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
निकृष्ट किसी कल्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्पष्टोक्तलग्नः**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ हुएगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुभाई

प्लैट नं० 2, 1452 सी, कस्बा पेठ, पुना-11 ।

(क्षेत्र 555 स्के० फीट) ।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 205/1983-84 तारीख  
21-4-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है ।

शशिकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 4-8-1983

मोहर :

प्रलेप आर्ट.टी.एन.एस. -----

(1) श्री प्रबोध गुल्मे आणि एसोसिएट्स,  
13/176, लोकमान्य नगर,  
पूना-30।

(अन्तर )

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ई०/223/83-84—यतः  
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, दूसरा माला, प्लाट नं० 55,  
उत्तापूकर कालोनी, कोथरुड, पूना-29 है तथा जो पूना-29  
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 25 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ह ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तर्रिती (अन्तर्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से की थी कि या गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
वायित्व में की फरने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ५—

(2) श्री जी० एस० कारखांनीस,  
ई-16, महाराष्ट्र इलेक्ट्रीसिटी  
बोर्ड कालोनी, पुनिवसिटी रोड,  
अमोक नगर के पास,  
पूना-3।

(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 5, दूसरा माला, प्लाट नं० 55, उत्तापूकर  
कौलोनी, कोथरुड पूना-29।  
क्षेत्र 640 स्कें फीट।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 389/1983-84 को तारीख  
24-5-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 28-7-1983

मोहर :

मुक्त आई. टी. एन. एस. —————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 अगस्त 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई०/223/83-84—अतः  
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, पहला माला, प्रियनवंदा  
अपार्टमेंट्स, रु० नं० 93, एफ० पी० नं० 15, टी० पी०  
स्कीम नं० सी० रु० नं० 19, एरंडवणा, पूना (क्षेत्र  
775 स्कै० फीट) है तथा जो पूना में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 887  
ता० 6 जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की रही है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अत्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) मैसर्स एम० बी० चितले और रा० क० एन्गल,  
माफेत हिन्दुस्तान बिल्डर्स,  
264/1, शनवार पेठ,  
पूना-30।

(अंतरक)

(2) श्रीमती निमला वसन्त विश्वे  
और वसन्त लक्ष्मण विश्वे,  
2-1-408/2/1,  
यूनिवर्सिटी रोड,  
नाला खंटा,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में दृक्काल्पन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंग-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रदर्शन :**—इसमें प्रदर्शन शब्द! और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मनुसूची

फ्लैट नं० 8, पहला माला, प्रियनवंदा अपार्टमेंट्स, रु०  
नं० 93, एफ० पी० नं० 15, टी० पी० स्कीम नं० 1,  
सी० रु नं० 19, एरंडवणा पूना।

क्षेत्र 775 स्कै० फीट।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 887 तारीख 6-6-1983  
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना  
के दफतर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आदौः टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती डॉ० आर० खटवानी,  
503 चेतना अपार्टमेंट्स,  
चौथा माला, हैंडे स्ट्रीट,  
पुना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंपाबाई एन० दोशी और  
सुचना बी० दोशी,  
816/8, भवानी पेठ,  
पुना-2 ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 28 जुलाई 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ई०/222/83-84—यतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, पहला माला, सी० रु० नं०  
815/816/10, प्लाट नं० 7, भवानी पेठ, पुना-2 है तथा  
जो पुना में स्थित है (और इसमें उपायद्र अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, नं० 380 तारीख 17 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० हूँडै किसी बाब को बाबल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दबे के अन्तरक के  
दायित्व में कमी बारने या उत्तरे अन्तरण में मूल्यांकन  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य सामग्रियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
फ्रान्सकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
ये प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया  
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाहेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर यांच्चरा  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकते;

**स्पष्टोकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा  
गया है।

### प्रमुख

फ्लैट नं० 3, पहला माला, सी० रु० नं० 815/816/  
10, प्लाट नं० 7, भवानी पेठ, पुना-2 ।

जैसे कि रजिस्ट्रीकर नं० 380/83-84 तारीख  
17-5-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है ।

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 28-7-1983

मोहर :

प्रलूप आई. टी. एन. प्लाट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं० बल्लभगढ़/247/82-83—यतः मुझे,  
आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
और जिसकी सं० भूमि 3111 व० ग० (5क 3 म)  
इमारत के साथ है तथा जो मुजेसर (बल्लभगढ़ में स्थित है  
(और इससे उपायद्रूष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन,  
तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्णैकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पंदरह  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित  
में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आद की बाबत उक्त अधिनियम के अन्तरक के बीच कर हने के अन्तरक के बायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती इवाए प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः आद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स गोदावरी बालम एजूकेशनल ट्रस्ट,  
1-सी/17, बंगलो प्लाट,  
न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद  
द्वारा श्री एन० बालसुन्दरम पुज  
श्री नारायण स्वामी अध्यर ट्रस्ट,

(अन्तरक)

(2) मैसर्स चन्दा इन्टरप्राइजेस,  
मुजेसर (बल्लभगढ़) द्वारा  
श्री हरवन्स लाल चन्दा, पार्टनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णैकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णैकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधारोहस्ताशरी के पास लिखित  
में लिए जा सकेंगे।

**स्थानोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 3111 व० ग० (5 क 3 म) इमारत के  
साथ मुजेसर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री सं० 10111 दिनांक  
20-12-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 10-8-1983

मोहर ६

प्रस्तुत आइ० टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(1) मैसर्स गोवारी बालम एजूकेशनल ट्रस्ट,  
1-सी/17, बंगलो ग्लाट,  
न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद  
द्वारा श्री एन० बालासुन्दरम पुत्र  
श्री नारायण स्वामी अथर ट्रस्टी।

(अन्तरक)

(2) मै० चन्दा इन्टरप्राइसेस, गांव मुजे सर,  
तहसील बल्लभगढ़ ,  
जिला फरीदाबाद द्वारा  
श्री हरबंस लाल घन्या, पार्टेनर।

(अतिरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं० बल्लभगढ़/263/82-83—यतः मुझे, आर०  
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1377 वर्ग गज इमारत के साथ  
है तथा जो मुजे सर, तह० बल्लभगढ़ में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य संकलन प्रकल्प में वापरिक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अन्तरक के  
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित इवाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण,  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अंत एवं व्यक्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिया गया हो तो उसे अन्तरित किया जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा और उस अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 1377 वर्ग गज इमारत के साथ मुजे सर  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री सं० 11533 दिनांक 24-1-83 पर  
दिया है :

आर० के० भयाना,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, महायक आयकर वायुक्ति (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक  
रोहतक, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं. अम्बाला/129/82-83—अतः मुझे, आरो  
के भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 65 थेन 53/ बग गज है  
तथा जो प्रीत नगर, अम्बाला कैण्ट में स्थित है (और इसमें  
उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अंतर्गतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
व्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
हृहृ जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में धर्मांग  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री ब्रह्मदत बाली पुत्र श्री अमर नाथ,  
निवासी मकान नं. 65,  
प्रीत नगर, अम्बाला कैण्ट ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री सत्यपाल बेदी पुत्र कर्नल हरीशस बेदी,  
पुत्र श्री सत्यपाल राम बेदी,  
निवासी मकान नं. 25,  
प्रीत नगर, अम्बाला कैण्ट ।  
2. श्रीमती राज बेदी पत्नी  
श्री सत्यपाल बेदी,  
मकान नं. 25,  
प्रीत नगर,  
अम्बाला कैण्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर हरे रक्षावर सम्पत्ति में हितदद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित के पास  
लिए गए में दिए जा सकें।

**साष्टोकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

संपत्ति मकान नं. 65 प्रीत नगर, अम्बाला कैण्ट में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्री सं. 5220 दिनांक  
2-12-82 पर दिया है।

आरो के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप् आइ०टी॒.एन॒.एस॑.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

**शास्त्रीय संदर्भकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अगस्त 1983

निम्नेत्र सं० बल्लभगढ़/253/82-83—अतः मुझे,  
आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी विलिंग है तथा जो 11/7,  
एम० स्टोन, मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें  
उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर,  
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इव्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इव्यमान प्रतिफल से, ऐसे इव्यमान प्रतिफल का  
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निषिद्ध में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किनी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या इसके अधीनियम, 1957  
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ बनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्यिता  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के दस्तावेज  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित वार्तालाई, अर्थात् :—

4—246GI/83

(1) मै० टू डे एण्ड ट्रूमारो प्रिटर्स एवं  
पब्लिशर्स, 24-बी/5,  
देश बन्धु गुप्ता रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० सामन्ता प्रा० लि०,  
एन० 146,  
पंचशील पार्क,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**मनुसूची**

संपत्ति फैक्टरी विलिंग 11/7, माझल स्टोन, मथुरा रोड,  
फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री सं० 10506, दिनांक  
28-12-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-8-1983

माहूर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० कलकत्ता/भिवानी/1/82-83—अतः मुझे,  
आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 403, (क्षेत्र 7326 वर्ग फीट  
एकम् बना हुआ भाग 4850 वर्ग फीट) है तथा जो लाहोरी  
बाला रोड, नया बाजार, भिवानी में स्थित है (और इसमें  
उपांवड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरथमान प्रतिफल से, ऐसे रथमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरारात्रियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रांत-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोविन्द राम भिवानी वाला,  
132, कौटन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-7 ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री गोविन्द राम, गोरी शंकर,  
132, कौटन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-7 ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कहे भी जाश्वेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में बिहे जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचित  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

संपन्न प्लाट नं० 403 लाहोरी वाला रोड, नया बाजार,  
भिवानी (क्षेत्र 7326 वर्ग फीट एकम् बना हुआ भाग  
4850 वर्ग गज) में स्थित है जिसका अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री सं० 10542  
दिनांक 7-12-82 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 11-8-1983

मोहर :

प्रलेप प्रा० ८०टी० एन० एस० ——————

प्राप्त २८ अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की भारा  
२६९-ग(१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 अगस्त 1983

निवेश सं० बल्लभगढ़/२५०/८२-८३—अतः मुझे, आर०  
के० भयाना

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २६९-ग के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० फैक्टरी शेड, आफिस ब्लाक एवं सेवक के क्वार्टर भूमि सहित क्षेत्र १४ कनाल १५ मरले हैं तथा जा० शाड॒ मरी॒ में स्थित हैं (और इसने उत्तरावद्ध अन्तर्गती॑ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख दिसम्बर, १९८२

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दूर्घात प्रतिफल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) ग्रन्तरण न हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी बत या ग्रन्त अधिनियमों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग की उपधारा (१) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

- (१) मैं० लक्मी इंजीनियरिंग वर्क्स,  
१०६, गिरीश घोष रोड, बेलूरमठ, हावड़ा ।
  १. श्री दुर्गादत्त अग्रवाल पुत्र सूरज मल, निवासी हावड़ा ।
  २. श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री दुर्गा वत्त अग्रवाल, निवासी कलकत्ता ।
  ३. श्री भजन लाल अग्रवाल पुत्र सूरज मल अग्रवाल, निवासी कलकत्ता ।
  ४. श्री मानिक चन्द अग्रवाल पुत्र श्री दुर्गा दत्त अग्रवाल, निवासी कलकत्ता ।
- द्वारा श्री आर० के० अग्रवाल पुत्र श्री दुर्गादत्त, निवासी कलकत्ता ।

(अन्तरक)

- (२) मै० एस्कोर्ट ट्रैक्टर्स लिमिटेड,  
सेक्टर १३, प्लाट नं० २,  
फरीदाबाद द्वारा  
श्री राजन नन्दा पुत्र एच० पी० नन्दा,  
निवासी २, फैण्डस कालोनी,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अध्यय अधिकारी द्वारा, अधोदसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

संपत्ति भूमि १४ कनाल १५ मरले बिल्डिंग के साथ ज्ञाइ सेतली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री सं० १०२७१ दिनांक २३-१२-१९८२ पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : ३-८-१९८३

मांहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 अगस्त 1983

निदेश सं. सोनीपति/131/82-83—अतः मुझे, आरो  
के ० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 17 कनाल कमरों व चार दीवारी  
सहित है तथा जो गांव रसोई में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितिदों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाथा  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिल्यों  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
आया आहिये था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पद्मेन गुप्ता पुत्र  
श्री राम कुमार गुप्ता,  
मकान नं. ० ए-६५/४,  
जी० टी० करनाल रोड,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री भूषण जैन पुत्र शांति दास जैन,  
पुत्र श्री सोहन लाल।

2. श्री मनोहर लाल जैन पुत्र  
श्री हर भगवान शाह पुत्र  
दुनीचन्द।

3. श्रीमती गोभना जैन पत्नी श्री चन्द्र मोहन  
जैन पुत्र श्री मनोहर लाल।  
निवासी मकान नं. २/४९,  
रूप नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
प्रतिवाद देना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की लापील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**लिखीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्राचे का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

संपत्ति भूमि 17 कनाल (10285 वर्ग गज) कमरे  
व चार दीवारी के साथ, रसोई गांव में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भिवानी  
में, रजिस्ट्री सं. 3042 दिनांक 27-12-82 पर दिया है।

आरो के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 3-8-1983

मोहर :

प्रूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 अगस्त 1983

निवेश सं० पलवल/12/82-83—अतः मुझे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 8 मरले हैं तथा जो गांव पूर्थला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पलवल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

(1) श्री राधे लाल पुत्र श्री भूले पुत्र श्री राम करन, गांव पूर्थला, तहसील पलवल, जिला करीबाद।

(2) मै० कनक इंजीनियर प्रा० लि०, 302, हरीश भवन, 64-65, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्बन्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाये में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु फिसी आन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

संपत्ति भूमि 15 कनाल 8 मरले (9317 वर्ग गज) पूर्थला गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पलवल में रजिस्ट्री सं० 3693 दिनांक 31-12-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 2-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप माई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं० डबवाली/4/82-83—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2231/2 है तथा जो मण्डी  
डबवाली में स्थित है (और इसके उपावद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
डबवाली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुख्तयार सिंह पुत्र  
श्री प्रीतम सिंह,  
चोटाला रोड,  
मण्डी डबवाली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगरूप सिंह  
मार्फत : मैसर्स गिल एप्रीकल्चर वर्क्स,  
मण्डी डबवाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जनूसूची

सम्पत्ति दुकान मण्डी डबवाली में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, डबवाली में, रजिस्ट्री  
सं० दिनांक 27-12-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 10-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुप आहू. टो. एन. एस.-----

(1) श्रीमती कुण्डा देवी पल्ली

श्री सुरेण अन्द पुत्र श्री राम करन,  
निवासी काठ मण्डी,  
रोहतक ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(1) श्री सुभाषचन्द्र ठाकुर दत्त  
पुत्रान श्री दुर्गादित्त,  
निवासी काठ मण्डी,  
रोहतक ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० गोहतक/138/82-83—अतः मुझे, आर०  
के० भयानाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट 665 वर्ग गज इमारत के साथ है  
तथा जो काठ मण्डी, रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर,  
1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया या प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानकर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
विद्या गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 665 वर्ग गज इमारत के साथ  
काठ मण्डी, रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री सं० 4954  
दिनांक 13-12-1982 पर दिया है ।आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज रोहतक

तारीख : 12-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस. ---

बाक्सकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 अगस्त 1983

निवेश सं० रोहतक/142/82-83—अतः मुझे, आर०  
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि उपायकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इष्ट से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान का आधा (पश्चिम) भाग क्षेत्र  
250 वर्ग गज है तथा जो झज्जर रोड, रोहतक में स्थित  
है (और इसरे उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि प्रथमपूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्  
प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरहों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विवित में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से दुई किसी आय की धारत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कारदे के अन्तरक के वार्षिक में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुवेदार प्रस्तुत सिंह  
दत्तक पुत्र श्री रघुनाथ,  
मकान नं० 367, बाड़ 32,  
काठ मण्डी,  
झज्जर रोड,  
रोहतक ।

(अन्तरक)

(2) डा० उमा सिंह पत्नी  
डा० अनंदवीर सिंह,  
पुत्र ठाकुर विक्रम सिंह,  
निवासी 17/9 जे०,  
मेडिकल कालेज,  
रोहतक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अद्याधि-  
कार समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
सम्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान का आधा पश्चिमी भाग क्षेत्र 250  
वर्ग गज झज्जर, रोड रोहतक में स्थित है जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्री सं०  
5448 दिनांक 4-12-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 5-8-1983

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० जगाधरी/177/82-83—अतः मुझे,  
आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० भूमि 2 कनाल है तथा जो जगाधरी में  
स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुभूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसी की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

(1) श्रीमती सुमन देवी पुत्री राम गोपाल,  
श्रीमती गजंवन्ती विधवा राम गोपाल,  
श्री हर गोपाल पुत्र  
श्री दुर्गा प्रसाद,  
गली प्रेस बाली,  
जगाधरी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री हरी किशन पुत्र देवी प्रसाद  
2. श्री मंगल सेन पुत्र श्री बालराम  
मार्फत मै० मंगला इन्डस्ट्रीज, जगाधरी।  
3. श्री दुर्गा प्रसाद पुत्र श्री नन्द लाल,  
निवासी भूषण प्रेस,  
जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्त्त होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2 कनाल जगाधरी में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री  
सं० 5456 दिनांक 1-12-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 12-8-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुप आहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अगस्त 1983

निदेश सं० हिसार/315/82-83—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 24 कनाल है तथा जो माझे में  
स्थित है (और इससे उपावढ़ अन्सूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व  
प्रत्याखिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहूं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने वा  
स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णत :—

(1) सर्वेश्वी रामकल पुत्र ज्ञानी राम पुत्र  
नाहना राम मुख्तायारे आम :  
श्रीमती जानदे विधवा व बलबान  
ईश्वर पुत्रान व श्रीमती फूली, सांति,  
खजानी, बहतेरी, मुखदेवी, मुखी, शीला,  
संतोष पुत्रीयान निहाला पुत्र नन्दू,  
निवासी माईयड़, तहसील व जिला हिमार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला देवी पत्नी  
श्री सत्य नारायण पुत्र श्री भोलूराम,  
निवासी गली छबीलदास,  
निकट गांधी चौक,  
हिसार।

(अन्तरती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
निष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसृती

सम्पत्ति भूमि 24 कनाल माईयड़ गांव में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार  
में रजिस्ट्री सं० 3614 दिनांक 23-12-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-8-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री राम फल पुत्र जानीराम पुत्र  
श्री नाहना राम,  
मुख्तरयारे आम श्री दिवाना पुत्र श्री तुहिया,  
पुत्र श्री जयमल,  
निवासी गांव व डाकखाना मायड।

(अन्तरिती)

(2) श्री राजेश कुमार पुत्र  
पुत्र श्री सत्य नारायण पुत्र भोलुराम,  
निवासी गली छबीलदास,  
निकट गांधी चौक,  
हिसार।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक  
रोहतक, दिनांक 16 अगस्त 1983

निदेश सं० हिसार/318/82-83—अतः मुझे, आर० के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 24 कनाल है तथा जो गांव मायड  
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुभूमि में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति भूमि 24 कनाल गांव मायड में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में  
रजिस्ट्री सं० 3617 दिनांक 23-12-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-8-1983

मोहर :

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक : 16 अगस्त 1983

निवेश सं० हिसार/319/82-83—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी स० भूमि 24 कनाल है तथा जो गांव मायड  
में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्णवृत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दद्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हूई किसी आद की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आद या किसी भूमि या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना जाए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम कल पुत्र ज्ञानी राम  
पुत्र श्री नाहना राम मुख्तरारे आमः  
श्री लालचन्द्र, भाना पुत्रान  
श्री लेख राम,  
पुत्र नानक, श्री दरिया, सुरजन पुत्रान  
श्री सुदन पुत्र लेखराम,  
गांव व डाकखाना मायड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा रानी पत्नी  
श्री सुरेशचन्द्र दत्तक पुत्र  
श्री छबील दास,  
निवासी गली छबीलदास,  
निकट गांधी चौक,  
हिसार ।

(अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भी  
अवधि द्वारा मैं समाप्त होती हूँ के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
दिलिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

भूमि 32 कनाल गांव मायड में स्थित है जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री सं०  
3618 दिनांक 23-12-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख — 16-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक  
रोहतक, दिनांक 16 अगस्त, 1983

निवेश सं० हिमार/329/82-83—अतः मुझे, आर०  
के० भयाना

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
हप्ते से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 32 कनाल है तथा जो गांव मायड सं०  
हिमार में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिमार  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधिन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्योग्नि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-  
मान प्रतिकृत के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्योग्नि सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिकृत में ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) ही नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण सिद्धिन में  
शाहदिवाला से जब्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी भाव की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जारी/वा

(क) ऐसी किसी भाव या किसी भन्न या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन्न कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम कल पुत्र श्री ज्ञानीराम पुत्र  
श्री नाहना राम मुख्यारे आमः  
श्री लालचन्द, भाना पुत्रान श्री लेखराम,  
श्री दरिया, सुरजन पुत्रान श्री सुदन  
पुत्र श्री लेखराम,  
गांव मायड, (हिमार) ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री सत नारायण  
पुत्र श्री मोलू राम,  
निवासी गली छबील दास,  
निकट गांधी चौक,  
हिमार।

(अन्तरिती)

को पृष्ठ सूचना जाये हरके नूरीना नामित के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

इक्षत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 32 कनाल मायड में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिमार में रजिस्ट्री  
सं० 3883 दिनांक 11-1-1983 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हिमार

तारीख : 16-8-1983

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अगस्त 1983

निवेश सं० सिरसा/56/82-83—अतः मुझे आर० के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹5,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 58 है तथा जो नई मण्डी  
सिरसा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख विसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवधान प्रतिफल से एसे अवधान प्रतिफल का पंडह  
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, जिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र  
स्वर्गीय स्थर्ण सिंह  
पुत्र श्री बुद्धा सिंह,  
गांव कंगन पुर  
तहसील सिरसा।

(अन्तरक)

(2) श्री लीला हृष्ण पुत्र श्री खुशीराम  
पुत्र श्री शाम दास  
दुकान नं० 58  
नई मण्डी,  
सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या हत्तेमन्थी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मृत्यु

सम्पत्ति दुकान नं० 58 नई मण्डी सिरसा में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा  
में रजिस्ट्री सं० 3710 दिनांक 16-12-82 पर दिया  
है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अगस्त 1983

निदेश सं० सिरसा/57/82-83—अतः मुझे आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 53 है तथा जो नई मण्डी,  
सिरसा में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिरसा में दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दूर्घमान प्रतिफल से ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूचिता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सूचिता के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राम कली देवी पत्नी  
श्री मुंगीराम पुत्र  
श्री मुरलीधर,  
निवासी भिवानी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री आनन्दमल पुत्र श्री डूंगर मल  
पुत्र श्री लक्ष्मण दास,  
2. श्रीमती शारदा देवी पत्नी  
श्री महामीर प्रसाद पुत्र  
श्री डूंगर मल,  
दुकान नं० 53,  
नई मण्डी, सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाणन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन थी अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियां पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 53 नई मण्डी, सिरसा में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में  
रजिस्ट्री सं० 3757 दिनांक 17-12-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-8-1983

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं. III/808/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध  
कुमार द्वारे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1216, सीट नं. 81, 82  
म्युनिसिपल हाऊस सं. 48 नया 44 डी०, सर्किल नं. 25 है  
तथा जो चौहटाठा, अशोक राज पथ, पटना में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कार्यालय 14  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित  
को वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनिल डे  
2. श्री अरुण डे, बल्दान  
स्व० विशेषकर डे,  
निवासी नवीन कोडी,  
अशोक राज पथ,  
थाना पिरबहौर, पटना ।

(अन्तर क)

(2) श्रीमती उमिला देवी पुत्री  
स्व० पन्ना लाल मिन्हा,  
निवासी बिहारी साथ लेन,  
मुराद नगर, थाना पिरबहौर,  
पटना ।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध्य  
किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी व पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अद्यत्तमी

जमीन जिसका रकबा 17 1/2 गुर मात्र में मकान जो  
महल्ला चौहटाठा, अशोक राज पथ, थाना पिरबहौर, शहर  
पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 10736  
दिनांक 14-12-82 में वर्णित है तथा जिसका निधंन जिला  
अद्यर निवंधक पदाधिकारी, पटना के द्वारा संपन्न हुआ है ।

प्रबोधकुमार द्वारे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 10-8-1983

मोहर:

प्रस्तुप बाई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सद्वायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना  
पटना, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं. /803/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध  
कुमार द्वारे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. घाना नं. 344, तोजी नं. 11090, वार्ड  
नं. 26, हाउ नं. 196 (नया) 172 (पुराना) है  
तथा जो काजी मोहम्मदपुर, शहर और जिला मुजफ्फर पुर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फर-  
पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 28 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
प्रौर्ध/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, इसने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—246GI/83

(1) श्री चम्पा नाल शर्मा पिता  
स्व० नालचन्द्र शर्मा,  
30/31 कलाकार स्ट्रीट,  
कलकत्ता-7 (पश्चिमी बंगाल),

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर कुमार गोयनका पिता  
स्व० शिव शंकर प्रसाद गोयनका,  
मोहल्ला गश्तीपुर,  
थाना मोहम्मद पुर,  
शहर और जिला मुजफ्फर पुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्वध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोक्तरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

जमीन जिसका रकबा 3916.5 स्कै. फीट साथ में  
मकान जो मोहल्ला कंजी मोहम्मदपुर, शहर और जिला मुजफ्फर-  
पुर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 22100  
द्वितीय 28-12-82 वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर  
निवधक प्राधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे  
कम्भम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 10-8-1983

माहर :

प्रस्तुप बोई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं. III/802/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध  
कुमार द्वारे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. थ ना नं. 344, तोड़ी नं. 11090,  
बाई नं. 26, हा. नं. 196 ए (नया) 172 (पुराना) है  
जो मोहल्ला काजी मोहम्मद पुर, शहर व जिला मुजफ्फर पुर  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 28 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पंद्रह अंतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कर्मी करने या उससे बचने में सहित के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य जातियों  
को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आवृहए था छिपाने में सहित  
के लिए;

अतः आद, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अम्बा लाल शर्मा पिता

स्व० लाल अन्ध शर्मा,  
30/31, कलाकार स्ट्रीट,  
कलकता-7 (पश्चिमी बंगाल ) ।

(अन्तरक)

(2) श्री सज्जन कुमार गोयनका पिता

स्व० शिव शंकर प्रसाद,  
गोयनका, मोहल्ला गनीपुर,  
थाना काजी मोहम्मद पुर,  
शहर जिला मोहम्मद पुर ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्युसूची

जमीन का रकबा 3916.5 स्के० फीट साथ में मकान  
जो मोहल्ला काजी मोहम्मदपुर, शहर और जिला मुजफ्फरपुर,  
में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं. 22091 दिनांक  
28-12-82 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर  
निवासक प्राधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 11-8-1983

मोहर

प्रबोध कुमार टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं० III/809/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध  
कुमार द्वारे  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० थाना नं० 7, तौजी नं० 391, खाता नं०  
181, बार्ड नं० 34, सर्किल नं० 249 है तथा जो मोहल्ला  
छक्न पुरा (बोरीग रोड), पटना में स्थित है (और इससे  
उपार्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 दिसम्बर,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
वादा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अंतरण  
सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हाई किसी वाय या वायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हे भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया थाना आद्य था, छिनने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती तृप्ति बोस जीजे  
श्री चितरंजन बोस,  
मोहल्ला दूजरा, थाना बुदा कालोनी,  
पोस्ट पटना (जी० पी० ओ)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हिरामनी देवी जीजे  
श्री रामेश्वर राव,  
मोहल्ला बोरीग कनाल रोड,  
थाना बुदा कालोनी,  
पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्ति याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## जमीनसूची

जमीन जिसका रक्खा 2 कट्टा 6 घर जो मोहल्ला  
छक्नपुरा (बोरीग रोड), शहर पटना, जिला पटना में स्थित  
है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 10653 दिनांक 11-12-  
82 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक,  
प्राधिकारी पटना द्वारा संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रसूत आई. एम. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्री चम्पा लाल शर्मा पिता

स्व० लालचन्द शर्मा,

30/31 कलाकार स्ट्रीट,

कलकत्ता-7 (पश्चिमी बंगाल)।

(अन्तरक)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना  
पटना, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं० III/804/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध  
कुमार द्वारे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना नं० 344, तोजी नं० 11090,  
वार्ड नं० 26, हो० नं० 196 ए (नया) 172 (पुराना) है  
तथा जो कांजी मोहम्मद पुर, शहर और जिला  
मुजफ्फरपुर में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 28 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और कन्तरक (अन्तरक) और अन्तरितः  
(जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री विष्णु कुमार गोयनका पिता  
स्व० शिव शंकर प्रसाद गोयनका,  
मोहल्ला मनीपुर,  
थाना-काजी मोहम्मद पुर,  
शहर और जिला मुजफ्फर पुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन जिमका रकबा 3916.5 स्कवापर फीट साथ में  
मकान जो महाल्ला काजी मोहम्मद पुर, शहर और जिला  
मुजफ्फरपुर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप में वसिका सं० 22097  
दिनांक 28-12-82 में वर्णित है एवं जिस ता निर्धारित जिला  
अवर निर्धारित प्राधिकारी, मुजफ्फर पुर द्वारा संम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं० III/807/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध  
कुमार दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1216, सीट नं० 81, 82,  
प्लॉनिंग हो० सं० 48 (नया) 44 डी सर्किल नं० 25  
है तथा जो चौहटा, अशोक राज पथ, पटना में स्थित है (और  
इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
18 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा  
के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अनिल डे,
- 2. श्री अरुण डे,
- बलदान स्थ० विशेष्वर डे,
- निवासी 'नवीन कौठी',
- अशोक राज पथ, चौहटा,
- थाना-पिरबहौर, पटना।

(अन्तरक)

- (2) मो० रेणमा देवी जौजे
- स्थ० झूमन साथ,
- निवासी 7, मोहल्ला बनिया पट्टी,
- थाना मोतीहारी,
- शहर मोती हारी,
- जिला-पूर्वी चंपारन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एलाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 17 1/2 साथ में मकान जो  
मोहल्ला चौहटा, अशोक राज पथ, थाना-पिरबहौर, शहर  
पटना, जिला-पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विस्तीर्ण  
सं० 10840 दिनांक 18-12-82 में वर्णित है तथा  
जिसका निवंधन जिला ग्रावर निवंधक पदाधिकारी, पटना के  
द्वारा संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई टी. एच. एफ. -----

आमंत्रण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 11 अगस्त 1983

निवेश सं. III/801/अर्जन/83-84— प्रत: मुझे,  
प्रबोध कुमार द्वे  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. थाना नं. 344, तौजी नं. 11090,  
वार्ड नं. 26, हो. सं. 196ए (नया) 172 (पुराना) है  
तथा जो मोहल्ला कांजी मोहम्मद पुर, शहर जिला मुजफ्फर-  
पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय,  
मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 28 दिसम्बर, 1982

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके अवधारण प्रतिफल से एसे अवधारण प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(1) श्री जम्पा लाल शर्मा पिता

स्व. लालचन्द शर्मा,  
30/31 कलानार स्ट्रीट,  
कलकत्ता-7 (पश्चिमी बंगाल)।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गोयनका पिता  
स्व. शिव शंकर प्रसाद गोयनका,  
मोहल्ला गजीपुर,  
थाना कांजी मोहम्मद पुर,  
शहर व जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आई करके पूर्वांकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध व्यक्तियों अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यात्मका  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममृसूची

जमीन जिसका रकबा 3916.5 स्केयर फीट साथ में  
मकान जो मोहल्ला कांजी मोहम्मद पुर, शहर और जिला  
मुजफ्फरपुर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं. 22104  
दिनांक 28-12-82 में वर्णित है एवं जिसका  
निवंधन जिला अवर निवंधक पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा  
संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वे  
सकाम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पटना

संग्रहीत : 11-8-1983

मोहर :

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रधान वाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं. III/805/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध  
कुमार द्वये,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 687, हो. नं. 327/252,  
संकिल नं. 6, वार्ड नं. 2 (पुराना) 9 (नया) है तथा जो  
माल रोड, शहर पटना में स्थित है (और इससे उपर्युक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 दिसम्बर, 1982

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के सिले अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सामिल में कभी करने या उससे उचने में त्रुटिया  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कृपात् ५—

(1) डा० दुर्गाकिशोर भट्टाचार्य बल्द  
स्व० विहारी लाल भट्टाचार्य,  
जो अभी मञ्चनियां कुआं रोडके नाम  
से जाना जाता है थाना पिरबहूर,  
शहर व जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री रंजन कुमार जैन पिता  
श्री विमल सिंह जैन,  
निवासी रोड नं. 7,  
राजेंद्र नगर, थाना कदम कुआं,  
शहर और जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानीकरण**—इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सामिल में कभी करने या उससे उचने में त्रुटिया  
के लिए; और/वा

### मनुसूची

जमीन जिसका रकबा 1304 स्केयर फीट साथ में मकान  
जो मोहल्ला माल रोड, थाना कोतवाली शहर और जिला  
पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं. 10501  
दिनांक 6-12-82 में वर्णित है एवं जिसका  
निबंधन जिला अवार निवांधक प्राधिकारी, पटना के द्वारा  
संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वये  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रलृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० III/818/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध  
कुमार दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 13335 है तथा जो मोहल्ला  
श्री कृष्णा रोड, जिला गया में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, गया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अगस्त, 1983

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्त्तम् :—

- (1) श्री राज कुमार कौशलेन्द्र प्रसाद नारायण सिंह
2. श्री राजेंद्र कुमार राधेश्वरी प्रसाद
- नारायण सिंह
3. श्री कुमार गनी शांति सिंह,
4. कुमार रानी कामल्या सिंह
5. इन्द्र शेखर प्रसाद नारायण सिंह
6. कुमार आमरेन्द्र नारायण सिंह  
सभी निवासी अमावा कोटो,  
कदम कुंआ, पटना-3।

(अन्तरक)

- (2) श्री भुवनेश्वर सिंह वास्ते  
अभय कुमार नाबालिंग,  
निवासी ग्राम व पो० बनवरिया,  
जिला गया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकमा 990 स्केयर फीट है जो मोहल्ला  
श्री कृष्णा रोड, जिला गया में स्थित है। तथा जो वसिका सं०  
पी० 24501 दिनांक 20-12-82 में पूर्णतः वर्णित है  
जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, गया के  
द्वारा संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 12-8-1983

मोदूर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1983

निवेश सं. III/817/अर्जन/83-84—अतः मृष्टि, प्रबोध  
कुमार द्वाबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 13335 है तथा जो मोहल्ला  
श्री कृष्णा रोड, जिला गया में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय गया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 20 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्हाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
वायिस में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या इस आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती आय प्रकट नहीं किया गया था  
या इकाया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए।

अतः आय, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

7-246GI/83

- (1) 1. श्री राज कुमार कौशलेन्द्र प्रसाद नारायण सिंह
2. राज कुमार अवधेश्वरी प्रसाद नारायण सिंह
3. कुमार रानी शांति सिंह,
4. कुमार रानी कामल्या सिंह
5. इन्दु शेखर प्रसाद नारायण सिंह
6. कुमार आमरेन्द्र नारायण सिंह  
सभी निवासी अमावा कोठी,  
कवम कुंआ, पटना - 3।

(अन्तरक)

- (2) श्री आमरेन्द्र कुमार,  
ग्राम व पोस्ट बनवरिया,  
जिला-गया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाहीर करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उम्म सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापर :—

- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### जनसूची

जमीन जिसका रकबा 990 स्केपर फीट है जो मोहल्ला  
श्री कृष्णा रोड, जिला गया में स्थित है तथा जो वसिक  
सं. 24499 विनांक 20-12-82 में पूर्णतः वर्णित है  
जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, गया के  
द्वारा संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वाबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 12-8-1983

मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं. III/819/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध  
कुमार द्वारे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 13335 है तथा जो मोहल्ला  
श्री कृष्णा रोड, जिला गया में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय गया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 20 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूचण  
में, वै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) 1. श्री राज कुमार कौशलेन्द्र प्रसाद नारायण सिंह
- 2. राज कुमार अवधेश्वरी प्रसाद नारायण सिंह
- 3. कुमार रानो शांति सिंह
- 4. कुमार रानो कामद्या सिंह
- 5. इन्दु शेखर प्रसाद नारायण सिंह
- 6. कुमार आमरेन्द्र नारायण सिंह  
सभी निवासी अमावा,  
कौठी, कदम बुआ,  
पटना-3।

(अन्तरक)

- (2) श्री बंकुमठ सिंह बल्द  
श्री सोकलदीप सिंह,  
ग्राम व पो. बनवरिया,  
जिला-गया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना झारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यविहीन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवैध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 990 स्केपर फीट है जो मोहल्ला  
श्री कृष्णा रोड, जिला गया में स्थित है तथा जो वसिका  
सं. 24502 दिनांक 20-12-82 में पूर्णत वर्णित है।  
जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, गया के  
द्वारा संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 12-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत बाहूँ. टी. एन. एस. - - - - -  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1983

निवेश सं० 111/823/अर्जन/83-84—अन्: मुझे प्रबोध

कुमार द्वृष्टे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन संभास प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 471, खसरा नं० 233, 234 है तथा जो मौजा फतहपुर, डाक० व थाना सबौर, जिला भागलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं भी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दार्द से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मो० बली बल अम्बुल बहीद,  
बीबी नसिमा पति हाजी,  
मो० युनुस साकिन फतेहपुर,  
थाना और पोस्ट सबौर,  
जिला भागलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्याप्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

**स्पष्टीकरण** ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट द्वारा अर्थ होते हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका एकड़ 46 डिस्मल है जो मौजा फतहपुर थाना वा पो० सबौर जिला भागलपुर में स्थित है तथा जो वसिका सं० 15456 दिनांक 30-12-82 में पूर्णतः वर्णित है। जिसका निबन्धक जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, भागलपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वृष्टे  
संभास अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 12-8-1983

माहेर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 अगस्त 1983

निदेश सं० के०-५०/कानपुर/८२-८३—अतः मुझे  
विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 88/107 है तथा जो प्रेम नगर, कानपुर में  
स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 22 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथौं  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्त्तमान विवेक बनर्जी,

(1) डा० एच० सी० अग्रवाल,

पुत्र स्व० डा० अनन्तराम अग्रवाल,  
निवासी 88/107,  
प्रेम नगर, कानपुर  
वर्तमान निवासी 3/75,  
विष्णुपुरी, कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री वली मोहम्मद पुत्र

मोहम्मद बद्रा,  
निवासी 92/83 तलाक मुहाल,  
कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

एक किला अचल संपत्ति नं० 88/107, क्षेत्रफल 655.5  
वर्ग गज प्रेम नगर, कानपुर में स्थित है ।

विवेक बनर्जी  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-8-83

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर  
कानपुर, दिनांक 2 अगस्त 1983

निवेश सं० के०-२९/कानपुर/८२-८३—अतः मुझे, विवेक  
बनर्जी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 126/पी/11 है तथा जो रत्न लाल नगर,  
कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 20 दिसम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरान प्रतिफल से, ऐसे दूसरान प्रतिफल के  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धि में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया याहा है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वार्षिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जित्ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वेद प्रकाश चौपडा

तथा रीता कुमारी चौपडा  
पुत्र तथा पुत्री श्री अमर नाथ चौपडा,  
निवासी 11/33, सूतरां,  
कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री देवी दयाल शर्मा,  
पुत्र श्री जगदीश चन्द्र शर्मा,  
निवासी एल० आई० जी० 39,  
रत्न लाल नगर,  
कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति ; में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त अधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

एक किता अचल संपत्ति न० 126/आर/11 क्षेत्रफल 511  
वर्ग गज रत्न लाल नगर, कानपुर में स्थित है।

विवेक बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 2-8-83

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 अगस्त 1983

निवेश सं० के०-२३/कानपुर/८२-४३—अतः मणि विवेक  
वनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-म के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 112/356 है तथा जो आर्य नगर, कानपुर  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण हप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 10 विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्रीमती अनंतपूर्णा तेली,

पत्नी श्री रामचन्द्र,

निवासी 104/ए/123, राम बाग,

कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव मोहन लाल मिश्रा पुत्र

पण्डित जुगल किशोर मिश्रा,

निवासी 104 ए/309,

रामबाग, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माझोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किला अचल संपत्ति नं० 112/356 क्षेत्रफल 229  
घर्ग गज आर्य नगर, कानपुर में स्थित है।

विवेक वनर्जी

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा(1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-8-1983

मोहर :

प्रसूप आइ'. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आबूक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 अगस्त 1983

निदेश सं० के०-21/कानपुर/81-83 के० एन० पी०—अतः

मुझे, विवेक बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 17 है तथा जो कुण्ड नगर,  
जी० टी० रोड, कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम तेर दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित व्यावारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्याम लाल भाटिया पुत्र  
स्व० रोची राम भाटिया,  
निवासी 49, तोपखाना बाजार,  
औरंगाबाद कैण्ट,  
(महाराष्ट्र)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुम लता पत्नी  
श्रीहीरा लाल अरोरा व  
श्रीमती पुष्पा अरोरा पत्नी  
किंदवाई नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की विविध या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यावारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति व्यावारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण :**—इसमें प्रबन्ध सम्बोधी और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

प्लाट, नं० 17 क्षेत्रफल 939 वर्ग गज गुणा नगर जी०  
टी० रोड, कानपुर में स्थित है।

विवेक बनर्जी  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एम. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1983

निदेश सं० प०आर०-2/3459/82-83—यतः मुझे  
एस० एच० अब्बास अब्बिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 21, सी० टी० एस० नं० 714, और  
जो सिट नं. 45 (बिल्डिंग के साथ) में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-12-82

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य संकरने के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरण के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या वन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या इन्द्रा आना पाहिए था इनपाने भे  
सुविधा के लिए;

यतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

1. श्री प्रफुल्लचन्द्र चिरंजीलाल शाह

(अन्तरक)

2. ओम शक्ति समाट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड  
सोसायटी के सदस्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की बाबिध या तस्वीरनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की बाबिध, जो भी  
बाबिध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस-1571/80 और जो  
उप-रजिस्ट्रार, बम्बई, द्वारा दिनांक 13-12-82 को रजिस्ट्रीटर्ड  
किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्बिदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एव.-----

1. श्री पारी मुभूलमल कुरानी

(अन्तरक)

2. श्रीमोती परताबराय तोलानी

(अन्तरिती)

3. मोती परताबराय तोलानी

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर नियम (नियमित)

अर्जन रेज-1,

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए०सी०फ्य०एन०आर०ए०ए०जी०ई०-१

1/37ई०/50/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० ऑफिस नं० 44, ताडवेल एअर-कन्डीशन्ड  
मार्केट है तथा जो ताडवेल में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन दिनांक 1-12-82 और जिसका करारनामा  
आकार अधिनियम 1961 की धारा 269 का के अधीन,  
बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर नियमित  
अर्जन इलाका-1 के कार्यालय में दिनांक 1-12-82 को  
रजिस्ट्री है।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारणा  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवधारणा प्रतिफल से, ऐसे अवधारणा प्रतिफल का  
पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कल, निम्नलिखित उद्दरेख से उक्त अंतरण निम्नित में बाहर-  
विकल्प से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व्य-  
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगशार्थ अत्यारीती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—246GI/83को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मास्टरेच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्थलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

आफिस नं० 44, 4 था माला, ताडवेल एअर-कन्डीशन्ड  
मार्केट बिल्डिंग, आ०फ ताडवेल एअर-कन्डीशन्ड मार्केट को  
आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, ताडवेल बम्बई-400034  
अनुसूची जैसा की अर्जन इलाका क्र० 1/50/82-83 और जो  
सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-82 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।आर० के० बकाया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर नियमित  
अर्जन रेज-1, बम्बईतारीख 12-8-1983  
मोहुँ :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैंसर्स पदा डेवलपमेंट कारपोरेशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शोभा रमेश भट्ट

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त, 1983

निदेश सं. ए० आर०-१/३७८८-१०/८२-४३—यत., मुझे,  
आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट ३रा मालायें, पम्पावती अपार्टमेंट,  
है तथा जो परेल में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269क्ष्व के अधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक  
आयकर आयुक्त, अर्जन इलाका ३ के कार्यालय में दिनांक  
६-१२-८२ को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापवित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से की थीं नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कि सी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .....

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसन्धी

फ्लैट ३री मालायें पद्मावती अपार्टमेंट, परेल, बिलेज  
रोड, परेल, बम्बई-१२, अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्र०  
1/66/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
६-१२-८२ को रजिस्ट्रै किया गया है।

आर० के० बकाया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, बम्बई

तारीख: 12-8-83

मोहर:

प्रसूप बाई. टी. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

1. मैसर्स मजीठिया कन्स्ट्रक्शन कंपनी,  
(अन्तरक)
2. श्री चिपक प्रिमाइसेस को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड  
(अन्तरिती)
3. अन्तरिती  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2,

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1983

निदेश सं० ए०आर०-२/३७६८-१७४/८२-८३—अतः, मुझे,  
एस० एच० अब्बास अब्बीदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-१, प्लॉट नं० 111 है, तथा जो एल०टी०  
रोड, ओरिवली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
ओरिवली में जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 का के अधीन, बम्बई स्थित,  
सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकर अर्जन इलाका-२  
के कार्यालय में दिनांक 18-12-82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापवेक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंचव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में  
प्रासादिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लूपिधा  
के लिए;

अतः अग्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पब्लों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनसूची

फ्लॉट नं० 111, एल०टी० रोड, ओरिवली (पश्चिम),  
जयविजय प्रिमाइसेस, को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड  
बम्बई-९२।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्र० 2/120/82-83  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-82 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्बीदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 4-8-83

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1983

निर्देश सं० एस आर०-2/37इ-213/82-83—यतः मुझे,  
एस० एच० अन्नास अधिकारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 325 (विभाग) एस० नं० 28,  
हिस्सा नं० 4 (भाग) है तथा जो मालाड में स्थित है (और इसे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का  
के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर  
आयुक्त, अर्जन इलाका-2, के कार्यालय में दिनांक 17-12-82  
को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का नन्दह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आक्षितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में  
सुविधा के लिए।

यतः प्रतः उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अक्षितियों, अर्थात् :—

1. श्री अर्नेन्ठनी जोसेफ पट्टथू

(अन्तरक)

2. श्रीमती बेरियल डाएस

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह अक्षित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से  
किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्य अक्षित द्वारा, अधोस्त्वाकारी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लॉट नं० 11, 1ला माला, बिल्डिंग नं० 3, ग्रीन पार्क  
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लिंकिंग रोड,  
बॉलैम, मालाड, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका नं० 2/163 और जो  
सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-82 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

एस० एच० अन्नास अधिकारी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-8-1983

मोहर :

प्रकल्प. बाहू. टी. एन. एस. -----

1. श्री देसाई भरत नारंजी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शांताबेन दयाराम छत्कर और श्री दयाराम  
आनंदजी छत्कर

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1983

निवेश सं. ए०आर०-२/३७इ-१०२/८२-८३—यतः, मुझे,  
एस० एच० अब्बास अबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. एफ० पी० नं. 149. ग्रॉफटी० पी० एस०  
बोरिवली 3, है तथा जो बोरिवली में स्थित है (और इससे  
उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर  
आयुक्त, अर्जन इलाका-2, के कार्यालय में दिनांक 1-12-82 को  
रजिस्ट्री है।

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, एस० अव्याप्त प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकी), और  
अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एस० अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित मू  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से दूर किसी आय की वाचत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; भारु/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने या  
सुविधा के लिए;

यतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिचालित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## बहुसूची

फ्लैट नं. 7, अल्पेश अपार्टमेंट, एफ० पी० 149, टी०पी०  
एस०] बोरिवली 3, बोरिवली (पश्चिम) बम्बई-92।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका नं. 2/73/82-83 और  
जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1982 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-8-1983

मोहर:

प्रस्तुति बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 3 अगस्त 1983

निदेश सं० ए०आर-२/३७इ-१३८/८२-८३—यतः, मुझे;  
ए० ए० ए० अब्द्वास अबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 2रा माला, सब-प्लॉट नं० 1 और  
ओफ प्लॉट नं० 3, बेरिंग ए० नं० 70, सर्वे नं० 287,  
सी० टी० ए० नं० 196, जूहु विलेपाले स्किम है, तथा जो विलेपाले  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 का कारण के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक  
आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-2, के कार्यालय में दिनांक  
9-12-1982 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के इष्यत्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था जो किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अल. उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मोहसिनभाई मुनिम एंड एसोसिएट्स  
(अन्तरक)
2. श्री असगर मोहम्मद हुसेन सिकन्दर  
(अन्तरिती)
3. अन्तरिती  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरची व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

संभवीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राप्त पर्याप्ति नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, 2रा माला, सब-प्लॉट नं० 12, ओफ प्लॉट नं० 3,  
बेरिंग ए० नं० 70, और सर्वे नं० 287, सी० टी० ए० नं० 196,  
जूहुविलेपाले स्किम।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका का 2/94, और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० ए० ए० अब्द्वास अबिदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 3-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3,  
बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं० ए०आर०-३/३७इ-१७७/८३-४—यतः, मुझे,  
एस० एच० अब्बास अब्दिदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल यूनिट नं० 19-ए, न्यू एम्पायर<sup>1</sup>  
इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, है तथा जो अंधेरी (पूर्व) में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कव्र के अधीन, बम्बई<sup>2</sup>  
स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन इलाका-3, के कार्यालय में दिनांक 14-12-82 को  
रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदृढ़ प्रतिशत अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण  
स्थिति में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के दृश्यरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए:  
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए या छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः यत्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मर्यादा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बसंत चन्द्राण (अन्तरक)
2. श्रीमती रेशमा एम० धावानी (अन्तरिती)
3. श्रीमती रेशमा एम० धावानी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों कारता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
48 दिन की अवधि या उसस्वामी व्यक्तियों पर<sup>3</sup>  
सूचना की तारीख है 30 दिन की प्रबलि, जो भी  
प्रबलि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्त्त होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल गाला न्यू एम्पायर इस्टेट, में, कोडिविटा रोड,  
अंधेरी (पूर्व) बम्बई-५९।

अनुसूची जसा कि अर्जन इलाका 3/37 इ-१२०/८२-८३  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-12-82 को  
रजिस्ट्री किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दिदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-8-83

मोहर :

प्रखण्ड आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सुचकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2,

बम्बई, दिनांक 3 अगस्त 1983

निवेश सं० ए०आर०-२/३७इ-१५९/८२-८३—यतः, मुझे,  
एस०एच० अब्बास अब्दी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10वी/२, ग्राउन्ड फ्लोर, नवजीवन सोसायटी,  
मोरी रोड, माहिम बम्बई-१६ है तथा जो माहिम में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में और जिसका  
करारानामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269का  
के अधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर  
आयकर अर्जन इलाका-2, के कार्यालय में दिनांक 16-12-82  
को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पूर्ण  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने वा उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख). ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आर्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपाधा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती आर० ए० थडानी (अन्तरक)
2. श्रीमती पी० वी० गांधी, (अन्तरिती)
3. अन्तरिती  
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, ज्ञे भी  
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अङ्गहस्ताकरी के पास  
सिवित में किए जा रहे गें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 2, ब्लॉक नं० 10-वी, ग्राउन्ड फ्लोर, नवजीवन  
को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, मोरी गेट, रोड,  
माहिम, बम्बई-१६।

अनुसूचित जैसा कि अर्जन इलाका क० 2/112 और जो  
सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-82 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 3-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुप थाई.टो एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं. ए० आर०-१/३७८८-७९/८३-८४—यतः, मुझे,  
आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 हूँ से अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट नं. 132, चंपकलाल उद्योग भवन में है।  
तथा जो सायन (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपावद  
अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कथ के अधीन,  
बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन  
इलाका-1, के कार्यालय में दिनांक 1-12-82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्णरूप संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्त) और अंतरिती  
(अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में क्षमी करने या उसमें शरने में मूलिता  
में नियंत्रण और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा-  
प्तनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिंग था, छिपाने में  
दृष्टिभा को नियंत्रण;

यतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

9—246GI/83

1. मैसर्स स्पेशल मरीनरी एंड इंजीनियरिंग कंपनी  
(अन्तरक)
2. श्रीमती सुभद्रा सखाराम इंगले  
(अन्तरिती)
3. श्रीमती सुभद्रा सखाराम इंगले  
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पर्यावरण सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
पूर्वी बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णरूप  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनवृधि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 132, चंपकलाल उद्योग भवन में, रुपम  
बॉर्कीज के पीछे, सायन-कोलीवाडा रोड, प्लॉट नं. 105,  
सायन (पूर्व) बम्बई-22 ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्र. 1/58-82-83 और  
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-82 को रजिस्टर्ड  
किया गया है ।

आर० के० बकाया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रह्लाद प्राइंटी ट्री• एन• एस•—

ग्रामीण, 1961 (1961 का 43) की वारा  
2004 (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,

बम्बई, दिनांक 3 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए०आर०-२/३७८८-III/८२-८३—अतः मुझे  
एस० एच० अब्बास अविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-का  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य 1/157, टी०पी० एस० 3, आफ  
माहिम, शाप नं० 3, जी० नार्थ बार्ड नं० 4050 (1) है तथा जो  
माहिम में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुमूल्यी में और जो  
पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 का के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम  
प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 2 के  
कार्यालय में दिनांक 1-12-82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की रही है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में  
कमी करने वा उसमें बदलने में अधिकारी के द्वारा द्वारा

(ख) एसी किसी आय या किसी इन या अन्य आयियों  
को जिन्दे भारताय प्रायर० अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वात् अधिनियम या  
प्रत्यक्त अधिनियम, 1957 (1957 का ७)  
के अधीन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपे में  
सुनिये दिए

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-का अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपायाकृति  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :—

1. श्री महावीर प्रमाद मोहनलाल और श्री सागरमल  
चुनीलाल।  
(अन्तरक)
2. मैमसे किर्ति वर्से, (टेलेट्स )  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी अधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुमूल्यी

शाप नं० 3, अजय मार्गिंग मैटर प्रिमाइसेस को-आपरेटिव  
सोसायटी लिमिटेड यक्तारिया मार्ग, माटूंगा रोड, (पश्चिम)  
बम्बई-16 ।

अनुमूलित जैसा कि अर्जन इलाका का 2/79 और जो  
सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-82 को रजिस्टर  
किया गया है।

एस० एच० अब्बास अविदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 3-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं० प० आर०-3/37ई०-140/82-83—अतः मुझे  
एस० एच० अब्बास अबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० इंडस्ट्रीयल शैड नं० 126 है, एस० नं० 79,  
एच० नं० 15, एस० नं० 80, एच० नं० 1, है, तथा जो मरोल  
विलेज, अंधेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में और जिसका करारानामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 कथ के अधीन बम्बई स्थित इस  
कार्यालय में क्र० मं० अर्जन-3/104/82-83 के अन्तर्गत  
दिनांक 2-12-82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल के  
एन्हां प्रतिक्रिया अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षं) और अन्त-  
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैंसर्स शिव शक्ति बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. गायत्री स्नेक बार ।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्बत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
दिया गया है।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रीयल शैड नं० 126, 1 ली मंजिल, शिव शक्ति  
इंडस्ट्रीयल इस्टेट, (3 रीफेज) क्रमांक एस० नं० 79, एच० नं०  
15, एस० नं० 80, एच० नं० 1, मरोल विलेज, आफ अंधेरी  
कुला रोड, अंधेरी, बम्बई-400 059 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका-3/104/82-83 और जो  
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1982 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 3-8-1983

मोहर :

पृष्ठ नं. ८५, दी. एन. पृष्ठ.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक अगस्त 1983

निदेश सं. १० अ.आर०-III/३७ ई-१९४/८३-८४—अतः मुझे एस० एच० अब्बास अब्दिवी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप न० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, लक्ष्मी निवास है तथा जो मुलुंड में स्थित है (और इसने उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोर्कर्ट प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-12-82 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कव्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-3 के कार्यालय में दिनांक 16-12-82 के रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ख्यमान प्रतिफल से, एसै ख्यमान प्रतिफल का पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;

(ख) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भत्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गए किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे सुविधा के लिए;

1. मैसर्स अजय विल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री विनोदकुमार सी खना।

(अन्तरिती)

3. श्री नरेंद्रेण कुण्डाजी पीटर और अन्य

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिवार है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

शॉप न० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, लक्ष्मी निवास, प्लावेर रोड, मुलुंड (पश्चिम) बम्बई-82 ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका 3/137/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दिवी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

नह: बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर न०, व० उक्त अधिनियम की धारा 239-प की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

तारीख : अगस्त, 1983

मोहर :

प्रस्तुप् बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 4 अगस्त 1983

निवेदित सं. १० आर० २/३७८६-१६४/८२-८३—अतः, मुझे,  
एस० एच० अब्द्वास अविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. १० एस० ८१ से ८५ है, तथा जो बांद्रा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी सहायक  
आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-2 के कार्यालय में दिनांक 17-12-82  
को रजिस्टर्ड है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तव-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अंतरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
से, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
हो लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नेपो एस०डी मेलो,  
(2) श्रीमती मेरी डिमेलो,  
(3) कुमारी क्लारा मिमेलो,  
(अन्तरक)
2. मिसेस मिरिया फ्लाविया फनन्डीस और श्री  
अन्थनी फनाडो फनाडिस  
(अन्तरिती)
3. (अन्तरक) वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं. 103, ग्रीनफिल्ड बिर्लिंग 'शेरली विलेज में स्थित,  
बांद्रा, बम्बई-50।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका नं. 2/126 और जो  
सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-82 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

एस० एच० अब्द्वास अविदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 2, बम्बई

दिनांक 4-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप शाहै. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. श्री चंद्र एम. शामदासानी

(अन्तरक)

2. श्री एम. शाजहान

(अन्तरिती)

3. (वह व्यक्ति जिसके प्रधिकार में सम्पत्ति है।)  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1983

निवेश सं० ए०आर०-३/३७६१-१८२/८२-८३—अतः मुझ,  
एस० एच० अब्बास अब्दी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० सी-19, निवन बहार को-आपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी लिमिटेड, 3 रा रास्ता, चैम्बूर बम्बई-400 071 है तथा  
जो चैम्बूर में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का के  
अधीन बम्बईस्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जन इलाका-3 के कार्यालय में दिनांक 14-12-82  
को रजिस्ट्री है।

को प्रवृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के विषयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विषयास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके विषयमान प्रतिफल से ऐसे विषयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(व) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या  
किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रवृत्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-19, जिवन बहार को-आपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी लिमिटेड, 3 रा रास्ता, चैम्बूर, बम्बई-400 071।

अनुसूचि जैसा कि अर्जन इलाका क्र० 3/115/82-83  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-12-82 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 3, बम्बई

तारीख 11-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट भाई, टी. एन. एस. -----

1. शिवशक्ति विलेसं।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प्र (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

2. श्री रवीन्द्र कुमार रामसरन महेन्द्र।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
पालिकाओं करदा है।

अर्जन रेंज, 3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेपः—

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० आर०-३/३७६६/२०५/८२-८३—अतः, मुझे,  
एस० एच० अब्बास अब्दीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० इंडस्ट्रीयल शेड नं० 24, एस० नं० 79  
एच० नं० 15, एस० नं० 80, एच० नं० 1 है, तथा जो मरोल  
विलेज अंधेरी में स्थित है (और इससे उपागढ़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 काख के अधीन बम्बई स्थित  
इस कार्यालय में क्र० सं० अर्ज है इलाका 3/153/82-83 के  
अन्तर्गत दिनांक 31वीं 2वीं 2 को रजिस्ट्रीको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे वह विषयास  
करने का कारण है कि यथावृत्तेवत् संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
क्षल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—(३) अन्तरक वे हूँ जिसी धारा की कावत उक्त अधि-  
क्षल की अधीन भार दर्भे के कलरक के दायित्व में  
सभी लड्डों या उद्देश वज्रों में दृष्टिका के लिए;  
और/या

## अनुसूची

इन्डस्ट्रीयल शेड नं० 24, शिवशक्ति इंडस्ट्रीयल इस्टेट  
(3री फेज), ग्राउन्ड फ्लोर, एस० नं० 79, एच० नं० 15,  
एस० नं० 80, एच० नं० 1, मरोल विलेज, आफ अंधेरी कुर्ला रोड  
अंधेरी, बम्बई-400 059 में स्थित।अनुसूची जैसा कि सं० अर्जन इलाका-3/153/82-83  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-12-1982  
को रजिस्ट्रे किया गया है।(४) एसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तीन  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ असारिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
दृष्टिका के लिए;एस० एच० अब्बास अब्दी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज 3, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की जपथाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् कु—तारीख 10-8- 1983  
मोहरः

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रेंज, 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त, 1983

निर्देश सं० ए० आर०-३८६१-४५/८३-४—अतः मुझे  
आरो के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, अन्नापूर्णा फ्लाट नं० 127 है,  
तथा जो सायन (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्यु  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 के ख के अधीन  
बम्बई स्थित इस कार्यालय में क्र० सं० अर्जन इलाका-1, अन्तर्गत  
तारीख 6-12-82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पञ्चव्युत्पत्ति  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उच्चावच्च से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

1. श्री मती सुन्दरी सुश्रामनियम

(अन्तरक)

2. श्री गजानन लक्ष्मण हिरवे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्बोहाइड्रा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वर्तने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, अन्नापूर्णा फ्लाट नं० 127,  
सायन (पश्चिम) बम्बई, 22।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका 1/63/82-83 और जो  
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-82 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

आर० के० बकाया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 12-8-83

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त, 1983

निर्देश सं० ए० आर०-1/37ई०-86/83:84—अतः, मुझे,  
आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रेमाइसिम नं० 411 है, तथा जो  
शोलापुर स्ट्रीट में स्थित है (और इसमें उपांबुद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269क्रम के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम  
प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-1 के कार्यालय  
में दिनांक 6-12-82 के रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रायुक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और स्वतंत्र (मन्त्रको) प्रोर  
अस्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे स्वतंत्रण के लिए तथा  
पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनात्मक अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती मुरिन्दर कौर सी० बाजवा।

(अन्तरक

2. श्री चन्नलाल आनन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बद्धी अवधियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि; जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रित-  
षुड़ किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

संबोधी हरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिचालित हैं,  
वही अर्थ दोगा जो उन प्रधाय में दिया गया है

### अनुसूची

आफिस प्रिमाइसेस नं० 411, एथा माला, ट्रेपिनेक्स हाऊस,  
शोलापुर स्ट्रीट, बम्बई-9।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्र० 1/64/82-83 और  
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-82 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

आर० के० बकाया

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख 12-8-1983

मोहर

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—  
10—246GI/83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज I, बम्बई  
 बम्बई, दिनांक 12 अगस्त, 1983

निर्देश सं ० ए० आर०-१/३७ई३१५/८२अ-४ अतः मुझे  
 आर० के बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० शॉप नं ० ३४, १ला माला भांगवाडी शापिंग  
 आर्केंड है तथा जो कालबा देवी रोड में स्थित है (और इससे  
 उपाबद्ध अनुसूची में और जो गुरुण स्प ऐ वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
 (1908 का 16) के अधीन जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित,  
 सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-१ के  
 कार्यालय में दिनांक 21-12-82 को रजिस्टर्ड है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित दरी गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि दृष्टापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता (अंतरितायों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के कथीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित के लिए;

शॉप नं ० ३४, १ला माला, भांगवाडी शापिंग मार्केट,  
 कालबा देवी रोड, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका श्र० १/३७ई३१५/८२-८३ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21/12/82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-I, बम्बई

तारीख 12-8-1983

माहूर :

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

प्रकृष्ट आइ० टी० एन० एस० -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1,

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त, 1983

निदेश सं० १०आर०-१/३७ई०-५१/८३-४४—अतः मुझे,  
आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रुम सं० 32, राजगीर चेंबर्स है तथा जो  
शहीद भगतसिंह रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क खंड के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
इलाका-1 के कार्यालय में दिनांक 1-12-82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स राजपीर बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. मैसर्स गुजरातमिल्स प० डी० एस०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

रुम नं० 32, 4वां माला, राजगीर चेंबर्स, 12/14 शहीद  
भगतसिंह रोड, बम्बई 23।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका श० 1/52/82-83 और  
जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-82 को रजिस्टर्ड  
किया गया है

आर० के० बकाया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक 12-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप बाई. टी. एन., एच.-----

1. श्री जस्तरहमत इब्राहीम उल्दे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. एन्थोनी फ़ासिस, मासकेहास

(अन्तरिती)

3. श्रीमती ए० एफ० मासकेहास

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. श्रीमती मरिया मासकेहास

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1983

निवेश सं० ए० आर०प०/२/३८४-३०६/८२-८३—अत : मुझे,  
एस० एच० अब्दास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० ए० 2/30, औदूम्बर छाया, को  
आपरेटिव हाउर्सिंग सोसायटी है तथा जो बोरीवली में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्यी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-12-82  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 कथ के अधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आय-  
आयकर (निरीक्षण) अर्जन इलाका-2, के कार्यालय में दिनांक  
22-12-82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, इस रख्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
साथीय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लट सं० ए० 2/36, बिलिंडा नं० ए० 2, पहली मंजिल, औदूम्बर  
छाया को-आपरेटिव हाउर्सिंग सोसायटी आई० सी० कालोनी, रोड  
जीवन बीमा नगर, बोरीवली, बम्बई-480/105 में स्थित।

अनुमूल्यी जैसा कि क्र० सं० अर्जन इलाका-2/236/82-83  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-12-82 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्दास अबिदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट वाई.टी.एन.एस.-----  
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-व (1) के पश्चात् सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई  
 बम्बई, दिनांक 12 अगस्त, 1983  
 निवेश सं. ए० आर०-2/37ई-261/82-83—अतः मुझे  
 एस० एच० अब्दास अब्दिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. इंडस्ट्रीयल यूनिट डी-30, 2री मंजिल, बोनान्सा  
 इंडस्ट्रीयल इस्टेट, हैतथा जो बदली (पोरी०) में स्थित है (और  
 इससे उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
 अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-12-82 और जिसका  
 कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के  
 अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त  
 (निरीक्षण) अर्जन रेंज, इलाका-2 के कार्यालय में दिनांक  
 17-12-82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का  
 पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
 (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 कम, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर एवं के अन्तरक के  
 शायद में कानी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तीयों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकल्प नहीं किया  
 गया था कि या आता आहुए था, छिपाने में  
 वृद्धि थी के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :-

1. श्री कमलाकर द्वारका नाथ

(अन्तरक)

2. श्रीमती भानुपति माहनलाल उमरानीया और दिनेश  
 मोहनलाल उमरानीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहिया करता हूँ।

इकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि  
 किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित भौं किए जा गकेंगे।

एष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
 हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
 गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रीयल यूनिट नं. ३०, २ री मंजिल, बोनान्सा इंडस्ट्रीयल  
 इस्टेट, आकुर्ली रोड, कान्दीवली (पूर्व), बम्बई-४०० ०६७ में  
 स्थित।

अनुसूची में जैसाकि क्र० सं. अर्जन-2/104, और जो सक्षम  
 प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 17-12-82 को रजिस्टर्ड  
 किया गया है।

एस० एच० अब्दास अब्दिदी  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख 12-8-1983  
 मोहर :

प्रस्तुप आई. टो. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2,

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त, 1983

निर्देश सं १० आर०-२/३४५५/८२-८३—यतः मुझे एस०  
एच० अम्बास अविदी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं ० सी० टी० एस० नं० 1342, न्य० प्लाट न० 202  
है तथा जो विलेपार्ले (पुर्व) स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 10-12-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदृष्ट होता है और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के शायित्व  
में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महादेव नारायण पाट अवेर पान्डुरंग महादेव पाटे  
(अन्तरक)
2. शान्तीलाल राजपाल मेहता  
(अन्तरिती)
3. भाडूत  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख मं० 826/1980 और जो उप-  
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-82 को रजिस्टर्ड किया गया  
है।

एस० एच० अम्बास अविदी  
सक्षम प्राधिकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1983

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1983

निर्देश सं० चण्डी०/१९८/८२-८३—यतः, मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसका प्लाट नं० 301 है तथा जो सैक्टर 33-ए,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अन्यूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वा इसमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे इह प्रश्ना  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, एंसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे व्यवन्वय में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अब अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सी० एस० बुगल  
वासी—1119 सैक्टर 33, चण्डीगढ़ ।  
(अन्तरक)  
(2) श्रीमती जान्ति देवी पत्नी श्री (स्व०) चमन लाल  
मेठीदा व श्रीमती अन्जु, सेठीया पत्नी श्री प्रेम सागर  
सेठीया  
वासी—मकान नं० 502 सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ ।  
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वतित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यपूर्ण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 301, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख मंड्या 1325, दिसम्बर, 1982 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 16-8-1983

मोहर :

प्रूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 3 अगस्त 1983

निर्देश सं० चण्डी०/202/82-83—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका प्लाट नं० 217 है तथा जो सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में त्रुष्णित के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुधार के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण प्रसाद गुप्ता पुन श्री कर्म चन्द्र डिकैन्स इंस्टीचूट आफ वर्क स्टडी, मसूरी (यू०पी०)।

(अन्तरक)

(2) मेजर हंदर सिंह बिन्द्रा (एच० य० एफ०) वासी—260 सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्राचीन का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 217, सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 1344, माह विसम्बर, 1982 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 3-8-83

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 3 अगस्त, 1983

निवेश सं० चण्डी०/201/82-83—यतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 206 है तथा जो सैकटर 36-ए,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपांचछ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
बन्तरिती (बन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँड़ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—246GI/83

(1) श्री मिलखा सिंह, श्री सम्पूरण सिंह खुद व नैचूरल  
गाड़ियन आफ मिस मोना मिलखा सिंह, मिस सोनिया  
मिलखा सिंह व मास्टर चरनजीव मिलखा सिंह  
मायनर पुत्रीयां/पुत्र श्री मिलखा सिंह  
वासी—23 सैकटर-7, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) ए. अमृतपाल सिंह प्रेषाल व मेजर गजिन्दरपाल  
सिंह पुत्रान श्री पूर्खीपाल सिंह, वकील।  
वासी—मकान नं० 3141 सैकटर-21 ची, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शुल-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अऽहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंग।

**स्वाक्षीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

मकान नं० 206 सैकटर 36-ए, चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के  
विलेख संख्या 1340 दिसम्बर, 1982 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 3-8-83

माहेर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अगस्त, 1983

निर्देश मं. चण्डी०/190-82-83—यतः, मुझे, सुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/2 हिम्मा मं. नं. 27 है तथा जो सैक्टर  
27-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कुछ दोनों के अन्तरक के  
दावित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) श्री धर्म सिंह बनाम तरम सिंह पुत्र मध्या सिंह  
वासी—एल० एल० एम०-३-१० जलन  
सारदणा सेलनगौर पैनसूलर, मलेशिया द्वारा सम्प्री-  
च्यूट जी० पी० ए० श्री अजय कुमार संगारी पुत्र  
श्री ज० बी० संगारी  
वासी—मकान नं. 412 सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़।  
और श्री सुनील भसीनपूत श्री रजिन्दर कुमार वासी  
मकान नं. 126, सैक्टर-1 ए-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री जतिन्द्र कुमार पुत्र श्री जोगिन्दर मिह सांगड़ी  
वासी—मकान नं. 720 सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

1/2 भाग मकान नं. 27 सैक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1243, दिसम्बर, 1982 में दर्ज  
है)

सुखदेव चन्द  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 16-8-83

मोहर :

प्रस्तुत बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1983

निर्देश सं. चण्डी०/१९४/८२-८३—यतः, मुझे सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी बूथ नं. 13 सैक्टर 31-सी, है तथा जो  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इक्षयमान प्रतिफल से ऐसे इक्षयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीसियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नोक्त में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
शायद भौं कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पद-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रक्रियार्थ अनुसूची द्वाया प्रकट वही किया  
देया था या किया जाना आवश्यक था, किसने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री साहिब चन्द पुत्र श्री सुदागर मल  
वासी—मुबारकपुर कैम्प,  
तहसील—राजपुरा  
जिला—पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदारी लाल पुत्र श्री देवी लाल और हरिश चन्द  
मईनर पुत्र श्री कृष्ण लाल डारा श्री कृष्ण लाल  
वासी—बूथ नं. 13 सैक्टर 31, सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवाया;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

बूथ नं. 13 सैक्टर-31 सी, चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1264, दिसम्बर, 1982 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 16-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 16 अगस्त 1983

निदेश सं० चण्डी०/क०/1/82-83—यतः मुद्दे०

सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'चक्रत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1562 है तथा जो सेक्टर 36-डी,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से पर्णित है), लेने की अनुमति सम्पत्ति स्थानान्तरण अधि-  
नियम, 1882 की धारा 53-ए में इंगित किए गए अनुबन्ध के  
अर्थ पालन में।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और सभी यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँड़ किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिभा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लै० कर्नल एच० एस० अंगा (२०) मारफत  
अशोका लेहसैण्ड, लि०  
मात्या इण्स्ट्रीयल एरिया, अलवर (राजस्थान)।  
(अन्तरक)

(2) श्री देविन्दर सिंह  
वासी—मकान नं० 84 सेक्टर 11, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 1562, सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जैसा कि अंतरण व बेच दिनांक 5-4-1982/  
13-9-82 के साथ संलग्न 37 ई० ई० फार्म में दर्ज है और इस  
कार्यालय में दिनांक 12-12-1982 में प्राप्त हुआ है )

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 16-8-83

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भावा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जुलाई 1983

निदेश न० अमृतसर/83-84/118—अतः मुझे, सी०  
एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाव का 1/2 भाग है तथा जो अमर<sup>कोट</sup>, पुतली घर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाख्य  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों)  
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भावा 269-ग के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भावा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्रीमती ऊषा रानी पत्नी

श्री हरी प्रकाश शर्मा,  
4324, रजनी तपुरा,  
पुतली घर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मौ० गुरु तेग बहादुर इंडस्ट्रीज,  
अमरकोट पुतलीघर,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं० 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं० 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पन्नीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद का जो अमरकोट पुतलीघर, अमृतसर  
में है जैसा सेल डीड न० 14423 तारीख 26 दिसम्बर,  
1982 में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-7-1983

मोहर :

प्रधान आई. डी. एन. एवं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जुलाई 1983

निदेश नं. अमृतसर/83-84/119—अतः मुझे,  
सी० एस० काहनों आई० आर० एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद का 1/2 भाग है तथा जो अमर  
कोट पुतलीघर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982  
को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंडह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्र) और अन्तरिरी  
(अन्तरितायाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य मासितयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था छिगाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भू. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) उषा रानी पत्नी,

श्री हरी प्रकाश शर्मा,

4324, रजनीतपुरा पुतली घर,

अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मै० गुरु तेग बाहादुर छड़स्ट्रीज,

अमरकोट पुतलीघर,

अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर में 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
संपत्ति में हितबद्ध है)

क्वे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

1/2 भाग जायदाद का जो अमरकोट पुतलीघर, अमृतसर  
में है जैसा सेल डी नं. 13113 तारीख 1-12-82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एम० काहनों आई० आर० एस०

सकम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29-7-1983

मोहर :

प्रसूप आई० ई० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जुलाई 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/120—अन: मुझे,  
सी० एस० काहूलों आई० आर० एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कोट महत राम  
सरन दास, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा रु लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री करतार कौर सिंह विधवा  
श्री हरबंस सिंह,  
गली नं० 2, पुतली घर,  
आजाद नगर,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मै० बमरा इंडस्ट्रीयल कारपोरेशन,  
जी० ई० रोड,  
पुतली घर,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की लाभील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्थावीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक जायदाद जो कोट महत राम सरन दास, अमृतसर  
में है जैसा सेल डीड नं० 13877 दिनांक 17-12-82 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहूलों आई० आर० एस०

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29-7-1983

मोहूर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जुलाई 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/121—अतः मुझे,

सी० एम० काहलौं आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० एक जायदाद है तथा जो बाजार काठीया  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नसिद्धित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक  
रूप से काँथत नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यायित्व में कमी करने ता उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सरबन कांता पत्नी सतपाल छांडा  
छांडीकां, अमृतसर।

श्रीमती रेणमा वहन पत्नी श्री मदन लाल वहन,  
बाजार सिरकी बंदा, अमृतसर।

श्रीमती दर्शनो पत्नी श्री नरिन्द्र पाल मेहरा,  
लारेंस रोड, अमृतसर।

श्रीमती संतोष कुमारी पत्नी श्री सीता राम,  
अरोड़ा, वासी कानपुर अब बाजार सिरकी बंदा,  
अमृतसर।

पुत्रिया काहन चन्द बाजार, सिरकी बंदा,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री दीनानाथ शर्मा पुत्र

प० चन्द्राम शर्मा,  
प्रताप बाजार, वैष्णो मार्किट, (ग्रन्तरिती)  
अमृतसर।

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में संपत्ति है)

(4) मैसर्सं संतोष सिंह आया सिंह द्रक

मैनुफैक्चरर्स, अमृतसर  
रु० 40/- प्रति माह।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

एक जायदाद जो बाजार काठियां अमृतसर में है जैसा  
सेल डील नं० 14122 तारीख 20-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एम० काहलौं आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-7-1983

मोहर :

प्रसूप आई. टो. एन. एस. -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर,  
अमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1983  
निदेश सं० अमृतसर/83-84/122—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो फतहगढ़  
चूड़ियां, बटाला में स्थित है (और इससे उपाखद अनुमूल्य में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान उचित जो अद्वैत प्रतिशत से अधिक है और  
प्रस्तावक (प्रतिशतों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रत्यरोग हैं तिनि तारा गया गया प्रतिफल, निम्नविवित  
इन्हें ने उस अवधारा लिखित में वास्तविक रूप से कहिया  
रही किया था है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
से, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में सूचिता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—

22-246GI/83

(1) श्री तारा सिंह पुल श्री तेजा सिंह,  
गांव नमाज पुर,  
तहसील अजनाला,  
अब फतहगढ़ चूड़ियां,  
तहसील बटाला।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरनाम सिंह सुरजन सिंह,, तरलोचन सिंह  
धनवन्त सिंह पुवान लहना सिंह,  
गांव जिला लेजा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो—  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

**मूलसूची**

एक भूमि का प्लाट जो फतहगढ़, चूड़ियां, तहसील बटाला  
में है जैसा सेल डीड नं० 4809 तारीख 1-12-82 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बटाला में वर्ज है।

सी० ए० काहलों आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 30-7-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 30 जलाई 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/123—अतः ममे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो इसलामाबाद,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल के लिए एसे इस्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इन्हें किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्जे के अन्तरक के  
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तर्रती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

' 1) श्री चुनी लाल पुत्र राम जस मल,  
कटड़ा भाई संत सिंह,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मै० एकमा वुलन इंडस्ट्रीज,  
अमृतसर चाह भल्ले वाला,  
इसलामाबाद,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति  
में हितबद्ध है) को  
यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से  
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति घेरे हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिमिट में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक जायदाद जो इसलामाबाद, अमृतसर में है जैसा सेल  
डीड नं० 13469 तारीख 8-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एम०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-7-1983

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 अगस्त, 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/124—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो चौंक बाबा साहब,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पंचव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनियोग के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री चमन लाल गुप्ता पुत्र राम रत्न गुप्ता,  
1/23, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

और प्रेम सागर गुप्ता पुत्र किशनचन्द गुप्ता,

88 ए, कमला नगर, नई दिल्ली।

प्रदीप कुमार गुप्ता पुत्र किशनचन्द गुप्ता,

88ए, गुलशन बांसल जे 139,

रजोरी गाँड़न, नई दिल्ली।

विजय कुमारी पुत्री केशनचन्द गुप्ता,

पत्नी श्री अशोक कुमार,

विवेक रोड, पानीपत।

विपल पुत्री श्री किशनचन्द

पत्नी श्री विमल कुमार,

120, रजोरी गाँड़न, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मांति सरूप पिपलानी,

प्रिसीपल शहजादानन्द कालेज,

हेमराज पिपलानी, चौक बाबा साहब, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्ष्योकरण :**—इसमें प्रदूषक वस्तुओं और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

एक जायदाद जो कटड़ा राम गड़ीया, चौक, बाबा साहब,  
अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 13842 तारीख  
16-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/125—अतः मुझे,

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो भवानी नगर, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंशित है), रजिस्ट्रीगर्त अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में रुचिरा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नसीब कौर पत्नी  
श्री ठाकुर सिंह,  
भवानी नगर,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनुका सेठी पत्नी  
श्री विजय कुमार सेठी,  
मजीठ मंडी,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग़ाज़ोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक जायदाद जो भवानी नगर, मजीठ रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा सेल डीइ नं० 13466 तारीख 8-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-19833

मोहर:

ग्रहण आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/126—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो सरकुलर रोड,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चव प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित  
में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अस्तरित दबारा प्रेक्ट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वलजीत सिंह पुत्र  
श्री सेवा सिंह,  
मकान नं० 714/6-4, गली  
बाग बाली बागशाहा सिंह,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान जन्द पुत्र श्री गंगा राम,  
श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र  
श्री ज्ञान घन्द,  
ठाब खटिकां, अमृतसर,  
श्रीमती सुदर्शन रानी पत्नी श्री छुला कुमार चौपड़ा,  
नरायन नगर, गाल बाग,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिगोग  
में सम्पत्ति है )

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो—  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अमृतसरी**

एक भूमि का प्लाट जो सरकुलर रोड, अमृतसर में है  
जैसा-सेल डीड नं० 14647 तारीख 31-12-82 को रजिस्ट्री—  
कर्ता के अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983

मोहर :

प्रसूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निवेश सं. अमृतसर/83-84/127—अतः मुझे,

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो सरकुलर रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए गम्भीरता की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपि यूरोपित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है थीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री दलजीत सिंह पुत्र श्री सेवा सिंह,  
मकान सं. 714/64,  
गली बाग बाली,  
बाग सड़ा सिंह,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री नवल किशोर चोपड़ा पुत्र  
श्री कृष्ण कुमार,  
बाजार कसेरिया,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं. 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो सरकुलर रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डील नं. 14648 तारीख 31-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण')

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/128—अतः मुझे,

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० एक भौम का प्लाट है तथा जो तुंगबाला,  
अमृतसर में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए रव्य पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र  
श्री पूरन चन्द्र,  
62, हुकम सिंह रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह पुत्र  
श्री वीदार सिंह,  
गांव दबूरजी,  
डाकघासा ठाठी खारा,  
तहसील तरन तारन,  
जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रबन्धित शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो सरकुलर रोड, तुंगबाला अमृतसर में है  
जैसा सेल डीड न० 14625 तारीख 24-12-82 को रजिस्ट्री-  
कर्ट अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण')  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/129—अतः मुझे, सी०  
एस० काहलों आई० आर० एस०,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो भवानी नगर,  
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उपरेक्षाओं से उक्त अन्तरण निम्निक्त में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नसीब कौर पत्नी  
श्री ठाकुर सिंह,  
भवानी नगर,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार सेठी पुत्र  
श्री सोहन भाल सेठी,  
मजीठ मण्डी निकट न्यू बैंक आफ इण्डिया,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो।  
1. श्री कुण्ठ चन्द्र रु 450/-।  
2. श्री धीम सैन रु 150/-।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक जायदाद जो भवानी नगर, मजीठ रोड, अमृतसर में  
है जैसा सेल डीड नं० 13430 तारीख 7-12-82 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर ; में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (नियोजन)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983  
मोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/130—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो बसंत नगर,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मूँहे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पवाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तर्रिती (अन्तर्रितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हई किसी आय को आवत सूचना अधि-  
नियम के शास्त्रीय कर देने के प्रत्यक्षर के शायित्र में कठी-  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्रित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तिलक राज पुत्र  
श्री राम दिता, मल  
बसन्त नगर,  
मजीठा रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश चन्द्र पुत्र  
श्री पिंशोरी लाल,  
166, कटड़ा मोती राम,  
अब 20 बसन्त नगर,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथक शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसंधी

एक भूमि का प्लाट जो बसन्त नगर, अमृतसर में है  
जैसा सेल डीड नं० 14470 तारीख 28-12-82 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/131—अतः मुझे, सी० एस०  
काहलों आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो काशीर  
एवं अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद अनुमूली में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच एसें अन्तरण के लिए हय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित से  
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
के अधीन देने पा उससे बचने में शुद्धिका के निए  
और/या

(ख) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन्के  
के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा  
के लिए;

अतः भगव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन सिंह पुन्न  
श्री सरदुल सिंह,  
माल मण्डी,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिम्दर भाकहत पुन्न  
पन्ना लाला भरीप पंरा,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता—  
क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हुतवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित हो किए जा सकेंगे।

**उपर्युक्त:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो काशीर एवं अमृतसर में  
है जैसा सेन डीड नं० 13952 तारीख 17-12-82 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एम० काहलों, आई० आर० एस०,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983  
मोहर :

प्रध्युम आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भार 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/132—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सभग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग एक भूमि का प्लाट है तथा जो  
दयानन्द नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीगकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पंडह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तदेश से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरदीप कीर विधवा

स्व० तेजा सिंह, संतोष सिंह,  
श्री जगतार सिंह, गुरदेव सिंह और  
श्री सुमन्द सिंह पुत्रान  
श्री तेजा सिंह,  
मकबूल रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री केवल किशन पुत्र श्री हरी किशन,  
कूचा मसत गढ़,  
अमृतसर।

(अन्तरी)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किशनदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके अभिभोग में  
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता—  
अरी जनना है कि वह सम्पत्ति  
में हितमद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी 'आश्रय' :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर्व  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि या वह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद या  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 48/13-वी, जो गली नं० 3, दयानन्द  
नगर, अमृतसर में है जैसा सेल छीड़ नं० 14629 तारीख  
31-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० ए स० काहलों आई० आर० एस०  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983

मोद्र :

प्राप्त आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निवेद सं० ए० एस० आर०/83-84/133—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थान भूमि, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो दयानन्द  
नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्ननिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उसमें घब्ने में सूचिता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय भा किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था छिपाने में सूचिता  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्ननिचित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्रीमती गुरदीप कौर विवाह  
स्व० तेजा सिंह, सन्तोष सिंह,  
श्री जगतार सिंह, श्री गुरदेव सिंह  
और समन्त्र सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह,  
मकबूल रोड,  
अमृतसर।

(2) श्रीमती सुनिला रानी पत्नी  
श्री सुरिन्दर कुमार,  
निमक मण्डी,  
अमृतसर।

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो—  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जहाँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए  
कार्यनाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अमृतसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 48/13 बी, जो गंगी नं० 3,  
दयानन्द नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 14613/  
31-12-82 को रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983

मोहर

प्रकल्प बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बाबा शाम दास पुत्र  
श्री राम भला,  
576, बसन्त एवेन्यू,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84—अतः, मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो तुंग बाला सरकुलर  
रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसै छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-  
कृत निस्तालिष्ठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरुण से हट्टे किसी धारा की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
साथित्व में कहीं करने या उससे बचने में सुविधा  
के सिए; और/या

(घ) ऐसी किसी धारा या किसी भूमि या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय धारा कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरुण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, जिसमें  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(2) श्री इंद्रजीत सिंह चीमा  
पुत्र दलीप सिंह चीमा,  
4760, गुरु नानक बाड़ा,  
खालसा कालेज,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

कि यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहियां करता है।

उपर सम्पत्ति के अंतर्गत सम्पत्ति भूमि कोई भी नामेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भू  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भूमि से किसी अविकृत दृष्टारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति दृष्टारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित भूमि किए जा सकेंगे।

**लक्षणोक्तरणः**--इसमें प्रयुक्त सभ्यों और पर्यावरण, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिलिखित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो तुंग बाला, सरकुलर रोड, अमृतसर में  
है जैसा सेल डीड नं० 14568 तारीख 30-12-82 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983

मोहर :

दस्तावेज़ दो पृष्ठे ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत चारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/135—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलो आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तुंगवाली  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में विनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रक्षयमान  
प्रतिफल के लिए भंसारित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रक्षयमान प्रतिफल सं, एस० रक्षयमान प्रतिफल का  
पञ्चवाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती  
बंतरिती (बंतरितायों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से मधित नहीं किया गया है:--

(क) बन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर हेने के अन्तरण के बावित में करनी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती मिर्मला भारद्वाज पत्नी  
श्री जोगिन्द्र पाल,  
मणीठ रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री इनद्रजीत कौर पत्नी  
श्री जोगिन्द्र सिंह,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बाबत के सम्बन्ध में कोई भी जावेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख उ०  
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख उ०  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद  
निश्चित में किए जा सकते।

**स्वाक्षीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

एक भूमि का प्लाट जो कुंग बाता, अमृतसर में है जैसा  
सेन डीड नं० 14583 तारीख 20-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1983

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमूल्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/139—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो रानी  
का बाग, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(३) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दरें के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे दरने में सुविधा के लिए;  
और/या

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-प्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) श्री बेदी राम सिंह पुत्र  
श्री बेदी इशर सिंह,  
23 रानी का बाग,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार पुत्र  
श्री सुदागर सिंह,  
वासी नरेन गढ़ छहरडा,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपरनं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

(4) और कोई।

(5) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्तक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सप्तसप्ताही व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो रानी का बाग, अमृतसर में  
जैसा सेल हाइड नं० 14130 तारीख 21-12-82 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में हर्जे है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1983

निवेश सं ० अतमृसर/83-84/140—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में एक भूमि का प्लाट है तथा जो तुंग बाला,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल, से ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्थ ह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृ किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उस अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश पुजा  
श्री वीवान चन्द्र,  
पवन नगर,  
अमृतसर।

(अंतरक)

(2) श्री तिलक राज पुजा  
श्री ईशर दास,  
पवन नगर,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं ० २ में कोई किराएदार है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील भौ 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भौ से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित भौ किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### बनसूची

एक भूमि का प्लाट जो टी० पी० स्कीम, नं० 53,  
तुंग बाला, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 13689 तारीख  
13-12-82को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

## प्रकाश आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश स० अमतसर/83-84/141—अतः मुझे, सी० एस०  
काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो सदर बाजार,  
गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबूझ अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी बाब की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रष्टिक  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अस्ति :--

14 —246GI/83

(1) श्रीमती विद्यावती विधवा  
श्री लाला हरबंस लाल  
वासी भरथ काजी चक,  
तहसील व जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरारी लाल पुत्र  
कुंजलाल वासी गांधी चौक,  
सदर बाजार,  
गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
श्री अमर सिंह, 22/- महीना किराया।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल चे 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अव्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानिकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक जायदाद जो गांधी चौक, सदर बाजार, गुरदासपुर,  
में है जैसा सेल डीड नं० 5617 तारीख 13-12-82 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, गुरदासपुर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

(1) अमृतसर हम्प्रूबेंट ट्रस्ट,  
अन्नमृतसर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/142—अतः मुझे, सी० एस०  
काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कनेडी  
एवन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौ उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपर्याप्त (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(2) श्री केवार नाथ टण्डन, रजिस्ट्र कुमार टण्डन,  
श्री ठाकर दास टण्डन शाम सुन्दर टण्डन  
पुत्रान श्री रामचन्द्र टण्डन,  
43, कनेडी एवन्यू,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबढ़ है)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाखेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### मन्त्रसूची

एक भूमि का प्लाट जो 43 कनेडी एवन्यू, अमृतसर में  
है जैसा ऐल डीड नं० 13579 तारीख 10-12-82 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रख्यात आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निवेश सं 0 अमृतसर/83-84/143--अत्र मुझे सी० एस०  
काहलो आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत  
269-प के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तुगबाला,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का फौह विवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृष्टि प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभावा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्री तिलक राज पुत्र  
श्री ईशर दास,  
पवन नगर,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमन चन्दोक,  
पत्नी श्री ललित मोहन,  
19, मकबूल रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरक्ती)

3. जसा कि ऊपर नं 2 में कोई किराएदार हो  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में, अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना बाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पात्रन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव भैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी भैं पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टकारण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो टी० पी० स्कीम नं० 53,  
तुगबाला, अमृतसर में स्थित है जैसा सेल डील नं० 13187  
तारीख 2-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में  
दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०  
संक्षेप प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 6-8-1983  
मोहर :

प्रसूचना आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/144—अतः मुझे, सी० एस०  
कोहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो काश्मीर एवन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(इ) अन्तरण के हौई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन सिंह पुत्र  
श्री सरदूल सिंह,  
भाल मण्डी,  
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रविन्दर पाल पत्नी  
श्री नरिन्दर सिंह,  
127 गोपाल नगर,  
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है )

(4) और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञोहण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त प्रविनियम के प्रार्थीय 20- में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमृतसरी

एक भूमि का प्लाट जो काश्मीर एवन्यू, तुंग बाला, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 13136 तारीख 1-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी० एस० कोहलों, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्र० श्री राज कुमार वाही पुन्न  
टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/145—अतः मुझे, सी० एस०  
काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद का 1/4 भाग है तथा जो गली  
खटीकां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्णा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वात्तव्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए;  
और/या

(क्ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज कुमार वाही पुन्न  
श्री नन्द किशोर वाही,  
कटड़ा दूलो,  
लोह गढ़, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुन्न  
श्री कुन्दन लाल,  
वासी 60 रानी का बाग, अमृतसर  
अब गली खटीकां कूचा ठोहान मल  
अन्दर लोहगढ़ गेट के  
सामने, गुच्छारा रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यभाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

1/4 भाग जायदाद जो गली खटीकां, अन्दर लोहगढ़  
गेट, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 13574 दिनांक  
10-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-8-1983  
मोहर :

इस्पृ नाई. डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर.

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/146—अतः मुझे, सी०  
एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० एक जायदाद का 1/4 भाग है तथा जो गली  
खट्टीकां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वैकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत दरे अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरमें,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज कुमार वाही पुत्र  
श्री नन्द किशोर वाही,  
कट्ठा दूलो लोहगढ़ गेट,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार पुत्र  
श्री कुन्दन लाल,  
वासी 60 रानी का बाग, अमृतसर,  
बब गली खट्टीकां कूचा ठोहान मल  
अदर लोहगढ़ गेट  
के सामने गुरुद्वारा, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो—  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के उत्तराधि में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

1/4 भाग जायदाद जो गली खट्टीकां अंदरसे लोहगढ़  
गेट, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 13575 तारीख  
10-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/147—अतः भुमि,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और सिक्की सं० 1/2 भाग जायदाद का है तथा जो गुरु  
अर्जन नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उत्तरवेश से उक्त अंतरण लिखित में आस्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरनजीत सिंह पुत्र  
श्री अमर सिंह, पुत्र अतर तिंह,  
578, बसन्त पालन्यू,  
अमृतसर।

(अन्त रक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र  
श्री सत्त राम, कस्तूरी लाला पुत्र  
श्री जगन नाथ,  
भगता वाला गेट,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो—  
दृस्ताभरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताभरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जायदाद का 1/2 भाग जो गुरु अर्जन नगर, सुलतान  
विड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 14495 तारीख  
28-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 8-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
जर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/148—असः मुझे,  
सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रभावतु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग जायदाद का गर अर्जन नगर,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भूतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कंवलजीत सिंह पुत्र  
श्री अमर सिंह जुनेजा,  
आसी अमृतसर,  
श्री अमर सिंह जुनेजा पुत्र  
श्री अतर सिंह हकीम,  
578 बसन्त एवन्यू,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सतपाल सुरिंदर कुमार और  
श्री सुख देव राज पुत्रान  
श्री ज्ञान चन्द,  
गेट भगतां बाला,  
अखारा कालू पहलवान,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता—  
क्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आसी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

दूसरा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं;  
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद गो गुरु अर्जन नगर, सुलतान चिंड,  
अमृतसर में है तथा जो सेल डीड नं० 14494 तारीख  
28-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्जे है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
जर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
२६९-घ (1) के अधीन सूचना

भारत चुरकाप्र

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश सं ० अमृतसर/८३-८४/१४९—अतः, मुझे, सी०  
एस० काहलों आई० आर० एम०

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. सं अधिक है।

और जिसकी सं ० एक भूमि का ज्ञात है तथा जो लारेंस रोड,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूल्य में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीक, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि विधायकीय सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
वल्लभ प्रतिक्रियत सं अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरीती  
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे वल्लभ के लिए तथा पाता गया अधिक-  
पत्र विधिविहित उद्योगेय से उक्त अंतरक विधिविहित में वास्तविक  
क्षमता अधिकत नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण सं हूई जिसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के क्षयित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/जा

(घ) एसी जिसी आय या जिसी भग या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए था, लिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः गम उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

15—246GI/83

(1) डा० जगराम दास और सेवा राम पुत्रान  
श्री कांशीराम,  
मंजीठ मण्डी,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरा सिंह पुत्र  
श्री दलिप मिह,  
चौरासठी अटारी अरदासिया,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(3) जैसा ऊपर सं ० २ में कोई किराएदार हो।  
(वह अक्षित, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह अक्षित, जिसके बारे में  
अधोहस्ताक्षर जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुमूल्य

एक भूमि का ज्ञात जो लारेंस रोड, अमृतसर में है जैसा  
सेवल डीड नं १३७३४ तारीख १४-१२-८२ को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एम०  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री अवतार मिह पुत्र

श्री दुला मिह,

52 कनेडी पैकेन्यू,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ 111 के अधान में

भारत सरकार

(2) श्री विहारी लाल पुत्र

श्री सुलखान मल,

बाहर थी मण्डी गेट,

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर,

(3) जैसा ऊपर सं 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है )

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानना है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिता  
के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
संविधा के लिए;

1/6 भाग जायदाद का जो राम तलाई रोड, अमृतसर में है  
जैसा सेल डीड नं 13996 तारीख 20-12-82 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

मी० एस० काहलौ, आई० आर० एस०  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूप  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लप्पारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

लैट. फॉ. टी.एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) को अधीन मध्यम

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/151—अतः मुझे,  
सी० एस० काहलो आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से ऊपरी है

और जिसकी सं० 1/2 भाग भूमि का है तथा जा गाव हरे  
तहसील अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद अनुमूली में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, एसे रख्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उत्तराश्य में उक्त अंतरण निम्नित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै 1/किसी आय की बावत, ठवत  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क  
वायित्य में कमी करने या उससे बचन में सुनिधि  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या दिक्या जाना चाहिए था, छिपाने में  
हृषिका के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, वी भाग 269-ग के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5—

(1) श्री बाबा मिह, चंचल सिंह पुत्रान  
श्री किशन मिह, गुरनाम कौर  
विधवा किशन सिंह,  
श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र खजान सिंह,  
श्री मखान मिह पुत्र दलीप सिंह,  
1901 भारती गरो रोड, पार्टमेंट्स।  
618 रेक्सीडिएल, आनटोरियो द्वारा  
अनुदेव सिंह पुत्र मखान सिंह,  
वासीगाव हरे तहसील अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्री नाथ खोसला पुत्र  
श्री जगत मोहन खोसला,  
जयवीर खोसला पुत्र जगत मोहन खोसला,  
वासीसरकुलर रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपरसे 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ज्ञाहें भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त सब्जें और पद्धें का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुमूली

1/2 भाग भूमि जो गाव हरे तहसील अमृतसर में है जैसा  
सेल डीड नं० 14460 तारीख 27-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलो आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० एस०प्रार०/८३-८४/१५२—अतः, मुझे, सी०  
एस० काहलों, आई० आर० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000' रु. से अधिक है

और जिसकी म० एक भूमि का प्लाट है तथा जो जी० टी०  
रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के बराबर है और इसके बाद अनुसूची में  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भागीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दिलारा गक्ट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए:

अतः अब उपर, अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गोविन्दर सिंह पुत्र श्री सुखदिर सिंह,  
46 हाइड मार्किट, अमृतसर।  
2. श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री तारा सिंह,  
165 सामने रेलवे स्टेशन,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

- (2) श्री डी० के० खन्ना पुत्र श्री दारका दास खन्ना,  
वासी 47, एम० टी० अमृतसर,  
अब-5-वी० २०(नी० व) तारा,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० २ में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधि-  
भोग में सम्मति है)

- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पाद्य के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करका हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 200 वर्ग गज जो जी० टी० रोड,  
निकट रीगो पुल, अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 13949  
तारीख 17-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में  
दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० ए०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : ९-८-१९८३  
मोहर :

प्रसूप शाहै. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/153—अतः मुझे, सी०

एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/5 भाग जायदाद है तथा जो कटरा  
परजा, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ' किसी आय की आबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिपने में संविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, 'मैं', उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुशीला शर्मा पत्नी  
श्री राम सरन दास,  
वासी कटरा परजा,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मानवती पत्नी  
श्री हीरालाल,  
वासी गली बेली राम कटरा,  
परजा, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो—  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के व्यापार 20-के में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस व्यापार में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

1/5 भाग जायदाद का जो कटड़ा परजा, अमृतसर में  
है जैसा मेल डीड नं० 13808 तारीख 16-12-82 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा  
269-प(1) के प्रश्नों सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतहर, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं० ऐ० एस० आर० /८३-८४/१५४—अतः, मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सामान प्राधिकारी थी, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- प० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग है तथा जो गांव हरे, तहसील अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के नियम अनुसार की गाई है और मूर्के यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना इनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यथादृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित ने वांतविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी वरन् या उसके बचने पर सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी आना आवृत्ति था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुत्तरण में, पर्याप्त उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कननैल सिंह पुत्र श्री दिलीप सिंह,  
श्री सरवन सिंह, जागीर सिंह पुत्र  
श्री सुरजन सिंह, जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री मंगल  
सिंह, श्री किरपाल कौर पत्नी श्री सरवन सिंह,  
छिंदो पुत्री श्री मंगल सिंह, श्रीमती करतार कौर  
विधवा श्री मंगल सिंह द्वारा जो श्री जोगिन्दर सिंह  
जनरल एटार्नी, बंसो पुत्री श्री मंगल सिंह,  
द्वारा श्री जोगिन्दर सिंह जनरल एटार्नी  
वासी गांव—हरे, तहसील—अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुम्कु मेहरा पत्नी  
श्री विजय मेहरा,  
वासी सरकुलर रोड,  
मेडिकल कालेज,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरागदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके

अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

फो यह सूचना आरी करके एवैक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायेक्षणिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्त्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग भूमि का जो गांव हरे, तहसील अमृतसर है जैसा सेल डीड नं० 14461 तारीख 27-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

मी० एस० काहलों आई० आर० एस०  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट लाइ. टी. एन. एस. —————

(1) श्री ओम प्रकाश लाटा पुत्र  
श्री हरबस लाल लाटा,  
37, गरीन एवन्यू,  
अमृतसर।

(अन्त च)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1983

निरेश सं० अमृतसर/83-84/155—अत. मुझे, सी०

एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गरीन एवन्यू,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिमान  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मृक्षे वह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवृत्ति अन्तरित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हृहृ किसी भव्य की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दावित में कही करने या उक्त दावित में सूचिया  
के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आय या एकसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया  
जाना भाहिए भा छियाने में सूचिया के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :

(2) श्री मरुप सिंह पुत्र बिला सिंह,  
श्रीमती प्रकाश कीर पत्नी  
श्री सरुप सिंह,  
श्री सुरिन्दर सिंह, श्री हरिन्दर सिंह पुत्रान  
श्री सरुप सिंह,  
37, गरीन एवन्यू,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरण दार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-  
कारी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए,  
कार्यशालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जालेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के  
पास सिद्धित भैं किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, एवं अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में, दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक जायदाद जो 37 गरीन एवन्यू, अमृतसर में है जैसा  
सेल लाइ नं० 14541 तारीख 30-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आर० आर० एस०  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. प्रस. - - - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जुलाई 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/117—अतः मुझे, सी०  
एस० काहलों आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटडा बाग सिंह,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अतिरक्त (अन्तरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित 'उद्देश्य से उधर अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की वाक्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगे-  
नार्थ असारिती इवाए प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन लाल पुत्र  
श्री टैक चन्द,  
कटडा बाग सिंह,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अबनाश शोरी पत्नी  
झा० बलबीर चन्द शोरी,  
बाजार लाला अनन्त राम,  
कटडा बाग सिंह,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
श्री राज कुमार पुत्र श्री शोरी लाल अमृतसर।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर  
सूचना की तामील से 30 दिन का विवरण, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अमृतसरी

एक जायदाद जो कटडा बाग सिंह, अमृतसर में है जैसा  
मैल डोड नं० 13941 तारीख 17-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-7-1983

मोहर :

प्रस्तुप आर्ह. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती पालाट कनिसाबि, स्वा० कादर हाजी की पत्नि  
ऐरोकापा मजिल, कल्लूर, पिओ मटनन्नूर।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्री उम्मालिन मम्मूटी हाजी अब्दु रहिमान के पुत्र,  
धर्माङ्गमा पि० ओ० मटनन्नूर।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

कोचिच्चन-16, दिनांक 12 अगस्त 1983

निवेश सं० एल० सी० 653/83-84—यतः मुझे, पी० जे०  
तोमसकुर्टी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सधार्थ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो महानूर में स्थित  
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय महानूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-12-82  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुनिधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

6 3/4 cents of land with a building in Sy. No. 64/4 AIL  
48 1/E of Maltannur village as per schedule attached to  
Document No. 1937/82 dated 27-12-1982.(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;पी० जे० तोमसकुर्टी,  
सधार्थ प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम्अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-246GI/83

तारीख : 12-8-1983

मोहर :

प्रभ्रप्प आदि टी.एन.पाय -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) से मध्येन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अगस्त 1983

निवेश नं ८० पी० नं० 4567—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के उचित सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हृह किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्तियों में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की जाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा द्वारा

(1) श्री दीवान कारता कृष्ण पुन्न राज साहिब दीवान चन्द, 246-माडल टाऊन जालन्धर, मुख्तार आम मुख्तारी कौर पत्नी महाबीर सिंह, 198-2, माडल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार पुन्न राम लाल वासी वास मण्डी, मलेर कोटला जिला संग्रहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीर्थ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्राप्तीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसे किंवित विलेख नं० 6277 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 11-8-1983

मोद्दर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अगस्त 1983

. निदेश वं० ए० पी० सं० नं० 4568:—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्णकर्ता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नसिद्धि उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के विविध में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी फिसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्री दीवान कारता कृष्ण पुत्र राए साहिब, दीवान चन्द, वासी—246-माडल टाऊन जलन्धर। मुख्तार आम, सविन्द्र पुरी पत्नी हंस राज पुरी, 198/2, माडल टाउन, जलन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश कुमार पुत्र राम लाल वासी वास मण्डी, मलेर कोटला, जिला संगरुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी कार्रवा-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनुभ विस्तृत व्यक्ति के विविध अधिकारी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6278 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 11-8-1983.

मोहर :

प्रस्तुप थाई.टी.एल.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अगस्त 1983

निवेश न. ए. पी. न 4569—यत् मुझे, जे. एल.  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पैशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी गं. जैसा कि अनुसूची में निखा है। तथा जो  
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
बैधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हार्दिकत्व में कही कल्पना या इससे बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आवृत्ति था, किन्तु में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगमाहेन सिंह पुत्र इंशर सिंह वासी 696 मोहा  
सिंह नगर जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री हर्वंस सिंह पुत्र महिन्द्र सिंह वासी सौदपुर जिला  
कपुरथला।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त हम्पति के वर्जन के सिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षयेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पूर्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के  
पास निवित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5918 दिनांक  
दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकूर्ट अधिकारी जालन्धर ने लिखा  
है।

जे. एल. गिरधर  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज़, जालन्धर

तारीख : 12-8-1983  
मोहर :

प्रकल्प बाहर दी, भारत एवं अन्तर्राष्ट्रीय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना :

भारत खरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० छ० पी० नं० 4570:—यतः मुझे, जे० एल  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जितकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर  
में स्थित है (और इससे उपांचड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर  
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित  
में बास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती बलपत्र कौर पत्नी ईशरी सिंह, 696, मोता  
सिंह नगर, जालन्धर, मुख्तार आम जगमोहन सिंह।  
(अन्तरक)

(2) श्री अमरीक सिंह पुन्र महिन्द्र सिंह वासी सैदपुर, जिला  
कपूरथला।

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्ति नाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 5919 दिनांक  
दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने  
लिखा है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

तारीख : 12-8-83

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट एन.एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग  
269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत दूरध्वार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० पी० सं० 4571—यसः मुझे, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,  
1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत रो अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर इन्हें के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(छ) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय  
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया जा दा किया जाना चाहिए था छिपाने से  
सुविधा के लिए;

यसः जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ष की उपभाय (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगमोहन सिंह पुत्र ईशर सिंह वासी 896-मोता  
सिंह नगर, जालन्धर। खुद व मुख्तार आम बलवत कौर  
पत्नी।

(अन्तरक)

(2) श्री संतोष सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह वासी मैद पुर जिला  
कपूरथला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वास्तुपै :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों वर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसे कि विनेश नं० 6074 दिनांक  
दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा  
है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्रम अधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 अगस्त, 1983

मोहर :

प्रकल्प बाई<sup>१</sup>, टी. एन. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अगस्त 1983

निवेश सं० ए० पी० नं० 4572 और 4573:—यतः मुझे,  
जे० ए० ए० गिरधर,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव चक्रकार सिंह वाला तहिं नथाना में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नथाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छव्यमान प्रतिफल से, ऐसे छव्यमान प्रतिफल का  
एडह प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरीती  
(जंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेखों से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से छुट्टे किसी बाब की नावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाबिल्य में कठीन करने या उक्त सम्पत्ति में तुषिभा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आँसूचों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रदाननार्थ अस्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था, या किया जाना चाहिए था, लियाने में संविधा  
के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमर नाथ और जगन नाथ सपुत्र श्री भगत राम  
गांव चक्रकार सिंह वाला तहिं नथाना।

(अन्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह पुत्र नथा सिंह गांव मुर्धी खुर्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आव्वेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1292 और 1293  
दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नथाना में  
लिखा है।

जे० ए० ए० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख . 12-8-1983.

मोहर :

प्रस्तुत नाइँ, टी. एन. एस. -----  
 जालन्धर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4574:—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोबचक फते सिंह वाला तहिं नथाना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नथाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कों गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) बन्दोस्त वे हूर्द किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के बाबत में कभी करने या उससे बचने वाले सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वाले सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंगल सिंह पुत्र चानन सिंह गांव चक फते सिंह वाला तहिं नथाना।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह पुत्र राम लाल और राम लाल पुत्र काका सिंह मारफत गुरचरन सिंह पुत्र राम लाल गांव चक फते सिंह वाला, तहिं नथाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोपित करने के लिए निम्नलिखित सूचना दर्शाता है :

उपरोक्त सूचना के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

(क) इस सूचना के दातान, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के दातान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त दातान उपरोक्त में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, कोनसोनारी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

**उपरोक्तरम्:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 30-वां में सरिजावित है, वही अर्थ होता, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

मृदूली

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1320 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नथाना में लिखा है।

जे० एल० गिरधर,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12-8-1983।

मोहर :

प्रलेप आई. टी एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहाया ३८० ८५ युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदे स० ए० पी० न० १५४४—यत मुझे० जे० ए० ए०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उन नियमों' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु में अधिक है

और जिसकी स० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्वप्न में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की रही है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और उन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिन्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त जीभिन्यम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वाया प्रवाट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्नरण  
में, मौं, उन जीभिन्यों की जाने ८८७ ग एवं उपभार (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री गुरमेत मिह पुत्र जगीर सिंह  
वासी—मुलतानिया रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती पुष्पा देवी, पत्नी प्रमोद कुमार,  
सरकारी हाई स्कूल, मलोट ।
- (2) प्रमोद कुमार पुत्र कनवर सेन, मारफत जैसा  
कि ऊपर है ।
- (3) सुखदेव सिंह पुत्र गजन सिंह मारफत मुरिन्द  
कुमार गर्ग,

जिना अटोर्ने वा दफ्तर, भटिण्डा ।

- (4) जमबन्त सिंह पुत्र कन्हों के सिंह मारफत जैसा  
कि ऊपर है ।
- (5) जमबन्त पुत्र मोहनलाल एस० ओ० मैकेनीकल  
पब्लिक हैल्थ, मोड मण्डी ।
- (6) राजीव तलबाड़ पुत्र किशोरीलाल कल्कि  
एन० एफ० एल० भटिण्डा ।
- (7) आदर्ण गुलामी पुत्र वेद प्रकाश मलटक जैसा कि  
ऊपर स० ४ है ।
- (8) अन्तिम गर्मा पुत्र आर० के० गर्मा मारफत  
मुरिन्द्र कुमार गर्ग  
जिला—प्रटोरनी का दफ्तर, भटिण्डा ।
- (9) मीता गम पुत्र गिर्वी राम, मास्टर जी एन०  
एस० तख्त तारन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से  
45 दिन की वर्तिया या उसकान्ती व्यक्तियों पर  
सूचना दी सामील ए० ३० दिन तकी वर्तिया, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया  
गया है ।

गन्तव्य

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा एक विलेख न० 5559 दिनाक  
दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा  
है ।

जे० एन० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

प्रस्तुप बाईर्स टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश सं० /ए० पी० न० 1545—यत् मुझे, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० अनुमूल्यी में लिखी है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुमूल्यी में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में है किसी आय की वापत रक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में क्या वर्तमान विवरण के लिए, और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री मनकीत सिंह पुत्र जंगीर सिंह वासी—मूलतानीया रोड, भटिण्डा

(अन्तरक)

(2) (1) श्री राजवीर पुत्र कुलदीप राय मारफत सुरिन्द्र कुमार गर्ग।

जिला—अटोरनी का दफतर भटिण्डा।

(2) अनीता ललवाड़ पत्नी राजीव जे० एल० एल० भटिण्डा।

(3) सुभाष वर्मन पुत्र श्रीजग्नाल

(4) पूनम वर्मन पत्नी सुभाष वर्मन, कलर्क जे० एल० डी० डी० पी० भटिण्डा।

(5) शान्ति देवी पत्नी पतराम शोपकीपर रामपुरा फूल।

(6) वेद रानी उर्फ श्रावा रानी पत्नी कुलवन्त राय वपड़ासी।

जिना—अटोरनी का दफतर भटिण्डा।

(7) प्रताप कुमार पुत्र सोहन लाल गांव तुलन्डे वाला तहमीन और जिला—भटिण्डा।

(8) राजनेश कुमार पुत्र सोहनलाल गांव बुतडेवाला।

(9) नथु राम पुत्र नाल चन्द टेलीकून आपरेटर रामपुरा फूल।

(10) वेद प्रकाश पुत्र शिवलाल टेलीकून आपरेटर रामपुरा फूल। (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहीं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लैखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्तसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5560 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

जे० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 8-8-83

माहेश

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अगस्त 1983.

निवेश सं०/ए० पी० नं० 4546—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिणा में स्वित है (और इससे उतारदू अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय भटिणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्राप्तिफल, निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवेदनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र जंगीर सिंह वासी—मुनानिया रोड, भटिणा। (अन्तरक)
- (2) श्री मखन सिंह पुत्र गुरबख्श सिंह मारफत सुरिन्द्र कुमार गर्ग सीनियर कलर्क, जिला—अटोरनी का दफ्तर, भटिणा।
- (2) सुमदर धरमपाल पुत्र जगन नाथ एम० ई० एम० भटिणा।
- (3) मुखदेव मिह गुरबख्श सिंह सपुत्र सुमदर रनधीर सिंह एम० ई० एस० भटिणा।

- (4) मुखविन्द्र सिंह पुत्र जरनैल सिंह गांव—पुतो हीरा सिंह जिला—फरीदकोट।
  - (5) आशा रानी पुत्री मोहनलाल कलर्क जिला—अटोरनी का दफ्तर भटिणा।
  - (6) महेन्द्र कौर पुर्वा, महेन्द्र सिंह मारफत सुरिन्द्र कुमार गर्ग।
  - (7) भागीरथ लाल पुत्र काकू राम मारफत मोहिंद्र कुमार गर्ग जिला—अटोरनी का दफ्तर भटिणा।
  - (8) हरविन्द्र सिंह पुत्र उजागर सिंह गांव पल्ला।
  - (9) मुदर्श कौर पत्नी हरविन्द्र सिंह गांव—पल्ला।
  - (10) हमीर सिंह पुत्र जंगार सिंह।
  - (11) मखन सिंह पुत्र जागर सिंह मारफत सुरिन्द्र कुमार गर्ग जिला—अटोरनी का दफ्तर, भटिणा।
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वधिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वधिय, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5561 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा में लिखा है।

जे० ए.ल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 8-8-83

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. पटेल -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आगत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश स० /ए० पी० प०-०५००-४५४७—यत मुझे ज० ए०

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है १५ अप्रूर भार्पात, निष्पदा उत्तिजा बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक १८ सितम्बर,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का बारण है १५ अप्रूर भार्पात सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अतिरिक्ती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण सही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

बत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी:—

1. श्री दियाल सिंह पुत्र जगीर सिंह  
मुलतानिया रोड, भटिण्डा। (अन्तरक)
2. (1) श्रीमती विमला देवी पत्नी दर्शन कुमार मास्टर  
रामपुरा फूल जिला—भटिण्डा।
- (2) चरनजीत कौर पत्नी गमदूर सिंह मारफत  
सुरिन्द्र कुमार गर्ग,  
जिला—अटोरनी का दफ्तर, भटिण्डा।
- (3) सुदर्शन सिंह पुत्र पत्ना सिंह मोगा मारफत  
सुरिन्द्र कुमार गर्ग,  
जिला अटोरनी का दफ्तर, भटिण्डा।

- (4) प्रेम कुमार पुत्र मदन लाल,  
सुरिन्द्र जेल, भटिण्डा।
  - (5) मलकीत कौर पत्नी गुरचरन सिंह  
जाव—वुनादीवाला नहसील और जिला—भटिण्डा।
  - (6) प्रकाश बतो पत्नी अमर नाथ मोगा मारफत  
सुरिन्द्र कुमार गर्ग  
जिला अटोरनी का दफ्तर, भटिण्डा।
  - (7) अणोक कुमार पुत्र रखा राम मारफत सुरिन्द्र  
कुमार गर्ग  
जिला—अटोरनी का दफ्तर, भटिण्डा।
  - (8) परन्नावा सिंह पुत्र गोदा सिंह मारफत बतरा  
बुक डिपो  
मेहना चौक भटिण्डा।
  - (9) अजैब मिह पुत्र बिशन मिह मारफत बतरा बुक  
डिपो मेहना चौक, भटिण्डा। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि ऊपर स० २ में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-  
भोग में भागी है)
- 4 जो व्यक्ति, सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
से हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के गंगा ते सम्बन्ध में काई भी आधेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भ  
अवधिप्राप्त में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तीकरण — इसमें प्रथम घावा और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
विद्या गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विनेख न० 5719 दिनांक  
दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में निखा  
है।

ज० एल० गिरधर  
गक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक 8-8-83  
मोहर .

प्रस्तुप आइ०.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन गृह्णन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अगस्त, 1983

निदेश म०।ग० पी० नं० 4548—यन्तः मुमे जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. ने अपेक्षा दूर

और जिसको स० जैपा० (अनुमूल्यी में लिखा है) तथा जो भटिणा  
में स्थित है (आर इमें उत्तरवाह अनुमूल्यी में और पूर्णत्व में  
बर्णित है), निम्नलिखित प्रविधारी के कार्यालय भटिणा में रजि-  
स्ट्रीकरण जर्दानियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, दिनांक  
दिसम्बर, 1982,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, एसे दूसरमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत गे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धित भूमिकावाले इष्ठ रोकथान नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसा 1करों आय या किसी धन या अन्य आस्तयों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुखदेव सिह पुत्र जंगीर सिह  
वासी—मुलतानिया रोड, भटिणा।  
(अन्तरक)

(2) (1) श्री हरिन्द्र सिह सोनी पुत्र परपपुकार सिह  
मारकत सुरिन्द्र कुमार गर्ग  
जिला—अटोरनी का दफनर, भटिणा।

(2) गुरवचन सिह पुत्र उत्तम चन्द  
मारकत सुरिन्द्र कुमार गर्ग,  
जिला—अटोरनी का दफनर, भटिणा।

- (3) लखवीर सिह पुत्र परपकार सिह रेलवे विभाग  
मारकत जैसा कि ऊपर है।
- (4) भगवती देवी पत्नी रोशनलाल पुत्र भगतराम,  
बुडनाडा भटिणा जिला—भटिणा।
- (5) मनजीत सिह पुत्र बमंत सिह एण्ड जोपानग  
मौ० आए० ए०
- स्टाक पुत्रा पुलिस स्टेशन, भटिणा।
- (6) हरमिन्द्र सिह पुत्र बमंत सिह मारकत जैसा कि  
ऊपर है।
- (7) जगतरन सिह पुत्र सोहन्द्र सिह मारकत सुरिन्द्र  
कुमार गर्ग।  
जिना—अटोरनी का दफनर भटिणा।
- (8) भरजीत कौर पुत्र मुहिन्द्र सिह मारकत जैसा कि  
ऊपर है।
- (9) हरदेव सिह पुत्र करतार सिह  
गाव—नोहता।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
वार्ताहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्रह्म  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5720 दिनांक  
दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा में लिखा  
है।

जे० एल० गिरधर  
मक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 8-8-83  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पो० नं; 4549—यतः मुझे, जे० एल०

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके एकात्म 'अज्ञत अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो  
भटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्हव प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

1. श्री गुरबंश सिंह पुत्र जगीर सिंह वासी मुलतानीया  
रोड, भटिण्डा

(अन्तरक)

(2) श्री/ सुखदेव रानी पत्नी राजिन्द्र कुमार जी०  
एन० डी० टी० पी० भटिण्डा कर्लकर 2 रत्न  
चन्द्र पुत्र करतार चन्द्र मार्कत सुरिन्द्र कुमार  
गरण जिला अटोरनी का दफ्तर, भटिण्डा, 3,  
अमर नाथ जिन्दल कलरक ४० जो० दफ्तर  
पंजाब, चंडीगढ़ 4, अगोर कुमार वर्काल सिवल  
कोट, पलटीश्वर, ५ करिश्मा जिवन पुत्र वेद कुमार  
हाजी रत्न गेट, भटिण्डा, ६, हरदीप सिंह पुत्र  
सोहिन्द्र सिंह, ७, कुलदीप सिंह पुत्र सोहिन्द्र सिंह,  
सरनागर सिंह पुत्र राम सिंह मारफत सुरिन्द्रकुमार  
गरण जिला अटोरनी का दफ्तर, भटिण्डा, ९,  
बरिआम कोर पुत्र सुरिन्द्र पाल सिंह (१०)  
अमनदीप सोनी पुत्र सुरिन्द्र पाल सिंह मास्टर जी  
एन० एस० फरीदकोट,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समिति के अंजन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
मविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलोक्य नं० 5842 दिनांक  
दिसम्बर 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

जे० ए० गिरधर  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख 8-8-1983

सोहर :

प्रकल्प वार्ड, डॉ. एन. एस.-----

योगदान प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्द्हर

जालन्द्हर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4550—यतः मुझे जै० एल०  
गिरधर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके बम्हे पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-प के प्रधीन सभी प्रधिनियमों को, यद्य प्रधिनियम करने  
वा जारा है कि व्यावर प्रधिनियमका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
भटिंडा में स्थित है (और इससे उपावंश अनुसूची में और  
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय  
भटिंडा में रजिस्ट्रालय अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह प्रधिनियम  
करने का कारण है कि व्यावर प्रधिनियम के उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक ही प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
गति (अंतर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव पा किसी धर्म या धर्म आमतः को,  
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम  
या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था किया जान। आहुगा या  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गरतेज सिंह पुत्र जंगीरामह वासी मुलता नी  
रोड, भटिंडा

(अन्तर्फ)

(2) श्री मेजर सिंह पुत्र जागर विह गांव पक्ता राम,,  
2. नछार पिह पुत्र जागर विह पक्ता करा 30  
गुरदेव विह पुत्र फूमन विह गाव सुश्र तबहि  
मानसा 4. हरवंश सिंह पुत्र नाल मिह, 5.  
सुखदर्शन राम पुत्र परम राम दिऊल कारपोरेशन,  
गाव डूता 6 बीजेकुमार पुत्र प्रकाश चन्द 7, अशोक  
कुमार पुत्र देव राज 8 विद्यया देवी पुत्र पूरन चन्द  
मारकत सुरिन्द्र कुमार गुरग जिला अटोरनी  
दफतर भटिंडा, 9, सोता देवी पत्नी मखन  
लाल दुकानदार रामपराफून 10, मखन लाल  
पुत्र पूरन चन्द, रामपूरा केला।

(अन्तर्फी)

मैं यह एवा जारी हराव पूर्णिमा प्रधिनियम के अन्तर्फ  
विह जारीकार्यालय रुदा हूँ।

उक्त प्रधिनियम के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नलमानी नाकिंशो १२  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में मैं किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वी तारीख भी  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रधिनियम में हित-  
पूष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताथरी के  
पास सिसित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोक्तरजः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं,  
वही शब्द होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्रधिनियम तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5843 दिनांक  
दिसम्बर 1983 को रिस्ट्रीक्टरी अधिनियमी भटिंडा में लिखा  
है।

जै० एल० गिरधर;  
पक्तम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्द्हर

विलेख 8-8-1983

मोहर :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Lt. Col. H. S. Banga (Retd.) C/o Ashoka Leyland Ltd., Mataya Indl. Area, Alwar (Rajasthan).  
(Transferor)
- (2) Shri Devinder Singh,  
R/o House No. 84, Sector 11, Chandigarh.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL RTVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1983

Ref. No. CHD/Co/1/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the possession of immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1562 situated at Sector 36-D, Chandigarh described in the schedule annexed hereto, has been allowed to be taken in the Part Performance of a contract by nature referred to in Sec. 53A of the Transfer of Property Act, 1982 (4 of 1982) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 1562, Sector 36-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Agreement to sell dated 5-4-1982/13-9-1982 attached with 37EE forms received in this office on 12-12-1982.

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-8-1983.  
Seal :

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस. -----

(1) श्री राम लाल कपूर पुत्र किंदार नाथ 793

कृष्णा निवास बहूई बबै अमृतसर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सोम नाथ कपूर पुत्र रामलाल कपूर मकान नं.

2639/9 गली लहोरिया कट्ठा करम सिंह  
अमृतसर।

(अन्तरिक्षी)

(3) जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किराएदार हो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 अगस्त 1983

निर्देश सं. ए० सी० आर/83-84/136—यतः मुझे,  
सी० एस० काहलो आई० आर० एम०,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. ए० एक जायदाद जो कट्ठा करम सिंह अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिरी (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—246GI/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उक्त को सिए  
कार्यवालिकार्यों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक जाएदाद जो भानी लहोरिया कट्ठा करम सिंह अमृतसर  
में है जैसा सेन डीड रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में  
दर्ज है।सी० एस० काहलो आई० आर० एस०  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 4 अगस्त 1983

निर्देश सं. ए. १८० आरा० /४३-४/१३७—यतः मुझे  
सी० एस० काहलो० आई० आरा० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की विवारा 269-ग के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उत्तिवाचार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद जो कटरा करम सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृष्टि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अवशरक के वायिलं में कमी करने या उसपे बचने में सुविधा के लिए। और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एक जाएदाद जो गली लहोरिया कटडा करम सिंह अमृतसर में है जैसा सेल डीड० 13841/16-12-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

सी० एस० काहलो० (आई० आरा० एस०)  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लाल कपूर किदार नाथ 793 कृष्णना निवास बम्बई अमृतसर  
(अन्तरक)

(2) श्री सोम नाथ कपूर पुत्र राम लाल कपूर मकान नं० 2639/9 गली लहोरिया कटडा करम सिंह अमृतसर  
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर वास्तविक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

एक जाएदाद जो गली लहोरिया कटडा करम सिंह अमृतसर में है जैसा सेल डीड० 13841/16-12-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

तारीख 4-8-83  
मोहर :

प्रध्यप आई.टी.एफ.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर० आर०/४३-४४/१३८—यत्. मुझे,  
सी० एस० काहलो आई० आर० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25 000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो रानी का  
बाग अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। और मूर्ख यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(द) ऐसी किसी आय था किसी भूमि या अन्य वासियों  
को जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भारकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपकार (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ब्रेदी राम सिंह पुत्र ब्रेदी इणर सिंह 23 रानी  
का बाग अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार पुत्र मदामर मिह बासी नरेनगढ़  
छहराटा अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० २ मे कोई किराए दार हो  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है )

कौं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के तास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया  
है।

अनूसूची

एक भूमि का ट्लाट जो रानी का बाग अमृतसर में है  
जैसा सेल डीड नं० 14170 तारीख 21-12-82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलो आई० आर० एस०  
भूमि प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 5-8-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 391/83-84—यतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-42 है, जो फतेसुलतान लेन,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982।  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तररक्त (अन्तरक्रौं)  
और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया गतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विधित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिक्रियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के  
प्रतिक्रिया में क्या करने या उससे उक्त में सुविधा  
के लिए भीर/या

(ख) ऐसी किसी प्राय का किसी भूमि या वस्त्र या आर्थिक व्यक्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या  
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मसर्स नंदनम कन्स्ट्रक्शन को 5-8-42, फते  
सूलतान लेन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीमति भान् आर० रूपानी पति राजकुमार रूपानी  
फ्लैट सी०/९०२, ५-८-४२, फते सूलतान लेन,  
हैदराबाद।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आयी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वश्र में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में  
समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पश्चात्स्नानरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, उनी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

ममदूची

फ्लैट न० सी०/९०२, ९वा मजला, ५-८-४२, फते सूलतान  
लेन, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकूत विलेख न० ८१५४/८२, रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० नं० 392/83-84—यतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा  
269-प के अधीन व्यापम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-5-1085/4 है, जो रामनारायण रोड,  
हैदराबाद मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए यथ पाया गय  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुर्दृश किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उसमें बचते में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ बक्सिती इवाड्य प्रकट नहीं किया  
गया था या इक्का ज्ञाना आशिष था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) श्री टी० सूदर्शन पिता लेट टी० साम्बद्ध्या,  
3-5-1085, ग्राउड, फलोअर, रामनारायण रोड,  
नारायणगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री हारशद धारोड पिता कुनव रजी धरोड,  
3-5-1085/44, 2रा मंजील रामनारायण  
रोड, नारायणगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबहूध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित  
हैं, उन्हीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मे दिया  
गया है।

मूलसंची

धर न० 3-5-1085/4, दसरा भंजता, रामनारायणरोड,  
नारायणगुडा, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख न० 8364/82,  
रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
समक्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 8-8-1983  
मोहर .

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आ० र० १० सी० नं० ३९३/८३-४—गत: मुझे,  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी न० 3-5-1085/3 है, जो रामनारायण रोड,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक विसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
दें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अनुन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में  
मुश्किल के लिए और/या

(ब) ऐसी कसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आंशिक यों  
को, जिन्हें पार्श्वीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
पार्श्वीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नकी फिया  
गया था किया जाना चाहिए था कियाने में  
मुश्किल के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० सूदर्शन पिठा लेट टी० साम्बव्या,  
3-5-1085, ग्रांड, फलौंबर, रामनारायण रोड,  
नारायणगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति चेवल बेन एम० शाहा पति मगनलाल  
के० शाहा 3-5-1085/3, सेंकड़ फलौंबर, नारायण  
रीड, नारायणगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**प्रष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 3-5-1085/3, दूसरा मजला, रामनारायण रोड,  
नारायणगुडा, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकूट विलेख न० 8363/82,  
रजीस्ट्रीकरण अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदरबाद

हैदरबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं. आर० ए० सी० न० 394/83-84—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. 3-6-134 है, जो हीमायतनगर, हैदरबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरबाद में रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक छठपक्ष 1982

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अधिस्तयों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मीर मोहम्मद दीन पिता लेट आमारुद्दीन हुशनी, 3-6-134 हीमायतनगर, हैदरबाद

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाम मोहम्मद खान पिता दोस्त मोहम्मद खान और अन्य, 3-6-134 हीमायतनगर, हैदरबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हत्तेवधि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**मनुसूची**

घर नं. 3-6-134, हीमायतनगर, हैदरबाद, रजीस्ट्रीक्ट विलेख नं. 8137/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदरबाद।

एम० जेगन मोहन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदरबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

अत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रधन आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन मूल्यन

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश सं० ए० सी० न० 395/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2-1-76/2, है, जो नल्लाकुटा, हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये पहुं विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य उे उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) दोस्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा  
के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति एस० वूर्गा देवी पति डा० एस० नारायणदास,  
2-1-76/2, नल्लाकुटा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वेंकटरामलू पिता जी. नरसम्मा,  
3-3-345, कुतबिंगुडा, हैदराबाद-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर न० 2-1-76/2, नल्लाकुटा, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकर्ता  
विलेख न० 8101/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री पाकशाम पिंडा श्री देउसू, मामीडीपल्ली,  
संगारेड्डी नालूक, मेदक ज़िला। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

(2) मेमसै इंडीयन कोरक मीलम् लि० बम्बे  
(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 396/83-84—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० सर्वं न० 391, है, जो मामीडीपल्ली,  
संगारेड्डी नालूक में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुसूची में  
और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
संगारेड्डी, में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन है दिनांक दिसंबर, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी भूमि अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
19-24GT/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि मर्व न० 391, मामीडीपल्ली, संगारेड्डी नालूक,  
बिस्तृत 1.27 एकर, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5136/82,  
रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगारेड्डी।

एम० जेगन मोहन  
मनन पांडुकारी  
महायक आयकर आयुक्त (प्रिमीत्रग)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, चिनाक 8 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 397/83-84—यतः मुझे,  
एम० जे गन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संखा 1-4-888/1, है, जो बाकाराम हैदराबाद  
में स्थित है इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 11 दिसंबर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एम० इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के सीधे गम्भीर अन्तरण के लिए तय पाओ गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री मोहमद अब्दूल खादर पिता मोहमद अब्दूल  
और अन्य, 1-4-763, मसीराबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहमद घोस पिता अब आहेमद और अन्य  
20/210/ए, मस्तानवारी स्ट्रीट कडपा।

(अन्तरिती)

वाँ यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
वार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बावध में समाप्त होती है तो भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-4-88 8/1, बाकाराम, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता  
विलेख नं० 8375/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 8-8-1983  
मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री श्रीमती व्ही. विलास देवी पति व्ही. प्रतापरेड्डी  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) मेसं के० पी० जैलेटीन और केमीकल इंडिया लि०  
श्रीनगर कोलनी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 398/83-84—यतः मुझे,-  
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 464 और 480 है, जो पटेंचूर, में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रकर्टी अधिकारी के कार्यालय, संगरेड्डी में भारतीय  
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिसम्बर 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से, एंसै व्यवहार प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तुविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आपूर्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ने सुविधा  
के लिए।यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय से दिया  
गया है।

अनुमूल्य

विस्तीर्ण 3.10/1, एकर, खूली जमहन, सर्वे नं० 464  
और 480, पटेंचूर रजिस्ट्रीक्युट विलेख नं० 51370/82,  
रजिस्ट्रकर्टी अधिकारी सगारेड्डी।एम० जेगन मोहन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

संकेत : ६

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 399/83-84—यतः मुझे,  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2-60 है, जो लोवर टैन्क बंड, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीकडपल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिक्षीय (अंतरिक्षों) के भीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में संविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

(1) श्री वि. रेडी, 3-6-369/2, हीमायत नगर,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० गोवर्धन रेडी जाकरमपल्ली आरम्भ  
तालुक, निझामाबाद।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

घर वार्ड नं० 1, ब्लाक नं० 2, नं० 60, टाइप-2,  
लोवर टैन्क बंड, हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण विलेख नं., 1087/82,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीकडपल्ली।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख 8-8-1983  
मोहन ·

प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० दार० ए० सी० नं० 400/83-84—यह:  
मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भार्या  
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 7 एस नं० 142 से 147 है, जो  
गगनमहल, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1982

क्षेत्र पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुपयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रुपयमान प्रतिफल से, ऐसे रुपयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उक्तरेप्ति से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:----

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को आबूत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; वार्ता

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः वाच, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित गणितगां, अधीन :----

(1) श्री के० श्यामसुदर पिता के० ठही० रंगा राव  
5-70, चैतन्यपुरी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० अंजया पिता नरस्या, 1-4-880/  
33, गांधीनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के द्वितीयां  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7, एस० नं० 142 से 147, गगनमहल, हैदराबाद,  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8459/82 रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-8-1983

मोर्ग

प्रस्तुत ग्रन्थो दी० एम. गुरु -

(1) श्रीमति डॉ. तारा देवी 1-1-714/5, गांधीनगर,  
हैदराबाद।

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारंभ  
269-प (1) के प्रवीन सचिवता

भारिं शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, है दखाद

हैदराबाद दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 401/83-84-पतः,  
मुख्य, एम० जगन मोहन

प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उचित विविधियम' कहा जाया है); की शारी 269वाँ के ग्रन्थीन संक्षेप प्राविकारी को यह विवाह करने सा मारण है कि स्वावर सम्बति, जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-5-6/13 है, जो मूसीराबाद, में स्थित है  
 (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय चीकडपल्ली, में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 दिसंबर 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रनतरित की वर्दी है और मुझे यह शिवास करने का कारण है कि यवागूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान उत्तिक्षण से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रनतरक (अन्तरद्धा) और अन्तरिती (प्रनतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित घटेश्वर में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।-

(क) अन्वरता न कुछ कि हो जाय हो बाबत, उसके अधिनियम के प्रभीत कर देने के अन्वरता के वापिस में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) देसी टिंग जारी रखा हिन्दी धन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय श्रावकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके प्रधिनियम, या अनेकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 289-ए में प्रमुखरण में, दो, उक्त प्रधिनियम की धारा 289-ए की उपधारा (1) के अवधीन, सिस्तलियित प्रधिनियों मध्ये :-

( 2 ) श्रीमति जी० कामला देवी 1-1-12/सी०,  
जवाहर नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यदृ तृच्छा जारी करने पूर्वीस समति के अंजन के लिए कार्यवादियों करता है।

उसा प्रभाति के शर्वन के रंग में कोई भी आवेप ।—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीराशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबल्लि बाद वेस-समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, प्रधोशस्ताकारी के पास खिलित में छिए जा सकेंगे।

**स्वतंत्रता करणः**—इनमे प्रथम गढ़ों से पढ़ों का जो उक्त  
अधिनियम के अठार 20 व में परिवर्तित  
है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
पाया जे।

四

धर नं० 1-5-6/13, मुसीरावाद, श्रीगण कानोनी,  
हैवरावाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 1066/82, रजीस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी धीकड़पल्ली।

पाम० जगन मोहन  
सम्राट् प्राधिकारी  
र आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन, रेज, हैदराबाद

तारीख : ८-८-१९८३

प्रस्तुप् आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री इ० डी० सोमनान पिता पी० इशाक सोमनान  
11/270, आरबंदेर नगर, आनंदपुर।

(अंतरक)

(2) श्री एल० जडपान रेड़ी पिता एल० वेंकट रेड़ी,  
3-1-392, काचीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं०/402/83-84-यतः,  
मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 16-1-24/33 है, जो सहदावाद कालोनी,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाद्व अनुमूली में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय,  
आशमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908  
'1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
प्रास्ताविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## मनूसनी

धर नं० 16-1-24/33, 3 आर० टी० सहदावाद,  
कालोनी, हैदराबाद रजिस्ट्रोक्युल बिलेख नं० 3984/82,  
रजीस्ट्रीकर्टी अधिकारी, आशमपुरा।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आय कर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

प्रस्तुप शाहौ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 403/83-84—यतः  
मुझे एम० जेगत मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25.000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मं० 2-2-1144/11/3/1 है, जो बागआम्बरपेट,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिसम्बर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल के  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे दबने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अस्ति :—

(1) श्री सी० एस० व्ही० मुब्बथ्या और अन्य, मछीली  
पूनम।

(अंतरक)

(2) श्रीभति बिं० कमलम्मा और अन्य, 1-2-37 दोमल  
गुडा, हैदराबाद।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनूसूची

घर नं० 2-2-1144/11/3/1, ग्रा अपारोड, ईश्वराबाद,  
रजीस्ट्रीकृत विनेव नं० 8159/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हैदराबाद।

एम० जेगत मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

व्याप्रालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 379/83-84—गत:  
मुझे एम० जेगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 3-5-873 है, जो हैदरगढ़ा, हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्णस्त्रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीकडपल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में  
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगन्यथ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20-246GI/83

- (1) मेसर्स मात्रों इंजोनियर्स अन्ड विल्डर्स प्रा० नि०  
3-5-873, हैदरगढ़ा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)  
(2) श्रोमति पो० आनन्दुा पनि गंगा राव, 3-5-873,  
हैदरगढ़ा, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० ए-608, ए० ब्नाक, हैदरगढ़ा, हैदराबाद, नं०  
3-5-873, रजीस्ट्रीकृत विलोब नं० 1067/82, रजीस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी चीकडपल्ली।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983  
निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 380/83-84—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 3-5-873 है, जो हैदरगुडा हैदराबाद, में स्थित  
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चौकडपल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 10 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और भूमि यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए  
और/या

(घ) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ति :—

- (1) मैसर्स मातृश्री इंजीनिअर्स आर्ड विल्डर्स प्रा० लि०  
3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)
- (2) श्री के० मलीकार्जुना प्रसाद पिता वेंकटरत्नम,  
3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी अक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

गेरज नं० 19, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद, रजीस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 1068/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिकित्स-  
पल्ली।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983.  
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 381/83-84—

तः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-1-908 है, जो पतली बावली हैदराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपावढ अनुसूची में और पूण्यरूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक विसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यायाम में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) मैमसं भाग्यनगर कन्स्ट्रक्शन्स् प्रा० लि० हैदराबाद  
5-1-908, पूतली बावली, हैदराबाद।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती क० मीता देवी पति शिवशंकर, 5-1-908  
पूतली बावली, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 20, 5-1-908, पूतली बावली, हैदराबाद,  
रजिस्ट्रीकरण विभाग नं० 8237/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हैदराबाद

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्प भाई. डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 382-83/84—

यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,00/- रु. में अधिक है

और जिमकी सं० 5-1-908 है, जो पूतली बावली हैदराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरामात्र प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाशा गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूँ तकियी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अंतर कर देने के अन्तरज्ञ के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी तिक्षी आय या फिसी भत्त या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भत्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या तिक्षी आया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स भाग्यनगर कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि० हैदराबाद  
5-1-908, पूतली बावली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र डी० खड्गोचा,  
ग्राम नं० 55 और 56, 5-1-908, पूतलीबावली  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
दिया है।

मूल्यांकन

दुमान नं० 55 और 56, 5-1-908 [पूतलीबावली,  
हैदराबाद, रजिस्ट्रीकूल विलेख न० 8095/82 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983]

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं. आर० ए० सी० नं. 383/83-84

यत. मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5-1-908 है, जो पूतलीबावली, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वन्देश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तारती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की नावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/मा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स भाग्यनगर कंस्ट्रक्शन्स प्रा० लि०  
5-1-908, पूतलीबावली, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)  
(2) श्री मगनलाल ठाकुर 5-1-908, पूतलीबावली  
हैदराबाद ।  
(अन्तरती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सेदार  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

**अनुसूची**

दुकान नं. 47, 5-1-908, पूतलीबावली, हैदराबाद,  
रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं. 8094/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं. आर० ये० सी० नं. 384/83-84-  
यतः मुझे प्रम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5-1-908 है, जो पुतलीबाबली हैदराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पांदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वनें के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स भाग्यनगर कंस्ट्रक्शन्स प्रा० लि०  
5-1-908, पूतलीबाबली, हैदराबाद  
(अन्तरक)  
(2) पी० ल्ही. लध्मी, शाप नं. 218 पूतलीबाबली  
हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ;

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 218, 5-1-908, पूतलीबाबली, हैदराबाद  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 8128/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8 अगस्त 1983  
मोहर :

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एच०—

(1) मैसर्स भाग्यनगर बिल्डर्स,

1-1-79 आरटीसी एक्स रोड, मुसीराबाद,  
हैदराबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 385/83-84 —  
यतः मुझे एम० जेगन मोहनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है),  
जो धारा 269-घ के अधीन सरकारी प्राधिकारी को यह  
विवरण भरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उल्लिखित आकार पूर्ण 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1-1-79, है, जो आटीसी भक्ति रोड,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उल्लिखित आकार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के स्थिति आवार मूल्य से, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिक्रिया है और अन्तर्काल (अन्तरकाल) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाता गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में  
वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियों कहता है :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा में भाग्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।उपर्युक्त इसमें उपर्युक्त नं० का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिचारित  
है, वही अर्थ होता, जो उक्त अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
बैठ लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उल्लिखित  
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, उपर्युक्त व्यक्तियों के लिए;फ्लैट 1-1-79, यफ 2/यफ 4/यफ 5, आरटीसी क्रास  
रोड, हैदराबाद, रजीस्ट्रीक्युट बिलेख नं० 7947/82, रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी हैदराबादयतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मौ., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबादतारीख : 8-8-1983  
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैर्गमं नंदनम कन्मट्रक्षण को० 5-8-42,

फतेसुलतान लेन हैदराबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती ओ० रत्नकुमारी पति ओ० वेकटेस्वर  
राव 5-8-42 फते सुलतान लेन हैदराबाद

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० य० सी० न० 386/83-84 —

यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 5-8-42, है जो फतेसुलतान लेन,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हृदै किसी आय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।फ्लैट नं० ए-203/7, दूसरा मंजला 5-8-42  
फते सुलतान, लेन हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8153  
/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख : 8-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुत नाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश मं. आर० ये० सी० नं० 387/83-84 —

यतः मुझे प्रम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 5-8-42 है, जो फतेसुलतान लेने  
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसंबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरोंमात्र  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दूसरोंमात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरोंमात्र प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गवा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैरू किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी इन दो अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
21—246GI/83

(1) मैंसर्म नदनम कन्मट्टक्षन को० 5-8-12,  
फतेसुलतान लेने हैदराबाद।  
(अन्तर्गत)

(2) श्री पी० बीर स्वमी, फ्लाट नं० सी०/101/33,  
ग्राउंड फ्लोर, 5-8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद।  
(अन्तर्गती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ट भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
तिलित में किए जा सकेंगे।

त्वचालीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० सी० 101/33 ग्राउंड फ्लोर, 5-8-42  
फतेसुलतान लेन, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 8158/  
82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

प्रम० जेगन मोहन  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983  
माहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. - ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983  
निर्देश सं० आर० य० सी० न० 388/83-84 —  
यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-42 है, जो फतेसुलतान लेन हैदराबाद  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कि कार्यालय हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन 19 दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
(अंतरीतयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया यथा प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विकरण से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बावजूद उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तर्निलीकनार्थ प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
है:

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स नंदनम कंगाट्रक्षन को० 5-8-42,  
फतेसुलतान लेन हैदराबाद

(अन्तरक)

(1) श्रीमती सूनिता रंपानी पति भगवानदास,  
फ्लैट सी०/९०१/८२, ५-८-४२, फतेसुलतान लेन  
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीर्थी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के ममदन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त द्वावर संपत्ति में हृत-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में हिल जा सकती।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० सी०/९०१/८२, ९ वा मजला, ५-८-४२  
फतेसुलतान लेन हैदराबाद, रजिस्ट्रीक्युल विलेक्ष नं० ८१५७/  
८२ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
राधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983  
मोहर :-

भृष्टप्रधान टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ये सी० नं० 389/83-84 —

यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. स अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-42 है, जो फतेसुलतान लेन, हैदराबाद  
स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधिन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों  
(अन्तरितयों) के दावे इस अन्तर्खण के लिए तथा पादा गया प्रांत-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य व उद्देश्य निम्नाख्यत प्रांतविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/था

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

बहु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स नंदनम कन्स्ट्रक्शन को 5-8-42.  
फतेसुलतान लेन, हैदराबाद

(अंतरक)

(2) श्रीमती निरमाला परसराम पति विष्णुदास  
फ्लैट सी०/८०१/७५, 5-8-42 फतेसुलतान लेन  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी०/८०१/७५, 5-8-42 फतेसुलतान लेन,  
हैदराबाद रजिस्ट्रीकर्ता विलेख न० ८१५६/८२ रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश मा० आरा० ए० मी० ना० 390/83-84 —

यत् मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मा० 5-8-42 है जो फैसलतान लेन, हैदराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूल्यी में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अन्तीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त मपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरग के लिए, तथा  
पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुचरण  
में, दौ, उक्त अधिनियम व्यी धारा 269-घ की उपधारा(1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मैसरी नदनम वन्द्रक्षण को 5-8-42, फैसलतान  
लेन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभू उपानी पिता विष्णुदाम फ्लैट ना० सी०/  
802, ४थ फ्लॉर, 5-8-42, फैसलतान  
लेन, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक सपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट ना० सी०/802 ४वा मजला, 5-8-42 फैसलतान  
लेन, हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण विलेख ना० १५५/८२, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 8-8-1983  
मोर्ग

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (गिरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश नं० आर० ये० मी० नं० 183/82-84—यतः  
मुझे एम० जेगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० 186/1 वि० है, जो बकानापूड़ी काकानाडा  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकानाडा में  
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिसंबर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अंतरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उस  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(म) निम्नी किसी आय का किसी भन या अन्य आंतरिता  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम गा-  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष (1) की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन० नारायणमुर्ती वर्गीरा, पिता मरसीमून,  
काकीनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकीणा मेकेटरी सालरीज यम्लायी को-  
आपरेटीव्ह विलेंग सोसाइटी निं० आपेजीट,  
वेटरनरी हास्पीटल, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिं-  
बृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा नकर्मे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय भैं  
दिया गया है।

मनूसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2-14, मैट्सू एम० नं० 186/  
1 बी०, बकालपूड़ी, इम्ट गोदावरी ज़िला रजीस्ट्रीकृत विलेंग  
नं०, 11046/82, 1052, 11045/82, रजीस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (गिरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबाद

नारीख : 8-8-1983

मा०

प्र० प्र० आई.टी.एन.एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 184/83-84—यतः मुझे,  
एम० जेगन मोहन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परामर्शदाता 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), वी धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 43-7-15 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात् वृत्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई विभीषिका का बाबा उमा प्राप्तियम के अधीन कर देने के प्रमारक के दायित्व में कमी रहने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

- (1) श्री पी० कुण्डलाराव पिता रामकुण्डलाराव, काकीनाडा (अन्तरक)  
(2) श्री बी० शैघ्न्यारी राव मैनेजिंग पार्टनर मैसर्स श्री पद्माभीरामा द्वैतर्स मुनगंडा, आमलापुरम। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्ष्यकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर संपत्ति, डी० नं० 43-7-15, काकीनाडा, विस्तीर्ण 432 चौ० गज, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 11028/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन  
नक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-8-1983  
गांहर -

प्रस्तुत आहूँ टी. एन. एस. -----

(1) श्री एन. नक्षमी और अन्य सूर्यारबपेटा, काकीनाडा  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना(2) १, डी० घी० सूमद्रा और आय दो, पट्टाभीस्ट्रीट,  
गमारावपेटा, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अजेन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक ८ अगस्त १९८३

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० १८५/८३-४—यतः

मुझे एम० जेगत मोहन

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
२५,०००/- रु में अधिक हैऔर जिसकी मं० ५-१-६१ है, जो सूर्यारबपेटा, काकीनाडा  
स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६)  
के अधीन दिसम्बर १९८२को प्रयुक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में अस्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथिन्य में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

अनूसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।घर संपत्ति, ५-१-६१, टी० एस० नं० ९५९ सूर्यारबपेटा,  
काकीनाडा, विस्तीर्ण ५३६ चौ० गज० रजीस्ट्रीकूल विलेख  
नं० १०९८४/८२, रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी काकीनाडा, १५६/  
८३, २८७३/८२।एम० जेगत मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अजेन रेज, हैदराबादअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—तारीख : ८-८-१९८३  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

आर.ए. सी. नं. 186/83-84—यतः मुझे एम० जेगन  
 मोहन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर.ए.स० 295 है, जो भोगापूरम येलूर  
 स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ना अधिकारी के कार्यालय येलूर में  
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित  
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
 की करने या संस्थे बचने में सुविधा के लिये;  
 और /वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कम्य आंतरिक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अन्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० जेगन मोहनराव वर्गेरा, पिला सूब्बट्या  
 देहाडू, यूलू, तालूका, वेस्ट गोदावरी जिला  
 (अन्तरक)

(2) श्री एम० रघूनाथगाव पिता भूजेराव, मैनेजींग  
 डायरेक्टर, प्रा० लि० गव्हर्नमेंट होस्पीटल, गोड  
 येलूर वेस्ट गोदावरी।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

प्रभुम् श्वी

खुली जमीन, विस्तीर्ण, 9 एकर, आर.ए.स० 290  
 न्यूआर.ए.स० नं. 265, रजीस्ट्रीक्युट विलेख नं. 8172/82  
 37/82, रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी येलूर।

एम० जेगन मोहन  
 मक्षय अधिकारी  
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, हैदराबा

दिनांक : 8-१-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 187/83-84-यन.  
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वारूप करने का  
कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹5,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 324 है, जो कोकीग पाणी येलूर में स्थित है  
(और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्णसूची में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय येलूर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह निम्नमान  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पूर्वाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुविधा के लिए;

जब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपथाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

22-246 GI/83

(1) श्री पी० आनुमायमा पति रामी रेडी, चीनकनपूर्णी,  
मछोनीपटनम, कुण्णा जिला।

(अन्तरक)

(2) बाद० भीमा राजू मेनेजिंग डाइरेक्टर,  
वैजयंजी स्पीनिंग मील्स, तिं०  
इस्टन स्ट्रीट, येलूर।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकंप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पूर्ण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**एष्टोकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्यात् 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

खुली जमीन, आर० एस० न० 324 विस्तीर्ण 1-48 सेंट्स,  
कोकीरापाडे गांव, वेस्ट गोदावरी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 7935/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एम० जेगन मोहन  
सभी प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-8-1983

मोहर :

प्रसूप. आई. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश सं. आर० प० सी० नं० 188/83-84—यतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय मण्डलि, जिनमा उचित दायते दर प्र  
25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० 913 और 914 हैं, जो वेंकटापूरम, येलूर में  
स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में भारतीय रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे गहर विश्वास  
करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, एरो इथमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) क्रौर  
अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश्य अंतरण नियम में  
वास्तविक रूप से कानूनी नहीं किया गया है—

(क) अंतरण में हूँड़े किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में संविधा  
के लिए; और/या

(ल) अभी किसी आय या किसी भन या अन्य आमितयों  
के, जिन्हें भारतीय आय-वार अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
संविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, या, अन्य अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वौ० आर० मानिकमा पति वेंकटासुब्बाराव,  
स्ट्रून स्ट्राट येलूर—5034001

(अन्तरक)

(2) जी० मुब्बाराव मेनेजिंग पार्टनर श्री गोपाल कृष्णा  
राहग्र मिल, येलूर केर आफ मेमर्स डी० वौ० रमनाराव  
एड को० सी० एस० पावरपेटा, येलूर—534002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शब्द बारता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंत्रांश में कांडा भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूझ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसृती

खुली जमीन, वेंकटापूरम, आर० एस० नं० 913 और 914,  
विस्तीर्ण 0.74 सेंट०, येलूर, रजिस्ट्रीक्ट निलेख नं० 8168/  
82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 8-8-83

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमर्ति के० राज राजेश्वरा पति राधाकृष्णमूर्ति  
नरसिंहारपेटा, येलूर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्री जाइ० अग्रान्तम्बामी पिता अणन्ना  
पावरपेटा, डॉ० न० 22मी-10,  
येलूर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त, 1983

निदेश सं० आर० ग० सी० न० 189/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० 22मी०-10 है, जो पावरपेटा, येलूर में स्थित  
है (और इसमें उपाखण अनुमूली में और पूर्णांतर्ष में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिसम्बर, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(अ) अंतरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती दिया ग्रहण नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपकारण (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—का यह सूचना आरी करके पूर्वांत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

चुली जमीन, विस्तीर्ण 492 चौ० ग० ज० डॉ० न० 22  
सी०-10, 14 बा० वाड॑ पावरपेटा, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख न०  
7856/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर ।एम० जेगन मोहन  
सक्रम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप साई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती के० सूर्यकांतमा पति रामचन्द्राराव ततुक  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) एस० एन० सिरोमणी पति पाठूरंगा राव,  
कवलोवारी स्ट्रीट, ततुक  
डॉ० नं० 18-94।

(अन्तरिनी)

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आद्यक्ष (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश स० आर ये मी० नं० 190/83-84—यत् मुझे, एम०

जेगत मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन गक्षम आधिकारी वां यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 18-94 है, जो तनुक में स्थित है (और इसमें  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, तनुक में भर्तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रासादीक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबूध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अनांथ बाइ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी शक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

घर सम्पत्ति डी० नं० 18-94 विस्तीर्ण 292 8 चौ०  
गज, तनुक, रजिस्ट्रीकुन विलेब्र न० 4671 और 4672/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तनुक।

एम० जेगत मोहन  
संधर्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

नस: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रलृप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त, 1983

निदेश सं. 191/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 18-1-39 है, जो 8वा वार्ड पालकोल में स्थित  
है (और इसमें उपांडु अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालकोल में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास  
करने का कारण है कि दधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या छूट से बचने में सुविधा के लिए,  
बीर/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० गुणामोहन गुप्ता और अन्य 3, पिता  
मूर्यनारायण गुप्ता  
डी-18-1-34, 8वा वार्ड, पालकोल,  
(अन्तरक)

(2) टी० व्ही० मुब्बया पिता मूसन्याया,  
डी० न० 17-1-3, 8 वार्ड, पालकोल  
वेस्ट गोदावरी।

(अन्तरिती)

कर्ता यह सूचना जारी करके प्रार्थोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेड भी आवंटपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख सं 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन के भीतर उक्त दृश्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परि-  
भाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति डी० न० 18-1-39, अमेसमेंट न० 3775८,  
3776, विस्तीर्ण 117-1-132 चौ० गज, पालकोल, ग्रांउंड  
और पहिला मजला, रजिस्ट्रीशन विलेख न० 3984/82, रजिस्ट्री-  
कर्ता पालकोल।

एम० जेगन मोहन  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, हैदराबाद

दिनांक : 8-8-83

मोहर :

प्रसूप आइ. टी. एन. एस. ----

(1) श्री ए. मान्धालू पिता अपना  
आडवीवरम, वैशाख।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को \*  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री डी० रामगुप्ता चीफ प्रमोटर,  
श्रीकृष्णदेवराया को-आपरेटिव विलिंग सोसाइटी,  
आडवीवरम, एस० नं० 13/ए-7, वैशाख,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश मं० 192/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000—रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० 13/ए-7 है, तथा जो आडवीवरम वैशाख में स्थित  
है (और इसके उपावड अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैशाख में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिसम्बर, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
वार/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, आडवीवरम, एस० नं० 13/ए-7, वैशाख,  
विस्तीर्ण 5-40 मेंट्स रजिस्ट्रीशन विलेख नं० 12508 और  
12509/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैशाख।एम० जेगन मोहन  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :

दिनांक : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.प्स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश सं. 193/83-84--यन मुझे प्रमो जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 216 पाठनाम 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के प्रत्येक सम्पर्क प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपा. ५ प्रतिक है

और जिसको सं. 250/1, है, जो मादूरावाडा, वैशाक में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्वयं में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के रायावथ, वैशाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतर्गत, दिनांक

दिनांक 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को धीरे एवं अन्तरण के लिए यह पादा गया प्रतिफल। नम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अतरण निकित भा वास्तविक है, १२१, ८१, ८३, ११५१२-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मद्दत करना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय नाम कर आईदियम, 1922 (1121-61/11) ए उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा अन्तर्गत अना ११ इदाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अंतरण करना,

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की भाग 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :—

(1) श्री पी.० गन्धामी पात्रुदू पिता स्व० अपना,  
चन्द्रमापालिम, मदूरा वाडा, वैशाक ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० चक्रधर राव एण्ड पी० ह्ली० रमनासूरी  
डॉ गणेश्वर, दि० आधा इण्ड, प्रा० ति० वैशाक ।  
(अन्तरिती)

दो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राज्यव भूमि प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी इवार में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यव भूमि प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भूमि हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता करने के पास लिखित भूमि किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ है। जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बुली जमीन, मदूरा वाडा, वैशाक, आर० ए.प० नं० 250/1, विस्तीर्ण ०.७४ सेंटम, वैशाक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12414, 12415 और 12416/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैशाक ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-8-83

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त, 1983

निवेश सं. 194/83-84—यत. मुझे एम० जेगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 20-1-7/2 सी० है, जो मार्केट वार्ड वैमाक  
में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुमूल्य में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैमाक में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक दिसंबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्दिष्ट  
में आस्तीविक रूप से किथत नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूचित  
के तिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित  
के तिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० ल्ही० रामसूर्ती, और अन्य  
पिता वैकटेश्वर राव,  
मुवावानी पालेम, वैमाक।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० वमनकुमारी पति महेश्वर राव,  
नूरापाडा, जधपोरा, कोरापूर, जिला  
उडीमा प्रांत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमूल्य

घर नं. 20-1-7/2 सी०, विस्तीर्ण 800 चौ० फुट मार्केट  
वार्ड, रजिस्ट्रीकूल विलेख नं. 12373/12374, 12372 और  
12375/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैमाक।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रसूप ग्राही डी० एन० एह०—  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**  
**भारत सरकार**  
**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**  
**अर्जन रेंज, हैदराबाद**  
**हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त, 1983**

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 195/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
दरए से अधिक है।  
और जिसकी सं० 7-5-14 है, जो वैक्षाक में स्थित है (और  
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, वैक्षाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
धौर/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूचण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीत :—  
23-246GI/83

(1) श्रीमती सी० एच० जयलक्ष्मी पति सी० एच० विश्वनाथ  
शास्त्री ।  
46/4, पालस आरूणोदया को० आपरेटिव हाउस  
बिल्डिंग सोमायटी,  
पूने, महाराष्ट्र स्टेट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कोडमा पति स्व० रामाराव, कूकुमविधी  
वैक्षाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना  
की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में  
से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद  
किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोदृस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ  
पर्यंत होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

धर सम्पत्ति डी० नं० 7-5-14, वाल्टीयर वार्ड वैक्षाक,  
विस्तीर्ण 600 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12293/  
82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैक्षाक ।

एम० जेगन मोहन  
क्षम प्राअधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-8-1983

मोहन

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त, 1983

निदेश सं० आर ये सी नं० 196/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सूचना प्राधिकारी के, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है'

और जिसकी सं० 27/5, है, जो ओरलूपलेम वैज्ञाक में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैज्ञाक में भारतीय रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
गाया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।<sup>५</sup>

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
संबिल में कभी करने वा उत्तरे बचने में हासिल  
के तिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन वा कल्याणस्थों  
को, जिहैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
लविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री डी० रायप्पा पिता तात्या,  
जानपुरम, वैज्ञाक।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० एन० चौधरी मैनेजिंग डायरेक्टर, सूर्या  
स्टूक्चरलस, प्रा० लि० 10-4-24, वाल्टीयर  
आपलैडसढ, वैज्ञाक 530003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यकाल्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में सपात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बुली जमीन, पोरीलीपलेम, वैज्ञाक, एस० नं० 27/5,  
चीमरलापली गांव विस्तीर्ण 2-70 सेंट्स रजिस्ट्रीक्युल विलेख  
नं० 12254/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैज्ञाक।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 8-8-1983

मात्र:

प्रकल्प नामः टी. एन. एस. —————

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त, 1983

निवेश स० 197/83-84—यत् मुझे एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० 163 है, जो परदेशीपालम वैश्वाक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमती में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैश्वाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एंसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार (1) में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एम० सुब्बालक्ष्मी और अन्य 4, पति पति स्व० वेंकटनारायण, वैश्वाक, वैश्वाक।  
(अन्तरक)

(2) मेसर्स वैश्वी बिस्केट प्रा० लि० मेनेजर एस० के० एस० मूर्ती  
परदेशीपालम, एस० नं० 163, वैश्वाक।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकाओं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई विवादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलुप्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो अध्याय में दिया गया है।

### मनूसूची

खुली जमीन, 4-96 सेंट्स एस० नं० 163, परदेशीपालम, वैश्वाक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12068, 12067/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी वैश्वाक।

एम० जेगन मोहन  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 8-8-1983

मोहर :

प्रलेप. : आई. टी. एन. : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश सं० 198/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी० नं० 24-4-4, है, जो वैक्षाक में स्थित है  
है (और इससे उपभाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैक्षाक में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षा :—

(1) श्रीमती रावेल टी० महमूद पति श्री ताहेर महमूद  
अहमदनगर, महाराष्ट्र स्टेट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जेबन मीरावती, पति श्री बजरालीवली  
वालचन्दनगर, पूने जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 24-4-4, ब्लाक नं० 2, टी० एस० नं० 13,  
विस्तीर्ण 2800 चौ० गज, प्रथमतल, वैक्षाक, रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 11904/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैक्षाक।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-8-83

मोहर :

प्रस्तुप बाहूँ. टी. एन. एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त, 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 199/83-84—अतः मुझे;  
एम० जेगन मोहन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 1048 है, जो बाल्टीयर वार्ड,  
वैज्ञाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैज्ञाक में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के  
अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
है लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय पा किसी बन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अंकितियों, वर्धात्:—

1. श्रीमती आर० वेंकायम्मा, पति लेट आर० पुस्तोत्तमराव  
10-12-1, रेडनम गार्डन्स, वैक्षाक।

(अन्तरक)

2. श्री टी० आर० चन्द्रन  
द्वारा शवती वेलआटोमोबाइलस,  
रेडनम गार्डन्स, सेंट्रल जेल वैक्षाक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन द सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी अंकितियों पर  
सूचना की अमीन म 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में बमाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अंकितियों में व किसी अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त दृश्यर सम्पत्ति में त्रित्वद्वा  
किमी अन्य अंकित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास  
निविन में किए जा गएगे।

संबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त गढ़ा प्रौद्योगिकी का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 1500 चौ० गज एस० नं०  
1048, बाल्टीयर वार्ड, रजिस्ट्रीकून विलेख नं० 11816/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैक्षाक।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

निर्देश सं० आ० १० मी० नं० ४१७/८३-८४—अतः मुझे,  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
में अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-५९/९/ए है, जो आमीरपेट, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने  
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
शास्त्रिक रूप से कार्यतः नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

1. श्री लाल मोहम्मद  
7-1-७८/२, आमीरपेट,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीछदीबेटा बुसम,  
10-3-३०४/१२,  
हुमायूं नगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 272 चौ० गज, नं० 7-1-५९/९/ए,  
आमीरपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8243/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-8-83

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. - - - - -  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश मं० आर० ए० मी० नं० 418/83-84—अतः  
 मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी मं० 7-1-59/9/1, जो अमीरपेट, हैदराबाद  
 स्थित है (और इससे उपांवद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजि-  
 स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेश्य से उक्त वन्तरण निश्चित  
 में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
 में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्तगण-  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
 नार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था  
 या किया जाना आविहा था छिपाने में सुविधा के  
 लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल सत्तार,

7-1-78/2,  
 अमीरपेट, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीदीकबेंटाबुशाम,  
 10-3-304/12,  
 दुमायू नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित का  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया,

(ख) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधेस्ताकरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

जनूष्ठी

खला प्लाट विस्तीर्ण 325 घौ० गंज, नं० 7-1-59/9/ए  
 अमीरपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8244/82,  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 10-8-1983

मोहर :

प्रकल्प भाई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 419/83-84—अतः  
मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट 605 है, जो श्रीनिवासा टावर्स,  
बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूति  
में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बल्लभनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था द्वितीय में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स श्रीनिवासा बिल्डर्स, प्रा० लि०  
मैनेजिंग डायरेक्टर, : जी० शिवकुमार रेडी,  
6-3-1187, बेगमपेट,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० जयकातम्मा,  
मुलापेट, नेलौर-3 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि भाई में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुभूति

फ्लैट नं० 605, श्रीनिवासा टावर्स, 'ए' बेगमपेट, हैदराबाद  
रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 2963/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
बल्लभनगर ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-8-1983

मोहर :

प्रसूप बाई०, टी. एन. एस.-----

1. भैसर्म गुरुकुल घटकेस्वर द्रस्ट,

वाइस प्रोसीडिंग्स : बिं० किशनलाल, हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 420/83-84—यतः मुझे,  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 44 और 45 है, जो खाम्मामेट,  
(झी), रंगा रेडी जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय रंगा रेडी, डिस्ट्रिक्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चतेष्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावरा संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

छपि भूमि 4.04 गूंटा, खाम्मामेट, गांव रंगा रेडी, जिला,  
रजिस्ट्रीकृत विलोब नं० 8602/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
रंगा रेडी।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-8-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अध्यक्ष धाई० टी. ए० श०. श०.  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 421/83-84—यत. मुझे  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 45 और 46 है, तथा जो खम्मामेट,  
(बड़ी) रंगा रेडी जिला में स्थित है (और उसमें उपावद्व अनु-  
मूल्की में और जो पूरी तर्फे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय रंगा रेडी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोत्तम संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरीतयों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अस्तरण निश्चित में बास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया जा सकता है—

(क) अस्तरण के हूँ इ किसी आद की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के शायित्व में  
कमी करने या उक्त अस्तरण में सूचिता के मिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित दृश्याए प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्से गुरुकुल घटकेस्वर ट्रस्ट,  
वाहस प्रेसीडेंस :  
बिं. किशनलाल,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. दि विस्वेस्वरव्या इंजीनियर्स को-ऑपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी लिमिटेड,  
बाई० के० रविन्द्र रेडी,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवधि के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवधि के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन नहीं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन का अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुत्तमी

कृषि भूमि 4 एकर, 04 गूँठा, सर्वे नं० 45 और 46  
खम्मामेट, गांव रंगा रेडी जिला, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं०  
8612/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगा रेडी।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री आत्माराम, 54 सइनिक तारासेस, खानपुर,  
नई दिल्ली-110062

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

रदराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1983

निदेश सं ० आर० ए० सी० नं० 422/83-84—यतः मुझे,  
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० ए० नं० 274, 275 और 276 है, तथा जो  
रामपल्ली मेडचल तालुक में स्थित है (और इससे उपावढ  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मेडचल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री टी० सुब्रह्मण्यन, सेक्रेटरी,
- 
- रेलवे एम्प्लाइज को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग
- 
- सोसायटी, रूम नं० 315,
- 
- रेल निलायम, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष ॥—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
- 
- 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
- 
- सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
- 
- अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
- 
- व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- 
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
- 
- 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
- 
- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
- 
- लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

## अनुसूची

15 एकर, बंजर भूमिय रामपल्ली गांव, मेडचल तालुक,  
आर० आर० जिला सर्वे नं० 274, 275 और 276  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5908/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
मेडचल।एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1983

मोहर

प्रकृष्ट प्राइंट. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 423/83-84--यतः मुझे,  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन संधर्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दायरा दूर्घ  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी मं० 16-3-508 और 509 है, जो मेन बाजार,  
हिन्दूपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हिन्दूपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से है इसी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर द्वारे के अन्तरक के बार्थर्ट  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बता: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

1. श्री डी० जी० शंकरानारायण सेट्टी,  
16-6-510, मेन बाजार,  
हिन्दूपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आनन्द लक्ष्ममा पति बाइसानी आदी रत्नमा  
15-6-2ए, हिन्दूपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 16-3-508 और 509, मेन बाजार, हिन्दूपुर,  
रजिस्ट्रीक्युल विलेख नं० 2863/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हिन्दूपुर।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-8-1983

मोहर :

प्रस्तुति बाहर, टी. पर. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1983

निर्वेश सं० आर० ये० सा० नं० 424/83-84—यतः ममे  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-335/ है तथा जो बंजारा हिल्स,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अंतःसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरू किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
मोर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, भक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रभारानी, पति संतोष कुमार,  
3-6-369/ए/10, हीमायत नगर,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री पूनम चन्द अग्रवाल पिता भगवानदाव  
3-5-141/3/4, यडन गार्डन,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी घे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गगा है।

### अनुसूची

बर नं० 8-2-335, बंजाराहील्स, हैदराबाद रजिस्ट्रीक्युल विलेख नं० 2306/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1983

निवेश सं० आर० ए० शी० न० 425/83-84—यतः

मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उ. 1 अधिनियम' कहा गया है), शीघ्रा । 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, (जेयहा उचित बोजार मूल्य 25,000/-  
रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० 59/1/2 है, जो काकागुडा गांव, सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण ? कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से  
मात्रक है और प्रतिरक्त (अन्तरकों) और प्रतिरक्ती (प्रभृतियों)  
उत्तराधिकारी द्वारा प्रतिरक्त के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उत्तराधिकारी द्वारा प्रतिरक्त नियम में वास्तविक रूप से कठित नहीं  
किया गया है—

(ए) अन्तरण में हई, किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
योर्या

(इ) ऐसी किसी आय या नियमों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या उनके  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाव  
अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, उन्हें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० सी० दीलीप कुमार पिना टी० सी० चक्रराज  
16-2-711/5, आखरवाग, मलकपेट,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. दि० सूर्या को-आपरेटिव हाउर्सिंग सोसायटी लिमिटेड,  
सेक्रेटरी : जे० क० सोमयाजूलू,  
12-11-245, ब्राह्मण वस्ती,  
नामालूगूडम, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त निवेश का अंति० के लिए  
कार्यवाहिय करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति न अवैत न सम्बद्ध में कोई भी घातना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तक्षस्वन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की समीक्षा से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि वाद में समाप्त होती हा, के भीने पूर्वोक्त  
अविक्तियों पर से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोरस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**प्रधीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रधायाय में दिया गया है ।

### अनुसूची

7.50 एकड़, बंनर भूमि, मर्वे न० 59/1/2, काकागुडा,  
सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8247/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप नाहू. टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स श्रीनिवास विलडर्स,  
6-3-1187, बेगमपेट,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स एन० क्ही० इनवेस्टमेंट को० प्रा० नि०  
6-3-1186, बेगमपेट,  
हैदराबाद,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 426/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 802 है, जो श्रीनिवासा टावर्स,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बल्लभनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ ही प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने से बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
दो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती दृश्य प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

फ्लैट नं० 802, 8वां मंजला, श्रीनिवासा टावर्स, बेगमपेट,  
हैदराबाद, रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 2966/82, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी बल्लभनगर, ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-8-1983  
मोहन :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० आय० ए० सी० न० 427/83-84—यतः मुझे  
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी ध० 8-2-589 है, जो रोड नं० 8, बंजारा हील्स,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की लक्ष्यात् (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. श्री श्याम सुन्दर गुप्ता, और भगवानदास गुप्ता,  
29, ऊमानगर, कालोनी, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री हरि कृष्ण सोनी,  
14-2-3-32/1, यान बाग, कोलनी, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट विस्तीर्ण 578 चौ० गज, रोड नं० 8, बंजारा-  
हील्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7936/82, रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

मार्गीक्षा : 11-8-1983

भोग्यः

प्रस्तुति आर्द्ध.टी.एन.एस. -----+

1. श्री के० वेंकटारंगनम्, पालवको।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी०न० 181/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अध्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-ष के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी सं० 3-3-55 है, जो के० आग्रहारम आलमपुरम,  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलमपुरम  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तयों  
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

25—246 GI/83

2. ए० वेंकटराव पिता सत्यनारायण मूर्ती  
के० आग्रहारम, आलमपुरम,  
ईस्ट गोदावरीज़ि रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डी० नं० 3-3-55 के० आग्रहारम, आलमपुरम, विस्तीर्ण  
694 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6086/82 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी आलमपुरम।

एम० जेगन मोहन  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-8-1983

मोहर :

प्रसूत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदरबाद

हैदरबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

आरो १० मी० नं० 182/83-४—यतः मुझे एम०  
जेगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कर्त्तव्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 373-१ बी है, जो नूडनूर आमलापूरम  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से  
बणित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय आमलापूरम  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिसम्बर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के दोनों ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है किसी आय की वाबन परम  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दार्शन  
में कमी करने या उससे बचने में गुणिता न हो;  
प्रो/ग।

(ख) एंपी किसी आय या दिसं धन या अन्य आस्तीन  
की, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अनकै अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दार्शन प्रकट नहीं किया  
वया वा या किया आवा आहिए वा लिखने में  
मुश्किल के लिय;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्ता :—

(1) श्री ए० राजामोपाला राजू पिता विस्वनाथराजू,  
नेहनूर आमलापूरम।

(अन्तरक)

(2) श्री सायंच, रामचंद्रराजू पिता मत्यनारायणराजू,  
नेहनूर, आमलापूरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आदी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृसूची

चावल की मीठ में हीमाआथवा भाग, आसैसमेट नं०  
28 आरो १० मी० नं० 373-१ वि० डी० नं० 1-27, विस्तीर्ण  
1618 चौ० गज, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 6168/82 और  
436/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी आमलापूरम।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदरबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. - - - - -  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सम्मान आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निवेदित सं. आर० ए० सी० न० 170/83-84—यतः  
मुझे ए० ए० जेगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त प्रधान उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाऊर मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी स० 1931/1, है, जो पाटामाटा, विजयवाडा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बणित है), रजिस्ट्रक्टर अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा  
में भारतीय रजिस्ट्रक्टर अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दसिम्बर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाऊर मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाऊर मूल्य,  
उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और उक्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तीक रूप से कठित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साथित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कौ० सम्बासीप्रराव पिता रामा नम्हम,  
विजयवाडा और अन्य, 3 विजयवाडा।  
(अन्तरक)

(2) श्री गिं० रमेश पिता सुचद्या, राजकुमार को-  
अपरेटीव्ह बिल्डिंग सोमाइटी लि० विजयवाडा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समांती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीद, पाटामाटा, आर० ए० न० 1931/1,  
विस्तीर्ण 1-72 सेट्स, रजिस्ट्रीक्ट विलेज न० 12616,  
12617, 12726, और 12727/82, रजिस्ट्रीक्टर अधिकारी  
विजयवाडा।

ए० ए० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सम्मान आयकर अयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 6-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश मं० आर० ए० सी० नं० 171/83-84—यतः मुझे,  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), 'की धारा  
269-घ के अधीन सधाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 23/177 है, जो मछीलीपट्टनम, में स्थित है  
(और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मछीलीपट्टनम, में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के  
वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तीयों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० डी० मुब्बाराव पिता सत्यानारायण  
फार्ड रोड, मछीलीपट्टनम, जीला क्रीष्णा,  
(अन्तरक)

(2) श्री टी० शेषागीरी राव पिता अंजल्या, चम्मतगीरी-  
पेटा, मछीलीपट्टनम, क्रीष्णा जीला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोक्तरण :**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर संमिती डी० नं० 25/177, सर्कलपेटा, विस्तीर्ण  
397 चौ० जज, रजीस्ट्रीकूत विलेख नं० 4202/82,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मछीलीपट्टनम।

एम० जेगन मोहन  
मक्कम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983  
मोहर

प्रश्नपत्र आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री कीणवेनम्मा पति बेंकट अलपती राव, बचूपेटा,,  
मछीलीपटनम।

(अन्तरक)

(2) कुमारी ऊन हानी, अध्ययन एजूकेशन मोसाइटी,  
चौलकलपंडी, मछीलीपटनम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 172/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो मालावरम, मछीलीपटनम,  
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुमूली में और पूर्ण मूल्य से  
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ट अधिकारी के कार्यालय मछीलीपटनम,  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन विसंबर, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) गन्तव्य से हूँ किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरित दृवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशालियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मालावरम

खूबी जमीन, मपचावरम, 15 वा बाड़ी, मछीलीपटनम,  
विस्तीर्ण 4200 और गज० रजिस्ट्रीकरत विलेख नं० 4266/82  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मछीलीपटनम।

एम० जेगन मोहन  
मक्कम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983

मालावरम

प्रह्लद बाई दी.एन.एस.-----

(1) मेसमं पीड़िकला फ्लोरेम मोर्सेस, शामलानगर, गुंटूर,  
(अन्तरक)

**प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के पश्चात् सूचना**

(2) मेसमं गोदावरी फाइब्रास और इन्हेंस्टमेंट्स, मैनेजिंग  
पार्टनर, पी० रामकोटेश्वर राव, गुंटूर।  
(अन्तरिती)**भारत उत्तराखण्ड**

कार्यालय,, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 174/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 493/सी० और 495/डी० है, जो पेरान्नेरला,  
गुंटूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गुंटूर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन विसम्बर 1982।  
को प्रतिक्रिया संभवित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती  
(अन्तर्नारीतयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथा पाशं गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी बाय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अवधारक के  
दृश्यमान में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/था

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों  
का, विश्वास करने के अधीन आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविकः--

- (क) इस सूचना के उत्तरपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की भाषील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों द्वारा से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के उत्तरपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**--इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**मूल्यांकन**

मूली जमीन, पेरान्नेरला, गुंटूर, डी० नं० 493/सी०,  
495/डी०, विस्तीर्ण 1.70 संटम् रजिस्ट्रीकृत विलेष्य नं०  
11195/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

एम० जेगन मोहन  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 6-8-1983  
मोहर:

प्रस्तुप बाह्य. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 175/83-85—यतः  
मुझे, एम० जगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
‘इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की भाग  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 10/4 है, जो गुंटूर स्थित है (और इसमें  
उपावड़ अमूसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ट  
अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर

1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पञ्चव  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तदूपाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवार प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० वेंकम्बा पलि लेट बेक्यादा, आर० गायरहारम

गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० मायाचंद्रनायडू पिता वेंकटारामानायडू,  
नागरी, भीतूर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यवाहियाँ करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## मनुसूची

खूसी जमीन, गुंटूर, डी० नं० 10/4, विष्टीर्ण 2152  
चौ० गज, रजिस्ट्रीकूट विलोख नं० 11340/82 रजीस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी गुंटूर।एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

प्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं. ए० सी० नं. 175/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सो० मील है, जो रामभद्रापूरम बोडिला,  
में स्थित है (और इससे उपायद्वार अनूसूची में और पूर्णरूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयानगरम,  
में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से ऐसे दूर्घात प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाजत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोग-  
मार्थ अन्तरिती इवाए प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
है लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, जर्जर :—

(1) श्री के० रानाचोआर पारमर पिता लट रानायो  
और प्रालजी पारमर और अन्य, डी० नं० 7-55/1  
बैलमावारी स्ट्रीट विजयानगरमा, जिला ।  
(अन्तरक)

(2) श्री के० कुरमशा और अन्य तीन डी० न०  
16-51/3, मन रोड, टीम्बर मर्चंट, पार्वतीपूरम, श्रीकाकुलम  
जीला ।  
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियां पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियां में से किसी अविक्षियां द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृढ़ि  
किसी अन्य अविक्षियां द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनूसूची

भूमि आम के ज्ञाड़ा के माथ, शेष जिस का छेत्र मंगालोर  
कबेली से ढका है । जो सौ मील के लिए उपयोग में लाया  
जाता है, रामभद्रापूरम रोड, पूराने अतिथि बैंगले के पास  
विस्तीर्ण 2520 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3505/  
82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयानगरम ।

एम० जेगन मोहन  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रृष्ठ पाई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री व्ही० नारायणाम्मा कनगाला, गुंटूर,  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री व्ही० साम्बरांशुवराव पिता पेदा रामऋणाया,  
कनगाला गुंटूर।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदश सं० आर० ए० सी० न० 176/83-84—यतः मुझे, एम०  
जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 10-61 और 62 है, जो कनगाला,  
भट्टीप्रौलू स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
भट्टीप्रौलू, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।जहाँ अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26-246 GL/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनूसूची

बर सम्पत्ती, डी० न० 10-61 और 62, कनगाला,  
भट्टीप्रौलू, गुंटूर, जिला, विस्तीर्ण 750-3/4, लौ० गज  
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1219/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
भट्टीप्रौलू।एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट आइ.टो.एन.एस.-----

ग्रामीण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

89 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं 0 आर० ए० सी० न० 177/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व अधीन पक्षम प्राधिकारी का, उक्त पक्षम करने का कारण है कि स्थावर संभाल, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं 0 439/4, है, जो के० आग्रहारम आमलापूरम स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आमलापूरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अंतरित कर्ता गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पद्धति है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिरकी (अन्तरिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्याप्ति करने में कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या ग्रन्थ ग्रासियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्राता कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनावां अन्तर्राती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः वस्तु अधिनियम की घारा 269-व की वस्तुसंरण में, भी, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ग्रन्थियों, वर्षात् १—

(1) श्री के० वेकटरत्नम पिता सत्यनारायणमुर्ता, पालकोलु, इस्ट गोदावरी।

(अन्तरक)

(2) श्री अम्बानंदरम पिता सत्यनारायणमुर्ता मुकुमाला आमलापूरम इस्ट गोदावरी जीला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में हुई भी वाक्यापदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्षीय या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्षीय, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन, 0.30 सेट्स, आर० एस० न० 439/4  
के० आग्रहारम, आमलापूरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6087  
82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आमलापूरम।एम० जेगन मोहन,  
सक्तम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबादतारीख : 8-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुप गाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 178/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो चीराला में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीराला में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है):—

(क) अन्तरण से हटा किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) सोदागर आनसारु बेग और भाई पिता सोदागर  
कासीम बेग, जीराला।  
(अन्तरक)

(2) श्री के० सीताराघ्यमा पर्ति राघवमा जीराला  
ओंगला, जीला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमद्दध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपांहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रामित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय  
गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 17७/८३-४—यत्. मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 439/4 है, जो कि० आग्रहारम,  
आमलापूरम स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आमलापूरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरामात्र प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरका) और अंतरिती  
(अंतरीतीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरौँ किसी वाय की वायत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
एम० जेगन मोहन

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अहः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० वेकटारत्नम पिता सत्यानारायणामुर्ति पालकोलू।  
(अन्तरक)

(2) श्री ए० सूगुनावती पति सत्यानारायणामुर्ति मुक्का-  
माला, आमलापूरम।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की बामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों से स किमी व्यक्त द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
वही शर्य होगा जो उस अध्याय में दिया  
जया है।

अनुसूची

खूली जमीन, विस्तीर्ण 0 30 सेट्स आर० एस० न०  
439/4, के० आग्रहारम, आमलापूरम रजिस्ट्रीक्यूट विलेख  
न० 6089/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आमलापूरम।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983  
मोहरः

प्रस्तुप माइ० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश स० आर० ए० सी० न० 180/83-84—यतः  
मुझे एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी स० 439/4, है, जो के० आग्रहारम आमला-  
पूरम में स्थित है (और इसमें उपावड अनूसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आमलापूरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूसरमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे  
दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अस्तरक (अन्तर्खों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश में उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया थया है :-(a) अन्तरण से हूँ फिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा(b) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबावा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;(1) श्री के० वेकटारत्नम पिता सत्यनारायणमुर्ती  
पालकोलू।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० सत्यनारायणमुर्ती पिता सोमप्या, मुक्कमाला  
आमलापूरम, इस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जादा करके पूर्वांश समात के अंते के  
निए कायदाविधियों करना है,

उक्त सम्पत्ति के अंते के प्रत्येक में कोई भी भाषण। :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील स 30 दिन की अवधि, जों भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
दबाव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 0 46 सेंट्स् आर० एस० न०  
439/4, के० अग्रहारम, आमलापूरम रजिस्ट्रीकूट विलेख  
न० 6088/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आमलापूरम।एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—नारीख : 8-8-1983  
मोहर।

प्रकृष्ट. आई. टी. एम. एस. -----

- (1) मेसर्सकामत बिल्डर्स, बाइ एम० आर० कामत बि-3,  
बिन्दु शार्पिंग सेंटर, तीलक रोड, बांस्बे।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 404/83-84—यतः  
मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 1-1-524/1/ए, है, जो गांधीनगर, में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंशुहृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उचितदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup> सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के सायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में सविधा  
के लिए;

घर 1-1-524/1/ए, गांधीनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता  
विलेख नं० 8401/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण  
में, भै उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलूप वाई. टी. एम. एस.-----

(1) श्री मुसतफा समी पिता लेट, शेख आहमद  
शर्मा, बंजाराहीलस हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री मीर्झा हासन आली खान पिता मीर्झा रसीद  
आली खान, फ्लैट नं० 1003, डेक्कन टावर्स  
बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

भारत गवर्नर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 405/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹5,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1003, है, जो डेक्कन टावर्स  
बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरीती  
(अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उपवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ इ कि किसी भाय की बादत उपवेश्य अधिनियम के बधाइ कर देने के अन्तरक के बायित वे  
कमी करने या उसके बदले ये सुविधा के लिये;  
और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
मात्र में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 1003, डेक्कन टावर्स बसीरबाग, हैदराबाद,  
रजिस्ट्रीकृत विलोक्त नं० 8429/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हैदराबाद।एम० जेगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

जायंत्र राष्ट्रियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० न० 406/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन संशम आधिकारी को वृद्धिविधास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-708 से 711 है, जो मोजमजाही  
मार्केट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिसम्बर 1982  
को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए भारतीय और अन्य वृद्धिविधास करने का कारण है  
कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत में अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उपर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
ओर/या

वनसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, उपराने  
में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमति शौकत जाहो और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री सूबर्णि लाल आहूजा पिता जगन्नाराम आहूजा  
6-2-970 बैरताबाद, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब्द में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

राष्ट्रीय अधिनियम—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वे  
अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

घर नं० 4-1-708 से 711, मोजामजाही मार्केट,  
हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8008/82, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

मोहर ।

नोट: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रूलप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन, मूल्यः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 9 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० मी० न० 407/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संक्षम प्राप्तवाकारी तो, यह विश्वास उच्च का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० शर है, जो बोधन में स्थित है (और इससे  
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बोधन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दस्तमान  
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे दस्तमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तोरतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्राप्त-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविभाव के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्तयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वाये प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचिता के लिए;

- (1) श्री व्ही० लारायणा, ऊपरपली गांव, मेंडवाल  
तालूक, आर० आर० जीला।  
(अन्तरक)
- (2) श्री रामा राव यलपाले गांव, बोधन तालूक,  
निम्नमाबाद जिला  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वान्तर संपत्ति के अवैन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित में काई भी आक्षेप।—

- (क) इस ग्रन्थना न राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिन की अवधि या निम्नलिखी शक्तियों पर मूल्य  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैन  
बाद में समाप्त होती है, से तीन पूर्वोत्तर द्वितीयों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस ग्रन्थना न राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के बाद, उक्त व्यावर संपत्ति में  
द्वितीय किसी भन्द जारीन होगा, द्वितीय साल  
के पास लिखित में लिए जा सकें।

**इष्टोक्तणः**—इसमें पृष्ठन गढ़ों और पदों का जो उक्त  
प्रधिनियम न व्याप्त 20-के में  
प्रभावात् है तो वर्द्धा या उस  
प्रभावात् न व्याप्त न होता है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

27—246GI/83

एम० जेगन मोहन,  
मकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : 9-8-1983

मोहर

प्रूफ आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
शर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद/दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं । आर० ए० मी० न० 408/83-84—यत मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' गहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह चिः पास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिन बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी म० एम० न० 1607, 1609, और 1610 है,  
जो निरमल स्थित है (और इसमें रावड़ अनुसूची में और  
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के वार्षिक  
निरमल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मृक्षे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण नियम  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हेते के अंतरक के  
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सहित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या गन्य जारीनायों  
को, जिन्हे भारतीय आयदर्ता अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में  
सहित के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० बाकल्या पिता लेट चीनमा और अन्य  
4, निरमल।

(अन्तरक)

(2) श्री चूका महादेव पिता नरसीम्हलू, निरमल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना नी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ते  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

3 एकर 10 गूठे, सर्वे न० 1607, 1609, और  
1610 निरमल, रजीस्ट्रीकृत विलेख न० 2433/82, रजीस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी निरमल।

एम० जेग मोहन,  
पक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : 8-8-1983

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री ल्ही० भूपालरेड्डी और अन्य हैदराबाद ए० संत्य-  
नारायण, एम० मधुसूदन राव और अन्य इसनापूर  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री रामी नशरामीकस इडम्स्ट्रीज लि० 1-10/1/15  
आशोकनगर, हैदराबाद।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज हैदराबाद

हैदराबाद विनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 409/83-84—यत् मुझे  
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी म० भूमि है, जो इसनापूर सगारेड्डी तालूक में स्थित  
है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्णस्वप्न में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सगारेड्डी में  
रजिस्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिसम्बर 1982।को दूर्विक्षित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अन्तरक के  
दायित्व से कभी करने या उससे बचने में सूविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अस्सियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा  
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास  
लिखित में किए जा सकते।स्पष्टीकरण:--हमारे प्रयत्न शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

18 एकर, 06 गूठे, भूमि सर्वे नं० 218/1, 218/4,  
218/7, 218/12, 461 और 462, इसनापूर, संगारेड्डी  
तालूक, रजिस्ट्रीक्युल लिंग नं० 5251/82, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी सगारेड्डी।एम० जेगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबादअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं. आर० ए० भी० नं. 410/83-84—यतःमुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस० नं. 46 और 47 है, जो खम्मामेट (व्ही) रंगारेडी जिला में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्णस्वयं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेडी जिला में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982।

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तीयों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्री गुरुकुल घट्टेस्वर द्रष्ट, बाइ प्रेसीडेंट, बिंदु किशन लाल हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री दिविस्वेस्वरया इंजीनियर्स को-आंपेरेटिव हाउसिंग सोसाइटी निं. वाइ० के० रविन्द्ररेडी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्त्त होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंजर दृष्टि भूमि, भर्वे नं. 46 और 47, विस्तीर्ण 4 एकर, 06 गूठा, खम्मामेटगांव, रंगारेडी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 8629/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेडी।

एम० जेगन मोहन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रकृत आई० टी० २०७ ५८ -----

(1) श्री मैनसे श्रीं विजय विञ्चर्स 1-2-593/4 ए, नामचंद्र

उपकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

मीशन रोड, हैदरबाद

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(2) श्री कमर अहमद, 10, राहत मज़िल,

(2) नहीं अहमद, 75, वारनरीमलराड, बम्बे-20

(अन्तरिक्षी)

अर्जन रेज हैदरबाद

दे दरबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

आरा० ए० सी० नं० 411/83-85—यत् मुझे एम०  
जेगन मोहन,को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उमा नमनि के शब्दों का सम्बन्ध न कोई भी व्याख्या :-

(क) इन उठाए गए राजपत्र में प्रकाशन को तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि ना, भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।(ख) इन सूचना द्वारा जारी म प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबू  
किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्नाक्षरी के पास  
लिया गया भी समेत ।**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रगृहित शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।आरा० ए० सी० नं० 703 है, जो श्रीनिवासटाबर्म हैदरबाद  
स्थित है और सम उपादान अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय बल्लक्ष्मनगर, मे  
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन  
बल्लक्ष्मनगर 1982को पूर्वोक्त रूपानि, रजिस्ट्रेशन नं० १०८, जिन दृष्टियाः  
प्रतिक्रिया नियम समाप्ति का उचित बजाए  
तरंग का तारा तथा यह विश्वास  
तरंग का तारा तथा यह विश्वास का उचित बजाए  
तरंग, उन्हें दूर कर दिया था, ऐसे दृष्टियानि प्रतिक्रिया का  
पन्दह प्रतिक्रिया अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिति (पन्दहिति) दोनों दोनों अन्तरण के लिया जाया गया  
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) उक्त दोहराए किसी प्राय हो बाबत, उक्त अधिक-  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायिल में  
करा करने या उमा बचन में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
का किसी मात्रीय प्राय-कर अधिनियम 19--  
(1922 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान  
में सुविधा के लिए;प्लाट नं० 703, 7वा मजला, श्रीनिवासा टाईस (ए',  
6-3-1187, बेगमपेट, हैदरबाद, रजीस्ट्रीक्युल विलेख नं० 2965  
रजीस्ट्रीकर्ट अधिकारी बल्लक्ष्मनगर ।एम जेगन मोहन  
प्रधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदरबादअतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख : 10-8-1083  
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. पट्टि.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

निर्देश सं०आर० ए० सी० नं० 412/83-84—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० फ्लेट 6थ फ्लाइर है, जो श्रीनिवासा टावर्स  
हैदराबाद स्थित है (और इससे जाबड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पृ  
से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर,  
मेर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिसम्बर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्ति  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृवार प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जरत :—

(1) मेरसे श्रीनिवास विल्डर्स 6-3-1187, बेगमपेट,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मयद फरीद्वीन, 6-3-1187, बेगमपेट, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्म्यन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास  
लिन्दित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट 6 वा मजला, श्रीनिवासा टावर्स 'ए' विस्तीर्ण 1600  
चौ० फूट, बेगमपेट, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 2964/  
82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लभनगर।

एम० जेगन मोहन,  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख 10-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

आर० ए० सी० नं० 413/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन

मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 5,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-279/429 है, जो एस० आर० नगर,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्णरूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन दिनांक 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित यी गई है और यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल वा  
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है॒ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमदारों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधीनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरा-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५-

(1) श्री वाई० रामी रेड्डी पिता वाई० रामचंद्रा रेड्डी,  
गोलनकोडा भोनगीर तालुक, नलगोडा जीला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति एल० निरमल देवी पति एल० यादगीरी रेड्डी  
158/वि० संजीवारेड्डी नगर, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या दस्तवंशी ल्याइनिंगों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ड्रिलब्रेक  
किमी अन्य अवित्त द्वारा अभेहस्ताभरी के पास  
लिल्लित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-279/429, (घर नं० 158/वि) संजीवारेड्डी  
नगर, हैदराबाद, राजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 8214/82, रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-8-1983  
मोद्दूर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रामकृष्ण भोलेराव नं० 60 सी० पी०, रामस्वामी रोड, मदरास।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मताद्दीन गोपल, 3-4-856/1, ब्रह्मपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

आर० ए० सी० नं० 414/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन  
मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), नै भारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एस० नं० 129/31, है, जो ब्रह्मपुरा, हैदराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपाख्य असूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर

1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं गहर विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पैन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ग्रामी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
ग्रामजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;खुली जमीन विस्तीर्ण 868 घौ० गज० सर्वे नं० 129/31,  
रोड नं० 12, बंजारा हीलस हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
8181/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्रम अधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की स्पष्टाश (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

आरोग्य नं. 415/83-84—यतः मुझे, प्रमो जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं. ११८० नं. १२९/३१, है जो रोड नं. १२, बजार  
हिल्स, हैदराबाद स्थित है (और इसमें उपावड़ अनूमूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्दर  
में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-ष की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

28-246GI/83

- (1) कुमारी सागरीका भोले राव, नं. 60 सी० पी०  
रामस्वामी आयर रोड, मदरास-18।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमति चंद्रादेवी, पूनम आपार्टमेंट्स, जीराग आली,  
हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होता जो उस अध्याद में दिया  
गया है।

ममूसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 867 चौ० ग ज० सर्वे नं. 129/31,  
रोड नं. १२, बजाराहीलस, हैदराबाद रजिस्ट्रीक्युट विलेख नं.  
8182/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

प्रमो जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-8-1983 :

मोहर ६

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1983

आरो ५० सी० नं० ४१६/८३-८४—यतः मुझे एम० जेगन  
मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अंगाक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० वि 2, है, जो एस० नं० 129/31,  
रोड नं० 12, बंजारा हिल्स में स्थित है, (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी  
के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16 के अधीन शिल्पमंडल 1982  
को प्रवर्त्तित सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्ति संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे ताम्चे अन्तरण के बाहर तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अंगाकार, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति राणी लक्ष्मी पति भोलेश्वर, नं० 60 सीपी  
रामस्वामी अय्यर रोड, मद्रास-18।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति अनार वेबी, 3-4-856/1, बरकतपुरा,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवृक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवृक्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
प्रियंग में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

खूली जमीन प्लाट नं० वि 2, विस्तीर्ण 868 औ० जी०  
सर्वे नं० 129/31, रोड नं० 12, बंजाराहील्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 8184/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तिरीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप वाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षमतालिस, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निवेदण सं० आर० ए० सी० न० 156/83-84—अतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 192 से 6 है तथा जो पाटामाटा, विजय-  
वाड़ा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूल्यों में और पूर्ण  
मूल्य से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजय-  
वाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक  
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चावली से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कर्मी करने या उससे वचन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारौ :—

(1) श्री एन० काशी विस्वेश्वर राव  
पिता श्री चक्रधर राव,  
पाटामाटा, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) डि स्टेट इलेक्ट्रोसाईटी को०-आपरेटिव  
सर्कल, स्टाफ को०-आपरेटिव बिल्डिंग  
सोसाइटी लिमिटेड,  
विजयवाड़ा-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिस्तात्मकी के  
पास लिखित में किए आ सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममृसूची

बुली जमीन पाटामाटा, आर० एस० न० 192 से 6,  
विस्तीर्ण 0.67 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 12361/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री वई० रामय्या, अलीशास रायापा और अन्य,  
गोलापुडी, विजयवाड़ा कृष्णा जिला।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 157/83-84—अतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

ओर जिनकी सं० 18/3ए, जी० बी० और एच० गोल पुडी,  
विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(2) मैसर्स डि आक्सीजन इक्यूपर्मेट्स और  
इंजीनियरिंग को० प्राइवेट लिमिटेड,  
सन्त नगर, हैदराबाद-500018।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(ख) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बुली जमीन, गोलापुडी आर० एस० नं० 118/3 ए,  
जी० बी० एच० विस्तीर्ण 7-79, सेटम, रजिस्ट्रीक्यूट विलेख  
नं० 12102, 12114, 12086, 12737, 12729,  
12601, 12602, 12603 और 12619/82, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-8-1983

मंहर :

प्रकप बाइंडो एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 158/83-84—अतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/2 वर्गीकृत है तथा जो अनुसूची मेवर्णित है तथा  
जो विजयवाड़ा में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उसमें छेने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
आय या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० वेंकटेश्वर राव और अन्य,

विजयवाड़ा,

गोलापुडी।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० आपाराव जनरल सेक्रेटरी, विजयवाड़ा,

आयरन और हार्ड वेयर मॉर्ट,

कृष्णगढ़ कम्पलैक्स, वेलफेयर सोसाइटी,

स्टील प्लेस, समारंगम चौक,

मेन बाजार,

विजयवाड़ा-520001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रधर्म में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर इकान स्थावर सम्पत्ति में हितबूष्ठ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
पर्नामत में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, उसे अध्याय 20 के में परिभ्राष्ट  
हैं, उनी वर्त्त होते हैं उन अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन विजयवाड़ा विस्तीर्ण 59 एकड़ 55, डाकमेट्रस  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा रजिस्ट्रेशन दिसम्बर,  
1982 और जनवरी, 1983 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० और  
आर० एस० नं० निम्नलिखित है। (1) 12252, 12253, 12254,  
12255, 12256, 12006, 12007, 12008, 12009,  
11968, 11967, 11965, 11966, 12730, 12720,  
12717, 12716, 12646, 12633, 12634, 12635,  
12636, 12640, 12641, 13620, 12621, 12618,  
12607, 12608, 12609, 12610, 12611, 12612,  
12613, 12601, 12549, 12550, 12477, 12400,  
12401, 12402, 12403, 12404, 12394, 12393,  
12395, 12392/82 और 433, 320, 321, 295,  
93, 24, 25, और 32/83 आर० एस० नं०  
15/2, 15/2, 25/1ए, 50 और 51/1, 49/1, 50  
और 51/1, 49/1 बी०, 16/1 और 16/3, 49/1 बी०,  
25/1, 13/4 ए, 50 और 51/1, 16/3, 51/1, 11,  
50/3, 11, 14/1, 50/3, 16/2 ए, 15/2, 50/3, 49/1,  
11, 50 और 51/1, 15/2, 11, 14/2, 14/2, 14/2,  
14/2, 14/2, 14/2, 14/82, 14/2, 50/2, 14/82, 11,  
50/2, 49/1 बी०, 16/3, 14/1 बी०, 16/1 डी०, 16/3ए, 14/1  
बी०, 50/2, 15/2, 15/2, 561/5, 14/1, 24/2, 24/2, 15/1,  
15/1, 11, 51/1 और 11

एम० जेगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस-----

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 159/83-84/—अतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
प्रति 'उत्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के  
प्रवीन सक्षम ग्राहिकारी को, यड विश्वान करने का कारण है कि  
स्थानीय चालि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है मे  
अधिक है।

और जिसकी सं० 30-1-24 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित  
है (और इसमें उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति हउचित बाजार मूल्य में रूप के दृश्यपान  
प्रतिफल नहीं किया गई है और इसे यह उत्ता अधिनियम  
करने का कारण है कि इथार्वोक्त संकाति हाँ उचित बाजार  
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एक  
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तर का (प्रधिकरणों) और अन्तरिका  
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित एवं यह उसे उत्ता अधिनियम 1 के धारा 269-  
प से नियमित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रध्य भास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1924  
(1924 का 11) या उसके अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में,  
सुविधा के लिए।

अस्तु: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जे० वेंकटेस्वरलू पिता  
श्री नारायण केयर आफ  
बाबा मेडिकल हम्पोरियम,  
पार्क रोड विजयवाड़ा-1।

(अन्तरक)

(2) श्री बली खान अहमद पिता  
श्री अब्दुल हामीद खान  
केयर आफ पहीलवान रोड लिंक,  
तारापेट, विजयवाड़ा-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहके प्रति —

(न) इन सूचना के राजावाद में राजावाद की तारीख से  
45 दिन की प्रवत्रि या उत्तममन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद न नमाप होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसां अवधित होता;

(ख) इन सूचना के राजावाद में राजावाद की तारीख से  
45 दिन के भीतर उत्ता स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अध्यक्ष द्वारा, अधोव्स्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ  
होंगा, जो उत्ता राजावाद में दिया गया है।

ममत्वा

घर सम्पत्ति डी० नं० 30-1-24, अरुणदल पेटा, विजय-  
वाड़ा, विस्तीर्ण 220 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11963/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा

एम० जेगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आइ० टी. एन. एस. -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 160/83-84—अतः  
मुझे, एम० जेगम मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 16-1-138/1 है तथा जो विजयवाड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इस के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह अतिशत प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह अतिशत प्रतिफल से, और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक प्रति-  
फल निम्नलिखित उक्तदेश से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(19/2 का 11) या उक्त अधिनियम या इन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० व्ही० सुब्बाराव पिता  
• श्री सत्य नारायण,  
फोर्ट रोड,  
मछलीपट्टनम, जिला कृष्णा ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० नागमणि,  
डी० नं० 16-138/1,  
ओल्ड पोस्टल कालोनी,  
पाटामाटा, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
मात्र में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाय निश्चित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति डी० नं० 16-138/1, ओल्ड पोस्टल कालोनी,  
विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 203-9-0 चौ० गज रजिस्ट्रीक्यूट विलेख  
नं० 12005/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जेगम मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 161/83-84—अतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 507 और 509 में 511 है तथा जो  
विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की दर् रु. और भर्ते यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरीती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन गा अन्य आमिलियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
भार्थ अन्तरीती द्वाग प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपाधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० रामा मोहन राव पिता  
श्री पी० शिवरामया और अन्य,  
पीगला स्ट्रीट,  
सूर्योदाय पेटा,  
विजयवाड़ा-2।

(अन्तरक)

(2) श्री के० व्ही० सुद्धाराव,  
मैतेजिंग पार्टनर एस० आर० इस्टेट,  
टेक्कली रोड,  
लब्बीपेटा, विजयवाड़ा-10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

बुली जमीन, विस्तीर्ण 1290 औ० गज, मंगल राजापुरम  
आर० एम० नं० 507, 509 और 510 और 511, रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 12012, 12013/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रसूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० न० 162/83-84—अतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 9-61-7/1 है तथा जो विजयवाड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख दिसम्बर, 1982

क्वो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इक्षयमान प्रतिफल से, ऐसे इक्षयमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी हिसी आस या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या घनक अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
29—246GI/83

(1) श्री व्ही० चन्द्रशेखर और अन्य,  
नियर जेंडा चेट्टू बापू राजेन्द्र प्रसाद रोड,  
इस्लामपेट, विजयवाड़ा-1।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० रामनन्नमा पति श्री कनकया,  
डी० नं० 9-61-7/1,  
बापू राजेन्द्र प्रसाद रोड,  
इस्लामपेट, विजयवाड़ा-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्याप्रहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

डी० नं० 9-61-7/1 विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 132  
चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12076/82, रजिस्ट्रीकृत  
अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश स० आर० य० मी० नं० 163/83-84 यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 180-1 है तथा जो इसीके पाइ, विजयवाडा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षमिता में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए;

(ब) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाय (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

(1) श्री एस० श्रीहरीराव,  
पाटामाटा,  
विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री के० लक्ष्मण पिता के० नागर्या,  
मैनेमिंग पार्टनर :  
मैसर्स शक्ति इंजीनियरिंग कं०,  
विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन : स० नं० 180-1, विस्तीर्ण 1-40  
सेंट्रस, रजिस्ट्रीक्युल विलेख नं० 12154/82, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद  
तारीख : 6-8-1983  
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद  
 हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 164/83-84—अतः  
 मुझे, एम० जेगन मोहन  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी मं० 12-2-294 है तथा जो विजयवाड़ा में  
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संक्षम के स्थगमन  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके स्थगमन प्रतिफल से, एसे स्थगमन प्रतिफल का  
 पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
 निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की आबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के  
 दायित्व में कभी करने या उससे बचने में  
 सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

(1) श्री आई० हुसन अहमद पिता  
 श्री नुरुद्दीन, जी० पी० होल्डरः  
 श्री ए० रामलू पिता श्री नारायण राव,  
 तारापेट, विजयवाड़ा,  
 कुण्डा जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० वेंकटेश्वरलू पिता श्री मल्पथा,  
 मल्लिकार्जुनपेटा,  
 विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकते हैं।

**स्पष्टोकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

डी० नं० 12-2-294, ब्लाक नं० टी० एस० नं० 505,  
 असेसमेंट नं० 9382, तारापेट, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 100 चौ०  
 गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12246/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
 विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983  
 मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन्. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 165/ 83-84—अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 40-9-11 है तथा जो लब्बीपेटा, विजयवाड़ा  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री व्ही० सूर्य प्रकाश राव पिता  
श्री गंगा राव,  
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री व्ही० मुभाष चन्द्र बोस पिता  
श्री कृष्णामूर्ति,  
40-9-11, लब्बीपेटा,  
विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
प्रतिक्रिया में तो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी  
के पास लिखित भावित जा सकते ।

**स्थलोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

धर सम्पत्ति डी० नं० 40-9-11, टी० एस० नं० 145/2,  
लब्बीपेटा, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 197-6-0 चौ० गज रजिस्ट्री  
कृत विलेख नं० 12527/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजय  
वाड़ा ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983  
मोहर :

प्रलूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 166/83-84—अत  
मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी म० 1-4-4 है तथा जो विजयवाडा में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिवेश अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० अप्पाराव पिता  
श्री सीताराम स्वामी,  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० करुणा देवी पत्नी  
श्री वेंकटेश्वरल,  
विज्ञाधरपुरम,  
विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते उचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डी० न० 1-4-4, रामकोटी नगर, ब्लाक न० 2,  
असेसमेंट न० 652, विज्ञाधरपुरम, विजयवाडा, विस्तीर्ण  
417 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 12583/82; रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 167/83-84—अतः  
मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 1-175 है तथा जो पाटामाटा, विजय-  
वाडा में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजय-  
वाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण संहृष्टि किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करु बने के अन्तरक के  
शामिल में कभी करने या उससे बनने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्रीमती आर० प्रभावती पति  
श्री राधा कृष्णमूर्ति,  
पाटामाटा,  
विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल हाफीज पिता  
श्री अब्दुल वहीद,  
लब्बीपेटा, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर में पर्याप्त में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिंगित में किए जा सकते;

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रथक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विवरित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

धर सम्पत्ति डी० नं० 1-175, पाटामाटा, विजयवाडा,  
विस्तीर्ण 754.65 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12362/  
82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन  
स्थाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983  
मोहर :

प्रस्तुप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निवेश सं. आर. ए. सी. नं. 168/83-84—यतः  
मुझे, एम. जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. टी.एस. 116 है तथा जो पाटामाटा,  
विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्रीमती ए. मनमात्रा पांडे  
श्री वेंकटरत्नम्,  
वृद्धीपेटा, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(1) श्री ए. शेपागिरी राव पिंता  
श्री वेंकटसुब्बय्या,  
प्रेसीडेंट : इनकम को० अपरेटिव हाउस  
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 3516 चौ० गज टी० एम० नं० 116,  
पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12687/82,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन

मन्त्र प्राधिकारी

मन्त्रालय अधिकारी अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. दी. एन. एस. -----

(1) श्री सी० एच० वेक्टेस्वर और अन्य, 2 गोलापूड़ी, विजवाड़ा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश मं० आर० ए० सी० 169/83-84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० आर० ए० नं० 12/1 है तथा जो भवानी पुरम्, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूणि रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा ; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री वी० एम० राममौहनराव पितो विर राघवराय, प्रध्यक्ष, दि वैक ए० नाइज को—आररेटीव विल्डिंग मोसाइटी लि विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन भवानीपुरम्, विजयवाड़ा, आर० ए० न० 12/1, विस्तीर्ण 8-90 सेंट्रम्, रजिस्ट्रीक्युन विलेब नं० 12644/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राविकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-8-1983

मोहर :

प्रसूप थाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अगस्त 1983

निवेश सं० के०-119/एक्सी०—अतः मुझे, ए० प्रमाद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आरजी खमरा नं० 557 व 558 सुरेजा  
बनाना, है तथा जो बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 31 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान श्रितफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाग प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मौका  
के लिए;

अतः अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
30—246GI/83

(1) श्री जमूना प्रमाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कनो अम्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भी ने निम्नी व्यक्ति दाया।

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति इवाग अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के स्थान परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी खसरा नं० 557 व 558 पेंसाईंटी 12 बिश्वा  
जो कि मौजा सुरखा बनाना लावनी, गृहसील परगना एवं  
जिला बरेली में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण सब डील  
व फार्म 37-जी सं० 6327/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण  
सब-रजिस्ट्रार, बरेली के कार्यालय में दिनांक 31-1-1983  
को किया जा चुका है।

ए० प्रमाद

ग्राम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 4-8-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री प्रशांत चौधरी और अन्य,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्री भूरा मियाँ।  
2. श्री बुंदा मियाँ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-४/कल०/८३-८४—अतः मुझे  
एस० के० चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० १ प० है तथा जो करीम वर्क्स रो, थाना  
जीतपुर में स्थित है (और इनमें उत्तरांश अनुपूर्वों में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर०  
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 14 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल तं एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से की गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्तने के बन्दरक के दायित्व में  
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

अनुसूची

(ख) मंसी निसी आय या किसी घन भा अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खद-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री प्रशांत चौधरी और अन्य,

(अन्तरक)

(2) 1. श्री भूरा मियाँ।  
2. श्री बुंदा मियाँ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यबाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव भूमि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे !

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम कीधारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

जमीन 3 कठा 13 छटाक 37 वर्ग फीट।

पता—1 ए, करीम वर्क्स रो, 24 परगाना, थाना जीतपुर।  
दलिल सं०-1982 का 10698।

एस० के० चौधरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप आइ०टी०एन०एस० -----

(1) श्री अनिल कुमार हीरजी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स अमर ज्योति इन्वेस्टमेंट्स,  
क० लिमिटेड,

(अन्तरिक्षी)

(3) श्री निर्मल कुमार लोहिया एण्ड  
श्रीमती सुमित्रा देवी सिंहानिया ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1983

निवेश सं० टी० आर० 302/82-83/एस० एल०-  
759/आई० ए० सी०/एक्टो० रेंज-I/ कलकत्ता—अतः मुझे,  
एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी सं० 9 है तथा जो उड्ड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 8 दिसम्बर, 1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथे  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिभयम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अस० अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9 उड्ड स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित एक बीघा 3 छाटाक 22  
वर्ग फीट जमीन पर मकान का 1/5 हिस्सा जो 8-12-83  
तारीख में डीड नं० 10549 अनुपार सब-रजिस्ट्रार, एस०  
रेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ है।

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

एम० अहमद  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

प्रस्तुत ग्राहक टी.एन.एस., -----

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० टी० आर० 278/82-83/एस० एन० 760/  
१ ए० सी० एक्वी० आर०-४/कलकत्ता—अतः मुझे;  
एस० के० चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी स० ९ है तथा जो ग्राट्य लेन, कलकत्ता में स्थित  
है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 18 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत ही अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में घास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ तक किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) खुरसेध, फेमजी दस्तूर एन्ड अदर्स

(अन्तरक)

(2) मुहम्मद गुलजार

(अन्तरिती)

(3) सफिउर रहमान एन्ड अदर्स

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैं यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रन्थ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोक्तरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ननूसूची

9 ग्रांट्स लेन, कलकत्ता में स्थित है 6 कट्टा जमीन पर  
आणिक दो और आणिक तीन तल्ला मकान जो कि डीड  
नं० 10920 तारीख 18-12-82 में आर० ए० कलकत्ता  
के दफतर में रजिस्ट्री हुआ है।

एस० के० चौधरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-8-1983

मोहर

प्रस्तुप आइ० टी० एन० एस० -----

(1) श्री सुपन कुमार वत्त एण्ड अदर्स ।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) उत्तम जईन ।

श्री पश्चालाल ब्रदर्स एण्ड अदर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० टी० आर० 289/82-83/एस० एल०-  
761/आई० ए० सी० एक्वी० आर०-I/कलकत्ता—अतः मूँझे,  
एस० के० चौधुरी,आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 13 है तथा जो रबार्ट स्ट्रीट में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख-----को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या13 रबार्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है 7 कट्ठा जमीन,  
पर मकान का 1/4 अधिकत हिस्सा जो डीड नं० 10640  
अनुसार दिनांक 10-12-82 को रजिस्ट्रार आफ एड्जूटेंट के  
दफ्तर में रजिस्टर्ड हुआ है।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;एस० के० चौधुरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ताअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-8-1983

मोहर :

प्रृष्ठा आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री सुपन कुमार दत्त एण्ड अदर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती किरण,  
बेगवाणी।

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० टी० आर० 286/82-83/एस० एन० 762/  
आई० ए० सी० एक्वी०आर०-I/कलकत्ता—अतः मुझे, एस०  
के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 13 है तथा जो रावर्ट स्ट्रीट में स्थित है  
(और इसमें उपांग अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 10 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
निम्नांक में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**व्यष्टिकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विवरित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

13 रावर्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित है 7 कट्टा जमीन  
पर मकान का 1/4 अविभक्त हिस्सा जो डीड नं० 10637  
अनुसार आर० ए० कलकत्ता के दफ्तर में तारीख 10-12-82  
को रजिस्टर्ड हुआ।

एस० के० चौधुरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-8-1983

मोहर [ ]

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

(1) स्वप्न कुमार दत्त एण्ड अदर्स ।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गौतम जईन ।

(अन्तरित)

**भारत राजपत्र**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० टी० आर० 287/82-83/एस० एल० 763/  
आई० ए० सी० एक्सी० आर-१/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के०  
चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- ... से अधिक है

और जिसकी सं० 13 है तथा जो रबार्ट स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है  
(और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 10 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
उद्धव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरेय से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तिषय  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

13 रबार्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है 7 कट्ठा जमीन  
पर मकान का अधिभाजित 1/4 हिस्सा जो तारीख 10-12-82  
को डीड नं० 10638 अनुसार आर० ए० कलकत्ता के दफ्तर  
में रजिस्टर्ड हुआ है।

एस० के० चौधुरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-१, कलकत्ता

तारीख : 11-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप माई.टी.एन.एस.-----

(1) स्वपत कुमार दत्त एण्ड अदर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक जड़न।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० टी० आर० 288/82-83/एस० एल० 764/  
आई० ए० सी० एक्टी० आर-१/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के०  
चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13 है तथा जो रबार्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में  
स्थित है (और इसमें उपाबन्द अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख 10 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यथा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करसा हैं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रत्येकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

13 रबार्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है 7 कट्ठा जमीन  
पर मकान का अविभाजित 1/4 हिस्सा जो डीड नं० 10639  
तारीख 10-12-82 में आर० ए० कलकत्ता के दफ्तर में  
रजिस्टर्ड हुआ है।

एस० के० चौधुरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-8-1983  
माहूर :

प्रकल्प धाई० टी० एम० एस०-----

(1) काली तुर्गा एस्टेट।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश सं० टी० आर० 298/82-83/एस० एल० 765/धाई० ए० सी० एक्सी० आर०-I/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० चौधुरी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एफ० एम० नं० 34 है तथा जो 158, लेनिन सरणी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 दिसंबर, 1982

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अव्यमान प्रतिफल से, ऐसे अव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

158 लेनिन सरणी में अवस्थित एफ० एम० नं० 3 ए, (थर्ड फ्लोर में) जो डीड नं० 10505 अनुसार तारीख 6-12-82 में रजिस्टर्ड आफ एड्जुटेंट, कलकत्ता के वपतर में रजिस्टर्ड हुआ है।

एस० के० चौधुरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 8-8-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ६—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री नीलमणि दत्त।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

शोरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश सं. टी० आर० 279/82-83/एस० एल०/766  
आई० ए० सी० ए३३० आर०-1/कलकत्ता—अन: मुझे, एस०  
के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. 46/2 बी है तथा जो सुरेन बनर्जी रोड में  
स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 18 दिसम्बर, 1982

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) किसी किसी बाय में किसी धर्म या जाति जातियों  
की, जिन्हे भारतीय भाषा-के अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोजनार्थ अन्तरित दृश्याप्रकट नहीं किया  
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः—

(2) श्रीमती मालती आड्डे ।  
अखिलेश दत्त एण्ड अद्दसे ।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस संबंधी के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावरकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्ते  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या नीवीं  
है।

अनुसूची

46/24 बी, एस० एन० बनर्जी रोड, कलकत्ता में ग्राम स्थित  
है एक कट्ठा 4 छटाक जमीन पर तीन तल्ला मकान जो  
तारीख 18-12-82 में डीड नं० 10912 अनुसार आर०  
ए० कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्टर्ड हुआ है।

एस० के० चौधुरी  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 कलकत्ता

तारीख : 8-8-1983  
मोहर

प्रकृष्ट आई. डी. एव. एस. -----

(1) श्री कमल कुल्लून दत्त ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री तपती राणी आडिल ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1983

निदेश सं० टी० आर० 280/82-83/एस० एल०-767/  
आई० ए० सी० एक्सी० आर०-I, कलकत्ता—अतः मुझे,  
एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी म० 46/24 ए है तथा जो एस० एन० बनर्जी  
रोड में स्थित है (और इससे उपाबृष्ट अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 18 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का अद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके अद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी  
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी-किसी भाग या किसी भूमि या क्षेत्र आकृतियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अपरैप  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इक्षत  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
पड़ा है।

मनुष्याची

46/24 ए० एस० एन० बनर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है  
एक कट्ठा 4 छटाक जमीन पर तीन तला मकान जो  
18-12-82 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एड्जुटेट, कलकत्ता  
के दफ्तर में हाई नं० 10909 अनुसार रजिस्टर्ड हुआ।

एस० के० चौधुरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता

तारीख : 8-8-1983

काहर : .

प्रस्तुप थाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जयन्त नाथ धोष।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं० टी० आर० 291/82-83/एस एल० 768/  
आई० ए० सी० /एम्बी० आर-I/कलकत्ता— अतः मझे,  
एस० के० औधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 157/सी है तथा जो लेनिन सरिणी में स्थित  
है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसै दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के द्वारा एसै अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसै किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री हिमाचि साहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

257/सी, लेनिन सरिणी में ग्राम स्थित 19 कट्टा 15 छटाक  
36 बगं फीट जमीन पर मकान का 1/3 हिस्सा जो  
8-12-82 तारीख में डीड नं० 10582 अनुसार रजिस्ट्रार  
आफ एडजूटेंट, कलकत्ता के दमतर में रजिस्टर्ड हुआ है ।

एस० के० औधुरी,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाईटी.एल.एल.

(1) श्री जयन्त घोष।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती गायत्री साहा।

(अन्तरिती)

भाउति सुड्कात्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं० टी० आर० 292/82-83/एस एल० 769/  
प्राई० एस० सी०/एक्वी० आर०-I, /कलकत्ता—अतः मुझे,  
एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 157/ए है तथा जो लेनिन सारिणी में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,)।  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 8 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं०, एस० दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् में सम्बन्ध भौं छोर्ह भी आलोप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृभू  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा रहे हैं।

**स्थावौकरणः—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबसे  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हूर्ह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में की करने या उससे बचने में सुविधा  
ने लिए; और/या

15/सी० लेनिन, सारिणी, कलकत्ता में अवस्थित है 19 कट्ठा  
15 छटाक 36 वर्ग फीट जमीन पर अवस्थित मकान का  
अधिभक्ता 1/3 हिस्सा ।

(घ) एस० कीसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, विन्हूँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

एस० के० चौधुरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभावतः :—

तारीख : 10-8-1983

मोहर :

प्रकृष्ट, बाहुदौ, एवं दूसरे. -----

(1) श्री जयस्त नाथ धोष।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्री इन्द्र भूषण साहा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1983

निदेश सं० टी० आर० 293/82-83/एस एल० 770/  
1 ए० सी० १५८० एक्टी० आर० — /कलकत्ता—अतः मुझे, एस०  
के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 157/बी है तथा जो लेनिन सारिणी, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 8 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येः

(क) इस सूचना से राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के प्राप्त लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**प्रब्लेमरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

157/बी लेनिन सारिणी, कलकत्ता में अवस्थित 19 कट्टा  
15 छटाक 36 वर्ग फीट जमीन पर मकान का 1/3 अधिकृत  
हिस्सा जो तारीख 8-12-82 में डीड नं० 10584 आर०  
ए० कलकत्ता के दफतर में रजिस्टर्ड हुआ है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
व्यक्ति के लिए;

एस० के० चौधुरी,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-8-1983  
मोहर :

प्रम्प आइ. टी. एन. पृष्ठ. -----

(1) श्रीमती चारुलता राय चौधरी और दूसरे।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री रंजन कुमार चटर्जी।

(अन्तर्गत)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० 1316/एस्वी० आर०-३/८३-८४—अतः  
एस० के० चौधुरी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० 63 है तथा जो शम्भुनाथ पण्डित स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में गजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 20 दिसम्बर, 1982को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अनुरित जो गई है और मूल्य यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिक्रिया का परदद प्रतिक्रिया से अधिक है और  
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षक) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षितयों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा यह गया ग्राहितकरण, निम्नविवित  
छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण में हई किसी व्याय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष  
के दायित्व वे की करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी धन या प्रन्य प्राप्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथ अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
नुविधा र लिए;

(1) श्रीमती चारुलता राय चौधरी और दूसरे।

(अन्तरक)

(2) श्री रंजन कुमार चटर्जी।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाक भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति संपत्ति में  
जिनवद किसी प्रथा व्यक्ति द्वारा, अचोद्दाक्षरी  
के पान लिखित में लिए जा सकेंगेस्पष्टीकरण।— इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, ये उक्त  
प्रतिलिपि के अन्याय 204 के  
परिचारित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त  
अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

63, शम्भुनाथ पण्डित स्ट्रीट, कलकत्ता ।

अमीन साथ मकान ।

(1/2 शेयर) ।

दलील सं० 10962 ।

एस० के० चौधुरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख : 12-8-1983

मोहर :

अन्तः प्रबन्ध उक्त अधिनियम को भारा 269-प के अनु-  
कृत में उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपलब्धता  
(1) ने प्रधीन नियन्त्रित व्यक्तियों पर्यात् ।

प्रकृत बादौ.टौ.एव.एस.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-प (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता  
 कलकत्ता, दिनांक 12 अगस्त 1983

निवेश सं. 1317/एकिव० आर०-III/83-84—  
 यस: मुझे, एस० के० चौधुरी,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 63 है तथा जो मम्मुनाथ पंडित स्ट्रीट,  
 कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य-  
 लय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-1982  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ति यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतारक (अंतरकों) और अंतरिती  
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटौं किसी बाद की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बदले में सुविधा  
 के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती चारुलता गय चौधुरी और दूसरे  
 (अन्तरक)  
 2. कुमारी ब्रतश्री चटर्जी  
 (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या उत्तमान्धि व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

63, सम्मुनाथ पंडित स्ट्रीट, कलकत्ता जमीन और मकान  
 दलिल सं. 10961।

एस० के० चौधुरी,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 12-8-1983  
 मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट. टी. एन. - - - - -

प्राविन्द्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
क्रार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रार्थना रेज-न्या, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 अगस्त 1983

निर्देश सं 1318/गवर्नर आर-न्या/83-84 यन मुझे,  
एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'दद्रा अधिनियम' कहा जाया है), की धारा  
269-ज के अधीन सम्भव पार्निकारी को यह निशान उत्तरे का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उन्होंना सामार भव्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसने ८० ५ है तथा जो गारंटी, लेन में स्थित  
है (जो हमने उत्तराधीन सुनिश्चित से और पूर्ण रूप में बर्णित है)  
रजिस्ट्रीर्ड अधिनारी के कार्यालय, कलकत्ता में,  
राजस्ट्रीरिक्षण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन  
तारीख 7-12-1932

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए जस्तिगत की गई है और भूमि यह निश्चारा  
उत्तरे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरक) और अंतरिक्ती  
(अन्तरिक्तीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित दृष्टिक्षय रोड़ा अन्तरण लिखित में  
बास्तीकारक रूप में कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हट्ट कियी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
विपरीत में कमी करने या उससे बचने में संविधा  
दे लिए और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा पकड़ नहीं दिया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए,

1. श्री आबदुल्ला आनि होमेनभाई खर्फल्ला एण्ड अर्द्द  
(अन्तरक)

2. मेनर्स कॉलाइट कॉम्पनी प्रा० नि०  
(ग्रा०, रिट्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशालियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मार्जन कर्ता ताम्हील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में चिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पद्धों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

5 गार्मिन प्लेट कलकत्ता में अवस्थित, 4 कडा 15  
उग्राह, 28 वर्ग फिट जमीन पा मान की डीड सं०  
10537 अनुमार आर० १० कलकत्ता दफतर में रजिस्ट्री हुआ ।

एस० के० चौधुरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

नार्स 12-8-1983

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भाग 269-ध की उपधारा (1)  
के अधीन निम्न निम्न व्यक्तियों, अर्थात्—

32-246G1/83

प्रस्प. आइ०. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती बाबी दत्त ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती गीता बनर्जी ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 अगस्त 1983

निर्देश सं० 1319/ए सी क्य एन-III/83-84—यतः मुझे,  
एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० III-264ए (प्लाट) है तथा जो यतीन  
बागची रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्है भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हट्ठै किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

### अनुसूची

पी-264 ए, यतीन बागची रोड, कलकत्ता में स्थित  
मकान का घार तल्ला में एक प्लाट जो तारीख 9-12-82 में  
डीड नं० 6853 अनुसार डी० आर० आलिपुर में रजिस्ट्री  
हुआ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को पिछ्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922-  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोज्ज्ञार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिधा  
के लिए।

एस० के० चौधुरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-8-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री प्रफुल्ल चौधुरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1983

निवेश सं. 1315/एक्टी० भार०-III/कलकत्ता/83-84—

यतः मुझे, एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 58-ए है तथा जो एन० सी० चौधुरी रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबंध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 16 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

58-ए, एन० सी० चौधुरी रोड, कलकत्ता ।  
6 के 8 छठाक जमीन ।  
दलील सं. 10834।

एस० के० चौधुरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 10-8-1983  
मोहर :

प्रख्य आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं. प्र० सी० 41 /रज-4/83-84—अत मुझे,  
एस० के० चौधुरी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 40, 40/2 है तथा जो प्र० रोड, हावड़ा प  
में स्थित है (और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), निम्नलिखित अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में निम्नलिखित अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 9 दिसंबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती राधा देवी अक्रवल।

(अन्तरक)

(2) श्री मुणी र कुमार अग्रवाल।

(जन्तारकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामोल रो 30 दिन की अवधि, जो 21  
अप्रैल बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नियंत्रित में हिन-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षवार अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** ——इसमें पश्चिम अज्ञों और पना दा, जा उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ हुआ, जा उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजे-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने पर सुविधा के  
लिए;

बनसूची

जर्मीन 10 आठा 15 एटाक 15 स्केपर फीट जर्मीन  
दा साथ भकान।

पता — 10, 40/2, प्र० रोड, वामुनगछि, थाना लिल्या,  
जिला हावड़ा।  
दलील म० 10608।

एस० के० चौधुरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व और उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

तारीख 11-5-1983  
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) चर्द अरोड़ा एण्ड आर्से।

(अन्तरक)

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री देवेन्द्र कुमार बुबना,  
क्रनेरिया फेमिकल्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 16 अगस्त 1983

निर्देश सं 80 सी० ए०-सं० 1/82-83/एस० एल० 771/  
1 ए० सी० क्वी० आर०-१/कलकत्ता—अतः मझे,  
एस० के० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पहचान उक्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-  
घ के अधीन सदाचार प्राप्तिकारों द्वारा, यह विवरण नहीं बा कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1 डी है तथा जो जेम हाऊस,  
5 वीं रासेन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी  
के कार्यालय, कम्पीटेट अथारिटी आई० ए० री० एक्वीजेशन  
रेज-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 24 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अंतरिती  
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हृइं किसी आय की बावत उक्त अंतरिती  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के लायिरा में  
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;  
बीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तशो  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से  
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्त, या  
प्रदान किये जा गए हो।

**लेटिटेटर्स:-** इसमें इयक्त 'हमो आर दों का, जो इक्के  
आधिनियम के । धारा २१-व द्वा दिसम्बर  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

5 वीं रासेन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है जो जेम्स हाऊस  
में स्थित है प्लाट नं० 1 डी० तारीख 24-12-82  
कम्पीटेट अथारिटी, आई० ए० एक्वीजेशन, अर्जन रेंज के  
दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ है।

एस० के० चौधरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

अतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-8-1983  
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 26 जुलाई 1983

निदेश सं० सी० ए० ५/३७ ई०/२२०/१९८३-४—

यतः मुझ, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट नं० 22 चौथा माला, सिद्धि  
विनायक को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड,  
स्टेशन रोड, कालबा वेस्ट (क्षेत्र 480 स्क० फीट) जिला ठाणा  
है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, नं० 346 तारीख/९ दिसम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इ किसी आय की आवत्ता, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन अनन्द राम लालरेजा,  
सर्वोदय को० आपरेटिव हाऊसिंग  
सोसाइटी लिमिटेड,  
बिल्डिंग नं० 4, फ्लैट नं० 18,  
कोपरे कालोनी,  
ठाणा (ईस्ट) ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र हेमचन्द्र धाटगे,  
५ एफ० एस० टी० बिल्डिंग,  
चिंच बन्दर, बम्बई-९ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पौरभावित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 22 चौथा माला।  
सिद्धि विनायक को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड, स्टेशन रोड, कालबा (वेस्ट)।  
क्षेत्र 480 स्क० फीट जिला ठाणा।

जैसे कि रजिस्ट्रीकूल नं० 346 तारीख दिसम्बर, 1982  
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना  
के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 26-7-1983

मोहर :

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 24th August 1983

No. 2/23/82-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. R. Jain, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner on deputation basis in the Central Vigilance Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus special pay @ Rs. 75/- p.m. in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 1st August, 1983, until further orders.

K. L. MALHOTRA  
Under Secy.  
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th August 1983

No. A-19036/8/83-AD.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, SPE hereby appoints Shri I.D. Vaid, Inspector of Police, Jammu and Kashmir Police as officiating Dy. Supdt. of Police in C.B.I., S.P.E. on deputation for the period from 1-7-1983 to 12-8-1983 (A.N.).

No. A-19036/9/83-AD V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. N. Lal, Inspector of Police, Bihar State Police as officiating Dy. Supdt. of Police in C.B.I. S.P.E. on deputation with effect from 19th August, 1983 (forenoon) until further orders.

R. S. NAGPAL  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

## DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110003, the 18th August 1983

No. O-II-1776/83-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Amarendra Narain Shahi, GDO Grade-II of 19 Battalion, CRPF with effect from the afternoon of the 24th July, 1983 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of CCS(TS) Rules, 1965.

The 24th August 1983

No. P.VII-2/82-Estt. I.—The President is pleased to appoint on promotion the following Assistant Commandants of CRPF to the rank of Commandants in a temporary capacity till further orders.

2. They took over charge of the post in the units on the dates indicated against their names:—

Sl. No.	Name of the officer	Unit to which posted	Date of taking over
1.	Shri R. Jagdish Chandran	8 Bn.	15-6-83
2.	Shri S.C. Kukreja	Dte. Genl.	9-5-83
3.	Shri M. S. Multani	48 Bn.	13-5-83 (A.N.)
4.	Shri Nand Lal	33 Bn.	20-5-83 (A.N.)
5.	Shri S.M. Sharma	18 Bn.	11-5-83 (A.N.)

The 25th August 1983

No. O-II-1784/83-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Manoj Kanti Mandal, GDO Grade-II of GC, CRPF, Dimapur, with effect from the afternoon of the 28th July, 1983 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of CCS(TS) Rules, 1965.

A. K. SURI,  
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 22nd August 1983

No. E-16013(2)/14/82-Pers.—On appointment on deputation, Shri U. K. Bansal, IPS (UP : 1974) assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur, with effect from the forenoon of 7th July, 1983.

No. E-16013(2)/14/82-Pers.—On appointment on deputation, Shri Sunil Krishna, IPS (UP : 73) assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, Bokaro Steel Plant, Bokaro, with effect from the forenoon of 25th July, 1983.

SURENDRA NATH  
Director General/CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR  
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 27th August 1983

No. CA.I/159-69.—On his attaining the age of superannuation Shri V. L. Govindaswamy, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bangalore has retired from service with effect from 31-7-1983 (A.N.).

M. A. SOMESWARA RAO  
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 19th August 1983

No. Admn. I/G.Os. Promotion/194.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the under-mentioned permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 until further orders, with effect from the date of his taking over charge as noted against him:—

Sl. No.	Name	Permanent No.	Date of taking over
1.	Shri Mohindra Nath	02/302	10-8-1983 (F.N.)

(Authority : A.G.I. orders dated 9-8-1983)

No. OE.I/G.Os. Promotion/195.—In supersession of this office even Notification No. 372 dated 22-11-1982, the Accountant General, Madhya Pradesh, has been pleased to accord proforma promotion to the under-mentioned permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, until further orders, with effect from the dates as noted against each, i.e. the date from which their next juniors S/Shri N. D. Shukla and G.L. Shriwastava were promoted in this office:—

Sl. No.	Name	Permanent No.	Date from which promoted
1.	Shri A.P. Mowar	02/283	13-11-1982 (F.N.)
2.	Shri P.S. Shriwastava	02/294	1-6-1983 (F.N.)

(Authority : A.G.I. orders dated 1-8-1983).

B. K. ROY  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II  
MADHYA PRADESH

Gwalior the 24th August 1983

No. Admn.XI/Gr.I/SMD/375.—Shri S. M. Deo an officiating Audit Officer (Comm.) of the Office of the A.G. II, M.P., Gwalior has retired from Central Government Service on 31st July, 1983 (A.N.) on his attaining the age of superannuation.

M. DEENA DAYALAN  
Dy. Accountant General/Admn

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
POSTS AND TELEGRAPHS

Delhi-110054, the 25th August 1983

No. Admn. III-216/23(A)(2).—The following Audit Officers of P&T Audit Organisation have retired from service on superannuation with effect from the dates and from the Branch Audit Offices noted against each:—

Sl. No.	Name of the officer	P&T Branch Audit from which retired	Date of retirement
1.	Shri Harkishore Gupta	Delhi	30-6-83 (A.N.)
2.	Shri Budh Singh	Delhi	30-6-83 (A.N.)
3.	Shri R.K. Veerabadrani	Trivandrum	30-6-83 (A.N.)
4.	Shri S. Markandan I	Madras	31-7-83 (A.N.)
5.	Shri Nitya Gopal Das	SW & TC Calcutta	31-7-83 (A.N.)

T. G. SRINIVASAN  
JOINT DIRECTOR OF AUDIT (H. QRS.)

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 22nd August 1983

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/522/58-Admn(G)/5339.—On attaining the age of superannuation Shri N. B. Pradhan, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st July 1983.

M. L. BHARGAVA  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(HANDICRAFTS)

New Delhi-110066, the 29th August 1983

No. 46(152)/68-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. S. J. Baxi, in the post of Director (Crafts Museum) in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), in a Substantive Capacity with effect from 21st December, 1976.

SHIROMANI SHARMA  
Development Commissioner (Handicrafts)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND  
DISPOSALS  
(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 19th August 1983

No. A-17011/225/83-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri A. K. Kuttan, Examiner of Stores (Engineering) in the office of the Asstt. Inspecting Officer (Engg.), Coimbatore under Madras Inspection Circle, to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on purely ad-hoc basis in Baroda sub-office under Bombay Inspectorate with effect from the forenoon of 25-7-1983 and until further orders.

S. L. KAPOOR  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 22nd August 1983

No. A-1/1(81).—Shri K. K. Nag, Permanent Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, who was on deputation as Commissioner of Payments (Jute) in the Department of Textiles, Min of Commerce retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st July 1983 on attaining the age of superannuation.

S. BALASUBRAMANIAN  
Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA,

Calcutta-16, the 23rd August 1983

No. 7289B/A-19012(3-KCS)/83-19B.—Shri K. C. Sharma has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15-7-83, until further orders.

No. 7301B/A-19012(3-GBG)/83-19B.—Shri Jaga Bandhu Ghosh has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 11-7-1983, until further orders.

The 24th August 1983

No. 7333B/A-19012(3-RB)/83-19B.—Mrs. Renu Bala has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29-7-1983, until further orders.

No. 7345B/A-19012(3-D.D.U.)/83-19B.—Shri D. D. Upreti has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21-7-1983, until further orders.

The 25th August 1983

No. 7363B/A-19012(3-C.N.)/83-19B.—Shri Gaja Nand, STA (Chem). G.S.I., has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI, on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 7-7-1983, until further orders.

No. 7374B/A-19012(3-MSP)/83-19B.—Shri M.S. Panwar has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22-7-83, until further orders.

No. 7385B/A-19012(3-SW)/83-19B.—Smt. Sarita Wadhwa has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 11-7-1983, until further orders.

No. 7396B/A-19012(4K)/83-19B.—Shri Ashwani Kumar has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 11-7-1983, until further orders.

may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22-7-1983, until further orders.

The 26th August 1983

No. 7413B/-19012(3-SNG)/83-19B.—Shri S. N. Girhe has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB 40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1-7-1983, until further orders.

No. 7424B-A-19012(3-SFA)/83-19B.—Shri S. F. Ahmad has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th June 1983, until further orders.

A. KUSHARI

Director (Personnel)  
Geological Survey of India

### SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 22nd August 1983

No. C-5992/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' Post) Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc/provisional basis* :—

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
1.	Shri D.B. Kami, Draftsman Div. I Sel. Grade.	No. 74 Party (SEC), Ranchi.	15-6-83(AN)
2.	Shri A. Chandrakesan, Draftsman Div. I Sel. Grade.	No. 4 D.O. (SC), Bangalore	22-6-83 (AN)
3.	Shri Paulus Kuzur, Survey Assistant Sel. Grade.	No. 48 (Photo) Party (CC), Jabalpur.	29-6-83 (FN)
4.	Shri Herman Minj, Survey Assistant Sel. Grade.	No. 11 Party (SEC), Ranchi.	30-6-83 (FN)
5.	Shri T.T. George, Surveyor Sel. Grade.	No. 41 Party (SC), Palghat.	29-6-83 (GFN)
6.	Shri S.S. Panja, Surveyor Sel. Grade.	No. 76 (Photo) Party (SEC), Bhubaneswar.	29-6-83 (FN)
7.	Shri S.S. Nandi, Surveyor Sel. Grade.	No. 89 (Photo) Party (CC), Bhopal.	29-6-83 (FN)
8.	Shri Mihiresh Bhattacharjee, Surveyor Sel. Grade.	No. 11 D.O. (SEC) Bhubaneswar.	29-6-83 (FN)
9.	Shri Mukh Ram Singh, Surveyor Sel. Grade.	No. 91 Party (NC) Lucknow.	29-6-83 (FN)
10.	Shri Sewa Singh, Surveyor Sel. Grade.	No. 89 (Photo) Party (CC), Bhopal.	28-6-83 (FN)
11.	Shri D.S. Chauhan, Surveyor Sel. Grade.	No. 9 Party (NEC), Shillong.	29-6-83 (FN)
12.	Shri A.S. Chauhan, Surveyor Sel. Grade.	No. 46 Party (CC), Jabalpur.	29-6-83 (FN)
13.	Shri M.C. Sonowal, Surveyor Sel. Grade.	No. 5 Party (NEC), Shillong.	30-6-83 (FN)

G. C. AGARWAL  
Major General  
Surveyor General of India

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th August 1983

No. 4/3/83-S-II.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Sh. N. S. Sharma, Hindi Translator, Ministry of I & B, as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st August, 1983 in the office of Station Director, AIR, Patna.

Smt. RUKMINI DAS GUPTA  
Deputy Director Administration  
for Director General

New Delhi, the 27th August 1983

No 6(105)/63-SI.—On attaining the age of superannuation Shri P. N. Roy, Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Patna retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1983.

H. C. JAYAL  
Dy. Director of Administration  
for Director General

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th August 1983

No. A-12026/1/82-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. Banerjee to the post of Junior Administrative Officer on regular basis in the Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the 1st July, 1983 and until further orders.

RAMESH CHANDRA  
Deputy Director (Administration) (E&G)  
for Director General of Health Services

New Delhi, the 25th August 1983

No. A-12025/26/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Suri to the post of Junior Staff Surgeon (Dental) at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi w.e.f. the forenoon of 23rd May, 1983, in an official capacity and until further orders.

No. A-12025/21/81-Admn.I(PT.II).—The President is pleased to appoint Shri R. Chandra Sekhar, to the post of Architect in the Central Design Bureau of the Directorate General of Health Services, New Delhi, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 23rd July, 1983 and until further orders.

The 26th August 1983

No. A-12025/21/81-Admn.I(HO).—The President is pleased to appoint Shri Subroto Malumdar to the post of Architect in the Central Design Bureau of the Directorate General of Health Services, New Delhi, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th July 1983, and until further orders.

RAMESH CHANDRA  
Deputy Director Administration (E&G)

New Delhi, the 27th August 1983

No. A-19018/6/83-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Hakim Wadudal Hasan to the post of Unani Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 9th August, 1983, until further orders.

T. S. RAO  
Deputy Director Administration (CGHS I)

New Delhi-110011, the 29th August 1983

F. No. A-12025/20/79-NIC D/Admin.I/PH(CD&L).—The President is pleased to appoint Dr. B. K. Tiwari to the post of Deputy Assistant Director (Biochemistry) in the National Institute of Communicable Disease, Delhi in a temporary capacity with effect from 16th May, 1983 (FN) and until further orders.

B. K. JANA  
Dy. Director (Admn.) (PH)

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-400 085, the 14th July 1983

No. PA/76(1)/83-R-III/2873.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Parashuram Mahadeo Pawar, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1983 until further orders.

No. PA/76(1)/83-R-III/2874.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Devdas Mansharan Dandwani, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1983 until further orders.

No. PA/76(1)/83-R-III/2875.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Alumkal George Joseph, permanent Senior Stenographer and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1983 until further orders.

M. D. GADGIL  
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES**

Bombay-400 001, the 22nd August 1983

Ref. No. DPS/41/83-Adm./26903.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vadukoot Sreedharan, a permanent Jr. Storekeeper and officiating Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 from 23rd May 1983 (FN) to 24th June 1983 (AN) in the same Directorate vice Shri V. Sripatha Rao, Assistant Stores Officer granted leave.

The 23rd August 1983

Ref. No. DPS/2/1(11)83-Adm./27891.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Anant Krishnaji Nakashe, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 from 2nd June 1983 (FN) to 30th September 1983 (AN) in the same Directorate or until further orders whichever is earlier.

P. GOPALAN  
Administrative Officer

**NARORA ATOMIC POWER PROJECT**

Bulandshahr, the 24th August 1983

No. NAPP/Admin/Recit/JI(61)/83/S/9147.—Officiating appointment on ad-hoc basis of Shri Om Prakash a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Project as Assistant Personnel Officer notified vide

Notification No. NAPP/Admin/26(1)/83/S/7221 dated July 18, 1983 stands terminated with effect from the afternoon of August 12, 1983.

R. K. BALI  
Administrative Officer

**ATOMIC MINERALS DIVISION**

Hyderabad-500016, the 27th August 1983

No. AMD-1/52/82-Recit.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Kishan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 10, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE  
Sr. Administrative & Accounts Officer

**DEPARTMENT OF SPACE  
ISRO HEADQUARTERS**

Bangalore-560 009, the 16th August 1983

No. HQ-Admn./12-25.—Member Secretary, ISRO Council hereby appoints Shri N. B. S. Sastry, Accounts Assistant 'B', SHAR Centre, Sriharikota as Assistant Accounts Officer in Grade Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in ISRO Headquarters, Bangalore of the Department of Space with effect from the forenoon of July 30, 1983 and until further orders.

M. P. R. PANICKER  
Sr. Administrative Officer

**ISRO SATELLITE CENTRE**

Bangalore-560058, the 11th July 1983

No. 020/1(3)/83-EST.—Director, ISAC is pleased to accept the resignation from the service of the following officials with effect from the afternoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space:—

Sl. No.	Name	Designation	Date
1.	Shri T. Parameswaran	Sci/Engineer-SB	6-1-1983
2.	Shri Ravi Venkatesh Joshi	Sci/Engineer-SB	3-5-1983
3.	Shri H. Srinivas	Sci/Engineer-SB	3-6-1983

No. 020/1(3)/83-EST.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint on promotion undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders.

Sl. No.	Name	Post	Date
1.	Shri K.N.N. Nambudiri	Asstt. Administrative Officer	7-10-1982
2.	Shrimathi Thiruvengadu M.N.	Asst. Accounts Officer	7-10-1982
3.	Shri V.P. Ramachandra Kartha	Asst. Stores Officer	16-11-1982
4.	Shri D.N. Varadaraj	Asst. Stores Officer	18-2-1983
5.	Shri M.C. Rebeiro	Asst. Administrative Officer	10-2-1983
6.	Shri M.M. Arifulla	Asst. Administrative Officer	1-3-1983

The 22nd August 1983

No. 020/1(3)/83-EST.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to promote Shri S. K. Chakraborty to the post of Scientist/Engineer-SB w.e.f. 1st April 1983 (F/N) in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders.

No. 020/1(3)/83-EST.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders :—

Sl. No.	Name	Designation	Date
1.	Shri Krishna Narain	Sci/Engineer-SB	23-3-1983
2.	Shri S. Hiriyantha	Sci/Engineer-SB	24-3-1983
3.	Shri S. Ravindran	Sci/Engineer-SB	24-3-1983
4.	Shri P. S. Balasubramanian	Sci/Engineer-SB	5-4-1983
5.	Shri Prakash Rashikar	Sci/Engineer-SB	5-5-1983
6.	Shri K.R. Hemant Kumar	Sci/Engineer-SB	23-5-1983
7.	Shri M. S. Tahseen Adeeb	Sci/Engineer-SB	27-5-1983
8.	Shri M. Prabhakar Koushik	Sci/Engineer-SB	9-6-1983
9.	Shri K. Chandrasekaran	Sci/Engineer-SB	10-6-1983

H. S. RAMADAS)  
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th August 1983

No. A-19011/40/80-EI.—On attaining the age of superannuation Shri B. K. Ramachandran, Director of Aerodromes posted at Palam Airport retired from Government service on the afternoon of 30th April 1983.

The 26th August 1983

No. A-32013/5/83-EI.—The President is pleased to appoint Shri Y. P. Bawa, Senior Scientific Officer to the post of Deputy Director (Research & Development on an ad hoc basis for a period of six months (5th April 1983 to 4th October 1983 from 5th April, 1983 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

O. P. AGGARWAL  
Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 27th August 1983

No. 16/405/83-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Ram Kanwar Azaravata as P.T. & Games Instructor, State Forest Service College, Dehra Dun with effect from 1st June 1983 (FN), until further orders.

G. S. GROVER  
Dy. Registrar  
Forest Research Institute & Colleges

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT  
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 24th August 1983

No. 25/83.—Shri P. Sundara Raju, lately posted as Assistant Collector in the Collectorate of Central Excise, Madras on transfer to the South Regional Unit of Directorate of

Inspection & Audit, Customs & Central Excise, Madras vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 73/83 (F. No. A-22012/23/83-Ad.JI) dated 26th April 1983 assumed charge of the post of Assistant Director (Vigilance) w.e.f. 8th August 1983 (Forenoon).

B. C. RASTOGI  
Director of Inspection

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 24th August 1983

No. 27-EE/K(10)/75-ECII.—Shri D. K. Kapoor, Executive Engineer (Elect.) of Central Public Works Department formerly on deputation to Delhi Development Authority, New Delhi, on attaining the age of superannuation (58 years), has retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st March, 1983 (31-3-1983) (AN).

NEENA GARG  
Dy. Director of Administration  
for Director General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Rattan Chit Fund & Finance (P) Limited

Jullundur City, the 25th August 1983

No. G/Stat/560/2635/3790.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rattan Chit Fund & Finance Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Insurance Press Private Limited

Jullundur City, the 25th August 1983

No. G/Stat/560/1144/3792.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Insurance Press Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

B. M. JAIN  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Madras Electronics and Chemical Industries Private Ltd.

Madras-600 006, the 26th August 1983

No. DN/5834/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Madras Electronics and Chemical Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 20th August 1983

## INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 111.—Shri Murari Lal Bala, Income-tax Inspector of Lucknow Charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Additional Asstt. Director in the office of Regional Training Institute, Lucknow in the forenoon of 6th August 1983.

No. 112.—Shri Sanjeev Kumar Joshi, Income-tax Inspector of Lucknow Charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, Raebareli in the forenoon of 4th August 1983.

DHARNI DHAR  
Commissioner of Income-tax.  
Lucknow

## FORM ITNS

- (1) Mr. Mohan Anandram Talareja,  
Sarvodaya Co-op. Hsg. Society Bldg.,  
No. 4, Flat No. 18, Kopary Colony Thane (E)  
(Transferor)
- (2) Mr. Narendra Hemachandra Ghatge,  
5-F S. T. Building, Chinch Bunder  
Bombay-400 009.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-1, the 26th July 1983

Ref. No. CA-5/37EE-220/83-84.—Whereas, I,  
SHASHIKANT KULKARNI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe, that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
Flat No. 22, 4th floor, Shri Siddhivinayak Hsg. So. Ltd., Sta-  
tion Rd., Kalwa, situated at Dist. Thane  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC Acqu. Range Pune, in December 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer, as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 22, 4th floor; Shri Siddhivinayak Co-op. Hsg.  
society Ltd., Station Road, Kalwa (W) Thane-400 605  
(Area-480 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is  
registered in the office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under  
document No. 346 in the month of December, 1982)

**SHASHIKANT KULKARNI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 26-7-1983.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 29th July 1983

Ref. No CA-5/SR/Maval/938/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Village Tungarli, Final Plot No. 139 T P Scheme No 1, R S No 113 Hissa No 1/B-2 situated at Tal, Maval Dist Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R Maval in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1 Shri M K Mchata, 185, Prabha Kunj Sion (West) Bombay  
 2 Shri R D. Makhuja,  
 3. Shri G R. Makhuja,  
 4 Shri B R Makhuja and  
 5. Shri B R Makhuja, all are residing at 28, Tulsiwadi, Off Tardeo Rd Bombay 400 034  
 (Transferor)
- (2) Shri B K Mirchandani,  
 Shri Gul K Mirchandani  
 Sai Niwas, 9th Road,  
 Juhu Scheme, Bombay 49  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDELE

Village Tungarli, Lonavala, Final Plot No 139, T.P Scheme No 1, R S No 113, Hissa No 1/B-2, and R S No 113 Hissa No 1A, Tal Maval Dist Pune.  
 (Area-1234 80 sq. meter)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub registrar, Maval under No. 1608 in the month of December, 1982)

SHASHIKANT KULKARNI  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 29-7-1982.  
 Seal

## FORM ITNS

- (1) 1. Shri M. K. Mehta, 185 Prabhu Kunj, Bombay-22.  
 2. Shri R. D. Makhija.  
 3. Shri G. R. Makhija.  
 4. Shri B. R. Makhija and  
 5. Shri B. R. Makhija, All are residing at 28 Tulsiwadi, Off, Tardeo Road, Bombay-34.  
 (Transferor)
- (2) 1. Mrs. R. G. Mirchandani.  
 2. Mrs. Shalini B. Mirchandani both residing at Sai Niwas, 9th Road, Juhu Scheme, Bombay-49.  
 (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4 the 29th July 1983

Ref. No. CA-5/SR/939/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at village Tungarli, Plot No. A F.P. No. 138. TPS No. 1, Lonavala situated at Lonavala, Distt. Punc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Maval in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece of parcel of land or ground situated at Village Tungarli within the limits of Lonavala Municipal council admeasuring 1010 sq. meters being sub-plot No. 'A' out of Final plot No. 138 of Town planning Scheme No. 1, Lonavala out of R. S. No. 113 Hissa No. 1/B-2 and 113/1A.

(As described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 1609 in the month of December, 1982)

## THE SCHEDULE

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 6th August 1983

Ref. No. CA-5/SR/Maval./943/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Mouje Dhamne, Gat No. 357 situated at Tal. Maval, Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Maval in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Shankar Pandurang Bhalekar,  
2. Shri Nana Pandurang Bhalekar,  
At Dhamne, Tal. Maval,  
Dist. Pune.

(2) Shri Kuldeepsing Nanda,  
at Karla, Tal. Maval,  
Dist. Pune.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at Mouje, Dhamne, Gat No. 357, Tal. Maval, Dist. Pune  
(Area-3 H 58R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub registrar, Maval under document No. 1384 dated 24-12-1982).

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 28th August 1983

Ref. No. CA-5/SR. Maval/83-84/944.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Mouje Dhamne, Gat No. 357 situated at Tal. Maval. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval, on 24-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shankar Pandurang Bhalekar, & others  
At Dhamne Tal. Maval.  
1. Shri A. K. Bhalekar (Sutar)  
Shri S. B. Bhalekar (Sutar)

(Transferor)

(2) Shri Kuldeep Singh Nanda,  
Karla, Tal. Maval.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at Mouje Dhamne, Gat No. 356-(Area-3H95R) Tal. Maval.

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 1383 Dt. 14-12-1982).

**SHASHIKANT KULKARNI**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 28-7-1983.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
34-246GI/83

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Pooja Investments,  
partner Shri K. D. Renavikar,  
Ganj Bazar, Ahmednagar.  
(Transferor)
- (2) Shri Prakash Mishrilal Gugale,  
Chairman, Manorath Co-op. Housing  
society Ltd.,  
3355 Khrist Lane, Ahmednagar.  
z z  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 10th August 1983

Ref. No. CA-5/S.R. Ahmednagar/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 169/2, Savedi, situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmednagar in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Survey No. 169/2, Sub plot No. 2, Out of F. P. 105, Savedi, Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 3789 in the month of December, 1982)

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 10-8-1983  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 22nd July 1983

Ref. No. CA-5/37EE/213/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 224, K. P. Towers-II, Plot No. 4 Hissa No. 6, S. No. 17-A Wanawari, situated at Pune-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune, in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Parmar Construction,  
321/3, New Timber Market Road,  
Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Kashiram Motwani,  
776, Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 224, K. P. Towers-II, Plot No. 4, Hissa No. 6 S. No. 17-A, Wanawari, Pune-411 013.  
(Area-720 sq. ft.)

(Property as described in the deed of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 465 in the month of December, 1982).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**SHASHIKANT KULKARNI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. Dagadabai Kondiba Balgude,  
 2. Smt. Radhabai Dattatraya Balgude  
 3. Shri. Raju Dattatray Balgude  
 4. Shri. Narandra Dattatraya Balgude  
 5. Smt. Rajani D. Balgude and  
 6. Shri. Deepak D. Balgude  
 At Tungerli, Lonavala, Dist. Pune-

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) M/S. Sudhir Mandke and Co.,  
 1132/2, Alankar Bhavan, Shivaji Nagar,  
 Pune-411 016.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4  
 Poona-4, the 29th July 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. CA-5/941/SR Maval/83-84.—Whereas, I,  
**SHASHIKANT KULKARNI**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing No.

R.S. No. 83/2, Tungerli, Lonavala, situated at Tal. Maval  
 Dist. Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed  
 hereto), has been transferred under the Registration Act,  
 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 S.R. Maval on 20-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION S**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

R.S. No. 83/2, Tungerli, Lonavala-(Area-0-74R)  
 (Property as described in the sale deed registered in the  
 office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 2018  
 Dt. 20-12-82)

SHASHIKANT KULKARNI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of said Act, to the following  
 persons namely :—

Date : 29-7-1983.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sabir Papamiya Kazi,  
 'Shiratnagar, Golibar tekadi, Sholapur-2.  
 (Transferor)

(2) Shri Paresam Khemchand Malkani  
 Smt Ratna P. Malkani c/o, N. G. Advani,  
 Guru Prasad Hsg. Society, 24 Bund Garden Rd.  
 Pune-1.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4  
 Pool, KANTSHA HS,sik5-ih.

Poona-4, the 16th July 1983

Ref. No. CA-5/37EE/226/83-84.—Whereas, I,  
**SHASHIKANT KULKARNI**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing No.

Flat No. 12, 3rd floor, River View Apartment, S. No. 103  
 Hissa No. 125 Plot No. 125 Sub Plot No. 1CTS No. 1973  
 Yearavda, Pune, situated at Pune-6  
 (and more fully described in the Schedule  
 annexed hereto), has been transferred under the Registration  
 Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
 at IAC, Acq. Rn. Pune on 27-6-1983  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as afore-  
 said exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and  
 that the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a  
 period of 45 days from the date of publication  
 of this notice in the Official Gazette or  
 a period of 30 days from the service of  
 notice on the respective persons, whichever  
 period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
 vable property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expression used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, River View Apartment, S. No. 103  
 Hissa No. 125 Plot No. 125, Sub-Plot No. 1 CTS No. 1973  
 Yearavda, Pune-6.

Property as described in the sale of agreement which is  
 registered in the office of the IAC Acq. Range, Pune under  
 No. 907 dated 27-6-1983.

**SHASHIKANT KULKARNI**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 16-7-1983.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ajitsingh Hanumansingh  
1425B, Kasba Peth, Pune

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Manubhai Popatil Mundliya  
Shri Ramniklal Popatil Mundliya  
966, Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 4th August 1983

Ref No CA-5/37EE/225/83-84—Whereas, I,  
SHASHIKANT KULKARNI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs 25,000/- and bearing No.

Flat No 2 Ground floor, 1425, Kasba Peth, Pune, situated  
at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer  
at IAC, Acq Range, Pune in 21-4-1983

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 2, 1425-C Kasba Peth, Pune 11 Area 555 sq ft.  
Property as described in the sale of agreement which is  
registered in the office of the IAC Acq Range Pune under  
No 205 Dt 21-4-1983

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date . 4-8-1983.  
Seal .

**FORM ITNS**(1) M/s Prabin Gupte Associates,  
13/176, Lokmanyanagar, Pune-30

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Gangadhar Sadashiv Karkhanis,  
E-16, MSEB Colony, University Road,  
Near Ashoknagar, Pune-3.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

PRAPTIKAR SADAN,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 28th July 1983

Ref. No. CA-5/37EE/223/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, 2nd floor Plot No. 55 Dahanukar Colony, Kothrud situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. AC. Range, Pune on 389/83-84 24-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 5, 2nd floor, Plot No. 55 Dahanukar Colony, Kothrud, Pune 29.

Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the IAC Ac. Rng. Pune under No. 389 dated 24-5-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULAKNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :28-7-1983.  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE**

60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, POONA-4

Pune-4, the 4th August 1983

Ref. No. CA/37EE/83-84/223.—Whereas, I,  
**SHASHIKANT KULKARNI**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Flat No. 9, 1st floor, Priyanvada Apartments S. No. 93 &  
FP No. 15 TPS No. 1 CS No. 19 Erandawane situated at  
Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC. Acq. Range, Pune on No. 887 6-6-1983  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. M. B. Chitale & A. K. Angal  
M/s. Hindustan Builders  
264/1 Shanwar Peth, Pune 30.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala Vasant Vinze & Mr. Vasant Laxman  
Vinze 2-1-408/2/I University Rd. Nallakunta,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 9 1st floor, Priyanvada Apartments S. No. 93 &  
FP No. 15 in TPS No. 1 & C.S. No. 19, Erandawane,  
Pune-4. 775 Sq. ft.

Property as described in the sale of agreement is registered  
in the office of the IAC Acq. Pune under No. 887 Dt.  
6-6-1983.

**SHASHIKANT KULKARNI**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 4-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. D. R. Khatwani,  
503, Chetna Apartments, 4th floor,  
East Street, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Champabai N. Doshi &  
Mrs Sunanda B. Doshi  
816/8, Bhavani Peth, Pune.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Pune-4, 28th the July 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84|222.—Whereas, I,  
SHASHIKANT KULKARNI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Flat. No. 3, 1st floor, CTS No. 815/816/10 Plot No. 7  
Bhavani Peth, situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acq. Range Pune on 17-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No.3, 1st floor,  
C.T.S. No. 815/816/10, Plot No. 7 Bhavani Peth, Pune-2.  
Property as described in the sale of agreement which is  
registered in the office of the IAC Acq. Range, Pune under  
No 380/83-84 dated 17-5-1983.

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
35—246GI/83

Date : 28-7-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s Gowari Balam Educational Trust  
1-C/17 Bungalow Plot, New Township  
Faridabad through Sh. N. Balasundram S/o  
Narain Swami Ayar Trusty.  
(Transferor)
- (2) M/S Chanda Enterprises, Mujesar (Ballabgarh)  
through Sh. Harbans Lal Chanda Partner.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1983

Ref. No. BGR/247/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3111 sq. yds. (5K. 3M) with construction situated at Mujesar (Ballabgarh) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Dec. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3111 sq. yds. (5 kanals 3 marla) with construction situated at Mujesar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 10111 dated 20-12-1982 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1983

Ref. No. BGR/263/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 1377 sq. yds. with construction situated at Vill. Mujesar Teh. Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) M/s Gowari Balam Educational Trust  
1-C/17, Bungalow Plot, New Township  
Faridabad through Sh. N. Balasundram S/o  
Shri Narain Swami Ayar Trustee. (Transferor)
- (2) M/s Chanda Enterprises, Village Mujesar  
Teh. Ballabgarh Distt. Faridabad through  
Sh. Harbans Lal Chanda, Partner. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1377 sq. yds. with construction situated at Mujesar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 11533 dated 24-1-1983 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1983

Ref. No. AMB/129/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
House No. 65 area 537 sq. yds.  
situated at Preet Nagar, Ambala Cantt.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ambala in Dec. 1982  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
thereby by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Braham Datt Bakshi S/o  
Sh. Amar Nath R/o  
H. No. 65, Preet Nagar, Ambala Cantt.  
(Transferor)
- (2) (i) Sh. Satya Pal Bedi S/o Col. Hari Dass Bedi,  
S/o Sh. Salamat Ram Bedi R/o  
H.No. 25 Preet Nagar, Ambala Cantt.  
(ii) Smt. Raj Bedi W/o Sh. Satya Pal Bedi  
H. No. 25 Preet Nagar, Ambala Cantt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being house No. 65 situated at Preet Nagar,  
Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed re-  
gistered at No. 5220 dated 2-12-1982 with the Sub Registrar,  
Ambala.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. To-day and Tomorrow Printers and publishers, 24-B/5, Desh Bandhu Gupta Road, Karolbagh, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. Samanta (P) Ltd., N-146, Panchsheel Park, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1983

Ref. No. BGR/253/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory building situated at 11/7 M. Stone, Mathura Road, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ballabgarh in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Property being factory building situated at 11/7 mile stone, Mathura Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 10506 dated 28-12-82 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Govindram Bhiwaniwala,  
132, Cotton Street, Calcutta-7.  
(Transferor)
- (2) S/Sh. Govind Ram Gouri Shankar,  
132, Cotton Street, Calcutta-7.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.I.F. COLONY

Rohtak, the 11th August 1983

Ref. No. Cal/BWN/1/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 403 (measuring 7326 sq. ft. & constructed 4850 sq. ft.) situated at Lohariwala Road, Naya Bazar, Bhiwani (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Calcutta in Dec. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 403 Lohariwala Road, Naya Bazar, Bhiwani (measuring 7326 sq. ft. & constructed 4850 sq. ft.) and as more mentioned in the sale deed registered at No. 10542 dated 7-12-1982 with the S.R. Calcutta.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 11-8-1983  
Sd/- :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. Colony,

Rohtak, the 3rd August 1983

Ref. No. BGR/250/82-83.—Whereas, I,  
**R. K. BHAYANA**,  
being the competent authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No. Factory shed, Office block and servant  
quarters with land measuring 14 kanals 15 marla  
situated at Jharsetyl

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ballabgarh in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) M/s Lakshmi Engineering Works,  
106 Ghish Ghosh Road, Belurmath, Howrah.  
1. Sh. Durga Dutt Aggarwala S/o Sh. Suraj Mal  
Aggarwala,  
2. Sh. Mahabir Prashad Aggarwala S/o  
Sh. Durga Dutt Aggarwala  
3. Sh. Bhajan Lal Aggarwala S/o  
Sh. Suraj Mal Aggarwala  
4. Sh. Manick Chand Aggarwala S/o  
Sh. Durga Dutt Aggarwala.

(Transferor)

- (2) M/s Escorts Tractors Limited  
Sector 13, Plot No. 2, Faridabad  
through Sh. Rajan Nanda S/o Sh. H. P. Nanda  
R/o 2 Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given up  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 15 marla situated  
at Jharsetyl and as more mentioned in the sale deed registered  
at No 10271 dated 23-12-1982 with the Sub-Registrar,  
Ballabgarh.

**R. K. BHAYANA,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 3-8-1983  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**  
**ACQUISITION RANGE, ROHTAK**  
 D.L.F. Colony,

Rohtak, the 3rd August 1983

Ref No. SPT/131/82-83.—Whereas, I,  
 R. K. BHAYANA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land measuring 17 kanals (10285 sq. yds) with rooms, boundary wall and rooms situated at Village Rasoi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonipat in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Padam Singh Gupta S/o  
 Sh. Ram Kumar Gupta,  
 H. No. A-65/4, G. T. Karnal Road,  
 Delhi.

(Transferee)

(2) 1. Sh. Bhushan Jain S/o Shanti Dass Jain  
 S/o Sh. Sohan Lal Jain,  
 2. Sh. Manohar Lal Jain S/o Sh. Harbhagwan  
 Shah S/o Sh. Duni Chand,  
 3. Smt. Sobhana Jain W/o Sh. Chander Mohan  
 Jain S/o Sh. Manohar Lal all rs/o  
 H. No. 2/49 Rup Nagar, Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanals (10285 sq. yds) with tube-well, rooms and boundary wall situated at village Rasoi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3042 dated 27-12-1982 with the S.R. Sonipat.

R. K. BHAYANA,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1983  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. Colony,

Rohtak, the 2nd August 1983

Ref. No. PWL/12/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and  
bearing No. Land 15 kanals 8 marlas  
situated at Village Pirthala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering  
Officer at Palwal in Dec. 82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

36—246GI/83

(1) Sh. Radhe Lal S/o Sh. Bhulle,  
S/o Sh. Rani Karan R/o  
Vill. & P.O. Pirthala Teh. Palwal  
Dist. Faridabad.

(Transferor)

(2) M/s Kanak Engineers Private Limited,  
302, Haras Bhawan, 64-65 Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 8 marla (9317  
sq. yds) situated at Village Pirthala and as more mentioned  
in the sale deed registered at No. 3693 dated 31-12-1982 with  
the Sub-Registrar, Palwal

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 2-8-1983

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Mukhtiar Singh S/o  
Sh. Pritam Singh,  
Chotala Road, Mandi Dabwali.

(Transferor)

(2) Sh. Jagroop Singh C/o  
M/s Gill Agriculture works,  
Mandi Dabwali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. Colony,

Rohtak, the 10th August 1983

Ref. No. DBW/4/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 2231/2 situated at Mandi Dabwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in Dec. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Property being shop situated at Mandi Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered on 27-12-82 with the Sub-Registrar, Dabwali.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Subedar Prahlad Singh Adopted S/o  
Sh. Raghunath R/o H. No. 367 Ward-32,  
Kath Mandi, Jhajjar Road, Rohtak.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 5th August 1983

Ref. No. RTK/142/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half west portion of house measuring 250 sq. yards situated at Jhajjar Road, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Dec. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Dr. Uma Singh W/o Dr. Chandervir Singh S/o Thakar Vikram Singh R/o 17/9J, Medical College, Rohtak.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being half west portion of house measuring 250 sq. yds situated at Jhajjar Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5448 dated 30-12-82 with the Sub-Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date . 5-8-83  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Smt. Krishna Devi W/o Sh. Suresh Chand  
S/o Sh. Ram Karan, Kath Mandi, Rohtak.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Subhash Chand &  
Sh. Thakur Dutt S/o  
Sh. Durga Dutt, Kath Mandi,  
Rohtak.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 12th August 1983

Ref. No. RTK/138/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/-  
bearing No. Plot measuring 665 sq. yds with construction  
situated at Kath Mandi, Rohtak  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in Dec. 82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall be the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 665 sq. yds with construction  
situated at Kath Mandi, Rohtak and as more mentioned  
in the sale deed registered at No. 4954 dated 13-12-  
1982 with the Sub-Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 12-8-83  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt Suman Devi D/o Sh Ram Gopal,  
 Smt Ganjwanti Wd/o Sh Ram Gopal,  
 Sh Hari Gopal S/o Sh Durga Parshad,  
 Gali Presswali, Jagadhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D L F COLONY

Rohtak, the 12th August 1983

Ref No JDR/177/82-83 —Whereas, I,  
 R K BHAYANA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
 property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
 and bearing No  
 Land measuring 2 kanals  
 situated at Jagadhari  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Jagadhari in Dec 82  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(2) Sh Hari Krishan S/o Devi Parshad,  
 Sh Mangal Sain So Sh/ Baru Ram  
 Mangla Industries, Jagadhari,  
 Sh Durga Parshad S/o Nand Lal,  
 R/o Bhushanpura, Jagadhari,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of  
 30 days from the service of notice on the respective  
 persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
 property, within 45 days from the date of the publication  
 of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in that  
 Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 2 kanals situated at  
 Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered  
 at No 5456 dated 1-12-1982 with the Sub-Registrar,  
 Jagadhari

R. K. BHAYANA  
 Competent Author  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

Date 12-8-83  
 Seal .

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1983

Ref. No. HSR/315/82-83.—Whereas, I,  
**R. K. BHAYANA**,  
 being the Competent Authority under Section  
 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
 that the immovable property having a fair market value  
 exceeding Rs. 25,000/- and  
 bearing No. Land measuring 24 kanals  
 situated at Mayar  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Hissar in Dec. 82  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(1) Sh. Ramphal S/o Sh. Giani Ram  
 S/o Sh. Nahna Ram  
 P/o Smt. Jande  
 Wd/o Balwan & Ishwar Sons  
 Phuli, Shanti, Khazani, Bahteri-Sukh Devi,  
 Mukhi, Sheela, Santosh daughters of  
 Sh. Nihala S/o Nandu  
 R/o Vill. & P.O. Mayar Teh. Hissar.  
 (Transferor)

(2) Smt. Sarla Devi W/o Sh. Sat Narain  
 S/o Sh. Mollu Ram  
 R/o Gali Chhabildass, near Gandhi Chowk.  
 Hissar.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 24 kanals situated at Mayar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3614 dated 23-12-1982 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-8-83  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Ram Phal S/o Giani Ram  
S/o Sh. Nahna Ram P/A  
Sh. Dewana S/o  
Sh. Tuhia S/o Sh. Jaimal  
R/o Vill. & P.O. Mayar.

(Transferor)

(2) Sh. Rajesh Kumar S/o Sh. Sat Narain,  
S/o Sh. Molu Ram, Gali Chhabil Dass,  
near Gandhl Chowk, Hissar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. HSR /318 /82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 24 kanals situated at Village Mayar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 24 kanals situated at village Mayar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3617 dated 23-12-1982 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-8-83  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1983

Ref. No. HSR/319/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 24 kanals situated at Village Mayar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Dec. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Ram Phal S/o Giani Ram  
S/o Sh. Nahna Ram P/A  
Sh. Lal Chand, Bhane S/o  
Sh. Lekh Ram S/o Nanak  
Sh. Dariya-Surjan S/o  
Sh. Sudan S/o Lekh Ram  
R/o Vill. & P.O. Mayar.

(Transferor)

- (2) Smt. Asha Rani W/o Sh. Suresh Chander  
Adopted S/o Sh. Chhabil Dass  
R/o Gali Chhabil Dass near Gandhi Chowk,  
Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 32 kanals situated at village Mayar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3618 dated 23-12-82 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-8-83  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1983

Ref No. HSR/329/82-83.—Whereas, J,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Land measuring 32 kanals  
situated at Village Mayar Teh. Hissar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hissar in Dec 82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sh. Ram Phal S/o Sh. Giani Ram  
S/o Sh. Nahna Ram  
P/A Sh. Lal Chand, Bhana  
S/o Sh. Lekh Ram, Sh. Dariya, Surjan  
S/o Sh. Sudan  
S/o Sh. Lekh Ram  
R/o Vill. Mayar (Hissar).

(Transferor)

(2) Sh. Denesh Kumar S/o Sh. Sat Narain  
S/o Sh. Molu Ram  
R/o Gal Chhabildass  
Gandhi Chowk, Hissar..

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 32 kanals situated at Mayar  
and as more mentioned in the sale deed registered at No.  
3883 dated 11-1-1983 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-8-83  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
37- 246GI/83

## FORM ITNS

(1) Sh. Devinder Singh S/o  
Sardar Sawaran Singh,  
S/o Sh. Budda Singh  
R/o Vill. Kangan Pur  
Tch. Sirsa.

(Transferor)

(2) Sh. Lila Krishan S/o Sh. Khushi Ram,  
S/o Sh. Sham Dass  
R/o Shop No. 58,  
Nai Mandi, Sirsa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1983

Ref. No. SRS/56/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 58  
situated at Nai Mandi, Sirsa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa in Dec. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being shop No. 58 situated in Nai Mandi, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3710 dated 16-12-1982 with the Sub-Registrar, Sirsa.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-8-83  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1983

Ref. No. SRS/57/82-83.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 53 situated at New Mandi, Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ram Kali Devi W/o Sh. Munshi Ram  
S/o Sh. Murli Dhar  
R/o Bhiwani.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Chanan Mal S/o  
Sh. Dungal Mal S/o  
Sh. Lachhman Dass.  
2. Smt. Sharde Devi W/o  
Sh. Mahabir Parshad S/o  
Sh. Dungar Mal R/o  
Shop No 53, Nai Mandi, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop No. 53 situated at New Mandi, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3757 dated 17-12-82 with the Sub-Registrar, Sirsa.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-8-83  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001**

Patna-800 001, the 10th August 1983

Ref. No. III-808/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Pot No. 1216 Sheet No. 81, 82 Holding No. 48 New/44D, Circle No. 25 situated at Chawhatta, Ashok Raj Path, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 14-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Oneil De  
2. Shri Aroon De  
Both S/o Late Bisheshwar De  
"Nabin Kothi" Ashok Raj Path,  
Mohalla-Chawhatta,  
P. S. Pirbhore,  
Town-Patna,  
Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Devi  
D/o Late Panma Lal Sinha  
Bihari Sao Lane,  
Mohalla-Muradpur,  
P. S. Pirbhore,  
Town-Patna  
Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 17½ Dhurs with building situated at Mohalla Chawhatta, Ashok Raj Path, Dist. Patna and more fully described in Deed No. 10736 dated 14-12-1982 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DURFY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, BIHAR  
 BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 11th August 1983

Ref. No. III-803/Acq. 83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Thana No. 344, Touzi No. 11090, Ward No. 26, Holding No. 196A (New) 172 (old) situated at Kazi Mohammadpur, Town and Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 28-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Champalal Sharma  
 S/o Late Lal Chand Sharma  
 R/o 30/31 Kalakar Street,  
 Calcutta-7 (West Bengal).  
 (Transferor)
- (2) Sri Kishore Kumar Goenka  
 S/o Late Shiv Shankar Prasad Goenka  
 R/o Mohalla-Gannipur,  
 P. S. Kazi Mohammadpur,  
 Town and Dist. Muzaffarpur.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

*EXPLANATION* :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 3916.5 sq. ft. with building situated at Mohalla Kazi Mohammadpur, Town/Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 22100 dated 28-12-1982 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

P. K. DUBEY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 11-8-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 11th August 1983

(1) Shri Champa Lal Sharma  
S/o Late Lal Chand Sharma  
30/31, Kalakar Street,  
Calcutta-7 (West Bengal).

(Transferor)

(2) Shri Sajjan Kumar Goenka  
S/o Late Shiv Shanker Prasad Goenka  
Mohalla-Ganipur,  
P. S. Kazi Muzaffarpur,  
Town and Dist. Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. III-802/Acq/83-84.—Whereas, I,  
P. K. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Thana No. 344, Touzi No. 11090, Ward No. 26, Holding No. 196A (New) 172 (old) situated at Mohalla Kazi Mohammadpur, Town and Dist. Muzaffarpur has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 28-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 3916.5 sq. ft. with building situated at Mohalla-Kazi Mohammadpur, Town and Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 22091 dated 28-12-82 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

P. K. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 10th August 1983

Ref. No. III-809/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Thana No. 7 Touzi No. 391, Khata No. 181, Ward No. 34, Circle No. 249 situated at Dhakanpura (Boring Road) Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer. at Patna on 11-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Tripti Bose  
W/o Shri Chitranjan Bose  
Mohalla-Dujia, P. S. Budha Colony,  
Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Hiramani Devi  
W/o Shri Rameshwar Rai  
Mohalla-Boring Canal Road.  
P. S. Budha Colony,  
Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 2 Katha 6 Dhurki situated at Mohalla Dhakanpura at present known as Boring Road, Town-Patna, Dist. Patna and more fully describe in deed No. 10653 dated 11-12-1982 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001**

Patna-800 001, the 11th August 1983

Ref. No. III-804/Acq/83-84.—Whereas, I,  
**P. K. DUBEY**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Thana No. 344, Touzi No. 11090, Ward No. 26, Holding No. 196A (new) 172 (old) situated at Kazi Mohammadpur, Town and Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 28-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Champalal Sharma  
 S/o Late Lal Chand Sharma  
 30/31, Kalakar Street,  
 Calcutta-7 (West Bengal). (Transferor)

(2) Shri Vishnu Goenka  
 S/o Late Shiv Shanker Prasad Goenka  
 Mohalla-Ganipur,  
 P. S. Kazi Mohammadpur,  
 Town and Dist. Muzaffarpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3916.5 sq. ft. with building situated at Mohalla Kazi Mohammadpur, Town and Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 22097 dated 28-12-82 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

**P. K. DUBEY**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1983  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 10th August 1983

Ref. No. III-807/Acq/83-84.—Whereas, I,  
**P. K. DUBEY**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Plot No. 1216, Sheet No. 81-82, Holding No. 48 (New)/44-D, Circle No. 25, Ward No. 9 situated at Chawhatta, Ashok Raj Path, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 18-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

38—246 GI|83

(1) 1. Shri Oneil De  
 2. Shri Aroon De  
 Both S/o Late Bisheshwar De  
 "Nabin Kohi"  
 Ashok Raj Path,  
 Mohalla-Chowhatta,  
 P. S. Pirbahore,  
 Town-Patna,  
 Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Mosst. Rashtra Devi  
 W/o Late Bhuman Sao  
 R/o Mohalla Bania Patti,  
 P. S. Moihari,  
 Town-Moihari,  
 Dist. East Champaran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 17½ Dhurs with building situated at Mohalla-Chawhatta, Ashok Raj Path, Patna, P. S. Pirbahore, Town Patna, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1084 dated 18-12-1982 registered with D.S.R. Patna.

**P. K. DUBEY**  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 10-8-1983

Scal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA-880 001

Patna-800 001, the 11th August 1983

Ref No III 801 Acq/83-84—Whereas I,  
 P K DUBEY,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Thana No 344, Touzi No 11090, Ward No 26, Holding No 196A (new) 172 (old) situated at Mohalla-Kazi Mohammadpur, Town and Dist Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 28-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Champalal Sharma  
 S/o Late Lal Chand Sharma  
 30/31 Kalakar Street,  
 Calcutta-7 (West Bengal)

(Transferee)

(2) Shri Vijay Kumar Goenka  
 S/o Late Shiv Shanker Prasad Goenka  
 Mohalla-Gannipur,  
 P S Kazi Mohammadpur,  
 Town and Dist Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 3916.5 sq ft with building situated at Mohalla Kazi Mohammadpur Town and Dist Muzaffarpur and more fully described in deed No 22104 dated 28-12-1982 registered with DSR Muzaffarpur.

P K DUBEY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range Bihar Patna

Date 11-8-1983

Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th August 1983

Ref. No. I.II-801/Acq/83-84.—Whereas, I,  
 P. K. DUBEY,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 687, Holding No. 327/252, Circle No. 6, Ward No. 2 (Old) and 9 (New) Sheet No. 19 situated at Jamal Road, Town and Dist. Patna  
 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 6-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Durga Kishore Bhattacharya  
 S/o Late Bihari Lal Bhattacharya  
 R/o Bihari Lal Bhattacharya Road,  
 also known as Makhania Kuan Road,  
 P. S. Purbahore,  
 Town and Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Ranjan Kumar Jain  
 S/o Shri Bimal Singh Jain  
 R/o Road No. 7,  
 Rajendra Nagar,  
 P. S. Kadambuan,  
 Town and Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 1304 Sq. ft. building situated at Mohalla Jamal Road, P. S. Kotwali, Town and Dist Patna and more fully described in deed No. 10501 dated 6-12-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 10-8-1983  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001**

Patna-800001, the 12th August 1983

Ref No. III-818/Acq/83-84.—Whereas, I,  
**P. K. DUBEY**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 13335 situated at Sri Krishna Road, Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gaya on 20-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Raj Kumar Kushlendra Prasad Narain Singh.
2. Raj Kumar Awadheshwari Prasad Narain Singh.
3. Kumar Rani Shanti Singh.
4. Kumar Rani Kamakhya Singh.
5. Indur Shekhar Prasad Narain Singh.
6. Kumar Amrendra Narain Singh

All residents of Ameria Kothi, Kadam Kuan, Patna-3.

(Transferor)

- (2) Shri Bhuneswar Singh for Abhay Kumar Minor son, R/o Dhuriari, Gaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 990 sq. ft. situated at Sri Krishna Road, Dist. Gaya and more fully described in deed No. P 24501 dated 20-12-82 registered with D.S.R. Gaya.

**P. K. DUBEY**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

- (1) 1 Shri Rajkumar Kaushleendra Pd Naram Singh  
 2 Rajkumar Awadhe-hwan Pd Naram Singh  
 3 Kumar Shanti Singh  
 4 Kumar Ram Kamalkha Singh  
 5 K.L.D. Indu Shekhar Pd Naram Singh  
 6 Kumar Amrendra Naram Singh  
 All resident of Amawa Kothi,  
 Kadam Kuan, Patna-3  
 (Transferor)  
 (2) Shri Amrendra Kumar at and P. O. Banwaria,  
 Dist Gaya  
 (Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001**

Patna-800001, the 12th August 1983

Ref No Iff-817/Acq/83-84 —Whereas, I,  
**P K DUBEY**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the  
 'said Act'), have reason to believe that the immovable prop-  
 erty, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and  
 bearing Plot No 13335 situated at Sri Krishna Road, Gaya  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred  
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
 of the Registering Officer at  
 Gaya on 20-12-1982  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 990 sq ft situated at mahalla Shri Krishna Road, district Gaya and more fully described in deed No 24499 dated 20-12-82 registered with DSR Gaya

**P K DUBEY**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 12-8-1983  
 Seal

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1983

Ref. No. III-819/Acq/83-84.—Whereas, I,  
P. K. DUBEY,  
being the competent authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and

bearing No.  
Plot No. 13335 situated at Sri Krishna Road, Gaya  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering  
Officer at  
Gaya on 20-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Raj Kumar Kaushendra Prasad Narain Singh  
2. Raj Kumar Awadineshwari Prasad Narain Singh  
3. Kumar Rani Shanti Singh  
4. Kumar Rani Kamakhy Singh  
5. Indu Shekhar Prasad Narain Singh  
6. Kumar Amrendra Narayan Singh  
All resident of Amawa Kothi,  
Kadam Kuwan, Patna-3.

(Transferee)

- (2) Shri Baikunth Singh  
S/o Sokaldeep Singh  
At and P. O. Banwaria,  
Dist. Gaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 990 sq. ft. at mahalla Sri Krishna Road,  
district Gaya and more fully described in deed No. P 24502  
dated 20-12-82 registered with D.S.R. Gaya.

P. K. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 12 8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Md Wali  
S/o Abdul Wahid  
Bibi Nashima  
W/o Hazi Md Yunus  
Village Fatehpur,  
P S and P O Sabour,  
Dist Bhagalpur

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA 800 001

Patna-800001, the 12th August 1983

Ref No III-823/Acq/83 84—Whereas, I,  
P. K DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No 471, Kheshra No 233/234 situated at mauza Fatehpur P S & P O Sabour Dist Bhagalpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 30.12.1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(2) Shri Sumrit Mondal  
S/o Late Bhagwat Mondal  
At and P O Tilkamanjhi,  
Central Jail Road,  
Bhagalpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 4 acres and 47 decimal situated at mauza Fatehpur P. S. Sabour district Bhagalpur and more fully described in deed No. 15456 dated 30.12.82 registered with D S R. Bhagalpur.

P K DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 12-8-1983

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. H. C. Agarwal  
S/o Late Dr. Anant Ram Agarwal  
R/o 88/107 Prem Nagar,  
Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) Shri Wali Mohamad  
S/o Mohamad Bux  
R/o 92/83 Talaq Mohal,  
Kanpur.

(Transferee)

(3) Tenant and transferee.  
(Persons in occupation of the property)

Kanpur, the 2nd August 1983

Ref. No. K-50/KNP/82-83.—Whereas, I,  
**BIBEK BANERJI**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 22-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 88/107 Area 655.5 sq. yds.  
situated at Prem Nagar, Kanpur.

**BIBEK BANERJI**  
Competent Authority  
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-8-1983

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Ved Prakash Chopra  
and Kumari Rita Chopra  
Son and D/o Shri Amar Nath Chopra  
R/o 11/33 Suter Gauj,  
Kanpur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Devi Dayal Sharma  
S/o Shri Jagdish Chand Sharma  
R/o L.I.G.-39, Ratan Lal Nagar,  
Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(3) Shri Devi Dayal Sharma  
(Persons in occupation of the property)

Kanpur, the 2nd August 1983

Ref. No. K-29/KNP/82-83.—Whereas, I,  
BIBEK BANERJI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property No. 126/R/11 area 511 sq. vds.  
situated at Ratan Lal Nagar, Kanpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BIBEK BANERJI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
39—246GI/83

Date : 2-8-1983

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Annpurna Devi  
W/o Shri Ram Chand  
R/o 104 A/123 Ram Bagh,  
Kanpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1983

Ref. No. K-23/KNP/82-83.—Whereas, I,

**BIBEK BANERJI**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-12-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Shiv Mohan Lal Mishra  
S/o Pt. Jugal Kishore Mishra  
R/o 104 A/309 Ram Bagh,  
Kanpur.

(Transferee)

(3) Tenant and transferee.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 112/356 Are 229 sq. yds. situated at Arya Nagar, Kanpur.

**BIBEK BANERJI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1983

Ref. No. K-21/KNP/82-83.—Whereas, I,  
**BIBEK BANERJI,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 1-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shyam Lal Bhatia  
S/o Late Rochi Ram Bhatia  
R/o 49, Topkhana Bazar,  
Aurangabad Cantt.,  
Maharashtra.

(Transferor)

(2) Smt. Kušum Lata  
W/o Shri Hira Lal Arora  
Smt. Pushpa Arora  
W/o Shri Panna Lal Arora  
R/o 128/43, Block 'G',  
Kidwai Nagar,  
Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Kusum Lata Arora  
Smt. Pushpa Arora

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

**THE SCHEDULE**

Plot No. 17 Area 939 sq. yds. situated at Krishna Nagar, G. T. Road, Kanpur.

**BIBEK BANERJI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-8-1983

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Prefulchandra Dhirajlal Shah.  
(Transferor)
- (2) Om Shakti Samrat Co.Op. Hsg. Society Ltd.  
(Transferee)
- (3) Members of the Society.  
(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1983

No. AR-II/3459/82-83.—Whereas, I,  
S. H. ABBAS ABIDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
**Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 21, CTS No. 714, Malad (W),  
situated at Malad (West)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at Bombay on 13-12-1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1571/  
80 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 13-12-  
1982.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 11-8-83  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Pari Jhumromal Kurani.

(Transferor)

(2) Moti Partabrai Tolani.

(Transferee)

(3) Moti Partabrai Tolani.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/50/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 44, Tardeo Air-Conditioned Market situated at the Tardeo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922); of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 44, 4th floor, Tardeo Air-Conditioned Market Building, of Tardeo Air-Conditioned Market CHSL, Tardeo, Bombay-400 034. The Agreement has been registered by the Competent Authority on 1-12-1982 under Serial No. ACQN. RANGE-I/50/82-83.

R. K. BAQAYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983  
Seal :

**FORM ITNS**(1) M/s Padma Development Corporation,  
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Smt. Shobha Ramesh Bhat.  
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/90/82-83.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 2, at 3rd floor, Padmavati Apt. situated at PAREL

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 17-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat 2, at 3rd floor, Padmavati Apartment, Parel Village Road, Parel, Bombay-400 012. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/66/82-83 dated 6th Dec. 1982.

R. K. BAQAYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-8-83  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) M/s. Hajithia Construction Co.

(Transferor)

(2) Sh. Deepak Premises Co.Op. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1983

Ref. No. AR-II/37EE-174/82-83.—Whereas I,  
**S. H. ABBAS ABIDI**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-I Plot No. 111, L.T. Rd.,

situated at Borivali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 111, L.T. Road, Borivali (W), in Jay Vijay Premises Co.Op. Society Ltd, Bombay 92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. II/120/82-83 dt. 18-12-82.

S. H. ABBAS ABIDI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1983  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Anthony Joseph Pattathu.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Mrs. Beryl Dias.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 4th August 1983

Ref. No. AR-II/37EE/213/82-83.—Whereas I,  
 S. H. ABBAS ABIDI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 C.S. No. 325 (Part) S.N. 28 Hiss No. 4 (Part) situated at  
 Malad

(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
 has been transferred and the Agreement is registered under  
 section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the  
 Competent Authority under the Registration Act, 1908 (16  
 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
 at Bombay on 17-12-82  
 for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the property  
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
 that the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days, from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in that  
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 11, 1st floor, Bldg. No. 3, Green Park Co.Op. Hsg.  
 Society Ltd. Linking Road, Orlem, Malad, Bombay. The  
 agreement has been registered by the Competent Authority,  
 Bombay under serial No. ACQN-II/163 dt. 17th Dec. 1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following  
 persons, namely :—

Date : 4-8-83  
 Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sh. Desai Bharat Naranji. (Transferor)  
 (2) Smt. Shantaben Dayaram Chhatbar & Sh. Dayaram Anandji Chhatbar. (Transferee)  
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)  
 (4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1983

Ref. No. AR-II/37EE-102/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 149 of TPS, Borivali III situated at Borivali (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Registering Officer  
at Bombay on 1-12-1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, Alpesh Apartment, F.P. 149, T.P.S. Borivali III, Borivali (West), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acq-II-73 dt. 1-12-82.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : .

40—246GI/83

Date : 6-8-83  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s Mohsinbhoy Moonim & Associates,  
(Transferor)  
(2) Asgar Mohomedhusain Sikandar.  
(Transferee)  
(3) Transferor.  
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd August 1983

Ref. No. AR-II/37EE-138/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 on 2nd floor, Sub-plot No. 12 of Plot No. 3 bearing S. No. 70. Survey No. 287 CTS No. 196 at Juhu Ville Parle Scheme situated at Ville Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 9-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, on second floor, on sub-plot No. 12 of Plot No. 3 bearing S. No. 70 of Juhu & Survey No. 287 of Ville Parle and C.T.S. No. 196 (Part) at Juhu Ville Parle Scheme. The Agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under serial No. ACQN, Range-II/94 dated 9-12-1982.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-8-83  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Vasant Chavan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Reshma M. Thawani.

(Transferee)

(3) Mrs. Reshma M. Thawani.

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1983

Ref. No. AR-III/37EE/177/83-84.—Whereas, I,  
 S. H. ABBAS ABIDI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing No.  
 Industrial Unit No. 19A, New Empire  
 Industrial Estate situated at Andheri (E)  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) Officer at Bombay in 14-12-82  
 and the Agreement is registered under section  
 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the  
 Competent Authority  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen percent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in that  
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Industrial Gala at New Empire Estate, Kondivita Road,  
 Andheri (E) Bombay-59. The agreement has been registered  
 by the Competent Authority, Bombay, on 14-12-82 under  
 Serial No. ACQN. RANGE-III/37EE/120/82-83.

S. H. ABBAS ABIDI  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date 10-8-83  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. R. A. Thadani.

(Transferor)

(2) Mrs. P. V. Gandhi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd August 1983

Ref. No. AR-II/37-EE/159/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10B/2 Ground floor, Navjivan Society, Mavli Rd., Mahim, Bombay-16, situated at Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, Block No. 10B, Ground floor, Navjivan Co. Operative Housing Society Ltd., Mori Road, Mahim, Bombay 16. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. Acq.II/112 dated 16-12-1982.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-83  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Special Machinery & Engg. Co.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Subhadra Sakharam Ingale.  
(Transferee)
- (3) Mrs. Subhadra Sakharam Ingale.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-I/37EE/79/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 132 in Champaklal Udyog Bhavan situated at Sion (E)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-12-82 and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Unit No. 132 in Champaklal Udyog Bhavan, Behind Rupam Talkies, Sion-Koliwada Road, Plot No. 105, Sion (E), Bombay-400 022. The agreement has been registered by Competent Authority on 1-12-1982 under Serial No. Acqn. Range-I/56/82-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-83  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sh. Mahabirprasad Mohanlal, and  
Sh. Sagarmal Chunilal. (Transferor)  
(2) M/s. Kirti Works (Tablets). (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd August 1983

Ref. No. AR-II/37EE-111/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 1/157, TPS.III of Mahim Area Shop No. 3, G North Ward No. 4050(1) situated at Mahim, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :-** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 3 in Ajay Shopping Centre Premises Co.op. Soc. Ltd. situated at THKATARIA MARG, Matunga Road (West) Bombay-400 016. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. R.II/79 dated 1-12-82.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-83  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Shiv Shakti Builders.

(Transferor)

(2) Gayatri Snack Bar.

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1983

Ref. No. AR-III/37EE/140/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 79 H. No. 15, S. No. 80, H. N. No. 1 of Marol Village, Andheri Kurla Rd., Bombay-59 situated at Andheri (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Bombay in 2-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Industrial Shed No. 126, on 1st floor of 3rd Phase of Shiv-Shakti Industrial Estate, S. No. 79, H. No. 15 S. No. 80, H. No. 1, of Marol Village, Off. Andheri Kurla Road, Andheri, Bombay-59. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ACQN. III/104/82-83 dt. 2-12-1982.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-83

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Sh. Vinodkumar C. Khanna.

(Transferee)

(3)

(Person in occupation of the property)

(4) Sh. Narayan Krishnaji Pitter &amp; Others.

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the August 1983

Ref. No. AR-III/37EE/194/83-84.—Whereas, I,  
S. H. ABBAS ABIDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Shop No. 2, Gr. floor, Laxmi Nivas  
situated at Mulund (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at Bombay in 16-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Laxmi Nivas, Zaver Road,  
Mulund (West) Bombay-400 082. The agreement has been  
registered by the Competent Authority on 16-12-1982 under  
Serial No. ACQN RANGE-III/137/82-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : August 1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Mr. Nepo S de Mello 2. Mrs. Maty de Mello  
3. Miss Claja de Mello  
(Transferor)
- (2) Mrs. Maria Flavia Fernandes and  
Mr. Anthony Fernando Fernandes.  
(Transferee)
- (3) Transferor.  
(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1983

Ref No. AR-II/37EE/164/82-83.—Whereas, J. S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 81 to 85 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay in 17-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHFDULE

Flat No. 103 "Greenfield" building situated at Sheily Village, Bandra, Bombay-50. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ACQN.II/126 dt 17-12-1982.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

41—246 GI/83

Date : 4-8-83  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Chandru M. Shamdasani.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1983

Ref. No. AR-III/37EE/182/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-19, Jeevan Bahar Co.Op. Housing Society Ltd., 3rd Road, Chembur, Bombay-400-071 situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri M. Shahajun.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C-19, Jeevan Bahar Co.Op. Housing Society Ltd., 3rd Road, Chembur, Bombay-400 071. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acq. III/115/82-83 dated 14-12-1982.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 11-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shiv Shakti Builders.

(Transferor)

(2) Ravinderkumar Ramsaran Mahendru.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. AR-III/37EE/205/83-84.—Whereas, I,  
S. H. ABBAS ABIDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Industrial Shed No. 24, 3rd Phase of Shiv-Shakti Industrial  
Estate situated at Andheri Kurla Road  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the  
Competent Authority at  
Bombay on 31-12-1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Industrial Shed No. 24, Ground floor, 3rd Phase of Shiv-  
Shakti Industrial Estate, S. No. 79, H. No. 15, S. No. 80,  
H. No. 1 of Maiol Village, of Andheri Kurla Road,  
Andheri, Bombay-400 059. The agreement has been regis-  
tered by the Competent Authority, Bombay, on 31-12-1982  
under Serial No. Acqn Range-III/153/82-83.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sundari Subramanyam.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gajanan Laxman Hirve.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/85/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, 'Annapoorna', Plot No. 1267 situated at Sion (West) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, 'Annapoorna', Plot No. 127, Sion (West) Bombay-22. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, on 6-12-1982, under Serial No. ACQN.RANGE-I/63/82-83.

R. K. BAQAYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date : 12-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Surinder Kaur C. Bajwa.

(Transferor)

(2) Shri Chananal Anand.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. Acqn.Range-I/37EE/86/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Premises No. 411, situated at Sholapur Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 411, 4th floor, Trapinex House, Sholapur Street, Bombay-9. The agreement has been registered by the Competent Authority on 6-12-1982 under Serial No. ACQN. RANGE-I/64/82-83.

R. K. BAQAYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

- (1) Shri Pramod P. Shah,  
Father & Natural Guardian of Alpa Pramod Shah.  
(Transferor)
- (2) Shri Shivkumar Chatrumal Acharya.  
(Transferee)
- (3) Shri Shivkumar Chatrumal Acharya  
(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. Acqn Range-I/37EE/15/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 34, 1st floor, Bhangwadi Shopping Arcade situated at Kalbadevi Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the IT Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-12-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 34, 1st floor, 'Bhangwadi Shopping Arcade' Kalbadevi Road, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN RANGE-I/37EF/80/82-83

R. K. BAQAYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date 12.8.1983  
Seal.

FORM ITNS—

(1) M/s. Rajgir Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Gujaratmitra ADS.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/51/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Room No. 32, Rajgir Chambers situated at Shaheed Bhagat Singh Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Room No. 32, 4th floor, Rajgir Chambers, 12/14 Shaheed Bhagat Singh Road, Bombay-400 023. The Agreement has been registered by the Competent Authority on 1-12-1982 under Serial No. ACQN. RANGE-I/51/82-83.

R. K. BAQAYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Zahnahmed Ibrahim Ulde. (Transferor)  
 (2) Anthony France Mascarenhas. (Transferee)  
 (3) A. F. Mascarenhas. (Person in occupation of the property)  
 (4) Mrs Maria Mascarenhas. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. AR-II/37EE-306/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, 'having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Fiat No. A-2/30 in Andumbar Chhaya Co.Op. Hsg. Soc., Borivali, Bombay-400 103, situated at Borivali, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. A-2/30, 1st floor in Building No. A-2 of Andumbar Chhaya Co-op. Housing Society, I.C. Colony Road, Jeevan Bhima Nagar, Borivali, Bombay-400 103. The Agreement has been registered by the Competent Authority on 22-12-1982 under Serial No. ACQN. RANGE-II/236/82-83.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983  
Seal :

FORM ITNS

(1) Kamalkar Dwarkanath.

(Transferor)

(2) Smt. Bhanumati Mohanlal Umrania &  
Dinesh Mohanlal Umrania.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. AR-II/37EE-261/82-83.—Whereas, I,  
**S. H. ABBAS ABIDI,**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Industrial Unit No. D/30, 2nd floor, Bonanza Industrial Estate, Kadiuli East, Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. D/30 on the 2nd floor of Bonanza Industrial Estate, at Akurli Road, Kadiuli East, Bombay-400 067. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ACQN, II/184, dated 17-12-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**S. H. ABBAS ABIDI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
42—246GI/83

Date : 12-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. AR-II/3455/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing C.T.S. No. 1342, New Plot No. 202 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- |  |  |
|--|--|
| (1) Mahadeo Narayan Pasthe & Pandurang Mahadeo Pasthe. | (Transferor)                           |
| (2) Shantilal Rajpal Mehta.                            | (Transferee)                           |
| (3) The tenants.                                       | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 826/1980 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 10-12-1982.

S. H. ABBAS ABIDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 12-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri C. S. Duggal r/o 1119, Sector 33, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Late Chaman Lal Setia, and Smt. Anju Setia w/o Shri Prem Sagar Setia r/o H. No. 502, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1983

Ref. No. CHD/198/82-83.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Plot No. 301, Sector 33-A, situated at Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in December, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 301, situated in Sector 33-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered deed No. 1325  
of December, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, LudhianaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 16-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1983

Ref. No CHD/202/82-83 —Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing No  
Plot No 217, situated at Sector 36-A, Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in December, 1982  
for apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Shri Krishan Parsad Gupta S/o Shri Karam Chand,  
Defence Institute of Work Study, Mussoorie (U.P.).  
(Transferor)
- (2) Major Inder Singh Bindra (HUF) R/o 260, Sector 35 C, Chandigarh  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No 217, Sector 36-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No 1344 of  
December, 1982 of S R Chandigarh )

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

Date : 16-8-1983.  
Seal .

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1983

Ref. No. CHD/201/82-83.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 206, Sector 36-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Milkha Singh Shri Sampuran Singh, for self and Natural Guardian of Miss Mona Milkha Singh, Miss Sonia Milkha Singh, Master Charanjiv Milkha Singh, Minor daughters/son of Shri Milkha Singh r/o 23, Sector-7, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Col Amritpal Singh Grewal and Major Gajinder Pal Singh s/o Shri Prithiv Pal Singh Advocate, r/o H. No. 3141, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 206, Sector 36-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in Registered Deed no 1340 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property b the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1983

Ref. No. CHD/190/82-83.—Whereas, I,  
**SUKHDEV CHAND,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half share of House No. 27, Sector 27-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Dharam Singh alias Taram Singh S/o Magha Singh r/o LLM-3-10, Jalan Sardang, Selangor Peninsular, Malaysia through substitute G.P.A. Shri Ajay Kumar Sangari s/o J. B. Sangari r/o H. No. 412, Sector 22-A, Chandigarh and Shri Sunil Bhasin s/o Shri Rajinder Kumar r/o H. No. 126, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Jatinder Kumar s/o Shri Joginder Singh Sangari r/o House No. 720, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Half share of House No. 27, Sector 27-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 1243 of December, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

**SUKHDEV CHAND**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sahib Chand s/o Shri Saudagar Mal r/o Mubarak pur Camp Teh. Rajpura Distt. Patiala.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sardar Lal s/o Shri Devi Lal and Shri Harish Chander (minor) s/o Shri Krishan through Shri Krishan Lal s/o Munshi Ram r/o Booth No. 13, Sector 31-C, Chandigarh.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1983

Ref. No. CHD/194/82-83.—Whereas, I,  
**SUKHDEV CHAND,**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Booth No. 13, Sector 31-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Booth No. 13, situated in Sector 31-C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 1264 of December, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

**SUKHDEV CHAND**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Lt. Col. H. S. Banga (Retd.) C/o Ashoka Leyland Ltd., Mataya Indl. Area, Alwar (Rajasthan).  
(Transferor)
- (2) Shri Devinder Singh,  
R/o House No. 84, Sector 11, Chandigarh.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL RTVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1983

Ref. No. CHD/Co/1/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the possession of immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1562 situated at Sector 36-D, Chandigarh described in the schedule annexed hereto, has been allowed to be taken in the Part Performance of a contract by nature referred to in Sec. 53A of the Transfer of Property Act, 1982 (4 of 1982) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 1562, Sector 36-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Agreement to sell dated 5-4-1982/13-9-1982 attached with 37EE forms received in this office on 12-12-1982.

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-8-1983.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Usha Rani w/o Shi Hari Parkash Sharma,  
r/o<sup>4</sup> 4324, Ranjitpura, Putlighar, Amritsar.  
(Transferor)

(2) M/s. Guru Tegh Bahadur Industries,  
r/o Amarkot, Putlighar, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/118.—Whereas, I C. S. KAHILON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of property situated at Amarkot, Putlighar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share of property situated at Amarkot, Putlighar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 14423 dt. 27-12-82 of the registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 29-7-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—246GI/83

## FORM ITNS

(1) Smt. Usha Rani w/o Shri Hari Parkash Sharma  
r/o 4324, Ranjipura, Putlighar, Amritsar.  
(Transferor)

(2) M/s Guru Tegh Bahadur Industries,  
r/o Amarkot, Putlighar, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th July 1983

Rsf. No. ASR/83-84/119.—Whereas, I, C. S. KAHILON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of property situated at Amarkot, Putlighar, Amritsar S.R. Amritsar on Dec. 1982 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share of property situated at Amarkot, Putlighar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13113 dt. 1-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kartar Kaur Wd./o Shri Harbans Singh,  
Gali No. 2, Putlighar, Azadnagar, Amritsar.  
(Transferor)

(2) M/s. Bumra Industrial Corporation,  
G.T. Road, Putlighar, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/120.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Kot Mahant Ram Saran Dass, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One property situated at Kot Mahant Ram Saran Dass, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13877 dt. 17-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-7-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/121.—Whereas, I C. S. KAHILON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Bazar Kathian, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S R. Amritsar on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Swarn Kanta W/o Satpal Dhab Khatikan, Amritsar; Smt. Reshma Behal w/o Madan Lal Behal, r/o Bz. Sirkhi Banda, Amritsar; Smt. Darshno w/o Sh. Narinderpal Mehra, r/o Lawrence Road, Amritsar; Smt. Santosh Kumari w/o Sh. Sita Ram Arora r/o Kanpur, presently Bazar Sirkhi Banda, Amritsar, daughter of Sh. Kahan Chand, r/o Bazar Sirkhi Banda, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Dina Nath Sharma s/o Pandit Chandu Ram Sharma, r/o Partap Bazar, Vaishno Market, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person whom the undersigned knows

- (4) Any other.  
(Person in occupation of the property  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One property situated at Bazar Kathian, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 14122 dt. 20-12-82, of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/122.—Whereas, I, C. S. KAHILON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A plot of land situated at Fatehgarh Churian, Atala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Batala in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Tara Singh s/o Sh. Teja Singh, r/o Vill. Najampur, Teh. Ajnala, now at Fatehgarh Churian, Teh. Batala.  
(Transferor)
- (2) S/Sh. Gurnam Singh, Surjan Singh, Tarlochan Singh, Dhanwan Singh, S/o Lehna Singh, Vill. Villa Teja.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land situated at Fatehgarh Churian, Teh. Batala, as mentioned in sale deed No. 4809 dt. 1-12-82 of Registering authority, Batala.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sh. Chuni Lal s/o Shri Ram Jas Mal r/o Katra Bhai Singh, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) M/s. Ekma Woollen Industries Amritsar, r/o Chah Bhalie Wala, Islamabad, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/123.—Whereas, I C. S. KAHILON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Islamabad, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1982 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One property situated at Islamabad, Amritsar as mentioned in sale deed No. 13469 dt. 8-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st August 1983

Ref. No. ASR/83-84/124.—Whereas, I C. S. KAHILON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Chowk Baba Sahib, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Chaman Lal Gupta s/o Sh. Ram Rattan Gupta, 1/23, Asaf Ali Road, New and Prem Sagar Gupta, s/o Sh. Kishan Chand Gupta, r/o 88-A, Kamla Nagar, Delhi, Sh. Pardeep Kumar Gupta s/o Kishan Chand Gupta, r/o 88 A-Smt. Gulshan Bansal, r/o J-139, Rajouri Garden New Delhi, Vijay Kumari d/o Kishan Chand Gupta, w/o Ashok Kumar, Kibak Road, Panipat, Smt. Vipal d/o Kishan Chand w/o Vimal Kumar-120, Rajouri Garden, Delhi.  
(Transferor)

(2) Sh. Shanti Sarup Piplani, Principal Shazada Nand College, s/o Sh. Hem Raj Piplani, r/o Chowk Baba Sahib, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person whom the undersigned knows

(4) Any other  
(Person in occupation of the property to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One property situated at Katra Ramgarhian, Chowk Baba Sahib, as mentioned in sale deed No. 13842 dt. 16-12-82 of registering authority Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-7-1983

Seal :

## FORM IFNS

(1) Smt. Nasib Kaur  
w/o Shri Thakur Singh,  
r/o Bhawani Nagar,  
Majitha Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Renuka Sethi,  
w/o Shri Vijay Kumar Sethi,  
r/o Majitha Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other .....  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1983

Ref. No. ASR/83-84/125.—Whereas, I,  
C. S. KAHLON, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. One Property situated at Bhawani Nagar, Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Amritsar in December, 1982.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One property situated at Bhawani Nagar, Majitha Road,  
Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13466 dt., 8-12-82  
of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 3-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1983

(1) Sh. Daljit Singh  
S/o Sewa Singh  
R/o House No. 714/VI.4, Gli Bagwali,  
Bagh Jhanda Singh,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Gain Chand,  
S/o Sh. Ganga Ram,  
Sh. Surinder Kumar  
S/o Sh. Gain Chand,  
R/o Dhab Kharikan, Amritsar.  
Smt. Sudarshan Rani  
W/o Sh. Krishan Kumar Chopra,  
R/o Narain Nagar, Gole Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

\* (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

Ref. No. ASR/83-84/126.—Whereas, I,  
C. S. KAHLON, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. One plot of land situated at Circular Road, Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at S.R. Amritsar on December, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of Land, situated at Circular Road, Amritsar, as  
mentioned in Sale deed No. 14647 dt., 31-12-82 of registering  
authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-8-1983,  
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

44-246GI/83

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1983

Ref. No. ASR/83-84/127.—Whereas, I  
 C. S. KAHILON, LRS  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. One plot of land situated at Circular Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December, 1982  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Daljit Singh  
 S/o Sh. Sewa Singh,  
 R/o H. No. 714/VI-4,  
 Gali Bagwali, Bagh Jhanda Singh,  
 Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Nawal Kishore Chopra  
 S/o. S.h. Krishan Kumar  
 R/o Bazar Kesrian,  
 Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Circular Road, Amritsar as mentioned in Sale deed No. 14648 dt. 31-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1983.  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1983

Ref. No. ASR/83-84/128.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Tung Bala, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Surinder Kumar S/o Sh. Puran Chand, 62, Hukam Singh Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Harjit Singh S/o Sh. Didar Singh, R/o Vill. Duburjee, Po. Thathi Khara, Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other \_\_\_\_\_ in the property (Person whom the undersigned knows to be interested)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

On plot of land situated at Circular Road, Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 14625 dt. 24-12-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-8-1983.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1983

Ref. No. ASR/83-84/129.—Whereas, I,

C. S. KAHILON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situate at Bhawani Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Nasib Kaur W/o Sh. Thakur Singh,  
R/o Bhawani Nagar Majitha Road,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Kumar Sethi, S/o Shri Sohan Lal Sethi,  
R/o Majith Mandi Near New Bank of India,  
Majith Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants as under :—

(i) Sh. Krishan Kapur—Rs. 450/- p.m. rent  
(ii) Sh. Bhim Sen—Rs. 150/- p.m. rent

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One property situated at Bhawani Nagar, Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13430 dt. 7-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1983.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1983

Ref No. ASR/83-84/130.—Whereas, I  
C. S. KAHILON, IRS  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. One Plot of land situated at Basant Nagar, Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Amritsar on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Tilak Raj S/o Sh. Ram Ditta Mal,  
R/o Basant Nagar, Majitha Road,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Harish Chander S/o Sh. Pishori Lal,  
R/o 166 Katia Moti Ram, Now 20 Basant Nagar,  
Amritsar

(Transferee)

(3) As at S No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922), or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land situated at Basant Nagar, Amritsar, as  
mentioned in sale deed No. 14470 dt. 28-12-82 of registering  
authority Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-8-1983.  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

(1) Sh. Mohan Singh S/o Sh. Sardul Singh,,  
R/o Mal Mandi,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Mohan S/o Sh. Panna Lal,  
R/o Sharifpura,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE,**  
**3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 3rd August 1983

Ref. No. ASR/83-84/131.—Whereas, I,  
C. S. KAHILON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One Plot of Land situated at Kashmir Avenue, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One plot of land situated at Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13953 dt. 17-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1983,  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1983

Ref. No. ASR/83-84/132.—Whereas, I, C. S. KAHILON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of plot of land situated at Daya Nand Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Gurdip Kaur Wd/o Sh. Teja Singh, S/Shri Santosh Singh, Jagtar Singh, Gurdev Singh & Samund Singh S/o Sh. Teja Singh, R/o Maqbool Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Kewal Krishan S/o Sh. Hari Krishan, Koocha Mast Garh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of plot No. 48/13-B, situated at Gali No. 3 Dayanand Nagar, Amritsar as mentioned in sale deed No. 14629 dt. 31-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1983

Ref. No. ASR/83-84/133.—Whereas, I,  
C. S. KAHLOON, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. One plot of land situated at Daya Nand Nagar, Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at S.R. Amritsar in December, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Smt. Gurdip Kaur Wd/o Sh. Teja Singh,  
Shri Santosh Singh,  
Jagtar Singh,  
Gurdev Singh and  
Samund Singh SS/o Sh. Teja Singh,  
Maqbool Road,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sunila Rani W/o Sh. Surinder Kumar,  
R/o Namak Mandi,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share of plot No. 48/13-B, situated at Gali No. 3  
Dayanand Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No.  
14613 dt. 31-12-82 of registering authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. KAHLOON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269B of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 3-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Bawa Sham Dass S/o Sh. Siri Ram Bhalla,  
R/o 576 Basant Avenue, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Sh. Inderjit Singh Cheema S/o Sh. Dalip Singh  
Cheema, R/o 4760 Guru Nanak Wara, Khalsa  
College, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One property situated at Tung Bala, Circular Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 14568 dt 30-12-82 of the registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-8-1983.  
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

45—246 G I/83

## FORM ITNS

- (1) Smt Nirmal Bhardwaj W/o Sh Joginder Pal  
R/o Majitha Road, Amritsar  
(Transferor)
- (2) Smt Indeep Kaur W/o Sh Joginder Singh  
R/o Amritsar  
(Transferee)
- (3) As at S No 2 above & tenants if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGI  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1983

Ref No ASR/83-84/135 —Whereas I  
C S KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Tung Bala, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at S R Amritsar on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tung Bala Amritsar, as mentioned in sale deed No 14583 dated 20 12-82 of registering authority, Amritsar

C S KAHLON  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Date 3 8-1983  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/136.—Whereas, I,  
**C. S. KAHLON, IRS**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
 A plot of land situated at Rani Ka Bagh, Amritsar  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Bedi Ram Singh S/o Sh. Bedi Ishar Singh, R/o 23, Rani ka Bagh Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Arun Kumar S/o Sh. Saudagar Singh, R/o Naren Garh, Chheharta, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any,  
 (Person in occupation of the property)

\* (4) Any other  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land situated at Rani ka bagh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 14130 dt., 21-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant  
 Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-8-1983,  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Om Prakash  
s/o Shri Diwan Chand,  
r/o Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri. Tilak Raj  
s/o Shri Ishar Dass,  
r/o Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/140.—Whereas, I,  
C. S. KAHLON, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

A plot of land situated at Tung Bala, Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Amritsar in December 1982,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A plot of land situated at T. P. Scheme No. 53, Tung Bala,  
Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13689 dt. 13-12-1982  
of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 6-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Vidya Wati  
Wd/o Lala Harban Lal,  
r/o Bharath Kaji Check,  
Tch & Dist., Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Murari Lal  
so Shri Kunj Lal  
r/o Gandhi Chowk,  
Sadar Bazar, Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
Shri Amar Singh.....Rent Rs. 22/- p.m.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1983

Ref. No. ASR/83 84/141.—Whereas, I,  
C. S. KAHLON, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. One property situated at Sadar Bazar, Gurdaspur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Gurdaspur in December, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

On property situated at Gandhi Chowk, Sadar Bazar, Gurdaspur as mentioned in sale deed No. 5617 dt. 13-12-1982 of  
registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 6-8-1983.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Amritsar Improvement  
Trust, Amritsar.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/142.—Whereas, I, C. S. KAHILON, IRS being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A plot of land situated at Kennedy Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Amritsar Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Shri Kedar Nath Tandon,  
Rajinder Kumar Tandon,  
Thakar Dass Tandon  
Sham Sunder Tandon  
S/o Sh. Ram Chand Tandon  
R/o 43, Kennedy Avenue,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land situated at 43 Kennedy Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13579 dt. 10-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Tilak Raj  
S/o Ishar Dass  
R/o Pawan Nagar,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Chandok  
W/o Shri Lalit Mohan  
R/o 19, Maqbool Road,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 6th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/143.—Whereas, I,  
C. S. KAHILON, IRS  
being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
A plot of land situated at Tung Bala, Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at S. R. Amritsar in Dec., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land situated at T. P. Scheme No. 53, Tung  
Bala Amritsar, as mentioned in sale deed No 13187 dt.  
2-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Mohan Singh  
S/o Sardul Singh,  
R/o Maal Mandi,  
Amritsar

(Transferor)

(2) Smt Ravinder Pal  
W/o Shri Narinder Singh,  
R/o 127, Gopal Nagar,  
Amritsar

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/83-84/144.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing A plot of land situated at Kashmir Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar Dec, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One pot of land situated at Kashmir Avenue Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No 13136 dt 1-1-82 of registering authority, Amritsar,

C S KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 6 8-1983  
Seal.

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1983

Ref No ASR/83-84/145—Whereas, I,  
C S KAHON, IRS  
Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No  
No 1/4 share of property situated at Gali Khatikan,  
Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S R Amritsar Dec. 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Raj Kumar Wahi  
S/o Shri Nand Kishore Wahi  
R/o Katra Dulo,  
Lohgarh Gate,  
Amritsar

(Transferor)

(1) Shri Om Parkash  
S/o Shri Kundan Lal  
R/o 60, Rani Ka Bagh,  
Amritsar.  
Presently Gali Khatikan,  
Kucha Thhohan Mal,  
1/S Lohgarh Gate,  
Opp Gurudwara, Amritsar

(Transferee)

(3) As at S No 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 15 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 share of property situated at Gali Khatikan Inside  
Lohgarh Gate Amritsar as mentioned in sale deed No  
13524 dt 10-12-1982 of Registering authority Amritsar

C S KAHON IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
46—246GT/83

Date 6 8-1983

Seal.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/146.—Whereas, I, C. S. KAHION IRS Income-Tax, Acquisition Range, Bengaluru being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 share of property situated at Gali Khatikan, Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raj Kumar Wahi  
S/o Shri Nand Kishore Wahi  
R/o Katra Dulo  
Lohgarh Gate  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar  
S/o Shri Kundan Lal  
R/o 60, Ravi Ka Bagh, Amritsar,  
Presently Gali Khatikan,  
Kucha Thhohan M<sup>st</sup>,  
I/S Lohgarh Gate,  
Opp. Gurdwara,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 share of property situated at Gali Khatikan, In Side Lohgarh Gate, Amritsar as mentioned in sale deed No. 13575 dated 10.12.1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHION, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-8-1983  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 8th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/147.—Whereas I,  
C. S. KAHLON, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share of property situated at Guru Arjan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Saranjit Singh  
S/o Shri Amar Singh  
Shri Amar Singh  
S/o Shri Attar Singh  
R/o 578, Basant Avenue,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar  
S/o Shri Sant Ram  
Shri Kasturi Lal  
S/o Shri Jagan Nath  
R/o Bhagtanwala Gate,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/2 share of property situated at Guru Arjan Nagar, Sultanwind, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 14495 dt. 28-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE,  
 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD  
 AMRITSAR

Amritsar, the 8th August 1983

Ref No ASR/83/84/148—Whereas, I,  
 C S KAHILON, IRS  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1/2 share of property situated at Guru Arjan Nagar Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R Amritsar in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Kanwaljit Singh  
 S/o Shri Amar Singh Juneja  
 R/o Amritsar  
 Shri Amar Singh Juneja  
 S/o Shri Atar Singh Hakim  
 R/o 578, Basant Avenue,  
 Amritsar

(Transferor)

(2) S/Shri Sat Pal  
 Surinder Kumar and Sukhdev Raj  
 S/o Shri Gian Chand  
 R/o Gate Bhagtanwala  
 Akhara Kulu Pehlwan,  
 Amritsar

(Transferee)

(3) As at S No 2 overleaf & tenants if any  
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

1/2 share of property situated at Guru Arjan Nagar, Sultanwind, Amritsar, as mentioned in sale deed No 14494 dt 28/12/82 of registering authority Amritsar

C S KAHILON IRS  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
 Acquisition Range Amritsar

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

Date 8-8-1983  
 Se II

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 8th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/149.—Whereas, I,  
C. S. KAHILON, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing No.

A plot of land situated at Lawrence Road, Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Amritsar on Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object :—

(1) Dr. Jai Ram Dass and  
Shri Sewa Ram  
S/o Shri Kanshi Ram  
R/o Majith Mandi,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Hira Singh  
S/o Shri Dalip Singh  
R/o Chaurasti Attari,  
Gali Ardassian,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land situated at Lawrence Road, Amritsar,  
as mentioned in sale deed No. 13734 dt. 14-12-82 of register-  
ing authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 8-8-1983  
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/150.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6 share of property situated at Ram Talai Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Avtar Singh  
S/o Shri Dula Singh  
R/o 52, Kennedy Avenue,  
Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Bihari Lal  
S/o Shri Sulakhan Mal  
R/o Outside Ghee Mandhi Gate,  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the resumption or evasion of the liability 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/6 share of property situated at Ram Talai Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13996 dt. 20-12-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1983

Ref. No. ASR//83-84/151.—Whereas, I,  
C. S. KAHLON, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share of land situated at Vill. Hare, Teh. Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Amritsar on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) 1. S/Shri Bawa Singh, Chanchal Singh  
S/o Kishan Singh

2. Smt. Gurnam Kaur  
Wd/o Kishan Singh

3. Lachman Singh  
S/o Khazan Singh

4. Makhan Singh,  
S/o Dalip Singh  
1901, Maipigvo Road Apartments.  
618-Recksodial, Antino,  
through Shri Baldev Singh  
S/o Mohan Singh  
R/o Vill. Hare,  
Teh. and Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Siri Nath Khosla  
S/o Shri Jagat Mohan Khosla  
Shri Jaivir Khosla  
S/o Shri Jagat Mohan Khosla  
R/o Circular Road,  
Medical College,

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of land situated at Vill. Hare, Teh. Amritsar,  
as mentioned in sale deed No. 14460 dt. 27-12-82 of re-  
gistering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE.  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th August 1983.

Ref. No. ASR/83-84/152.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot of land situated at G. T. Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Gobinder Singh  
S/o Shri Sukhwinder Singh,  
R/o 46, Hidc Market,  
Amritsar.

2. Hardev Singh  
S/o Tara Singh,  
165 Opp. Railway Station,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri D. K. Khanna  
S/o Shri Dwarka Dass Khanna,  
R/o 47, M. T. Amritsar,  
Now 5-B-2, Rani Ka Bagh,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 200 sq. yds. situated at G. T. Road, Near Rego Bridge, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13949 dt. 17-12-82 of registering authority Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sushila Sharma  
W/o Shri Ram Saran Dass,  
R/o Katra Parja,  
Amritsar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/153.—Whereas, I,  
C. S. KAHLON, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/5 share of property situated at Katra Parja, Amritsar Block 'P' paiki S.P. 1 to 4, C.S. No. 1829 to 1832 Majura Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Smt. Maan Wati  
W/o Shri Hira Lal,  
R/o Gali Beli Ram,  
Katra Parja,  
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)  
(3) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

1/5 share of property situated at Katra Parja, Amritsar, mentioned in sale deed No. 13808 dt. 16-12-82 of registering authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

47-246GI/83

Date : 10-8-1983

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/154.—Whereas, I,  
C. S. KAHILON, IRS  
being the competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
1/2 share of plot situated at Vill. Hare, Teh. Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Amritsar in Dec., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Shri Karnail Singh S/o Dalip Singh,  
S/Shri Swaran Singh, Jagir Singh  
S/o Surjan Singh,  
Joginder Singh S/o Shri Mangal Singh,  
Smt. Kirpal Kaur W/o Shri Swaran Singh,  
Smt. Chhindu D/o Shri Mangal Singh,  
Smt. Kartar Kaur Wd/o Shri Mangal Singh,  
through Shri Joginder Singh General Attorney,  
Smt. Banso D/o Shri Mangal Singh,  
through Shri Joginder Singh General Attorney,  
R/o Vill. Hare, Teh. Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kuku Mehra W/o Shri Vijay Mehra,  
R/o Circular Road, Medical College,  
Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

1/2 share of land situated at Vill. Hare, Teh. Amritsar,  
as mentioned in sale deed No. 14461 dt. 27-12-82 of regis-  
tering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
persons, namely :—

Date : 10-8-1983

Seal :

## FORM LT.N.S.—

(1) Shri Om Parkash Lata  
S/o Shri Harbans Lal Lata  
R/o 37, Green Avenue,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sarup Singh  
S/o Billa Singh  
Smt. Parkash Kaur  
W/o Shri Saroop Singh  
S/o Shri Surinder Singh, Harinder Singh  
S/o Shri Sarup Singh  
R/o 37, Green Avenue,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/155.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

One property situated at 37 Green Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 14541 dt. 30-12-82 of registering authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 29th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/117.—Whereas, I,  
C S KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

One property situated at Katra Bagh Singh, Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S R Amritsar on Dec, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri Mohan Lal  
S/o Shri Tek Chand  
R/o Katra Bagh Singh,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt Avinash Shorey  
W/o Dr. Balbir Chand Shorey  
R/o Bazai Lala Anant Ram,  
Katra Bagh Singh,  
Amritsar

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any  
Shri Raj Kumar S/o Shri Shorey Lal,  
Amritsar

(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One property situated at Katra Bagh Singh, Amritsar,  
as mentioned in sale deed No 13941 dt 17-12-82 of the  
registering authority, Amritsar

C S KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date 29-7-1983  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Smt Palat Kalisabi,  
W/o Late Kader Haji,  
Aysha Manzil, Kallur,  
P.O. Mattannur.

(Transferor)

(2) Shri Ummalil Mammootty Haji,  
S/o Abdurahiman,  
Dharmadam P.O.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
SREENARAYANA BHAVAN,  
KALATHIPARAMBU ROAD,  
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 12th August 1983

Ref. No. L. C. 653/83-84.—Whereas, I,  
P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Mattannur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mattannur on 27-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

6 3/4 cents of land with a building in Sy. No. 64/4A1E, 48 1/E of Mattannur village as per schedule attached to document No. 1937/82 dated 27-12-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. J. THOMASKUTTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983

Seal :

## FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th August 1983

(1) Shri Dewan Kartar Krishan S/o Rai Sahib Dewan Chand, 246, Model Town, Jalandhar  
General Attorney of Smt. Sukhvir Kaur W/o Mahavir Singh R/o 198-L, Model Town, Jalandhar.  
(Transferee)

(2) Shri Mahesh Kumar S/o Ram Lal  
R/o Ghas Mandi, Malerkotla Distt. Sangrur.  
(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A. P. No./4567.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property land area 114 Marlas situated near Cine Payal Cinema, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6277 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th August 1983

Ref. No. A. P. No./4568.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dewan Karta Krishan S/o Rai Sahib Dewan Chand R/o 246, Model Town, Jalandhar General Attorney of Smt. Savindra Puri Wd/o Hans Raj Puri.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Kumar S/o Ram Lal R/o Ghas Mandi, Malerkotla, Distt. Sangrur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Property land area 11 $\frac{1}{2}$  situated near Cine Payal Cinema, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6278 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Jagmohan Singh S/o Ishar Singh  
R/o 696, Mota Singh Nagar, Jalandhar  
(Transferor)
- (2) Shri Harbans Singh S/o Mohinder Singh  
R/o V. Saidpur Distt. Kapurthala.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.—  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th August 1983

Ref. No. A. P. No./4569.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property 1/3 Kothi No. 201, Green Park, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5918 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Jagmohan Singh S/o Ishar Singh  
696, Mota Singh Nagar, Jalandhar, through  
General Attorney Jagmohan Singh.  
(Transferor)
- (2) Shri Amrik Singh S/o Mohinder Singh  
R/o V. Saidpur Distt. Kapurthala.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th August 1983

Ref. No. A. P. No./4570.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property 1/3 Kothi No. 201, Green Park, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5919 of dated December, 1982 of the registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-8-1983  
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th August 1983

Ref. No. A.P. No./4571.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jagnehan Singh S/o Ishar Singh R/o 696, Mota Singh Nagar, Jalandhar, Self and General Attorney of Smt. Balwant Kaur, his wife. (Transferor)
- (2) Shri Santokh Singh S/o Mohinder Singh R/o V. Saidputt Distt. Kapurthala. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property 1/3 Kothi No. 201, Green Park, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6074 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Amar Nath and Jagan Nath S/o  
Sh. Bhagat Ram Vill. Chak Fateh Singh Wala  
Teb. Nathana.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh S/o Natha Singh  
Vill. Bbuche Khurd.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th August 1983

Ref. No. A.P. No./4572 & 4573.—Whereas, I,  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Vill. Chak Fateh Singh Wala Teh. Nathana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed Nos. 1292 and 1293 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Nathana.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983

Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th August 1983

Ref. No. A.P. No./4574.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Vill. Chak Fateh Singh Wala Teh. Nathana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nathana on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Mangal Singh S/o Chanan Singh  
Vill. Chak Fateh Singh Wala Teh. Nathana.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurcharan Singh S/o Ram Lal and  
Ram Lal S/o Kaka Singh  
C/o Gurcharan Singh  
S/o Ram Lal Vill. Chak Fateh Singh Wala.  
Teh. Nathana.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1320 of 12/82 of the Registering Authority, Nathana.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No A.P. No./4544.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Dec., 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurmel Singh S/o Jangir Singh  
Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) A. P. No. 4544  
S/Smt./Sri

- (i) Smt. Pushpa Devi W/o Parmod Kumar, Govt. High School, Malout.
- (ii) Parmod Kumar S/o Kanwar Sen, Govt. High School, Malout.
- (iii) Sukhdev Singh S/o Gajjan Singh, C/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
- (iv) Jaswant Singh S/o Kaskoo Singh C/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
- (v) Sat Pal S/o Mohan Lal, SO, Mech. Public Health Maur Mandi.
- (vi) Rajiv Talwar S/o Kishori Lal, Clerk, NFL, BTI.
- (vii) Adarsh Gulati S/o Ved Parkash, Clerk, NFL, BTI.
- (viii) Anil Sharma S/o R. K. Sharma C/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
- (ix) Sita Ram S/o Rikhi Ram, Teacher, G. H. S. Taran.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5559 of Dec. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. A.P. No./4545.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Malkiat Singh S/o Jangir Singh  
R/o Multaina Road, Bhatinda.  
(Transferor)
- (2) A. P. No. 4545  
S/Sri/Smt.
  - (1) Rajvir S/o Kuldip Rai  
C/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
  - (2) Anita Talwar W/o Rajiv, J.F.L. Bhatinda.
  - (3) Subhash Bansal S/o Brij Lal, GNDTP, Bhatinda (Clerk).
  - (4) Poonam Bansal W/o Subhash Bansal, Clerk, GNDTP, Bhatinda.
  - (5) Shanti Devi W/o Patram, Shopkeeper, Rampura Phul.
  - (6) Ved Rani alias Asha Rani W/o Kulwant Rai, Peon, Distt. Attorney's Office Bhatinda.
  - (7) Partap Kumar S/o Sohan Lal Vill. Buladewala Teh. & Distt. Bhatinda.
  - (8) Rajnish Kumar S/o Sohan Lal, Vill. Buladewala Teh. & Distt. Bhatinda.
  - (9) Nudh Ram S/o Lal Chand, Telephone Operator, Rampura Phool.
  - (10) Ved Parkash S/o Shiv Lal, Telephone Operator, Rampura Phool.
- (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5560 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-8-1983.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. A.P. No./4546.—Whereas, I  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurbux Singh S/o Jaangir Singh,  
R/o Multaina Road, Bhatinda.  
(Transferor)

- (2) Savashri/Shrimati
  1. Makhan Singh s/o Gurbux Singh c/o Surinder Kumar Garg, Senior Clerk, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
  2. Subedar Dharam Pal s/o Jagan Nath, MES, BTI.
  3. Sukhdev Singh, Gurcharan Singh S/o Subedar Randhir Singh, M.E.S. Bhatinda.
  4. Sukhvinder Singh s/o Jarpail Singh Vill. Pato Hira Singh, Distt. Faridkot.
  5. Asha Rani d/o Mohan Lal Clerk, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
  6. Mohinder Kaur w/o Mohinder Singh c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
  7. Bhagirath Lal s/o Kakoo Ram c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
  8. Harbinder Singh s/o Ujagger Singh, Vill. Pacca Teh & Distt. Bhatinda c/o Surinder Kumar Garg, DA's Office.
  9. Sudarshan Kaur w/o Harvinder Singh Vill. Pacca Teh. & Distt. Bhatinda s/o Surinder Kumar Garg, DA's Office, BTI.
  10. Hamir Singh s/o Jaggar Singh c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, BTI.
  11. Makhan Singh s/o Jaggar Singh c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, BTI.
- (Transferee)

- (3) As per St. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5561 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-8-1983  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Dial Singh S/o Jangir Singh,  
Multaina Road, Bhatinda.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR**

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. A.P. No./4547.—Whereas, I  
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dial Singh S/o Jangir Singh,  
Multaina Road, Bhatinda.
- (2) AP No. 5719/4547. Sarvashri/Smt.  
1. Bimla Devi w/o Darshan Kumar, Teacher,  
Rampura Phul, Distt. Bhatinda.
2. Charanjit Kuar w/o Gamdoor Singh c/o  
Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office,  
Bhatinda.
3. Sudarshan Singh s/o Panna Singh, Maur  
c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's  
Office, Bhatinda.
4. Prem Kumar s/o Madan Lal, Central Jail,  
Bhatinda.
5. Malkiat Kaur w/o Gurcharan Singh vill.  
Buladewala Teh. & Distt. Bhatinda. (Moga)
6. Parkash Wati w/o Amar Nath (Moga)  
c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's  
Office, Bhatinda.
7. Ashok Kumar s/o Rakha Ram c/o Surinder  
Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
8. Parchawa Singh s/o Godha Singh c/o Batra  
Book Depot, Mehna Chowk, Bhatinda.
9. Ajaib Singh s/o Bishan Singh c/o Batra Book  
Depot, Mehna Chowk, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5719 of December 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sukhdev Singh S/o Jangir Singh,  
R/o Multaina Road, Bhatinda.  
(Transferor)

- (2) AP No. 4548 Saivashri/Shrimati  
 1. Narinder Singh Soni s/o Parupkar Singh  
c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's  
office, Bhatinda.  
 2. Gurbachan Singh s/o Uttam Chand c/o Surinder  
Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.  
 3. Lakhbir Singh s/o Parupkar Singh (Railway  
Dept.) c/o above.  
 4. Bhagwati Devi w/o Rohan Lal s/o Bhagat  
Ram, Budhlada Mandi Distt. Bhatinda.  
 5. Manjit Singh s/o Basant Singh adjoining CIA  
Staff, Old Police Station, Bhatinda.  
 6. Harbinder Singh s/o Basant Singh c/o above.  
 7. Jagtar Singh s/o Mohinder Singh c/o Surinder  
Kumar Garg.  
 8. Sarjit Kaur d/o Mohinder Singh  
 9. Hardev Singh s/o Kartar Singh, Vill. Mehta.  
c/o Surinder Kumar Garg,  
Distt. Attorney's Office, BTI.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5720 of Dec. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
49—246GI/83

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR**

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. A.P. No./4549.—Whereas, I  
**J. L. GIRDHAR**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—.

(1) Shri Gurbux Singh S/o Jangir Singh,  
 R/o Multaina Road, Bhatinda.  
 (Transferor)

(2) A.P. 4549 Sarvashri/Shrimati  
 1. Sudeh Rani w/o Rajinder Kumar, GNDTP, Bhatinda (Clerk).  
 2. Rattan Chand s/o Kartar Chand c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.  
 3. Amar Nath Jindal, Clerk, AG Office, Punjab, Chandigarh.  
 4. Ashok Kumar, Advocate, Civil Courts, Patiala.  
 5. Krishan Jiwan s/o Ved Kumar, Naji Rattan Gate, Bhatinda.  
 6. Hardip Singh s/o Sohinder Singh, c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.  
 7. Kuldip Singh s/o Sohinder Singh c/o above.  
 8. Sarnagar Singh s/o Ram Singh c/o above.  
 9. Waryam Kaur s/o Surinderpal Singh, Teacher, GNS, Faridkot.  
 10. Amandeep Soni s/o Surinderpal Singh, Teacher, GNS, Faridkot.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5842 of December 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

**J. L. GIRDHAR**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-8-1983  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Gurtej Singh S/o Jangir Singh,  
R/o Multania Road, Bhatinda.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. A.P. No./4550.—Whereas I,  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. as per schedule situated at Bhatinda,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
Bhatinda in December 1982,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (2) A.P. No. 4550 Sarvashri/Shrimati
  - 1. Major Singh s/o Jaggar Singh, Vill. Pacca Kalan.
  - 2. Nachhattar Singh s/o Jaggar Singh, Pacca Kalan.
  - 3. Gurdev Singh s/o Phuman Singh, Vill. Jhuneer  
Teh. Mansa Distt. Bhatinda.
  - 4. Harbans Singh s/o Lal Singh s/o Surinder Kumar  
Garg, Distt. Attorney's Office, Bhatinda.
  - 5. Sukhdarshan Ram s/o Paras Ram, Tubewell  
Corpn., Vill. Datula.
  - 6. Vijay Kumar s/o Parkash Chand,  
c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney  
Office, Bhatinda.
  - 7. Ashok Kumar s/o Des Raj,  
c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney  
Office, Bhatinda.
  - 8. Vidya Devi d/o Puran Chand,  
c/o Surinder Kumar Garg, Distt. Attorney  
Office, Bhatinda.
  - 9. Sita Devi w/o Makhan Lal Shopkeeper, Rampura  
Phull.
  - 10. Makhan Lal s/o Puran Chand, Shopkeeper,  
Rampura Phull.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration  
sale deed No. 5843 of December 1982 of the Registering  
Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 169D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. A.P. No./4566.—Whereas I,  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per schedule situated at Bhatinda,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Bhatinda in December 1982,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (1) Shri Devinder Mohan S/o Ram Parshad,  
Opp. Garg Nursing Home, The Mall Bhatinda,  
Mukhtiar-ram of Baldev Kumar Gupta S/o  
Kishori Lal, Madras.  
(Transferor)
- (2) Shri Kartar Singh C/o  
Sh. Atma Singh Kartar Singh, Gold Smith,  
wirki, Bazar, Bhatinda.  
(Transferor)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration  
sale deed No. 5536 of 12/82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/136.—Whereas I,  
**C. S. KAHILON, IRS**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Katra Karam Singh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Lal Kapoor s/o  
 Shri Kedar Nath, 793, Krishna Niwas, Bombay,  
 Now at Amritsar.  
 (Transferor)
- (2) Shri Som Nath Kapoor s/o  
 Shri Ram Lal Kapoor, H. No. 2639/9, Gali  
 Lahorian, Katra Karam Singh, Amritsar.  
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.  
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
 (Person whom the undersigned knows to be  
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

One property situated at Gali Lahorian, Katra Karam Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13768 dated 15-12-1982 of registering authority, Amritsar.

**C. S. KAHILON, IRS**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-8-1983  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/137.—Whereas, I  
C. S. KAHILON, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. One property situated at Katra Karam Singh, Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
S.R. Amritsar in December 1982,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Lal Kapoor s/o  
Shri Kedar Nath, 793, Krishn Niwas,  
Bombay Now at Amritsar.  
(Transferor)

(2) Shri Som Nath Kapoor s/o  
Shri Ram Lal Kapoor, H. No. 2639/9, Gali,  
Lahorian, Katra Karam Singh, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)  
(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

## THE SCHEDULE

One property situated at Gali Laborian, Katra Karam  
Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13841 dated  
16-12-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHILON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 4-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bedi Ram Singh s/o  
Shri Bedi Ishar Singh, r/o 23, Rani ka Bagh,  
Amritsar.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1983

Ref. No. ASR/83-84/138.—Whereas, I  
C. S. KAHLON, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Rani ka bagh,  
Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
S.R. Amritsar in December 1982.

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Arun Kumar s/o  
Shri Saudagar Singh, r/o Narain Garh,  
Chheharta, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land situated at Rani ka Bagh, Amritsar, as  
mentioned in sale deed No. 14170 dated 21-12-1982 of re-  
gistering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s Nandanam Construction Co.  
5-8-42 Fateh Sultan Lane, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Bhanu R. Rupani, W/o Raj Kumar Rupani,  
Flat C/902 5-8-42 Fateh Sultan Lane, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 391/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at No. 5-8-82 situated at Fateh Sultan Lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. C/902, 9th Floor in 5-8-42 Fateh Sultan Lane, Hyderabad SRO : Hyderabad Document No. 8154/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal ::

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 392/83-84.—Whereas I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 3-5-1085/4 situated at Ramnarayan Road, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad in December 1982,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri T. Sudershan, S/o Late T. Sambaiah, 3-5-1085  
Ground Floor, Ramnarayan Road, Narayanaguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Harshad Dhairod S/o Kunwarji Dharod  
3-5-1085/4, 2nd floor Ram Narayan Road,  
Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immove-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

H. No. 3-5-1085/4, 2nd Floor, Ram Narayan Road,  
Narayanaguda, Hyderabad.  
SRO : Hyderabad Document No. 8364/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
50—246GI/83

Date : 8-8-1983  
Seal ::

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 393/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per scheduled situated at No. 3-5-1085/3 situated at Ramnarayan Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri T. Sudershan, S/o Late T. Sambaiah, 3-5-1085 Ground floor Ram Narayan Road, Narayanaguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mrs. Chenchel Ben M. Shah, W/o Maganlal K. Shah 3-5-1085/3, 2nd floor, Ramnarayan Road, Narayanaguda, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDEULE

H. No. 3-5-1085/3, 2nd Floor, Ram Narayan Road, Narayanaguda, Hyderabad.

SRQ : Hyderabad Document No. 8363/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal ::

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 394/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-134 situated at Himayatnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Mr. Meer Moizuddin, S/o late Azharuddin Hussaini 3-6-134, Himayatnagar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mr. Gulam Mohd. Khan, S/o Dost Mohd. Khan, & Others 3-6-134 Himayatnagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

No. 3-6-134 at Himayatnagar, Hyderabad, registered at SRO Hyderabad vide document No. 8137/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Smt. S. Durga Devi W/o Dr. S. Narayandas,  
2-1-76/2, Nallakunta, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Shri G. Venkatramulu S/o G. Narsaiah,  
3-3-345, Kutbiguda, Hyderabad-27.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 395/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-1-76/2, situated at Nallakunta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 2-1-76/2, Nallakunta, Hyderabad.  
SRO Hyderabad, Doc. No. 8101/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Pakram S/o Sri Devulu,  
Mamidipalli, Sangareddy Taluk, Medak Dist.  
(Transferor)

(2) M/s Indian Cork Mills Ltd., Bombay.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 396/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 391 situated at Mamidipalli, Sangareddy Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDEULE

Land in Sy. No. 391, at Mamidipalli, Sangareddy Taluk, extent, 1.27 Acres.  
SRO : Sangareddy Document No. 5136/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Mohd. Abdul Khader, S/o Mohd. Abdul, & Others  
1-4-763 Musheerabad, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) D. Mohd. Ghose S/o Abu Ahmed, and Others  
20/210/A Mastanvari Street, Cuddapah.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 397/83-84.—Whereas I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1-4-888/1 situated at Bakaram, Hyderabad,  
and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hyderabad in December 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 1-4-888/1 Bakaram, Hyderabad.  
SRO : Hyderabad, Document No. 8375/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. V. Vilasa Devi, W/o V. Pratap Reddy,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s KP Jeletin & Chemical India Ltd.  
Sri Nagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 398/83-84.—Whereas I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing  
No. 464 & 480 situated at Patancheru,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Sangareddy in December 1982,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires last;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

3.10/1 Acre open land in Sy. No. 464 & 480 at Patan-  
cheru.  
SRO : Sangareddy Document No. 5137/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Mr. B. Janga Reddy, 3-6-369/2 Himayathnagar,  
Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri M. Goverdhan Reddy, Jakrampalli, Armoor  
Taluk, Nizamabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 399/83-84.—Whereas I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing

No. 1-2-60 situated at Lower Tank Bund, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkadapally in December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House in Ward No. 1, Block-2, No. 60, Type-2, Lower  
Tank Bund, Hyderabad.  
SRO : Chikkadapalle. Document No. 1087/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri K. Shyam Sunder, S/o KV Ranga Rao,  
5-70 Chaitanyapuri, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri N. Anjaiah, S/o Narsaiah,  
1-4-880/33 Gandhinagar, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 400/83-84.—Whereas I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. Plot 7 in Sy. No. 142 to 147 situated at  
Gaganmabhal, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hyderabad in December 1982,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of said property may  
be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 7 in Sy. No. 142 to 147 Gagan Mabhal, Hyderabad.

SRO : Hyderabad. Document No. 8459/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
51—246GI/83

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. D. Tara Devi,  
1-1-714/5, Gandhinagar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. G. Kamala Devi,  
1-1-12/C, Jawaharnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 401/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-5-6 13 situated at Musheerabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadapally on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House 1-5-6/13, Musheerabad, Krishan Colony, Hyderabad.  
SRO : Chikkadapally Document No. 1066/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 402/83-84.—Whereas, I,  
**M. JEGAN MOHAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 16-1-24/33 situated at Saidabad Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on December, 1982  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri E. D. Somalan,  
 S/o P. Ishak Somanan,  
 11/270, Aravender Nagar,  
 Anantapur.

(Transferor)

(2) Sri L. Jaipal Reddy,  
 S/o L. Venkat Reddy,  
 3-1-392 Kachiguda,  
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 16-1-24/33, 3RT, Saidabad Colony, Hyderabad  
 SRO : Azampura Document No. 3894/82.

**M. JEGAN MOHAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-8-1983  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri C. S. V. Subbaiah and another,  
Masulipatnam.

(Transferor)

(2) Smt. B. Kamalamma and another,  
1-2-37 Domalguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 403/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-2-1144/11/3/1 situated at Bagh Amberpet,  
Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 2-2-1144, 11/3/1 at Bagh Amberpet, Hyderabad. SRO : Hyderabad, Document No. 8159/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Matrusri Engineers & Builders Pvt. Ltd.  
3-5-873 Hyderguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Anasuya,  
W/o Ganga Rao,  
3-5-873 Hyderguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 379 /83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-873 situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadapally in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. A-608 A Block situated at Hyderguda, Hyderabad bearing No. 3-5-873. SRO : Chikkadapally Document No. 1067/82.

M. JEGAN MOHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 380/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-873 situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadapally on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Matrusri Engineers & Builders Pvt. Ltd.  
3-5-873 Hyderguda,  
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mr. K. Mallikarjuna Prasad,  
S/o Venkataratnam,  
3-5-873 Hyderguda,  
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Garage No. 19 situated in 3-5-873 at Hyderguda, Hyderabad. SRO : Chikkadapally Document No. 1068/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) M/s. Bhagyanagar Constructions Pvt. Ltd.  
Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Sita Devi,  
W/o Sivasankar,  
5-1-908, Putli Bowli,  
Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 381/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-1-908 situated at Putli Bowli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 29 at 5-1-908 Putli Bowli, Hyderabad. SRO : Hyderabad Document No. 8237/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Bhagyanagar Constructions Pvt Ltd  
Hyderabad  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh Chander D Khandocha  
Shop No 55 & 56, 5-1 1908 Puthi Bowli, Hyderabad  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 8th August 1983

Ref No RAC/382/83 84 — Whereas, I, M JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 5 1-1908 situated at Puthi Bowli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Shop No 55 & 56 in 5-1-908 Puthi Bowli Hyderabad  
SRO Hyderabad Document No 8095/82

M JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-8-1983  
Seal

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Bhagyanagar Constructions Pvt. Ltd.  
5-1-908 Putli Bowli, Hyderabad

(Transferor)

(2) Mr. Maganlal Thakur, 5-1-908 Putli Bowli  
Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC/387/83 84. —Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-1-908 situated at Putli Bowli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Hyderabad on December, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Shop No. 47 IN 5-7-908 Putli Bowli At Hyderabad SRO :  
Hyderabad Document No. 8094/82.

M. JEGAN MOHAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-8-1983.  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
 52—246GI/83

## FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s Bhagyanagar Constructions Pvt. Ltd.  
5-1-908 Putli Bowli, Hyderabad  
(Transferor)
- (2) P. V. Lakshmi, Shop No. 218, Putli Bowli  
Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC 384/83-84 —Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda No. 5-1-908 situated at Putli Bowli Hyderabad.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1982.  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. IN 5-1-908 Putli Bowli, Hyderabad. SRO : Hyderabad Document No. 8128/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC 385/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1-79 situated at RTC X Roads Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Dec. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Bhagyanagar Builders  
1-1-79 RTC X Road, Musheerabad,  
Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Mrs. B. Nalini Reddy  
W/o Dr. Jagannath Reddy,  
1-1-79 RTC X Roads,  
Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat 1-1-79, F2/F4/E5 RTC Cross Roads, Hyderabad.  
S. R. O. Hyderabad. Vide Doc. No. 7947/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS —

(1) M/s Nandanam Construction Co.  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. O. Ratna Kumari  
W/o O. Venkateswara Rao,  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC 386/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-8-42 situated at, Fateh Sultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. A-203/7, 2nd Floor in 5-8-42 Fateh Sultan Lane, Hyderabad.

SRO : Hyderabad Document No. 8153/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM IINS

(1) M/s Nandanam Construction Co.  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) P. Veera Swamy,  
Flat No. C/101/33 Ground Floor,  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 387/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-42 situated at Fateh Sultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever is later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. C/101/33 Ground Floor in 5-8-42 Fateh Sultan Lane, Hyderabad.

SRO : Hyderabad Document No. 8158/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Nandanam Construction Co.  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Rupani  
W/o Bhagavandas,  
Flat C/901/82,  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ret. No. RAC. 388/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-42 situated at Fateh Sultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Dec 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object cf:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Flat No. C/901/82, 9th Floor in 5-8-42 Fateh Sultan Lane, Hyderabad.  
SRO : Hyderabad Document No. 8157/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Ms. Nandanam Construction Co.,  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Parasiam  
W/o Vishnudas,  
Flat C/801/75,  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 389/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-42 situated at Fateh Sultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. C/801/75 in 5-8-42 Fateh Sultan Lane, Hyderabad.

SRO : Hyderabad Document No. 8156/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 390/83-84—Whereas I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and  
bearing  
No 5-8-42 situated at Fateh Sultan Lane, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hyderabad in Dec., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957),

(1) M/s Nandanam Construction Co.  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Prabhu Rupam,  
S/o Vishnudas,  
Flat No. C/802, 8th Floor,  
5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. C/802, 8th Floor in 5-8-42 Fateh Sultan Lane,  
Hyderabad,  
SRO : Hyderabad Document No 8155/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 183/83-84.—Whereas, I,  
**M. JEGAN MOHAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 186/1B situated at Vakalapudi Kakinada 186/1B situated at Vakalapudi Kakinada and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on Dec. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri N. Narayananamurthy, Etc.,  
 S/o Narasimham,  
 Kakinada.

(Transferor)

(2) Shri G. Ramakrishnaraao,  
 Secretary,  
 Salaries Employees Co-op. Building Society Ltd.,  
 Opposite Veterinary Hospital,  
 Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land of 2-14 Cents, in S. No. 186/1B, Vakalapudi, E.G., Dt. registered with S.R.O. Kakinada, vide documents Nos. 11052, 11045, 11046/82.

**M. JEGAN MOHAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
 53—246GI/83

Date : 8-8-1983  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) P. Krishnarao  
S/o Ramakrishnayya,  
Kakinada.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(2) B. Seshagirirao, M/P.  
M/s Sree Pattabhirama Traders,  
Munganda, Amalapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 184/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 43-7-15 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property at D-No. 43-7-15, at Kakinada, area of 432 sq. yds., registered with S.R.O., Kakinada, vide document No. 11028/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. N. Laxmi 2. Others,  
Suryaraopet,  
Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 185/83-84.—Whereas I,

M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

5-1-61 situated at Suryaraopet Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Kakinada in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afo-  
resaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (2) 1. D. V. Subhadra.  
2. D. Sheela  
3. D. V. Tirupathiraju,  
Pattabhi Street,  
Ramaraopeta,  
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property at D. No. 5-1-61, T. S. No. 959, Surya-  
raopet, Kakinada, area of 536 Sq. yds, registered with S.R.O.  
Kakinada, vide document Nos, 10984/82, 156/83, 2873/83.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M Jagannmohan Rao, etc. s/o Subbayya, Pedapadu, Eluru Tq. W.G. Dt  
(Transferor)

(2) Shri M Raghunatha Rao, s/o Bhujangarao M D Madhulatha Enterprises, Pvt Ltd, Govt Hospital Road, Eluru W.G. Dt  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref No RAC. No. 186/83 84.—Whereas I, M. JEGAN

MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No 290 situated at Bhogapuram Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Vacant land of Ac 9-00 in R.S. No. 290 New R.S. No. 295, registered with S.R.O., Eluru, vide document Nos. 8172, and 7937/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8.8.83,  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri P. Anumayamma w/o Ramireddy, Chilakalapudi, Machilipatnam, Tq., Krishna Dt. (Transferor)
- (2) Shri Y. Bhimraju, M/D, M/s. Vyjayanthi Spinning Mills, Ptd., Eastern Street, Fluru. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 187/83-84.—Whereas J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. 324 situated at Kokkirapadu Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 324, area of 1-48 Cents, at Kokkirapadu, village, W.G. Dt., registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 7935/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri V. R. Manikyamba, w/o Venkata Subbarao,  
Estern Street, Eluru, 534001.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 188/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. Rs. 25,000/- and bearing No.

913, 914 situated at Venkatapuram Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri G. Subbarao, M.P. Sri Gopalakrishna Rice Mill, Eluru, C/o M/s. D. V. Ramanarao & Co., C.As, Powerpet, Eluru-534002.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Venkatapuram in R.S. No. 913 & 914, area of 0.74 Cents, Eluru, registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 8168/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-83  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri K. Rajajeswari, w/o Radhakrishnamurthy,  
Narasimhaopeta, Eluru.  
(Transferor)
- (1) Shri I. Appalaswamy, s/o Appanna, Powerpet,  
D. No. 22C-10, Eluru.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 189/83-84.—Whereas I, M. JEGAN  
MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Eluru in Dec., 1982.

22C-10 situated at Powerpet, Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on Dec. '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land, of 492 sq. yds., D No. 22C-10, at 14th Ward, Powerpet, registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 7856/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-8-83  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 190/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18—94 situated at Tanuku (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku in Dec., 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri K. Suryakantham, w/o Ramachandra Rao, Tanuku. (Transferor)
- (2) Shri S. Nagakantha Siromani w/o Pandurangarao, Kovvalivari Street, Tanuku, W.G. Dt. D. No. 18-94, Tanuku. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property at D. No. 18-94, area of 292.8 sq. yds. at Tanuku, registered with S.R.O., Tanuku, vide document No. 4671, 4672/82.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-8-83  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri A. Krishna Mohan Gupta & 3 others s/o Suryanayananamurthy, D. No. 18-1-34 8th Ward, Palakollu  
 (Transferor)
- (2) Shri T. Venkata Subbayya s/o Mualayya, D No. 17-1-3, 8th Ward Palakollu W. E. Dt.  
 (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC. No. 181/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18-1-39 situated at 8th Ward Palakollu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakollu on Dec., '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property at D. No. 18-1-39, asst. No. 3775A, 3776, area of 117-1-132 sq. yds. at Palakollu, Ground and First Floor, registered with S.R.O., Palakollu, vide document No. 3984/82.

M. JEGAN MOHAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
 54—246GI/83

Date : 8-8-83  
 Seal :

**FORM ITNS**(1) A. Simhalu, S/o Apranna, Adivivaram, Vizag Tq.  
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) B. Radhakrishna Chief Promotor,  
Shri Krishnadevaraya Co-op. Building Society,  
S. No. 13/A7, Adivivaram Vizag.  
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 192/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 13/A7 situated at Adivivaram Vizag  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at Vizag in December, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Vacant land at Adivivaram, in S. No. 13/A7, Vizag area  
of 5-40 Cents, registered with S.R.O., Vizag, vide document  
No. 12508, 12509/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) P. Sanyasi Patradu, S/o Late Appanna, Chandrammapalem, Madhuravada, Vizag.  
(Transferor)
- (2) R. Chakradhararao & P. V. Ramamurthy, Director, The Andhra Drinks Pvt., Ltd.  
Vizag.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC.No.193/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 250/1 situated at Madhuravada Vizag  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Madhuravada, in R.S. No. 250/1, area of  
0-74 Cents, registered with S.R.O., Vizag, vide document  
Nos. 12414, 12415, 12416/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) M. V. Ramamurthy, and others, S/o. Venkateswara-  
rao, Muvvavani Palem, Vizag.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Vasanta Kumari, W/o. Maheswararao,  
Nuvapada, Jaypore, Koraput, Dist.,  
ORISSA. State.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC.No.194/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 20-1-7/2C situated at Market Ward, Vizag  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering  
Officer at Vizag on December, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 20-1-7/2C, area of Sq. ft., 555 Sq. yds. at  
Market Ward, registered with S.R.O., Vizag vide document  
Nos. 12373, 12374, 1-372, 12375/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983.  
Seal :

FORM ITNS

- (1) Ch. Jayalaxmi, W/o Shri Ch. Vishwanatha Sastry,  
46/4, Palas Arunodaya Co-op. House Building  
Society, Poone, Maharashtra State.  
(Transferor)
- (2) K. Kondamma, W/o Late Ramarao, Hukumba,  
Veedhi, Vizag.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RACNo.195/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
No. 7-5-14 situated at Waltair ward, Vizag  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering  
Officer at Vizag on December, 1982.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45  
days from the date of publication of this notice in the  
Official Gazette or a period of 30 days from the  
service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, 1957  
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at D. No. 7-5-14, at Waltair Ward, Vizag,  
area of 600 Sq. yds. registered with S.R.O., Vizag vide document  
No. 12293/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, of the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) D. Rayappa, E/o. Thatayya, Gnanapuram, Vizag.  
(Transferee)  
(2) Shri J. N. Chowdari, M. D. Surya Structural  
Private Ltd., 10-4-24, Waltair Uplands,  
Vizag-530003.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 196/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. 25,000/- and bearing No. 27/5, situated at Prolupalem Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Prolupalem in S. No. 27/5, Cheemarlapalli village area of 2-70 Cents, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 12254/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. Subbalaxmi &amp; 4 others, W/o Late Venkata-narayana, Yalamanchili, Vizag Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Vamsee Biscuits Pvt. Ltd., Manager, S. K. S. Murthy, Paradesipalem, S. No. 163, Vizag Dist.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 197/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 163 situated at Paradesipalem Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land of 4-96 Cents, in S. No. 163, at Paradesipalem, Vizag, registered with S.R.O., Vizag, vide document Nos, 12068, 12067/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-8-1983.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Mrs. Rabab T. Mahmood,  
W/o. Mr. Taher Mahmood,  
Ahmadnagar, Maharashtra State.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Zebun Miravali,  
W/o. Mr. Nazerally Valli,  
Walchandnagar Pune Dist. Maharashtra State.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. RAC. 198/83-84.—Wheeras, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 24-4-4 situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Vizag in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

D. No. 24-4-4 Block. No. 2, T.S. No. 13, area of 2800 Sq. ft. First floor House, at Vizag, registered with S.R.O., Vizag vide document No. 11904/82.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**M. JEGAN MOHAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) R. Venkayamma,  
W/o Late R. Purushottam Rao,  
10-12-1, Rednam Gardens, Vizag.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) T. R. Chandran  
C/o. Shaktivel Automobiles,  
Rednam Garden near Central Jail, Vizag.  
(Transferee).

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC, No. 199/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1048 situated at Waltair ward, Vizag  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or .

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land of 1500 Sq. yds. in S. No. 1048, at Waltair Ward, registered with S.R.O., Vizag document No. 11816/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

55—246 GI/83

Date : 88-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Sri Lal Mohd. 7-1-78/2, Amirpet, Hyderabad.  
(Transferor)  
(2) Smt. Siddiquetabsum, 10-3-304/12 Humayun Nagar  
Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC. 417/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-59/9/A situated at Amirpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

An open land admeasuring 272 Sq. Mtrs in No. 7-1-59/9/A Amirpet, Hyderabad.  
SRO : Hyderabad Document No. 8243/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Abdul Sattar, 7-1-78/2 Amripet, Hyderabad.  
(Transferor)  
(2) Smt. Siddiquetabsum, 10-3-304/12 Humayunnagar  
Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC. 418/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-59/9/A situated at Amripet Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Hyderabad on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

An open plot admeasuring 325 Sq. yds. in No. 7-1-59/9/A Amripet, Hyderabad.  
SRO : Hyderabad Document No. 8244/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd. Mg. Dtr. G. Siva Kumar Reddy, 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Smt. Polu Jayakantamma, Mulapet, Nellore-3.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC 419/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and hearing  
No. Flat 605 situated at Srinivasa Towers, Begumpet,,  
Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Vallabhanagar on December 1982  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen percent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 605 in Srinivasa Towers 'A' Begumpet, Hydera-  
bad SRO : Villabhnagar, Document No. 2963/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITNS—

- (1) Gurukul Ghatakeswar Trust, Rep by President  
B. Kishan Lal, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) The Viswesvaraya Engineers Co-op. Housing Society Ltd., Rep by Ravindra Reddy, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC 420/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 44 and 45 situated at Khammameth (V) Rangareddy Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R R Dist. on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land A-4.04 Gunta at Khammameth village, Rangareddy Dist. SRO : Rangareddy Dist. Document No. 8602/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Gurukul Ghatakeswar Trust, Rep. by President  
B. Kishan Lal, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) The Visweswaraya Engineers Co-Op Housing So-  
ciety Ltd. Rep. by K. Ravindra Reddy, Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC/421/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 45 and 46 situated at  
Khammameth (V) Rangareddy Dist.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Rangareddy on December 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Agtl land extent Acres 4.04 Guntas in survey Nos. 45 &  
46 at Khammameth Village in Rangareddy Dist. SRO :  
Rangareddy Dist. Document No. 8612/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Atma Ram, 54 Sainik Tarases, Khanpur,  
New Delhi-110062

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. Subramanian, Secretary, Railway Employees  
Co-Op. House Building Society, Room No. 315, Rail  
Nilayam, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th August 1983

Ref. No. RAC. 422/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Sy. No. 274, 275 & 276 situated at Rampally, Medchal Tq.  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Medchal in December, 1982  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

15 Acres of dry land at Rampally village, Medchal Taluk,  
R.R. Dist. in survey No. 274, 275 and 276. SRO : Med-  
chal Document No. 5908/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 11-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri D. G. Shankaranarayan Setty, 16-3-510, Main Bazar, Hindupur.  
(Transferor)  
(2) B. A. Anantha Lakshmanam, W/o Bysani Aid, Ratnaiah, 15-6-2A, Hindupur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th August 1983

Ref. No. RAC 423/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-3-508 and 509 situated at Main Bazar, Hindupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hindupur on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House No. 16-3-508 and 509 Main Bazar, Hindupur.  
SRO : Hindupur, Document No. 2863/82.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Prabha Rani, W/o Santosh Kumar, 3-6-369/A/10, Himayat Nagar, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri Poonam Chand Agarwal, S/o Bhagawan Das 3-5-141/3/4 Eaden Gardens, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th August 1983

Ref. No. RAC 424/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-335 situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 8-2-335 at Banjara Hills, Hyderabad SRO : Khairatabad Document No. 2306/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

56—246GI/83

Date : 11-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri T. C. Dilip Kumar,  
S/o TC Chakra Raj,  
16-2-711/5 Akbarbagh, Malakpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Surya Co-op. Housing Society Ltd.,  
Secy J. K. Somayajulu,  
12-11-245 Brahma Basti,  
Namalagundu,  
Secunderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 11th August 1983

Ref. No. RAC 425/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

59/1/2 situated at Kakaguda Vill. Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Dec. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

7.50 Acres of dry land in survey No. 59/1/2 at Kakaguda Village, Secunderabad.

SRO : Hyderabad Document No. 8247 '82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd.,  
6-3-1187 Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. N. V. Investment Co. Pvt. Ltd.,  
6-3-1186 Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 11th August 1983

Ref. No. RAC 426/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Flat 802 situated at Srikrishna Towers 'A' Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Dec. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## III. SCHEDULE

Flat No 802 in VIII floor, Srikrishna Towers 'A' at Begumpet, Hyderabad

SRO : Vallabhnagar Document No. 2966/82.

JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S. —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 11th August 1983

Ref. No. RAC 427/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-589 situated at Road No. 8 Banjara Hills, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Dec 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(1) Shri Shyam Sunder Gupta and Bhagwan Das Gupta,  
29 Uma Nagar Colony,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Hari Krishna Soni,  
14-2-332 1 Gyanbagh Colony,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

## THE SCHEDULE

An open plot admeasuring 578 Sq. Yds. at Road No. 8 Banjara Hills, Hyderabad.

SRO - Hyderabad Document 7936 82.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1983  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

(1) K. Venkataratnam,  
Palukollu.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Venkatarao  
S/o Satyanarayananamurthy,  
K. Agraaram,  
Amalapuram, E.G.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No RAC 181/83-84—Whereas, I,  
M JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-3-55 situated at K. Agraaram Amalapuram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX. of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

D. No 33-55, Kuchiminci Agraaram, Amalapuram, area of 694 Sq. yds., registered with S.R.O., Amalapuram, vide document No. 6086 82.

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8.8.1983  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

(1) A. Raja Gopalaraju  
S/o Viswanadharaju,  
Nedunuru,  
Amalapuram.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC 182/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

373-1B situated at Nedunuru, Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Ch. Ramachandraraju  
S/o SatyanarayanaRaju,  
Nedunuru,  
Amalapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Share in rice mill, Asst. No. 28, R. S. No. 373-1B, D. No. 1-27, area of 1618 Sq. yds., registered with S.R.O. Amalapuram, vide document Nos. 6168/82, & 436/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. Sambasiva Rao  
S/o Rama Brahmam,  
Vijayawada & 3 others,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri B. Rangayya,  
S/o Subbaya,  
President  
Rajakumar Co-op Building Society Ltd.,  
Vijayawada

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD (A P.)

Hyderabad (A P.), the 6th August 1983

Ref. No. RAC 170/83 84 —Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs 25 000/- and bearing No  
1931/1 situated at Patamata Vijayawada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vijayawada on Dec '82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Patamata in R S No 1931/1, area of  
1-72 cents, registered with SRO Vijayawada, vide document  
Nos. 12616, 12617, 12726, 12727/82

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A P.)

Date 6-8-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
person's name: —

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri D. V. Subbarao,  
S/o Satyanarayana,  
Fort Road,  
Machilipatnam,  
Krishna Dt.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 6th August 1983

(2) Shri T. Seshagiri Rao,  
S/o Anjayya,  
Chammanagiripeta,  
Machilipatnam,  
Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC 171/8384.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/177 situated at Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on Dec. '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property at D. No. 25/177, Circle peta, area of 397 Sq. yds., registered with S.R.O., Machilipatnam, vide document No. 4202/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Krishna Venamma,  
W/o Venkata Chalapathirao,  
Batchupet,  
Machilipatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD (A.P.)

(2) Miss Aunc Hyney,  
President,  
Hyney Educational Society Chilakalapudi,  
Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1983

Ref. No. RAC 172/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Site situated at Machavaram, Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on Dec. '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant site at Machavaram, 15th Ward, Machilipatnam area of 4200 Sq. yds., registered with S.R.O., Machilipatnam vide document No. 4266/82.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

57—246GI/83

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Hyderabad (A.P.)

Date : 6-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Pidakala Florance Moses,  
Syamalanagar,  
Guntur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Godavari Finance & Investments,  
M/P. P. Ramakoteswararao,  
Guntur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 6th August 1983

Ref. No. 174/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 493/C & 495 D situated at Peracharla Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on Dec. '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Peracharla near Guntur, D. No. 493/C, 495/D, area of 1-70 Cents, registered with S.R.O., Guntur vide Document No. 11195/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) A. Venkamma  
W/o late Venkayya,  
R. Agraharam,  
Guntur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) R. Sayachandranaidu  
S/o Venkataramanaidu,  
Nagari,  
Chittor Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD (A. P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A. P.), the 6th August 1983

Ref. No. RAC 174/83-84.—Whereas, I, M. JAGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10/4 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on Dec. '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land at Guntur, in D. No. 10/4, area of 2152 Sq. yds., registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 11340/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983  
Seal :

## FORM NO. IT.NS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC 175/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Saw Mill situated at Ramabhadrapuram Bobbili  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Vizianagaram in Dec., 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(1) K. Ranachoor Parmar  
S/o Late Ranachoor Palji Parmar, & other  
D. No. 7-44/1, Velamavari Street,  
Vizianagaram, Dt.

(Transferor)

(2) K. Kurmann & 3 others,  
D. No. 16-51/3, Main Road,  
Timber Merchants,  
Parvathipuram,  
Srikakulam Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land with Mango Trees, and a shed covered by Mangalore  
tiles, used as Saw Mill, situated at Ramabhadrapuram road,  
near old Traveller's Bungalow, area of 2520 Sq. ft., registered  
with S.R.O., Vizianagaram vide document No. 3505/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983

Seal -

## FORM VINS

(1) V. Narayananamma,  
Kanagalal,  
Guntur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) V. Sambasiva Rao  
S/o Peda Ramakrishnaiah,  
Kanagalal,  
Guntur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC 176/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-61 & 62 situated at Kanagalal Bhattiprolu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhattiprolu on Dec. '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property at D. No. 10-61 & 62, at Kanagalal, Bhattiprolu, Guntur Dt., area of 750-3/4 Sq. yds., registered with S.R.O., Bhattiprolu vide document No. 1219/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) K. Venkataratnam  
S/o Satyanarayananamurthy,  
Palakollu, E.G.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Akella Brahmanandam  
S/o Satyanarayananamurthy,  
Mukkamala,  
Amalapuram, E.G.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC 177/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 439/4 situated at K. Agraharam Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on Dec. '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land of 0-30 Cents, in R. S. No. 439/4, K. Agraharam, Amalapuram registered with S.R.O., Amalapuram, vide document No. 6087/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sidagar Ansaru Baig & Bros.,  
S/o Sidagar Kasim Baig,  
Chirala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) K. Sitarayamma  
W/o Raghavaiah,  
Chirala,  
Ongl. Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC 178/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site situated at Chirala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant site at 729 Sq. yds., Ward No. 6, Mpl. Ward No. 23, Valuation Ward No. 16, at Chirala, registered with S.R.O., Chirala, vide Document No. 4198/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) K. Venkataratnam  
S/o Satyanarayananamurthy,  
Palakollu.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) A. Sugunavathi  
W/o Satyanarayananamurthy,  
Mukkamala,  
Amalapuram.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No RAC 179/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 439/4 situated at K. Agraharam Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on Dec. '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant site of 0-30 Cents, in R.S. No. 439/4, at K. Agraharam, Amalapuram, registered with S.R.O., Amalapuram, vide document No. 6089/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-8-1983  
Seal :

FORM ITNS

(1) K. Venkataratnam  
S/o Satyanarayananamurthy,  
Palakollu.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Ref. No. RAC 180/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 439/4 situated at K. Agraharam Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on Dec. '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of ;—

(2) A. Satyanarayananamurthy  
S/o Somappa,  
Mukkamala,  
Amalapuram; E.G.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land of 0-46 Cents, in R.S. No. 439-4, K. Agraharam, Amalapuram, registered with S.R.O., Amalapuram vide document No. 6088/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

58—246GI/83

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Kamat Builders,  
Rep. : S. R. Kamath,  
B-3, Bindu Shopping Centre,  
Tilak Road,  
Bombay.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

(2) Dinkar M. Khelkar  
S/o Manik Rao Khelkar,  
1-1-524/1/A, Gandhinagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC 404/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
1-1-524/1/A situated at Gandhinagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hyderabad on Dec. '82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House 1-1-524/1/A, Gandhinagar, Hyderabad.  
SRO : Hyderabad, Document No. 8401/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Mustafa Sami,  
S/o late Shaik Ahmed Sami,  
Banjara Hills,  
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 8th August 1983

(2) Sri Mirza Hasan Ali Khan  
S/o Mirza Rasheed Ali Khan,  
Flat No. 1003, Deccan Towers,  
Bashirbagh,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC 405/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Flat 1003 situated at DECCAN TOWERS BASHIRBAGH,  
HYD.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad in Dec., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1003 Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.  
SRO : Hyderabad, Document No. 8429/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Shoukat Jahan and others  
(Transferor)
- (2) Shri Suvarnalal Ahuja, S/o Jagat Ram Ahuja,  
6-2-970 Khairatabad, Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD ((A.P.))

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 406/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-708 to 711 situated at Mojajahi Market Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 4-1-708 to 711 Mojajahi Market, Hyderabad.  
SRO: Hyderabad, Document No. 8008/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Vallabh Narayan, Upparpalli (Village), Medchel Taluk, R. R. District.  
(Transferor)
- (2) Shri Rama Rao, Yelpalle (Village) Bodhan Taluk, Nizamabad Dt.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th August 1983

Ref. No. RAC. 407.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Share situated at Bodhan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodhan in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

0-2-0 Share in Hanuman Talkies Comprising of carer and Building, one projector 35 MM and allied Machines, situated near Bodhan Bus Stand and adjoining to Prasnati Hotel. SRO : Bodhan, Document No. 5134/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Podelly Bakkaiyah, S/o Late Chinnanna, & 4 others, Nirmal.  
(Transferor)

(2) Shri Chukka Sahadev, S/o Narasimhulu, Nirmal.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 408/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy No. 1607, 1609 and 1610 situated at Nirmal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nirmal in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

3 Acres 10 Gunta land in survey No. 1607, 1609 and 1610 at Nirmal, SRO : Nirmal, Document No. 2433/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 8-8-1983  
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri V. Bhupal Reddy & Others, Hyderabad, A-Satyanarayana, Isnapur, M. Madhusudhan Rao & Others, Isnapur.

(Transferor)

(2) Raasi Cyramics Industries Ltd.,  
1-10/1/15 Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th August 1983

Ref. No. RAC. 409/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Isnapur Sangareddy Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

18 Acres 06 Gunta land in survey No. 218/1, 218/4, 218/7, 218/12, 461 and 462 at Isnapur, Sangareddy Taluk. SRO : Sangareddy, Document No. 5251/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 8-8-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Gurukul Ghatekeswara Trust, Rep by B. Kishan Lal, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) The Visveswaraya Engineers Co-op Housing Society, Rep By President K. Ravindra Reddy, Kingkoti, Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC. 410/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 46 & 47 situated at Kammameth RR Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rangareddy in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Dry Agri. land in survey No. 46 & 47 admeasuring 4 Acres 06 Gunta at Khammameth Vill. in Ranga Reddy Dist. SRO : Rangareddy, Document No. 8629/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC. 411/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Flat No. 703 situated at Srinivasa Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Srinivasa Builders,  
1-2-593/4-A, Ramachandra Mission Road,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) (1) Shri Qummer Ahmed, 19 Rabat Manzil  
(2) Naheed Ahmed 75, Veer Nariman Road,  
Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 703 in 7th floor Srinivasa Towers 'A' 6-3-1187 Begumpet, Hyderabad. SRO : Vallabhnagar Document No. 2965/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

59—246GI/83

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM TTNS

(1) M/s. Srinivasa Builders,  
6-3-1187, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Syed Fareeddin,  
6-3-1187, Begumpet Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC. 412/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Flat in 6th floor situated at Srinivasa Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat in 6th floor of Srinivasa Towers 'A' admeasuring about 1600 Sqft. at Begumpet, Hyderabad, SRO : Vallabhnagar, Document No. 2964/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sh. Y. Rami Reddy S/o Y. Ramachandra Reddy,  
Golankonda, Bhongir (TQ) Nalgonda Dist.  
(Transferor)
- (2) Smt. L. Nirmal Devi W/o L. Yadagiri Reddy,  
158/B Sanjiva Reddy Nagar, Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC. 413/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-279/429 situated at SR Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 7-1-279/429 (House No. 158/B) Sanjiva Reddy Nagar, Hyderabad, SRO : Khairatabad, Document No. 8214/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Ramakrishna Bhole Rao,  
No. 60, CP Ramaswami Road, Madras.  
(Transferor)

(2) Sri Matadeen Goel,  
3-4-856/1, Barkatpura, Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC. 414/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 129/31 situated at Barkatpura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open Plot admeasuring 868 Sq. meters in survey No. 129/31 at Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad.  
SRO : Hyderabad, Document No. 8181/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FOKAM ITNS

(1) Miss Sagarika Bhole Rao,  
No. 60 CP Ramaswami Ayyar Road, Madras-18.  
(Transferor)

(2) Smt. Chanda Devi,  
Poonam Apartments,  
Chiragalli, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No RAC. 415/83-84.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 129/31 situated at Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

An open plot admeasuring 867 Sq. mtrs. in survey No. 129/31 at Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad.  
SRO : Hyderabad, Document No. 8182/82

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Rani Lakhmi W/o Bhole Rao,  
No. 60, C. P. Ramaswami Ayyar Road, Madras-18.  
(Transferor)
- (2) Smt. Anar Devi, 3-4-856/1-Barkatpura,  
Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th August 1983

Ref. No. RAC. 416/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. B-2 situated at S No. 129/31 Road No. 12, Banjara Hills (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

An open plot No. B-2 admeasuring 868 Sqmtrs. in survey No. 129/31 in Road No. 12 Bajara Hills, Hyderabad.

SRO : Hyderabad, Document No. 8184/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri N. Kasiviswara Rao S/o Chakradhararao,  
Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The State Electricity Co-op. Circle, Staff Co-op.  
Building Society Ltd., Vijayawada-2.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC. 156/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair, market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No 192 to 6 situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Patamata, in R.S. No. 192/ to 6 area of 0-67 Cents, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document Nos. 11851, 12361/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC. 157/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 118/3A, G, B & H situated at Gollapudi, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Y. Ramayya, alias Rayappa, & Others, Gollapudi, Vijayawada, Krishna Dt (Transferor)
- (2) M/s. The Oxygen Equipment and Engineering Co., Pvt. Ltd., Sanathnagar, Hyderabad-500018. (Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Vacant land as Gollapudi, in R.S. No. 118/3-A, G, B, H, area of 7-79 Cents, registered with S.R.O., Vijayawada vide documents Nos., 12102, 12114, 12086, 12737, 12729, 12601, 12602, 12603, 12619/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC. 158/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15/2 etc. situated at Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Vijayawada in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Venkateswara Rao & Others,  
Vijayawada, Gollapudi.  
(Transferor)

(2) Shri G. Apparao, General Secretary, Vijayawada Iron & Hardware Merchants, Commercial Complex, Welfare Society, Steel Palace, Samarangam Chowk, Main Bazar, Vijayawada-520001.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—  
60—246GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at Vijayawada area of 59 Acre, in 55 Documents, registered with S.R.O., Vijayawada, during December & January 83, as under.

S. No.	Document No.	RS No.
1.	12252/82	15/2
2.	12253/82	15/2
3.	12254/82	25/1A
4.	12255/82	50/1 & 51/1
5.	12256/82	49/1
6.	12006/82	50/1 & 51/1
7.	12007/82	49/1 B
8.	12008/82	16/1 & 16/3
9.	12009/82	49/16
10.	11968/82	25/1
11.	11967/82	13/4 A
12.	11965/82	50/1 & 51/1
13.	11966/82	16/3
14.	12730/82	51/1
15.	12720/82	11
16.	1271/82	50/3
17.	12716/82	11
18.	12646/82	14/1
19.	12633/82	50/3
20.	12634/82	16/2A
21.	12635/82	15/2
22.	12636/82	50/3
23.	12640/82	49/1
24.	12641/82	11
25.	12620/82	50/1 & 51/1
26.	12621/82	15/2
27.	12618/82	11
28.	12607/82	14/2
29.	12608/82	14/2
30.	12609/82	14/2
31.	12610/82	14/2
32.	12611/82	14/2
33.	12612/82	14/2
34.	12613/82	50/2
35.	12601/82	14/2
36.	12549/82	11
37.	12550/82	50/2
38.	12477/82	49/1B
39.	12400/82	16/3
40.	12401/82	14/1B
41.	12402/82	16/1D
42.	12403/82	16/3A
43.	12404/82	14/1B
44.	12394/82	50/2
45.	12393/82	15/2
46.	12395/82	15/2
47.	12392/82	561/5
48.	433/82	14/1
49.	320/83	24/2
50.	321/82	24/2
51.	295/83	15/1
52.	93/83	15/1
53.	24/83	11
54.	25/83	51/1
55.	32/83	11

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-8-1983

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri J. Venkateswarlu, S/o Narayana, C/o Baba Medical Emporium, Park Road, Vijayawada-1.  
(Transferor)
- (2) Shri Valli Ahmed Khan, S/o Abdul Hameed Khan, C/o Pahilwan Roadlinks, Tarapet, Vijayawada-1.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC. 159/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 30-1-24 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Houses property D. No. 30-1-24, Arundalpetta, Vijayawada area of 220 Sq. yds., registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 11963/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri D. V. Subbarao, S/o Satyanarayana,  
Fort Road, Machilipatnam Krishna Dt.  
(Transferor)
- (2) T. Nagamani, D. No. 16-138/1, Old Postal Colony,  
Patamata, Vijayawada-6.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC.No. 160/83-84:—Whereas I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 16-138/1 situated at Vijayawada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering  
Officer at Vijayawada on December, 1982.  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property at D. No. 16-138/1, Old Postal colony,  
Vijayawada, area of 203-9-0 Sq. yds. registered with S.R.O.,  
Vijayawada, vide Document No. 12005/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC.No. 161/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 507 & 509 to 511 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on December, 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri. P. Rama Mohan Rao, S/o P. Sivaramaiah, & Other, Pingala Street, Suryaopeta, Vijayawada-2. (Transferor)
- (2) K. V. Subbarao, Managing Partner S. R. Estates, Tikkle Road, Labbipet, Vijayawada-10. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land of 1290 Sq. yds. near Mogalrajapuram R.S. No. 507, 509, 510, 511, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document Nos. 12012, 12013/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato : 6-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) V. Chandrasekhar, & Other, near Jenda Chettu,  
Bapu Rajendra Prasad Road, Islam Pet.  
Vijayawada-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. Ramanamma, W/o Kanakayya, D. No. 9-61-7/1,  
Bapu Rejendra Prasad Road, Islampeta,  
Vijayawada-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC No. 162/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-61-7/1 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

D. No. 9-61-7/1 at Vijayawada area of 132 Sq. yds., registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 12076/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri S. Sriharirao, Patamata Vijayawada.  
(Transferor)  
(2) Shri. K. Laxmailah, S/o. Koneru Nagaiah,  
M/P,  
M/s. Sakti Engg. Co., Vijayawada.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC.No. 163/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 180-1 situated at Enikepadu Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at S. No. 180-1, area of 1-40 Cents, registered with S.R.O.. Vijayawada, vide document No. 12154/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC.No. 164/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 12-2-294 situated at Vijayawada  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer  
at Vijayawada in December, 1982  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri. I. Hussain Ahmed, S/o. Shree Nooruddin,  
G. P. Holder Sri A. Ramulu, S/o Narauanarao,  
Tarapeta, Vijayawada Krishna Dt.  
(Transferor)
- (2) B. Venkateswaralu, S/o Mallayya, Malligarjuna  
peta, Vijayawada.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

D. No. 12-2-294, 5th Block, T. S. No. 505, Asst. No.  
9382. Tarapeta, Vijayawada-area of 100 Sq. yds, registered  
with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 12246/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 6-8-1983,  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) V. Suryaprakasharao, S/o. Gangarao,  
Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) V. Subhash Chandra Bose, S/o Krishnamurthy,  
40-9-11, Labbipeta, Vijayawada.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC.No. 165/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 40-9-11 situated at Labbipeta Vijayawada  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vijayawada on December, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

House property at D. No. 40-9-11 T. S. No. 145/2, Labbi-  
peta, Vijayawada area of 197-6-0-, Sq. yds, registered with  
S.R.O., Vijayawada, vide document No. 12527/82.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-8-1983,  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Attili Apparao, S/o. Sitaramaswamy,  
Secunderabad.  
(Transferor)
- (2) P. Karuna Devi, W/o Venkateswarlu, Vidhyadharapuram, Vijayawada.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC. No. 165/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-4-4-situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

D. No. 1-4-4 Ramakotinagar, Block No. 2, Asst. No. 652, Vidhyadharapuram, Vijayawada, area of 417 Sq-yds. registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 12583/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-8-1983.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

61—246GI/83

## FORM ITNS

- (1) R. Prabhavathi, W/o. Radhakrishna Murthy,  
Patamata, Vijayawada.  
(Transferor)
- (2) Abdul Hafeez, S/o. Abdul Vaheed, Labbipeta,  
Vijayawada.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC No. 167/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-175 situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on December, 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property at D. No. 1-175 patamata, Vijayawada, area of 754-65 Sq. yds, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 12362/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-8-1983.  
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) A. Manmadha, W/o Venkataratnam, Labbipeta,  
Vijayawada.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Seshagirirao, S/o. Venkata Subbayya, President  
Incon. Co-op. House Building Society Ltd., Vijayawada-2.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Ref. No. RAC.No. 168/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. T.S. 116 situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Vijayawada on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Site of 3516 Sq. vds, T.S. No. 116, at Patamata, Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 12687/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Ch. Venkateswararao & 28 others, Gollapudi,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) G. M. Ramamohanarao, S/o. Veeragaghavarao,  
President, The Bank Employees Co-op. Building  
Society I td., Vijayawada.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC. 169/83-84.—Whereas I,  
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 12/1 situated at Bhavanipuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada, in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Bhavanipuram near Vijayawada, in R.S. No. 12/1 area of 8-90 Cents, registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 12644/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri. Jamuna Prasad.

(Transferor)

(2) Smt. Kanti Agarwal.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th August 1983

G.I.R. No. K-119/Acq.—Whereas I,  
 A. PRASAD,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Arazi Khasra No. 557 & 558  
 situated at Surkha Bankhana, Bareilly  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly in 31-1-1983  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Arazi Khasra Nos. 557 and 558, measuring 12 Biswa situated at Manz—Surkha Bankhana Chawni, Teh. Pargana and District—Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6327, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 31-1-1983.

A. PRASAD,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1983  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Prasanta Chaudhuri & Ors.  
15/1A, Jhamapukur Lane, Cal.-9.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1983

Ref. No. RAC. 24/Acq. R-II/Cal./83-84.—Whereas I,  
S. K. CHAUDHURI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1A,  
situated at Karim Bux Row, Calcutta-24-Pgs. P.S. Chitpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at R.A., Calcutta in 14-12-82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Area—3 Cottahs 13 Chittaks 37 sq. ft.  
Premises No. 1A, Karim Bux Row, Calcutta, P.S. Chitpur.  
Deed No. 10698 of 1982.

S. K. CHAUDHURI.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 10-8-83  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

(1) Anil Kumar Hirjee (HUF).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Amarjyoti Investment Co. Ltd.

(Transferee)

(3) Nirmal Kumar Lohia &amp; Smt. Sumitra Devi Singhania.

(Person in occupation).

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 15th August 1983

Ref. No. TR-302/82-83/Sl. 759/IAC/Acqn.R-I/Cal.—  
Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 situated at Wood Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at S.R.A. Calcutta in 8-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land building measuring 1B-13Ch-22S. ft. of 9, Wood Street, Calcutta.

Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 10549 dated 8-12-83.

M. AHMAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I. Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Khurshed Framji Dustoor & Ors. (Transferor)  
 (2) Mohd. Gulzar. (Transferee)  
 (3) Safiur Rahaman & Ors. (Person in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th August 1983

Ref. No. TR-278 /82-83/SI. 760 IAC/Acq.R-I/Cal.—  
 Whereas I, S. K. CHAUDHURI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 9, situated at  
 Grants Lane, Calcutta  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta in 18-12-82  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Partly two and Partly three storied building at premises No. 9, Grants Lane, Calcutta with land measuring 6 cottahs. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 10920 dated 18-12-82.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S. K. CHAUDHURI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date : 11-8-83  
 Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Swapna Kumar Dutta & Ors. (Transferor)  
 (2) Uttam Jain. (Transferee)  
 (3) Pannalal Brothers & Ors. (Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th August 1983

Ref. No. 289/82-83/SI. 761/Acqn.R-I/Cal.—  
 Whereas I, S. K. CHAUDHURI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
 movable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and  
 bearing No. 13  
 situated at Robert Street, Calcutta  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering officer at  
 R.A. Calcutta in 10-12-82  
 for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the  
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
 consideration and that the consideration for such transfer  
 as agreed to between the parties has not been truly stated in  
 the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
 able property, within 45 days from the date of  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in premises No. 13, Robert Street,  
 Calcutta with land measuring 7 Cottah's. Registered before  
 the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 10640  
 dated 10-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

62—246GI/83

Date : 11-8-83  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Swapen Kumar Dutta & Ors. (Transferor)  
 (2) Smt. Kiran Begawani. (Transferee)  
 (3) Pannalal Brothers & Ors. (Person in occupation)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th August 1983.—

Ref. No. TR-286/82-83/SI. 762 IAC/Acq R-I/Cal.—  
Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13,  
situated at Robert Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at R.A. Calcutta in 10-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th Share in premises No. 13, Robert Street, Cal. with land measuring 7 Cottahs. Registered before the Registrar of Assurances, Cal, vide deed No. 10637 dated 10-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date : 11-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Swapna Kumar Dutta &amp; Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th August 1983

Ref. No. TR-287/82-83/Sl. 763/IAC/Acqn.R-I/Cal.—  
 Whereas .. I, S. K. CHAUDHURI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 bearing No. 13, situated at Robert St., Calcutta  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. A. Calcutta in 10-12-1982  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of:—

(2) Gautam Jain.

(Transferee)

(3) Pannalal Brothers &amp; Ors.

(Person in occupation)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of  
 30 days from the service of notice on the respective  
 persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer,  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 ('1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in premises No. 13, Robert St.,  
 Calcutta with land measuring 7 Cottahs. Registered before  
 the Registrar of Assurances, Cal., vide deed No. 10638 dated  
 10-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

Date : 11-8-83  
 Seal :

## FORM I T N S.—

- (1) Swapna Kumar Dutta & Ors. (Transferor)  
 (2) Ashoke Jain. (Transferee)  
 (3) Pannalal Brothers & Ors. (Persons in occupation).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th August 1983

Ref. No. TR-288/82-83 /Sl. 764/IAC/Acqn.R-1/Cal.—  
 Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13,

situated at Robert Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta in 10-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in premises No. 13, Robert St., Calcutta with land measuring 7 Cottahs. Registered before the Registrar of Assurances, Cal. vide deed No. 10639 dated 10-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-83  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Kali Durga Estate.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) West Bengal Cement Dealers Association.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1983

Ref. No. TR-298/82-83/SI. 765/IAC/Acqn.R-I/Cal.—  
 Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop room No. 3A, 158, situated at Lenin Sarani, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 6-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One shop Room No. 3A on 3rd floor at premises No. 158, Lenin Sarani, Calcutta, Flat Area—320 S. ft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 10505 dated 6-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 8-8-83  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Sri Nilmoni Dutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1983

Ref. No. TR-279 /82-83/Sl. 766 /IAC/Acqn.R-I/CAL.—  
 Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property,  
 having a fair market value exceeding Rs.  
 25,000/- and  
 bearing No. 46/24B,  
 situated at Surendra Nath Banerjee Road, Calcutta  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred  
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this office  
 of the Registering  
 Officer at R.A., Calcutta in 18-12-82  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen percent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(2) Smt. Malati Auddy.

(Transferee)

(3) Akhilesh Dutta &amp; Ors.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;  
**and/or**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One Cottah four Chittaks of land together with a three storied building thereon at 46/24B, S.N. Banerjee Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 10912 dated 18-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8.8.83  
 Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sri Kamal Krishna Dutta. (Transferor)  
 (2) Smt. Tapati Rani Auddy. (Transferee)  
 (3) Kanailal Dutta & C.s. (Persons in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1983

Ref. No. TR-280/82-83/SI. 767 /IAC/Acqn.R-I/Cal.—  
 Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing

No. 4624A  
 situated at Surendra Nath Banerjee Road, Calcutta  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer  
 at R.A., Calcutta on 18-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property  
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,  
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
 following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XVA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

## THE SCHEDULE

1K-4Ch of land together with three storied building at 46/  
 24A, S. N. Banerjee Road, Calcutta, registered before the  
 Registrar of Assurances, Calcutta, vide deed No. 10909 dated  
 18-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I,  
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Calcutta-16.

Date : 8-8-83  
 Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta. the 10th August 1983

Ref. No. TR-291/82-83/SI. 768 /IAC/Acqn.R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 157/C, situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 8-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Jayanta Nath Ghosh. (Transferor)
- (2) Himadri Saha. (Transferee)
- (3) Many tenants. (Persons in occupation of the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/3rd share or interest in premises No. 157/C, Lenin Sarani, Calcutta with the land measuring 19-K-15Ch-36 s. ft., registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 10582 dated 8-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-83  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Jayanta Ghosh,  
(Transferor)
- (2) Smt. Gaytri Saha.  
(Transferee)
- (3) Many tenants.  
(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1983

Ref. No. TR-292 /82-83 /Sl. 769 /IAC/Acqn.R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 157/A, Lenin Sarani, situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A., Calcutta on 8-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share or interest in premises No. 157/C, Lenin Sarani, Calcutta with land measuring 19K-15Ch-36 s. ft., registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide deed No. 10583 dt. 8-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
-63—246GI/83

Date : : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jayanta Nath Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Indra Bhushan Saha.

(Transferee)

(3) Many tenants.

(Persons in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TR-293/82-83 /Sl. 770/IAC/Acqn. R-I/Cal.—  
 Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 157/B, situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N.A., Calcutta on 8-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/3rd share or interest in premises No. 157/B, Lenin Sarani, Calcutta with land measuring 19K-15 Ch-36s. ft., registered before the Registrar of Assurances, Cal. vide deed No. 10584 dt. 8-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-83  
 Seal :-

## FORM ITNS

(1) Smt. Charulata Roy Chowdhury.  
Srl. Bhaskar Roy Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ranjan Kumar Chatterjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th August 1983

Ref. No. 1316/Acq. R-III/83-84.—

Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 63 situated at Sambunath Pandit Street, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 20-12-1982,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/2 share of land together with partly  
one and partly two storeyed building, regd. before the Re-  
gistering Authority, Calcutta, vide Deed No. 10962 dated  
20-12-1982.

Being premises No. 63, Sambunath Pandit Street, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Charulata Roy Chaudhury,  
Sri Bhaskar Roy Chaudhury.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bratasri Chatterjee.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th August 1983

Ref. No. 1317/Acq.R-III/Cal/83-84.—  
Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 63 situated at Sambhunath Pandit Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 20-12-1982,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/2 share of land together with partly one and partly two storeyed building regd. before the R.A. Calcutta, vide Deed No. 10961, dated 20-12-1982.

Being premises No. 63, Sambhunath Pandit Street, Calcutta, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Abdul Ali Hoosenibhoy Khairella & Others.  
(Transferor)(2) M/s Coalite Chemicals Pvt. Ltd.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th August 1983

Ref. No. 1318/Acq.R-III/Cal/83-84.—

Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 situated at Garstin Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4k—15ch.—28 sq. ft. together with building being Premises No. 5, Garstin Place, Calcutta, regd. before, R.A., Calcutta vide deed No. 10537 dated 7-12-1982.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Babi Dutta.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Banerjee.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1319/Acq. R-III/Cal/1983-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-264-A, (Flat) situated at Jatin Bagchi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 9-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that flat at P-264 A, Batin Bagchi Road, Calcutta, having Covered area 700 sq. ft., registered before D.R., Alipur, vide Deed No. 6853 dated 9-12-1982.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-8-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Sri Prafulla Chaudhury.

(Transferor)

(2) Abhilasha Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1983

Ref. No. 1315/Acq. R-III/Cal/83-84.—Whereas, I,

S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58-A situated at N.C. Chaudhury Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 6k-8ch-situate & lying at being premises No. 58-A, N.C. Chaudhury Road, Calcutta Regd. before R.A. Calcutta, vide deed No. 10834 dated 16-12-82.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Radha Devi Agarwal—No. 8, Madan Mohan Burman St., Calcutta-7.  
(Transferor)
- (2) Sri Sushil Kumar Agarwal—12-B, Russel Street, Calcutta-71.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 11th August 1983

Ref. No. AC-41/Acq.R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40 & 40/2 situated at 'A' Road, Dt. Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 9-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land : 10 cottahs, 15 chittaks, 15 sq. ft. land with building. Address : 40 & 40/2, 'A' Road, Bamungachi, P.S. Luluah, Dt. Howrah Deed No. 10608 of 1982.

S. K. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-8-1983.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Chandar Arora &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Devendra Kumar Bubna &amp; Ors.

(Transferee)

(3) Kanoria Chemicals &amp; Industries Ltd.

(Persons in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Calcutta, the 16th August 1983

Ref. No. C.A. No. 1/82-83/Sl. 771/IAC/Acq.R-I/Cal.—  
 Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1D at Gem House situated at 5B, Russel Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Competent Authority I.A.C. ACQ R-I/Cal on 24-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 1D, at Gem House, 5B, Russel Street, Calcutta consisting of total 1618 Sq. ft. super built area in Multi Storied building. Registered before the Competent Authority, Calcutta vide Sl. No. 1 dt. 24-12-1982.

S. K. CHAUDHURI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III  
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 16-8-83  
 Seal :

